RNI NO. UPHIN/2010/36547
वर्ष 11 अंक 200
लखनऊ, बुधवार, 12 मई, 2021
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
लखनऊ संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

मैं अपने बच्चों के साथ खुश हूं : जोली
विविध-12

www.dailypioneer.com

आफत के बीच आई राहत

देशभर में कोविड-19 के उपचाराधीन रोगियों की संख्या में 24 घंटे के दौरान 30,016 की कमी

● संक्रमण के 3,29,942 नए मामले आए सामने, 3,876 लोगों की मौत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रयागराज में कोरोनारोधी टीका लगवाने के लिए लाइन में खड़े लोग

केन्द्र सरकार ने मंगलवार को कहा कि देश में कोविड-19 के नए मामलों और संक्रमण से होने वाली मौतों में कमी आने का शुरुआती रुझान दिखने लगा है जो संकेत है कि महामारी की घातक दूसरी लहर धीरे-धीरे मंद पड़ रही है। सरकार के अनुसार, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और छत्तीसगढ़ उन 18 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में शामिल हैं जहां कोविड-19 के रोजाना आ रहे नए मामलों में कमी आ रही है। देश में 24 घंटे के दौरान उपचाराधीन रोगियों की संख्या में 30,016 की कमी आई है, जिसके बाद मरीजों की संख्या मंगलवार को घट कर 37,15,221 हो गई है।

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा कि 61 दिनों में पहली बार ऐसा हुआ है कि संक्रमण मुक्त हुए लोगों की संख्या नए संक्रमितों की संख्या से अधिक रही। देश में अब तक संक्रमित पाए गए लोगों में से 16.16 प्रतिशत का फिलहाल इलाज चल रहा है।

संवाददाता सम्मेलन में एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और पंजाब उन 16 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में से हैं जहां जहां रोजाना आ रहे कोविड-19 के नए मामलों में वृद्धि हो रही है। सरकार ने बताया कि 13 राज्य ऐसे हैं जहां कोविड-19 के उपचाराधीन रोगियों की संख्या एक-एक लाख से ज्यादा है और 26 राज्य ऐसे हैं जहां संक्रमण की दर 15 प्रतिशत से ज्यादा है। देश में कोरोना वायरस संक्रमण की दूसरी लहर में विकराल रूप ले लिया है, हालांकि रोजाना आने वाले नए मामलों और संक्रमण से होने वाली मौतों में कमी आ रही है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा मंगलवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, देश में 14 दिनों के बाद संक्रमण के नए मामलों की संख्या घटकर 3.29 लाख रह गई है। वहीं अभी तक कुल 2,29,92,517 लोगों के संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। मंत्रालय द्वारा सुबह आठ बजे तक प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, पिछले 24 घंटों में संक्रमण के 3,29,942 नए मामले आए हैं, वहीं कोविड-19 से 3,876 लोगों की मौत हुई है। देश में अभी तक कुल 2,49,992 लोगों की मौत संक्रमण से हुई है। मंत्रालय के अनुसार कुल उपचाराधीन रोगियों में से 81.68 प्रतिशत रोगी कर्नाटक, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, केरल, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, राजस्थान, आंध्र प्रदेश, गुजरात, तमिलनाडु, छत्तीगढ़, हरियाणा, बिहार, मध्य प्रदेश में हैं। मंत्रालय ने कहा कि देश में उपचाराधीन रोगियों में से 24.44 प्रतिशत रोगी बेंगलुरू शहर, पुणे, दिल्ली, एर्नाकुलम, नागपुर, अहमदाबाद, त्रिशूर, जयपुर, कोझीकोड़ और मुंबई में हैं। मंत्रालय के अनुसार महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, राजस्थान, आंध्र प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली में एक दिन में कोविड-19 के 3,29,942 मामले सामने आए हैं, जो कुल नए मामलों का 69.88 प्रतिशत हैं।

कर्नाटक में एक दिन में सबसे अधिक 39,305 नए मामले सामने आए हैं। इसके अलावा महाराष्ट्र में 37,236 और तमिलनाडु में 28,978 मामले सामने आए।

प्रदेश में 29,358 मरीज स्वस्थ 20,463 नए केस सामने आए

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश में मंगलवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 20,463 नए मामले आए और 306 मरीजों की मौत हो गई। उत्तर प्रदेश में पिछले 24 घंटे में 20,463 नए मरीज आने के बाद कुल मामले 15,45,212 पहुंच गए हैं जबकि राज्य में 306 और मौतें होने से कोरोना संक्रमण से मरने वालों की संख्या 16,043 हो गई है। पिछले 24 घंटों में बीमारी से 29,358 मरीज स्वस्थ होकर घर गए हैं और इसके साथ ही, राज्य में कुल 13,13,112 कोरोना मरीज संक्रमण मुक्त हुए हैं। अपर मुख्य सचिव (स्वास्थ्य) अमित मोहन प्रसाद ने मंगलवार को पत्रकारों से कहा कि राज्य में पिछले दस दिनों में कोरोना संक्रमितों की संख्या में 94 हजार से अधिक की कमी आई है। यहां जारी स्वास्थ्य बुलेटिन के अनुसार, राज्य में पिछले 24 घंटे में लखनऊ में अधिकतम 23 मौतें हुई हैं जिसके बाद कानपुर में 16, मेरठ में 15, झांसी और गौतमबुद्ध नगर में 12-12, आगरा और आजमगढ़ में 11-11, बस्ती में 10 तथा वाराणसी में आठ मुत्यु हुई हैं। वहीं मेरठ में सबसे ज्यादा 1,368 नए मामले आए हैं। इसके बाद गौतमबुद्ध नगर में 1,229 और लखनऊ में 1,154 मरीजों की पुष्टि हुई है।प्रसाद ने कहा कि उत्तर प्रदेश में इस समय कोरोना के कुल 2,16,057 मरीज इलाज करा रहे हैं। प्रसाद ने दावा किया कि अब तक राज्य में 4.34 करोड़ से अधिक नमूनों का परीक्षण किया जा चुका है जिनमें से सोमवार को 2.33 लाख से अधिक नमूनों की जांच की गई है।

कोई कमी दिखे तो सुझाव दें, आलोचना का यह समय नहीं: राजनाथ सिंह

● जीवन और जीविका दोनों को बचाने का कार्य कर रही केंद्र और प्रदेश सरकार: योगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड और प्रदेश राज्य सरकार के सहयोग से हज हाउस में बने कोविड अस्पताल का निरीक्षण करते केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अपने एक दिवसीय के दौरे पर मंगलवार को लखनऊ पहुंचे और हज हाउस में बने हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड और प्रदेश राज्य सरकार के सहयोग से निर्मित 255 बिस्तरों वाले कोविड अस्पताल के संचालन की शुरुआत की। वहीं उन्होंने अवध शिल्पग्राम में रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन द्वारा निर्मित 505 बिस्तर वाले अटल बिहारी वाजपेयी कोविड अस्पताल का निरीक्षण भी किया। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि यह केंद्र की मोदी सरकार के प्रयासों का ही परिणाम है कि आज जब भारत में कोविड का संकट गहरा रहा है तो भारत की मदद करने के लिए दुनिया भर के देश आगे आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोविड को एक चुनौती की तरह लिया है और इसे नियंत्रित करने के लिए हरसंभव प्रयास किया जा रहा है।

राजनाथ सिंह जब चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट पहुंचे तो वहां बने लाउंज में उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सिंह के साथ यूपी में कोविड से निपटने के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी लेते हुए योगी सरकार की तारीफ भी की।

उन्होंने कहा कि इस संक्रमण काल में अगर किसी को कोई कमी दिखाई देती है और कोई भी सुझाव देता है तो इसका केंद्र और प्रदेश सरकार स्वीकार करेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुनियाभर में जो राजनयिक संबंध बनाए हैं, आज उसी का परणिाम है कि जब भारत पर संक्रमण काल हैं तो सभी मदद को तैयार हैं। राजनाथ ने कहा कि कोरोना महामारी की रोकथाम के लिए प्रदेश सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदम सराहनीय हैं। इसके लिए सीएम योगी आदित्यनाथ ने जो कदम उठाए हैं उसकी जितनी प्रशंसा की जाए कम है। मुख्यमंत्री ने बेहतरीन काम किया है। उन्होंने संक्रमण के कारण जिनकी जाने गई हैं उनके परिजनों को संवेदना भी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि कोविड-19 को नियंत्रित करने के लिए किए जा रहे प्रदेश सरकार के प्रयासों की विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी सराहना की है। जो कि छोटी बात नहीं है। प्रदेश सरकार द्वारा कोविड-19 की चुनौती का पूरी जिम्मेदारी से सामना किया जा रहा है। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हर व्यक्ति का जीवन अमूल्य है। ऐसे में प्रत्येक व्यक्ति का जीवन और जीविका दोनों को बचाने का कार्य केंद्र और प्रदेश सरकार द्वारा युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। (शेष पेज 9)

नड्डा का सोनिया पर कड़ा प्रहार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● पत्र लिखकर महामारी के दौरान लोगों को गुमराह करने, भय पैदा करने का लगाया आरोप

● कांग्रेस ने कहा, संकट के समय हमने विपक्ष होने का राजधर्म निभाया, भाजपा ने अहंकार दिखाया

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मंगलवार को कांग्रेस पर कोविड-19 के खिलाफ जारी देश की लड़ाई में लोगों को गुमराह करने और भय का झूठा माहौल पैदा करने का आरोप लगाया और कहा कि संकट के इस दौर में राहुल गांधी सहित उसके नेताओं के व्यवहार को छल कपट और ओछेपन के लिए याद किया जाएगा। नड्डा ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को लिखे चार पन्नों के एक पत्र में यह आरोप लगाए हैं।

ज्ञात हो कि सोमवार को कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक हुई थी जिसमें कोविड-19 प्रबंधन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कड़ी आलोचना की गई थी। दूसरी कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता अजय माकन ने पलटवार करते हुए कहा कि नड्डा और केंद्र सरकार को अहंकार त्यागकर इस वक्त देशवासियों की जान बचाने पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहाकि कोरोना महामारी के संकट के समय उसने सरकार को आगाह करके और अच्छे सुझाव देकर विपक्ष होने का राजधर्म निभाया, लेकिन सत्तापक्ष की तरफ से सिर्फ अहंकार दिखाया गया है।

भाजपा अध्यक्ष ने कांग्रेसी मुख्यमंत्रियों सहित पार्टी के अन्य नेताओं पर टीकों को लेकर असमंजस की स्थिति पैदा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह स्थिति ऐसे समय में पैदा की गई जब देश संकट से जूझ रहा है और वह भी सदियों में एक बार आने वाली महामारी से। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विज्ञान में अटूट विश्वास, नवोन्मेष को समर्थन, सहकारी संघवाद के साथ वैश्विक महामारी से निपटा जा रहा है। नड्डा ने कहा कि वह संकट के इस काल में कांग्रेस के रवैए से दुखी हैं लेकिन आश्चर्यचकित नहीं हैं। कांग्रेस की शीर्ष नीति निर्धारण इकाई कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) ने देश में कोरोना महामारी की गंभीर स्थिति पर चिंता प्रकट करते हुए सोमवार को कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपनी गलतियां स्वीकार करना चाहिए और इस महामारी से लड़ने के लिए पूरी तरह समर्पित होना चाहिए। सीडब्ल्यूसी की डिजिटल बैठक में पारित प्रस्ताव में यह आरोप भी लगाया गया था कि केंद्र सरकार ने कोरोना महामारी के खिलाफ लड़ाई में अपनी जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ लिया तथा टीकाकरण एवं दूसरे कदमों का पूरा उत्तरदायित्व राज्यों पर छोड़ दिया।

भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने कोविड के मामलों के बढ़ने के बावजूद बड़ी बड़ी चुनावी रैलियों के लिए तथा सेंट्रल विस्टा परियोजना के जारी निर्माण कार्य के लिए अपनी पार्टी की हो रही आलोचनाओं के मद्देनजर भी कांग्रेस पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि पहले लॉकडाउन का विरोध कर और फिर इसकी मांग कर कांग्रेस अपना भला नहीं कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने दूसरी लहर से संबंधित केंद्र की सलाहों को नजरअंदाज किया।

जम्मू-कश्मीर में मुठभेड़ में तीन आतंकवादी मारे गए

पायनियर समाचार सेवा। श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में मंगलवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा के तीन आतंकवादी मारे गए। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा बलों ने जिले में कोमेरनाग के वाइलू में आतंवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद इलाके को घेर लिया और तलाशी अभियान चलाया।

अधिकारी ने कहा, तलाशी अभियान के दौरान आतंकवादियों की मौजूदगी का पता चलने पर उन्हें आत्मसमर्पण करने का अवसर दिया गया, लेकिन उन्होंने संयुक्त तलाश दल पर अंधाधुंध गोलीबारी की। बलों ने जवाबी कार्वाई की और मुठभेड़ शुरू हो गई। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों के संयुक्त दल ने गोलीबारी के दौरान फंसे सभी आम नागरिकों को बचाया और इलाके से लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए अभियान को कुछ देर रोक दिया। (शेष पेज 9)

कोरोना प्रबंधन पर डब्ल्यूएचओ ने योगी सरकार को सराहा

● दस हजार घरों तक पहुंच विश्व स्वास्थ्य संगठन ने देखा कोविड मैनेजमेंट का योगी माडल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ में कोरोना संक्रमण रोकने के लिए सेनेलाइजेशन करता कर्मचारी

योगी सरकार के कोविड प्रबंधन पर एक बार फिर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने मुहर लगा दी है। ग्रामीण इलाकों में राज्य सरकार के कोरोना के माइक्रो मैनेजमेंट का डब्ल्यूएचओ भी कायल है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अपनी वेबसाइट पर यूपी सरकार के कोविड प्रबंधन की खुल कर तारीफकी है।

डब्ल्यूएचओ ने यूपी के ग्रामीण इलाकों में कोरोना को रोकने के लिए चलाए जा रहे महाभियान की चर्चा करते हुए अपनी रिपोर्ट में बताया है कि राज्य सरकार ने किस तरह से 75 जिलों के 97941 गांवों में घर घर संपर्क कर कोरोना की जांच करने के साथ आइसोलेशन और मेडिकल किट की सुविधा उपलब्ध कराई। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने योगी सरकार के कोविड मैनेजमेंट को धरातल पर परखने के लिए यूपी के ग्रामीण इलाकों में 10 हजार घरों का दौरा किया । डब्ल्यू एचओ की टीम ने खुद गांवों में कोविड मैनेजमेंट का हाल जाना। कोरोना मरीजों से उनको मिल रही चिकित्सीय सुविधाओं के बारे में पूछताछ की। इतना ही नहीं विश्व स्वास्थ्य संगठन के विशेषज्ञों ने फील्ड में काम कर रही दो हजार सरकारी टीमों के काम काज की गहन समीक्षा भी की है।

डब्ल्यूएचओ ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि किस तरह यूपी के ग्रामीण इलाकों में किस तरह योगी सरकार ने सामुदायिक केंद्रों, पंचायत भवनों और स्कूलों में कोरोना मरीजों की जांच और इलाज की सुविधा दे रही है। (शेष पेज 9)

बाजार

सेंसेक्स	49,162	↓	340	
निफ्टी	14,851	↓	92	
सोना	47,308	↓	212	/10g
चांदी	70,646	↓	973	/kg

क्विक न्यूज

अग्रिम आदेशों तक यूपी टीईटी 2020 स्थगित

लखनऊ। कोरोना संक्रमण के चलते राज्य सरकार ने उत्तरप्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्ष 2020 को अग्रिम आदेशों तक के लिए स्थगित कर दिया है। इस बाबत शासन स्तर पर विशेष सचिव आर बी सिंह के स्तर से जारी आदेश में कहा गया है कि कोरोना संक्रमण को देखते हुए 15 मार्च को जारी यूपी टीईटी के परीक्षा कार्यक्रम को स्थगित कर दिया गया है। जारी आदेश में कहा गया है कि परीक्षा के बावत कोरोना संक्रमण के चलते परीक्षा की तिथि और परीक्षा कार्यक्रम को लेकर निर्णय परिस्थितियों के आधार पर लिए जाएंगे।

ग्रामीण डरे, तो महिला तहसीलदार ने कराया वृद्धा का अंतिम संस्कार

आशा

दीपक उप्रेती। नई दिल्ली

● सीकर में कोरोना के भय से शव के पास भी नहीं गए समुदाय के लोग, अधिकारी हिम्मत दिखाते हुए शव ले गईं श्मशान

यदि आप संकट से दो-दो हाथ करने का माद्दा रखते हैं तो कठिन से कठिन समय में भी आशा की छोटी किरण दिख ही जाती है। कोविड-19 के बुरे वक्त में ऐसी ही कहानियां हर रोज सामने आ रही हैं। राजस्थान के सीकर जिले के एक गांव में जब समुदाय के लोगों ने बुजुर्ग महिला सायार कंवर की कोरोना से संदिग्ध मौत के बाद उसके दाह संस्कार में परिवार की मदद करने से मना कर दिया। यही नहीं, बुजुर्ग महिला के पति को भी उसके षव से दूर रहने को कहा।

इसका कारण भी था। कोरोना मरीज के अंतिम संस्कार के बाद कोविड-19 से 15 अप्रैल के बाद 21 दिनों में 21 लोगों की मौत हो गई। इसके बाद से सीकर जिले के लोगों में भय का माहौल है। बुजुर्ग महिला के शव के अंतिम संस्कार के बहिष्कार की जानकारी के बाद सीकर की तहसीलदार रजनी यादव ने मदद करने का फैसला किया। उन्होंने तत्काल निर्णय लेते हुए पीपीई किट पहनकर खुद महिला के अंतिम संस्कार की व्यवस्था कराने पहुंचीं। रजनी यादव ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधिकारी से श्मसान घाट तक ले जाने के लिए एंबुलेंस की व्यवस्था करने का अनुरोध किया। जब एंबुलेंस दो घंटे तक नहीं पहुंची तब वह पास के क्षेत्र में वाहन खोजने में जुट गईं।

कुछ मेहनत के बाद तहसीलदार को दाहोद गांव में एक निजी वाहन मिला, जिससे महिला के शव को श्मसान घाट तक ले जाया गया। आसपास के बाजार बंद होने और किसी के नहीं होने के कारण उन्होंने अकेले ही श्मशान घाट पर अंतिम संस्कार की तैयारी की। (शेष पेज 9)

लंबे समय तक आईसीयू में रहने से हो रहे बीमार

निराशा

राकेश सिंह। नई दिल्ली

● चिकित्सा उपकरणों और माहौल का लोगों पर हो रहा बुरा असर

जानलेवा बीमारियां अक्सर मरीजों को निराशा की तरफ धकलेती हैं। अस्पतालों से हर दिन आने वाली रिपोर्टों से पता चलता है कि कोविड -19 के हर मरीज को अलग तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आईसीयू या एचडीयू में कोरोना वायरस से पीड़ित मरीजों का इलाज करने के लिए लंबे समय तक रहने वाले लोगों पर भी इसका असर हो रहा है। आईसीयू या एचडीयू में लंबे समय तक तमाम चिकित्सा उपकरण, जिसमें ऑक्सीजन, हृदय की धड़कन, पल्स मीटर के बीच रहने के कारण मरीज, चिकित्सक और स्वास्थ्यकर्मी अनिद्रा के शिकार हो रहे हैं। स्वास्थ्य चिंताओं के उतार-चढ़ाव, इलाज की अनिश्चितता के साथ मन में उठने वाले नकारात्मकता से निराशा में डूबे रोगियों की संख्या बढ़ रही है।

कानपुर के हैलट अस्पताल जो लाला लाजपत राय अस्पताल के रूप में विख्यात है, इसके आईसीयू निराशा के मामले सामने आए हैं। इस तरह के मरीज, डॉक्टर, स्वास्थ्यकर्मी में भाग लेने वालों को ठीक से जवाब नहीं देते हैं। जब दवा या भोजन देने का प्रयास किया जाता है तो उनमें से कुछ को गुस्सा आता है। कुछ पीड़ित को बहुत गुस्से का प्रदर्शन करते हैं और ऐसे मरीजों डिप्रेशन समाप्त करने वाली दवा दी जाती है। रिपोर्ट के मुताबिक ऐसे कई मरीज कम उम्र के होते हैं और जिनको लगातार यहां काम करना होता है। (शेष पेज 9)

एएमयू में एक और शिक्षक की कोरोना से मौत

पायनियर समाचार सेवा। अलीगढ़, लखनऊ

● मुख्यमंत्री योगी ने कुलपति से की वार्ता

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) में कोरोना संक्रमण से होने वाली मौतों का सिलसिला जारी है। एएमयू के जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के चिकित्सा विभाग के प्रोफेसर शोएब जहीर (56) का कोविड-19 से निधन हो गया। परिवार के सदस्य के अनुसार, प्रोफेसर जहीर का निधन दिल्ली के एक अस्पताल में हुआ। एएमयू के प्रवक्ता ने बताया कि इसके साथ ही अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय ने पिछले तीन सप्ताह में कोविड -19 के संक्रमण से 17 सेवारत वरिष्ठ संकाय सदस्यों को खो दिया है। इस बीच उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के कुलपति से फोन पर वार्ता कर विश्वविद्यालय के मेडिकल कॉलेज में भर्ती मरीजों तथा वहां कार्यरत चिकित्सकों एवं अन्य कार्मिकों के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। मंगलवार को यहां जारी सरकारी बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने एएमयू में कुछ चिकित्सकों एवं कर्मचारियों के कोरोना संक्रमित होने की खबरों का संज्ञान लेकर कुलपति से वार्ता की। मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्वविद्यालय के परिसर में बड़ी संख्या में लोग रहते हैं, इन्हें कोविड संक्रमण से सुरक्षित रखने के लिए सभी उपाय किए जाना आवश्यक है। योगी ने कहा कि कोरोना संक्रमण से बचाव में टीकाकरण की महत्वपूर्ण भूमिका है और वर्तमान में 18 से 44 वर्ष आयु वर्ग का टीकाकरण भी प्रारम्भ हो गया है। (शेष पेज 9)

हर संदिग्ध व्यक्ति की करें एंटीजन जांच: योगी

विशेषज्ञों के आकलन के मद्देनजर सभी जिलों में बच्चों के स्वास्थ्य सुरक्षा के विशेष इंतजाम करने के निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना संक्रमण पर काबू पाने के लिये मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लक्षणयुक्त और संदिग्ध हर व्यक्ति की एंटीजन जांच करने के निर्देश दिये हैं। इसके साथ ही सीएम ने आरआरटी टीम की संख्या बढ़ाई जाने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा है कि कहा है कि हर जिला अस्पताल में न्यूनतम 10-15 बेड और मेडिकल कॉलेज में 25-30 बेड की क्षमता वाले पीडियाट्रिक आईसीयू को तैयार कराया जाए। मंडल मुख्यालय पर न्यूनतम 100 बेड का पीडियाट्रिक आईसीयू होना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने मंगलवार को टीम-9 के साथ बैठक में यह निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञों के आकलन के मद्देनजर सभी जिलों में बच्चों के स्वास्थ्य सुरक्षा के विशेष इंतजाम करने की आवश्यकता है। इस उद्देश्य से सभी जिला अस्पतालों में आवश्यक चिकित्सकीय उपकरण, मेडिसिन आदि की उपलब्धता करा ली जाए। इस संबंध में चिकित्सकों व अन्य स्टाफका प्रशिक्षण कराया जाए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कोरोना संक्रमण की रोकथाम के राज्य सरकार के प्रयासों को सफलता मिल रही है। प्रदेश में संक्रमण की पाजिटिविटी दर लगातार कम तथा रिकवरी दर निरन्तर बढ़ रही है। उन्होंने कोरोना संक्रमण की रोकथाम और उपचार की व्यवस्था और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि गांवों को संक्रमण से सुरक्षित रखने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा व्यापक स्तर पर विशेष जांच अभियान संचालित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में लक्षणयुक्त अथवा संक्रमण की मद्देनजर से संदिग्ध लोगों को मेडिकल किट का वितरण निगरानी समितियों द्वारा किया जाए। साथ ही, ऐसे व्यक्तियों का नाम, टेलीफोन नम्बर युक्त एक सूची भी तैयार की जाए, जिन्हे मेडिकल किट दी गयी है। यह सूची सम्बन्धित जनपद के इण्टीग्रेटेड कमाण्ड एण्ड कण्ट्रोल सेण्टर को उपलब्ध करायी जाए। जिलाधिकारी आईसीसीसी के माध्यम से सम्बन्धित व्यक्ति का कुशलक्षेम प्राप्त करने के साथ-साथ मेडिकल किट की उपलब्धता की पुष्टि कराएं। होम आइसोलेशन में रह कर उपचार करा रहे लोगों की विधानसभा वार सूची संकलित करते हुए इसे संबंधित सांसद व विधायक को भी उपलब्ध कराया जाए, जिससे इन जनप्रतिनिधियों द्वारा भी अपने क्षेत्र से सम्बन्धित व्यक्तियों को मेडिकल किट मिलने का सत्यापन करने के साथ ही, हालचाल लिया जा सके।

सीएम योगी ने कहा कि निगरानी समितियां समितियां होम आइसोलेट मरीजों को तथा अन्य संदिग्ध लक्षणयुक्त लोगों को मेडिकल किट प्रदान करती हैं। निगरानी समितियां जिन्हें मेडिकल किट पाने वालों के नाम और फोन नम्बर आइसीसीसी को उपलब्ध कराएं। आइसीसीसी इसका पुन: सत्यापन करे। इसके अतिरिक्त जिलाधिकारी के माध्यम से इसकी एक प्रति स्थानीय जनप्रतिनिधियों को उपलब्ध कराई जाए ताकि सांसद, विधायकगण मेडिकल किट प्राप्त कर स्वास्थ्य लाभ कर रहे लोगों से संवाद कर सकें। इससे व्यवस्था का क्रॉस वेरिफिकेशन भी हो सकेगा।

सीएम ने कहा कि सभी जिलों में उपलब्ध कराए गए वेंटिलेटर और ऑक्सीजन कंसंट्रेटर क्रियाशील होना चाहिए। संबंधित जिलों से संपर्क कर इस संबंध में उनकी समस्याओं का निराकरण कराएं। इसके उपरांत भी यदि वेंटिलेटर, ऑक्सीजन कंसंट्रेटर क्रियाशील न होने की सूचना प्राप्त हुई तो संबंधित डीएम व सीएमओ की जवाबदेही तय की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेडिकल, पैरामेडिकल अंतिम वर्ष, इंटर्न, प्रशिक्षण पूर्ण कर चुके युवा, सेवानिवृत्त अनुभवी लोगों की सेवाएं ली जानी चाहिए। इस संबंध में चयन एवं नियुक्ति की प्रक्रिया एक सप्ताह में पूर्ण कर लिया जाए। चिकित्सा शिक्षा मंत्री स्तर से इसकी विस्तृत समीक्षा कर ली जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना कर्फ्यू को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए। कण्टेनमेण्ट जोन में डोर स्टेप डिलीवरी व्यवस्था के माध्यम से जरूरतमन्द लोगों को आवश्यक सामग्री की आपूर्ति की जाए।

निधन पर जताया शोक

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश विजय मनोहर सहाय व पूर्व मंत्री यशपाल चौधरी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्माओं की शांति की कामना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

विशेष कंट्रोल रूम से की जा रही आक्सीजन आपूर्ति की मॉनीटरिंग

● मुख्यमंत्री के प्रयास से आक्सीजन की आपूर्ति में हुई रिकार्ड वृद्धि

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयास से बीते 24 घंटों में प्रदेश के मेडिकल कालेजों, चिकित्सा संस्थानों, निजी अस्पतालों एवं रिफीलर्स को रिकार्ड 1011.79 मेट्रिक टन ऑक्सीजन की आपूर्ति की गयी है। इसमें सेल्फप्रोडक्शन के तहत एयर सेपरेटर्स यूनिट्स के माध्यम से भी 88.84 मेट्रिक टन ऑक्सीजन आपूर्ति की गयी तथा होम आईसोलेशन के 4604 मरीजों को भी कुल 32.475 मेट्रिक टन आक्सीजन की अपूर्ति सिलेण्डरों के माध्यम से बीते 24 घण्टों में की गयी है। अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने बीते 24 घंटे में हुई कुल 1011.79 मेट्रिक टन रिकार्ड ऑक्सीजन सप्लाई का ब्योरा देते हुए बताया कि इसमें से 632.96 मेट्रिक टन ऑक्सीजन की आपूर्ति रिफीलर्स को खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा की गयी है। साथ ही 301.80 मेट्रिक टन ऑक्सीजन की सप्लाई प्रदेश के मेडिकल कालेजों व चिकित्सा संस्थानो को तथा 77.03 मेट्रिक टन ऑक्सीजन की आपूर्ति ऑक्सीजन सप्लायर्स द्वारा सीधे निजी चिकित्सालयों को की गई है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रदेश में ऑक्सीजन की मांग को तत्परता से पूरा करने के उद्देश्य से गृह विभाग में बने एक विशेष कन्ट्रोल रूम के माध्यम से ऑक्सीजन आपूर्ति व्यवस्था की मानीटरिंग की जा रही है। इस कन्ट्रोल रूम में गृह विभाग, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, चिकित्सा शिक्षा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा परिवहन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी व कर्मचारी लगातार 24 घंटे परस्पर समन्वय बनाकर कार्य कर रहे हैं।

मदद के बजाए जनता को गुमराह कर रहे कांग्रेस के नेता: सुरेश खन्ना

'कांग्रेस नेता कभी वैक्सीन को लेकर भ्रम फैलाते हैं तो कभी गांव में कोरोना पीड़ितों की तलाश को लेकर चलाए जा रहे अभियान पर सवाल खड़े करते हैं'

● झूठे बयान देने के बजाय कोरोना पीड़ितों की मदद करें

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राज्य के चिकित्सा शिक्षा मंत्री सुरेश खन्ना ने कांग्रेस के नेताओं को गैरजिम्मेदार और झूठा बताया है। उनका मानना है कि कांग्रेस के नेता वर्तमान में कोरोना से पीड़ितों की मदद करने के बजाए उन्हें गुमराह करने का कार्य कर रहे हैं। जिसके चलते कांग्रेस नेता कभी वैक्सीन को लेकर भ्रम फैलाते हैं तो कभी सरकार द्वारा गांवों में कोरोना पीड़ितों की तलाश के लिए चलाए जा रहे अभियान पर सवाल खड़ा करते हैं। कांग्रेस नेताओं के ऐसे गैरजिम्मेदारी भरे बयानों के चलते जनता भ्रमित हो रही है, फिर भी कांग्रेस नेता लगातार झूठ पर झूठ बोले जा रहे हैं।

चिकित्सा शिक्षा मंत्री सुरेश खन्ना ने कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू द्वारा कोरोना संक्रमण को नियंत्रित करने व जीवन रक्षक दवाओं तथा ऑक्सीजन की उपलब्धता को लेकर प्रदेश सरकार के दावे पर सवाल खड़ा करने पर कांग्रेस नेताओं को झूठा बताया है। सुरेश खन्ना का कहना है कि कांग्रेस के नेता राहुल गांधी से लेकर अजय कुमार लल्लू तक सबके सब गैर जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, महासचिव प्रियंका गांधी और कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू संकट की इस घड़ी में ओछी राजनैतिक बयानबाजी कर रहे हैं। इन्हें ओछी राजनैतिक करने से बाज आना चाहिए। उनका कहना है कि कुछ दिनों पूर्व राहुल गांधी ने कोरोना वैक्सीन पर भ्रम फैलाकर उत्तर प्रदेश के लाखों लोगों की जान को खतरे में डालने का काम किया था। जबकि हकीकत यह है कि राज्य में टीकाकरण हो रहा हैं। तो अब कांग्रेस के नेता कोरोना संक्रमण को नियंत्रित करने व जीवन रक्षक दवाओं, ऑक्सीजन की उपलब्धता पर सरकार के दावे को लेकर सवाल खड़ा कर रहे हैं।

यहीं नहीं कांग्रेस के नेता अब सूबे के ग्रामीण व कस्बाई इलाकों में कोरोना से संक्रमित व्यक्ति की तलाश और उनके उनका इलाज कराने के लिए चलाए जा रहे उस अभियान पर सवाल खड़ा कर रहे हैं जिसे अंतर्राष्ट्रीय संस्था डब्लूएचओ ने सराहा है। सुरेश खन्ना के अनुसार वास्तव में कांग्रेस के नेता कोरोना पीड़ित की मदद करने के बजाए घर में बैठकर अब सिर्फगैर जिम्मेदारी भरे बयान देने के अलावा कोई कार्य नहीं कर रहे हैं। इस पार्टी के नेताओं के जनता से दूर रखकर सिर्फसरकार के खिलाफ बयान देने वाले चरित्र के चलते ही जनता कांग्रेस को देशभर में नकार रही हैं। इसके बाद भी इस पार्टी ने नेताओं का गैरजिम्मेदारी वाला रवैया खत्म नहीं हो रहा हैं। सुरेश खन्ना ने कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू को सलाह दी है कि वह रोज झूठे बयान देने के बजाए कोरोना पीड़ितों की मदद करें।

लाल जी टण्डन फाउण्डेशन के अध्यक्ष व मंत्री आशुतोष टण्डन ने कोरोना मरीजों की निशुल्क सेवा के लिए एक कोशिश ऐसी भी संस्था की अध्यक्ष वर्षा वर्मा को एम्बुलेंस भेंट की

झूठे आंकड़ों व पीआर के बल पर सरकार ने हासिल की डब्लूएचओ की प्रशंसा: लल्लू

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कोरोना संक्रमण को नियंत्रित करने व जीवन रक्षक दवाओंए ऑक्सीजन की उपलब्धता पर सरकार के दावे पर तीखा हमला करते हुए कहा राज्य सरकार के सभी दावे हेराफेरी वाले हैं। आंकड़ों में हेराफेरी करने वाले मुख्यमंत्री की प्रशंसा करने वाले रक्षा मंत्री को क्या अपनी संसदीय सीट लखनऊ सहित प्रदेश भर के शमशानों में चिताओं से उठती लपटे नही दिखाई दी, बिना ऑक्सीजन व बिना दवाओं से होती मौतें उन्हें क्यों नही दिखाई देती है, रक्षा मंत्री जिस तरह मुख्यमंत्री की तारीफ कर रहे हैं उससे साबित होता है मानवीय संवेदना का उनसे कोई सम्बन्ध नहीं है।

लल्लू ने कहा कि ग्रामीण व कस्बाई इलाकों में फर्जी जांच व गुमराह कर राज्य सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय संस्था डब्लूएचओ से पीआर के बल पर प्रशंसा प्राप्त की है जबकि जमीनी सच्चाई यह है कि उत्तर प्रदेश में न वैक्सीन है, न ऑक्सीजन है, न दवाई, फिर भी उसके झूठे दावे में कोई कमी नहीं आ रही है। सरकार की लापरवाही के कारण लाशों के ढेर लगे हैं और लाशों की मीनार खड़ी कर वह प्रशंसा प्राप्त कर रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि गांव, कस्बो में कोरोना के सिम्टम्स लगातार मौतें हो रही है, मां गंगा की जलधारा अपनो के शव समेटने को विवश है वहीं लाशों की मीनार खड़ी कर सरकार अपना रेडकारपेट स्वागत कराने में व्यस्त है।

कोरोना को संयम, अनुशासन व हिम्मत से ही परास्त कर सकते हैं

● बीजेपी क्षेत्रीय अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं से किया वर्चुअल संवाद

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बीजेपी अवध क्षेत्र के अध्यक्ष शेष नारायण मिश्र ने अवध क्षेत्र के पदाधिकारियों की एक वर्चुअल बैठक में उन्होंने कहा कि संयम, अनुशासन एवं हिम्मत से ही कोरोना महामारी को परास्त कर सकते हैं। जिस तरह हम सबने मिलकर कोरोना की पहली लहर का डटकर मुकाबला कर उस लहर को परास्त किया था। उसी तरह हमे बिना डरे व हिम्मत हारे कोरोना की दूसरी लहर को भी परास्त करना होगा। देश व प्रदेश की सरकार अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए कोरोना की दूसरी लहर को भी परास्त करने में तेजी से अग्रसर हैं। हमें भी सकारात्मक रहते हुए सरकार द्वारा जारी गाइड लाइन का सख्ती से पालन करना चाहिए। श्री मिश्र ने कहा कि भाजपा की सरकारें व कार्यकर्ता जिस तरह से कोरोना पीड़ितों की मदद करने को कटिबद्ध है। प्रदेश के सीएम अपनी कुशल नेतृत्व क्षमता को दर्शाते हुए कोरोना को शीघ्र नियंत्रण में लाने का जो सफल प्रयास कर रहे है। ऑक्सीजन व अन्य उपकरणों की कालाबाज़ारी पर रोक लगाकर दोषियों को गिरफ्तार कर आम जनता को अधिक से अधिक मदद पहुँचाने का कार्य भी प्रदेश सरकार कर रही है। मीडिया प्रभारी राजेश मिश्र ने बताया कि अवध क्षेत्र के अध्यक्ष ने भाजपा के सभी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से कोरोना पीड़ितों व उनके परिवारों की मदद करने का आवाहन करते हुए कहा कि नर सेवा नारायण सेवा को चरितार्थ करते हुए पूरे मनोयोग से इस पुनीत कार्य में लग जाएं यही भारतीय जनता पार्टी की पहचान है।

अफवाह फैलाना कांग्रेस के डीएनए में: राधा मोहन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बीजेपी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व प्रदेश प्रभारी राधा मोहन सिंह ने मंगलवार को कहा कि अफवाह फैलाना कांग्रेस के डीएनए में है। जब-जब देश पर विपत्ति आई कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने विपदा से निकलने में सहयोग की बजाय लोगों को भड़काने, गुमराह करने और अफ्वाह फैलाकर देश को अशांति की ओर ले जाने का ही काम किया है। कुछ कांग्रेसी नेताओं को छोड़ दें तो आज कोविड की महामारी में भी नकली गांधी एंड कंपनी दिन-रात इसी अभियान में लगी है। उन्होंने कहा यह दु:ख का विषय है कि मानव इतिहास की सबसे बड़ी त्रासदी में से एक कोविड संक्रमण से उत्पन्न इस विषम परिस्थिति में भी देश में राजनीति हो रही है। राधा मोहन सिंह ने कहा कि जब दुनिया के तमाम देश भारत की मदद के लिए संसाधन भेज रहे हैं तो कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, उनके बेटे राहुल गांधी, बेटी प्रियंका वाड्रा और कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्री सहयोग की भावना को भूलकर व्यवस्था को बिगाड़ ही रहे हैं। ऐसे प्रदेशों में भी वे अपनी हरकतों से माहौल खराब कर रहे हैं जहां पर उनकी सरकारें हैं। इससे वहां स्थितियां और भी खराब हो रही हैं। उन्होंने कहा कि कोविड टीकाकरण अभियान को भी कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने नहीं छोड़ा। जब टीका बना तो उसे बेकार बताने के लिए न जाने कितने ही जतन कांग्रेस व उनकी पिछलग्गू पार्टियों ने किया। कोविड टीके को लेकर जनता को भ्रमित किया, खुद भी भ्रम में रहे। अब वे इसे लेकर अफवाह फैला रहे हैं। श्री सिंह ने कहा कि यह आपदा का समय है उन्हें लोगों को संबल देना चाहिए न कि लोगों की फिक्र बढ़ाने वाला काम करना चाहिए। बड़े दु:ख की बात है कि कांग्रेस सहित तमाम विपक्षी दल यही कर रहे हैं। उन्हें जनता की पीड़ा में अपनी राजनीतिक रोटी सेंकनी है। उन्होंने अपील की कि अभी भी समय है विपक्षी दल राजनीति छोड़कर कोविड की आपदा से प्रभावित लोगों की मदद करें।

सूबे में चिकित्सा व्यवस्था पूरी तरह ठप कागजों पर हो रहा काम: संजय सिंह

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आम आदमी पार्टी के यूपी प्रभारी और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि योगी सरकार में मरने वालों का अंतिम संस्कार रीति रिवाज के अनुसार नहीं हो पा रहा है। कानपुर में गंगा के किनारे 1000 से ज्यादा शवों को दफनाया जा चुका है। गंगा किनारे का हाल काफी डरावना हो गया है। हर दूसरे कदम पर एक शव को दफना दिया गया है। गाजीपुर जनपद में गंगा घाट के किनारे नदी से बहकर आई लाशों का अंबार लगा पाया गया। गंगा के घाट पर शवों की बदबू से लोग परेशान हो रहे हैं। कानपुर, उन्नाव, गाजीपुर में बहती हुई लाशें बता रही है कि योगी सरकार में कोरोना से मरने वालों का अंतिम संस्कार नहीं हो पा रहा है। उन्हें लावारिस बताकर नदी, नालों में फेंक दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गंगा का जलस्तर के बढ़ने से किनारे पर दफनाए गए शव बहते हुए नदी में मिल जाएंगे, जिससे संक्रमण का खतरा और ज्यादा बढ़ जाएगा। सरकार झूठे आंकड़े पेश कर जनता को गुमराह कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अंतिम संस्कार के लिए प्रति व्यक्ति 5000 खर्च करने का प्रावधान किया हुआ है, लेकिन इन घटनाओं से स्पष्ट है कि सरकार कागजों पर काम कर रही है जमीन पर कोई काम नहीं हो रहा है। प्रदेश में चिकित्सा व्यवस्था पूरी तरह से ठप हो चुकी है।

बदायूं मेडिकल कालेज के कार्यवाहक प्राचार्य बने डॉ धर्मेंद्र गुप्ता: लखनऊ। शासन स्तर पर आगरा मेडिकल कालेज के ईएनटी विभाग के प्रो डॉ धर्मेंद्र कुमार गुप्ता को राजकीय मेडिकल कालेज बदायूँ के कार्यवाहक प्राचार्य की जिम्मेदारी दी गई है। इस आशय का आदेश मंगलवार को प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा आलोक कुमार ने आदेश जारी कर दिया है।

पायनियर वर्गीकृत

सूचना

मैंने अपने पुत्र सुरजीत सिंह व पुत्रवधू अदिति सालवान के दुराचरणों के कारण उनसे अपने सभी सम्बन्ध विच्छेद कर अपने परिवार व सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। कुलवन्त कौर पत्नी स्व0 कुलदीप सिंह नि0 67/3, शास्त्रीनगर, कानपुर नगर

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं अपने बड़े पुत्र मोहम्मद सलीम को उनके गलत चाल चलन व गलत दुर्व्यवहार होने के कारण अपनी समस्त चल अचल संपत्ति से बेदखल कर रही हूं भविष्य में इनके द्वारा किए गए गलत कार्य के लिए खुद जिम्मेदार होंगे सम्मो w/o स्वर्गीय मोहम्मद मुमताज श्रीनाथ नगर पारा राजाजीपुरम लखनऊ।

सभी पुलिस लाइन व पीएसी में बने कोविड केयर सेंटर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

अपनी जान जोखिम में डालकर कोरोना संक्रमण के इस भीषण दौर में फ्रंट लाइन पर रहकर कानून व्यवस्था संबंधी ड्यूटी को अंजाम देने वाले पुलिस कर्मियों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को ध्यान में रखते हुए पुलिस विभाग ने प्रदेश की सभी पुलिस लाइन और पीएसी इकाइयों में कोविड केयर सेंटर स्थापित किए गए हैं। संक्रमित पुलिसकर्मी सीधे संबंधित पुलिस लाइन में जाकर भर्ती हो रहे हैं और उनको चिकित्सकों और पैरामेडिकल स्टॉफ की मौजूदगी में समुचित इलाज मुहैया कराया जा रहा है। राज्य के एडीजी कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार ने मंगलवार को बताया कि निर्देशों के अनुपालन में लगभग सभी जिलों व पुलिस इकाइयों द्वारा पुलिस लाइनों के पुलिस अस्पतालों विशेष बैरको तथा भवनों को कोविड केयर सेंटर के रूप में स्थापित करते हुए उसमें कोरोना के प्राथमिक उपचार से संबंधित सभी सुविधा जैसे बेड, स्ट्रेचर, बीपी मशीन, ऑक्सीजन सिलेंडर, सैनिटाइजर, पल्स ऑक्सीमीटर, थर्मामीटर जैसे उपकरणों तथा आवश्यक औषधियों का इंतजाम किया गया है। सभी सेंटरों पर प्रशिक्षित पुलिसकर्मियों को 24 घंटे ड्यूटी पर तैनात किया गया है जिनके द्वारा मरीजों की देखभाल की जा रही है। केवल 12 जनपद ऐसे हैं जहां बैंरकों में वैकल्पिक व्यवस्था की गई है अन्यथा सभी जगहों पर उचित व्यवस्थाएं कर दी गई हैं। एडीजी ने बताया कि जनपद मुख्यालय व विभिन्न पुलिस इकाइयों से मिली जानकारी के अनुसार इन अस्पतालों में अब तक 2,365 बेड का इंतजाम अपने संसाधनों द्वारा किया गया है।

इंजेक्शन व दवाओं की कालाबाजारी में अब तक 146 लोग गिरफ्तार

● अप्रैल से अब तक यूपी 112 पर एक लाख से अधिक लोगों ने कॉल कर मांगी मेडिकल हेल्प

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना की गम्भीरता से निपटने के लिए जहां जिला पुलिस अपने सम्पूर्ण प्रयास कर रही है वहीं यूपी .112 के पीआरवी वाहनों ने भी कानून.व्यवस्था सम्बन्धी सूचनाओं पर कार्रवाई करने के साथ.साथ जनता की सेवा करने में कमी नहीं छोड़ी है। पहली अप्रैल 2021 से अब तक कुल 1 लाख 145 लोगों ने यूपी 112 पर कॉल करके चिकित्सा सम्बन्धी सहायता मांगी है। एडीजी कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार ने कहा कि जिस पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस द्वारा मौके पर पहुंचकर यथासम्भव स्वयं सहायता की गई अथवा एम्बुलेंस को सूचित कर मदद करवाई गई। एडीजी ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा सम्पूर्ण प्रदेश में लॉकडाउन लगाने के पश्चात कुल 30 हजार 272 लाउडहेलर, लाउडस्पीकरों का प्रयोग करते हुए पुलिस द्वारा जनता को कोरोना को हराने का आह्वान करते हुए लॉकडाउन का पालन करने के लिए कहा जा रहा है। वर्तमान में प्रदेश में कुल 51 हजार 284 कन्टेनमेंट जोन है तथा 73,891 बैरेकेडिंग लगायी गयी है जिन पर 37 हजार 812 पुलिस कर्मियों द्वारा निगरानी की जा रही है जिससे इन कन्टेनमेंट जोन के निवासी संक्रमण का फैलाव न कर सकें। एडीजी कानून व्यवस्था ने बताया कि वर्तमान समय में कोरोना बीमारी से निपटने के लिए जहां शासन द्वारा सभी उपाय किये जा रहे है वहीं कतिपय समाजद्रोही इस आपदा के समय में भी जीवनरक्षक औषधियों ए ऑक्सीजन सिलेण्डरों तथा चिकित्सीय उपकरणों की कालाबाजारी जैसा घृणित कार्य कर रहे है। उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा शासन के निर्देशानुसार ऐसे अपराधियों पर लगातार कार्रवाई करते हुए अब तक कुल 146 व्यक्तियों को गिरफ्तार करते हुए 1253 जीवनरक्षक इंजेक्शन, 1337 ऑक्सीजन सिलेण्डर 18 ऑक्सीजन कन्संट्रेटर, 844 ऑक्सीमीटर तथा अन्य उपकरणों सहित कालाबाजारी से प्राप्त 62 लाख 33 हजार 710 रुपए बरामद किए गए हैं।

कार्यालय - नगर पालिका परिषद खलीलाबाद, जनपद- संतकबीरनगर।

पत्रांक- 1827/न0पा0 दिनांक- 11-05-2021

अति अल्पकालिक ई-टेण्डर सूचना

नगर पालिका खलीलाबाद को 15वां वित्त आयोग के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि से निर्माण/आपूर्ति कार्य हेतु आन लाइन निविदा आमंत्रित किया जाता है, आन लाइन निविदा दिनाक 22-05-2021 को 01.00 बजे तक कार्यालय में प्राप्त करायी जायेगी। आन लाइन निविदा दिनांक 22-05-2021 को अपरान्ह 04.00 बजे से निविदा समिति द्वारा खोली जायेगी निविदा उत्तर प्रदेश की ई-प्रक्योरमेन्ट की वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। नगर पालिका परिषद खलीलाबाद सीमान्तर्गत फर्म को ही वरीयता दी जायेगी। नियम एवं शर्तों की विस्तृत जानकारी के लिए किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय में उपस्थित होकर अवलोकन कर सकते है।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद खलीलाबाद, संतकबीरनगर।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी-33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ से प्रकाशित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: विजय प्रकाश सिंह। फोन: (0522) 4036600 फैक्स: 2346443/2345582

हज हाउस में 255 बिस्तरों वाला कोविड अस्पताल शुरू

● रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किया उद्घाटन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अपने एक दिवसीय के दौरे पर मंगलवार को लखनऊ पहुंचे और हज हाउस में बने हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड, प्रदेश राज्य सरकार के सहयोग से निर्मित 255 बिस्तरों वाले कोविड अस्पताल के संचालन की शुरुआत की इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी उपस्थित रहे। वहीं उन्होंने मुख्यमंत्री के साथ अवध शिल्पग्राम में रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन द्वारा निर्मित 505 बिस्तर वाले अटल बिहारी वाजपेयी कोविड अस्पताल का निरीक्षण भी किया।

हज हाउस में बने कोविड अस्पताल के सभी 255 बेड ऑक्सीजन सुविधाओं से सुसज्जित हैं। 130 बेड ऑक्सीजन से लैस हैं

वहीं 100 बेड एचएफएनसी सुविधा से जुड़े हैं जबकि 25 बेड में वेंटिलेटर सपोर्ट है। अस्पताल में प्रारंभिक ऑपरेशन के लिए राज्य सरकार और एचएएल के बीच घनिष्ठ सहयोग के माध्यम से 150 ऑक्सीजन सिलेंडर की व्यवस्था की गई है। कोविड अस्पताल के शुभारंभ के मौके पर राजनाथ सिंह ने कहा कि एचएएल और राज्य सरकार के स्थानीय अधिकारियों के बीच घनिष्ठ सहयोग ने अस्पताल के निर्माण को संभव बनाया। राज्य सरकार ने आश्वासन दिया है कि अस्पताल चलाने के लिए सभी आवश्यक आपूर्ति उपलब्ध कराई जाएगी। अस्पताल में सबसे अच्छी आधुनिक चिकित्सा सुविधा है। इसके बाद राजनाथ सिंह ने अवध शिल्पग्राम में रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन द्वारा निर्मित 505 बिस्तर वाले अटल बिहारी वाजपेयी कोविड अस्पताल का निरीक्षण किया। उन्होंने सशस्त्र बलों द्वारा रोगियों को प्रदान की जा रही विशेषज्ञ चिकित्सा देखभाल का जायजा लिया। इस अस्पताल में देश भर से आए सशस्त्र बलों के चयनित डॉक्टरों और चिकित्सा कर्मचारियों द्वारा नागरिकों चिकित्सा सुवधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। इस अवसर पर मध्य कमान के जनरल ऑफि सर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल वाई डिमरी ने कोविड के खिलाफ लड़ाई में भारतीय सेना की मध्य कमान द्वारा निभाई जा रही बहुपक्षीय भूमिका के बारे में बताया जिसकी रक्षामंत्री ने उन कई कदमों की सराहना की, जिन्होंने राज्यों में मौजूदा चिकित्सा क्षमताओं और संसाधनों को बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। राजनाथ सिंह ने कोविड के खिलाफ लड़ाई को मजबूत करने और रिकॉर्ड समय में कोविड अस्पतालों के सफलतापूर्वक संचालन में सशस्त्र बलों, डीआरडीओ और राज्य सरकार के बीच समन्वय की सराहना की।

आईसीयू बेड के अभाव में गई मरीज की जान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना संक्रमित मरीजों के आंकड़ों में भले ही गिरावट देखने को मिल रही है पर सरकारी दावों से अभी भी संक्रमित गम्भीर मरीजों को आराम नही मिल रहा है। राजधानी में अभी भी गम्भीर मरीजों को आईसीयू के बेड बमुश्किल से उपलब्ध हो पा रहे हैं। मंगलवार को एक महिला मरीज की सांस आईसीयू बेड के अभाव में थम गई। जबकि आईसीयू बेड को लेकर सीएमओ का कहना था कि वह रक्षामंत्री के कार्यक्रम की तैयारियों में है, इसलिए कमांड सेंटर से सम्पर्क करें। कोरोना संक्रमण के चलते हरचंदपुर गढ़ी कनौरा निवासी कमला देवी 64 वर्ष को नॉर्दर्न रेलवे हॉस्पिटल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया था। बीते 2 दिनों से उनकी सेहत में लगातार गिरावट देखने को मिल रही थी। जिस पर मरीज के परिजनों ने कोविड कंट्रोल कमांड सेंटर से सम्पर्क कर आईसीयू वाले हॉस्पिटल में शिफ्टिंग की मांग की। कमांड सेंटर से तत्काल मदद न मिलते देख मरीज के परिजनों ने अन्य लोगों के संपर्क के जरिये सीएमओ से शिफ्टिंग कराने की मांग की। परिजनों के मुताबिक सीएमओ डॉ संजय भटनागर ने कहा कि वह रक्षामंत्री के कार्यक्रम को लेकर व्यस्त हैं। कमांड सेंटर से सम्पर्क करें। परिजनों का कहना था कि रेलवे हॉस्पिटल में मरीजों के केयर और इलाज के नाम पर कुछ खास नही है। जिसके चलते उनके मरीज की ऐसी स्थिति हुई है।

इसके बाद मरीज के परिजनों ने पहले तो स्वयं प्रभारी अधिकारी 19 डॉ रौशन जैकब से सम्पर्क करने का प्रयास किया मगर सम्पर्क न होने पर उन्होंने दूसरे सम्पर्को के जरिये शिफ्टिंग कराने की मांग की। काफी देर बाद सम्पर्क होने पर प्रभारी अधिकारी ने मरीज के लिए टीएस मिश्रा हॉस्पिटल का आवंटन कराया। परिजनों के मुताबिक वहाँ के बारे में सही रिपोर्ट न मिलने व रात्रि होने के चलते उन्होंने शिफ्ट नहीं कराया। परिजन केजीएमयू, पीजीआईए लोहिया या फिर अन्य हॉस्पिटल की मांग कर रहे थे। सुबह एक बार फिर परिजनों ने कोविड कंट्रोल सेंटर से मरीज के शिफ्टिंग की बात कही। पहले तो कमांड सेंटर से उन्हें तत्काल कोई मदद नही मिली बाद में बेड देखने की बात कह कर उन्हें आश्वासन दिया गया। इस बीच मरीज ने दम तोड़ दिया। परिजनों का कहना था कि समय पर मदद मिल जाती तो शायद उनका मरीज बच जाता।

55 लाख की आबादी पर आईसीयू के महज 1232 बेड

वर्तमान में लखनऊ की आबादी 55 लाख के आसपास है। मरीजों की संख्या भले ही कम हुई है मगर गम्भीर मरीजों के सामने इलाज को लेकर दुश्वारियां कम होने का नाम नही ले रही हैं। राजधानी लखनऊ में कोरोना संक्रमित मरीजों के इलाज को लेकर कुल 77 अस्पताल सम्बद्ध हैं। इनमे कुल 5820 वर्तमान में हैं। इनमे भी अगर आईसीयू व एचडीयू के बेड पर नजर डालें तो आईसीयू के 1232 बेड और एचडीयू के 2388 बेड हैं। इसमें हज हाउस के हॉस्पिटल में उपलब्ध आईसीयू शामिल नहीं है।

कोविड के मामलों में 40 से 50 प्रतिशत तक की कमी

● वर्तमान में हमारा रिकवरी रेट 85 प्रतिशत तक हो गया है: चिकित्सा शिक्षा मंत्री

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के चिकित्सा शिक्षा मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि प्रदेश में 24 अप्रैल 2021 को कोविड के सर्वाधिक 38,055 केस आये थे, लेकिन सरकार के प्रयासों एवं प्रभावशाली प्रबंधन से आज 20,463 केस हैं। इस प्रकार 40 से 50 प्रतिशत तक की कोविड केस में कमी आ चुकी है। उन्होंने कहा कि गांव में निगरानी समितियों के माध्यम से गांव के लोगों को महामारी से बचाव और इसको रोकने के सभी प्रयास किये जा रहे हैं। चिकित्सा शिक्षा मंत्री ने कहा कि सरकार की सक्रियता एवं मुख्यमंत्री के आवश्यक निर्देशों के अनुपालन के कारण जहां 30 अप्रैल 2021 को कुल 3,10,783 एक्टिव केस थे, वहीं अब दस दिन में 97,000 की कमी होकर 2,16,057 हो गई है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में हमारा रिकवरी रेट 85 प्रतिशत तक हो गया है। वर्तमान में कोविड का पॉजिटिविटी रेट 3.6 प्रतिशत तथा मृत्यु दर 1 प्रतिशत है। खन्ना ने बताया कि प्रधानमंत्री के निर्देशानुसार 1 मई से 18 से 44 आयु वर्ग के लोगों का टीकाकरण किया जा रहा है। पहले चरण में 7 जनपदों में टीकाकरण किया गया, जिसमें 9 मई तक 1,17,514 लोगों का टीकाकरण किया गया। 10 मई से इस आयु वर्ग के टीकाकरण के लिए अब 18 जनपदों का चयन किया गया है, जिसमें कल 50,460 लोगों का टीकाकरण किया गया। इसमें सर्वाधिक मेरठ जनपद में 90.70 प्रतिशत टीकाकरण किया गया। साथ ही प्रदेश में 45 वर्ष से ऊपर के 1.39 करोड़ से अधिक लोगों का टीकाकरण किया गया है। उन्होंने कहा कि हमारे प्रदेश में टीके का वेस्टेज भी एक प्रतिशत से कम .60 प्रतिशत है। चिकित्सा शिक्षा मंत्री ने बताया कि डीआरडीओ द्वारा स्थापित कोविड अस्पताल तथा कैंसर इन्स्टीट्यूट में कोरोना के इलाज की व्यवस्था की गई है। लोहिया संस्थान में भी 120 बेड बढ़ाये गये हैं। केजीएमयू के सर्जरी वार्ड में 127 बेड के साथ मानसिक रोग चिकित्सालय में भी 140 बेड की व्यवस्था की गई है।

चौक में कोविड हेल्प सेंटर का शुभारंभ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आज चौक चौराहे पर चौक समन्वय समिति के तत्वाधान में कॉविड हेल्पलाइन सेंटर का शुभारंभ किया गया । इस अवसर पर प्रमुख रूप से महापौर संयुक्ता भाटिया, एसीपी चौक आईपी सिंह एवं इंस्पेक्टर चौक विश्वजीत सिंह उपस्थित रहे । चौक समन्वय समिति के संयोजक अभिषेक खरे ने बताया कोविड 19 हेल्पलाइन सेंटर का उद्देश्य लोगों को ऑक्सीजन, दवाएं भोजन एवं राशन उपलब्ध कराने के लिए प्रारंभ किया गया है। इस अवसर पर ऑटोमेटिक बायलर मशीन से स्टीम लेने की भी व्यवस्था की गई है। इसमें तीन नॉज़ोल लगाए गए है। महापौर ने इस प्रयास की प्रशंसा करते हुए कहा इसकी समाज के हर तबके को इसका लाभ मिलेगा। आम जनमानस के साथ पुलिस प्रशासन, ड्यूटी से लौटने वाले सिक्योरिटी गाड्र्स तथा अन्य सेवाएं

प्रदान करने वाले लोग आते जाते समय इस स्थान पर भाप ले सकेंगे जिससे उनका संक्रमण से बचाव हो सके । कार्यक्रम में उपस्थित रोटी कपड़ा बैंक के संस्थापक रिद्धि किशोर गौड़ ने बताया कि लोगों को डॉक्टर के अनुमोदन पर ऑक्सीजन सिलेंडर निशुल्क उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। शुभ संस्कार समिति के आशीष अग्रवाल एवं अतुल गुप्ता के अनुसार रोज दोपहर में बने हुए भोजन एवं कच्चे राशन की किट जरूरतमंदों के लिए उपलब्ध रहेगी ।

कार्यक्रम में लखनऊ व्यापार मंडल के वरिष्ठ महामंत्री तथा सिविल डिफेंस के चीफ वार्डन अमरनाथ मिश्र ने कोविड.19 हेल्पलाइन सेंटर को हर प्रकार से सहयोग करने का वादा किया है। इस अवसर पर राधे मोहन अग्रवाल, हर प्रसाद अग्रवाल, अजय अग्रवाल ,अनूप मिश्रा, सोनू अग्रवाल, संजीव अग्रवाल, डॉक्टर राजकुमार वर्मा विष्णु रस्तोगी, मोनी टंडन, अमित कपूर, आदिश जैन, विनोद महेश्वरी, मुदित कपूर आदि लोगों ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से कोविड 19 हेल्प लाइन सेंटर को पूर्ण सहयोग करने की बात कही है।

कोरोना पॉजिटिव मरीजों को होम आइसोलेशन का आवंटन अब सीएचसी स्तर से

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना पॉजिटिव रोगियों को होम आइसोलेशन का आवंटन अब सीएचसी स्तर से होगा। अभी तक होम आइसोलेशन रोगियो को पोर्टल पर होम आइसोलेशन अलॉटमेंट करने का काम कमाण्ड सेंटर के द्वारा ही किया जा रहा था। इस बाबत मंगलवार को प्रभारी अधिकारी द्वारा सभी होम आइसोलेशन प्रभारियों की ट्रेनिंग कराई गईए की उनको किस प्रकार से रोगियों से बात करके पोर्टल पर होम आइसोलेशन एलॉटमेंट की फीडिंग करना है।

प्रशिक्षण में ट्रेनिग में प्रभारी अधिकारी द्वारा बताया गया कि धनात्मक रोगी से कॉल करके यह सुनिश्चित किया जाए कि उनके यहां शासन द्वारा जारी होम आइसोलेशन प्रोटोकॉल के अनुरूप सभी सुविधाएं है या नही यदि रोगी के द्वारा बताया जाता कि उसके यहां सभी सुविधाएं है तो उसे पोर्टल पर होम आइसोलेशन एलॉट कर दिया जाए और यदि रोगी द्वारा बताया जाता है कि उसके यहां प्रोटोकॉल के अनुरूप मूल सुविधाए नही है वह इंस्टिट्यूटनल कवारेंटीन में जाना चाहता है तो उसे कमाण्ड सेंटर द्वारा एल1 फेसेलिटी में भर्ती कराया जाए। जनपद में एल 1 फैसेलिटी के बेड पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। साथ ही निर्देश दिया कि ग्रामीण क्षेत्र की सीएचसी अपने अपने क्षेत्रों में शत प्रतिशत होम आइसोलेशन रोगियों व कोविड लक्षण वाले रोगियों को दवा उपलब्ध कराना सुनिश्चित करे।

कम टेस्टिंग पर 4 सीएचसी से मांगा स्पष्टीकरण

प्रभारी अधिकारी द्वारा आज टेस्टिंग व वैक्सिनेशन आदि बिन्दुओ की गहन समीक्षा की गई। प्रभारी अधिकारी ने कहा कि सभी सीएचसी पर दो दो टेस्टिंग सेंटर बनाए जाए और एंटीजन एवं आरटीपीसीआर टेस्ट करना सुनिश्चित किया जाए। प्रभारी अधिकारी द्वारा समस्त टेस्टिंग सेंटरों की समीक्षा सीएचसी वार की गई। संज्ञान में आया कि शहरी क्षेत्र में अलीगंज, ऐशबाग, रेडक्रास व सिल्वर जुबली सीएचसी द्वारा बहुत कम टेस्टिंग की जा रही है। जिसके लिए प्रभारी अधिकारी द्वारा मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देश दिया कि उक्त 4 सीएचसी का स्पष्टीकरण जारी किया जाए। साथ ही निर्देश दिया कि सभी सीएचसी आरटीपीसीआर टेस्ट की संख्या को तत्काल बढ़ाए। वहीं प्रभारी अधिकारी द्वारा निर्देश दिया गया कि सीएचसी के अतिरिक्त समस्त अर्बन पीएचसी में भी टेस्टिंग सेंटर शुरू करने के लिए कार्ययोजना बना कर प्रस्तुत की जाएए ताकि वहां भी टेस्टिंग शुरू की जा सके।

आजम खान की हालत अभी भी गम्भीर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना संक्रमण के चलते मेदांता हॉस्पिटल में भर्ती समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान की हालत अभी भी गम्भीर बनी हुई है। उन्हें हॉस्पिटल में हाई आक्सीजन सपोर्ट के चलते कोविड यूनिट में रखा गया है। जबकि उनके पुत्र की हालत स्थिर बनी हुई है। हॉस्पिटल के निदेशक डॉ राकेश कपूर की तरफ से जारी मेडिकल बुलेटिन में कहा गया है कि आज सपा सांसद आजम खान को हाई ऑक्सीजन सपोर्ट की जरुरत के चलते कोविड आईसीयू में रखा गया है। मेदांता हॉस्पिटल लखनऊ की क्रिटिकल केयर टीम के डॉक्टरों की कड़ी निगरानी में उनका इलाज चल रहा है। वहीं मोहम्मद अब्दुल्ला खान की स्थिति स्थिर एवं संतोषजनक है। उन्हें भी डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया है। बता दें कि बीते 9 मई को सपा सांसद आजम खान और उनके पुत्र को मेदांता ट्रांसफर किया गया था।

स्पॉन्सरशिप योजना से जुड़ेंगे कोरोना के चलते अनाथ हुए बच्चे

लखनऊ। कोरोना संक्रमण के चलते मां-बाप के निधन के पश्चात अनाथ हुए बच्चों को महिला कल्याण विभाग ने स्पांसरशिप योजना से जोड़ने का निर्णय लिया है। यदि किसी परिवार में दो या दो से अधिक बच्चों के मिलने पर अतिरिक्त मदद करने का निर्णय लिया है। फिलहाल ऐसे बच्चों के बारे में निदेशालय ने प्रोबेशनरी अधिकारियों को प्रस्ताव उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। निदेशक महिला कल्याण विभाग मनोज राय ने बताया कि अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि किसी भी बच्चे का मामला संज्ञान में आने के बाद उस बच्चे की देखरेख हेतु सर्वप्रथम उस बालक-बालिका को पारिवारिक देखभाल में स्थापित करने की कोशिश की जानी चाहिए एवं बाल गृह में किसी भी बालक-बालिका को बाल गृह में भेजना अंतिम उपाय होना चाहिए। निदेशक की तरफ से जिलों को कहा गया है कि फ्रंट लाइन वर्कर की मृत्यु अगर कार्य अवधि में कोविड के कारण होती है तो निदेशालय को ससमय सूचित किया जाए एवं यह भी सुनिश्चित किया जाए की मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा यह सत्यापित हो कि उक्त व्यक्ति की मृत्यु कोविड महामारी के कारण हुआ हैए जिससे शासनादेश के अनुसार उनकी मदद की जा सके।

टाटानगर से आठ टैंकर आक्सीजन लेकर लखनऊ पहुंचे

लखनऊ। कोरोना मरीजों के लिए वर्तमान में सबसे जरूरी ऑक्सीजन गैस के लिए रेलवे लगातार ट्रेन चला रहा है। जिससे मरीजों को समय रहते ऑक्सीजन की आपूर्ति हो सके। ट्रेन का संचालन प्रभावित ना हो इसके लिए ग्रीन कॉरिडोर बनाने के साथ ही अति शक्तिशाली लोको को लगाया जा रहा है। डीआरएम संजय त्रिपाठी स्वयं ट्रेनों की मॉनिटरिंग करने के साथ ही मौके पर भी पहुच रहे हैं। मंगलवार को 8 भरे कंटेनरों के साथ एक जीवनरक्षक एक्सप्रेस ट्रेन टाटानगर से लखनऊ पहुंची। इस ट्रेन के जरिए 65 मीट्रिक टन ऑक्सीजन उपलब्ध कराई गई। संजय त्रिपाठी ने अवगत कराया कि कोविड संक्रमित रोगियों के जीवन की रक्षा हेतु ऑक्सीजन की आवश्यकता हेतु इन ट्रेनों का परिचालन भविष्य में भी निरंतरता से अबाध गति से किया जाता रहेगा।

रिक्वेस्ट पर अप्रूवल देने में देर न करें अस्पताल: जैकब

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना संक्रमित मरीजों के इलाज को लेकर प्रभारी अधिकारी कोविड-19 लखनऊ डॉ रोशन जैकब ने कमाण्ड सेंटर द्वारा प्रत्येक मरीज के बेड एलोकेशन के लिए भेजे गए रिक्वेस्ट पर अस्पतालों को अप्रूवल लेटर जारी करने में विलम्ब न करने के निर्देश दिए हैं। जिससे बेड उपलब्ध होने का लाभ समय से मरीज को मिल सके।

एकीकृत कोविड कण्ट्रोल एण्ड कमाण्ड सेंटर में आज समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि तीनों शिफ्ट के मेडिकल प्रभारियों द्वारा अपने सत्र के शुरूआत में ही बेड्स की उपलब्धता की स्थिति पोर्टल पर देखते हुए आवश्यकतानुसार सम्बन्धित अस्पताल से वार्ता करके एल-3, एल-2 एवं एल-1 के रिक्त बेड्स की स्टेट्स तय की जाय। तदोपरान्त उपलब्ध बेड्स को बिना किसी अस्पताल को रिक्वेस्ट भेजे, मरीजों के बीच सीधे आवंटन

कर दें। प्रभारी अधिकारी कोविड.19 द्वारा निर्देश दिये गये कि सभी शिफ्ट ड्यूटीज समय से संचालित हो, ताकि ऐसी स्थिति न उत्पन्न हो कि शिफ्ट के बीच के अन्तराल में डाक्टर्स कमाण्ड सेंण्टर में अनुपस्थित हों। हर शिफ्ट के डाक्टर्स निर्धारित समय पर कमाण्ड सेंटर में उपस्थित हो। यह भी सुनिश्चित किया जाये कि शिफ्ट बदलने के समय पर प्रत्येक शिफ्ट प्रभारी आने वाली टीम के लिए एक हैण्डओवर नोट दे जायें, जिससे कि उस समय तक की पेशेंट कॉलिंग एवं एडमीशन की असली स्टेट्स उन्हें पता रहे और व्यवस्थित तथा निर्बाध रूप से एडमीशन का कार्य सम्पन्न किया जा सके।

प्रभारी अधिकारी कोविड.19 द्वारा निर्देश दिये गये कि किसी भी मरीज द्वारा कॉल सेण्टर से एडमीशन के लिए सम्पर्क करने पर उनका एक युनिक आईडी रामा इन्फोटेक प्रालि द्वारा जनरेट कराया जाये। जिसके बारे में जानकारी एक एसएमएस के माध्यम से मरीज को दी जाये ताकि उन्हें अपने रिक्वेस्ट पर अग्रेतर क्या कार्यवाही हुई, उसकी जानकारी प्राप्त हो सके। एडमिशन हो जाने पर मरीज, एम्बुलेंस कण्ट्रोल एवं सम्बन्धित अस्पताल को पुन: एसएमएस के माध्यम से सूचना दी जाय ताकि भर्ती प्रकिया में किसी भी प्रकार से अनावश्यक विलम्ब न हो।

मनमाना किराया वसूलने पर एक एंबुलेंस जब्त, दो के कटे चालान

लखनऊ। एंबुलेंस के मनमाने किराये के खिलाफ धरपकड़ अभियान में तीन एंबुलेंस पकड़े गए। मंगलवार को यह अभियान शहर के सरकारी हास्पिटल के बाहर खड़े एंबुलेंस के खिलाफ चलाया गया। जहां मरीज के परिजन बनकर एंबुलेंस चालक से हुई बातचीत में सात किलोमीटर का तीन हजार रुपये मांगने पर यह कार्रवाई की गई है। जिसमें चंद दूरी के बदले मनमाना किराया मांगने के आरोप में एक एंबुलेंस को जब्त करते हुए दो एंबुलेंस के चालान काटे गए। बता दें कि जिला प्रशासन की ओर से किलोमीटर के हिसाब से एंबुलेंस का किराया तय किया गया है। इससे ज्यादा किराया एंबुलेंस मालिक ले नहीं सकते है। यात्रीकर अधिकारी आशुतोष उपाध्याय ने बताया कि बलरामपुर हास्पिटल के बाहर और विवेकानंद हास्पिटल के बाहर छापेमारी करते हुए तीन एंबुलेंस पकड़े गए है। एक एंबुलेंस को थाने में बंद करा दिया गया। बाकी दो एंबुलेंस को चालान काटकर चेतावनी देकर छोड़ दिया गया है।

लखनऊ में फिलहाल नहीं खुलेंगी शराब की दुकानें, कई जिलों में 11 दिन बाद उठे शटर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना वायरस की दूसरी लहर के बीच उत्तर प्रदेश में अभी लॉकडाउन लगा हुआ है लेकिन इस पाबंदी के बीच कुछ जिलों में पिछले 11 दिनों से बंद चल रही सभी शराब और बीयर की दुकानें खोलने का निर्देश दे दिया गया। शासन ने शराब की दुकानों को खोलने का फैसला जिलाधिकारियों पर छोड़ दिया है। प्रदेश की राजधानी लखनऊ में कोरोना संक्रमण की वर्तमान स्थिति को देखते हुए फिलहाल जिला प्रशासन ने अभी दुकानें खोलने की इजाजत नहीं दी है। माना जा रहा है जब तक कोरोना के आंकड़ों में तेजी से सुधार नहीं आता तब तक लखनऊ में शराब की दुकानें बंद ही रखी जाएंगी।

प्रदेश के कई शहरों में मंगलवार से शराब की दुकानें खोल दी गईं हैं। कई जगह पर इनको सुबह 10 बजे से दोपहर एक बजे तक खोले जाने का

निर्देश है तो कुछ जगहों पर दोपहर 12 बजे से शाम को छह बजे तक और कुछ जिलों में सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे तक का समय तय किया गया है।

प्रदेश सरकार ने शराब को आवश्यक सेवा में रखा है। कर्फ्यू का फ़ैसला करते वक्त सरकार की तरफसे आबकारी की दुकानें को बंद करने का कोई आदेश नहीं था लेकिन पिछले कई दिनों से दुकानें बंद चल रही हैं। जिसकी वजह से दुकानदारों ने आपत्ति दर्ज कराई थी। कोरोना की दूसरी लहर की चेन तोड़ने के लिए शासन ने कोरोना कर्फ्यू लगाया है। पिछले दिनों शुक्रवार की रात आठ बजे से लेकर मंगलवार की सुबह सात बजे लाकडाउन किया गया। इसके बाद अवधि बढ़ा लाकडाउन को बृहस्पतिवार तक का कर दिया गया। इसके बावजूद संक्रमण पर काबू न होने पर शासन ने 10 मई तक का कोरोना कर्फ्यू लगा दिया। इसके बाद लाकडाउन को 17 मई तक कर दिया गया है।

उल्लेखनीय है कि यूपी शराब एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर शराब की दुकानों को खोलने की इजाजत मांगी थी। एसोसिएशन का कहना था कि बंदी की वजह से रोजाना 100 करोड़ का नुकसान हो रहा है। साथ ही उनका तर्क था कि कोरोना कर्फ्यू की गाइड लाइन में भी दुकानों के बंद करने का कोई जिक्र नहीं है। इसी क्रम में शासन स्तर पर निर्देशित कर दिया गया कि जिलाधिकारी अपने जिले की स्थिति को देखते हुए शराब की दुकानें खोलने की इजाज़त दे सकते हैं।

कोरोना महामारी से जान गंवाने वालों के परिजनों को मुआवजा देने की मांग

लखनऊ (वि.सं.)। कोरोना की वजह से जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को मुआवजा देने के मसले पर हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ में एक जनहित याचिका दाखिल की गई है। डॉ. संदीप पांडेय ने इस याचिका में वर्तमान महामारी से जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को सद्भावनापूर्ण मुआवजा देने का निर्देश केंद्र व राज्य सरकार को देने की मांग की है। पीठ के समक्ष सुनवाई के दौरान उनकी ओर से कहा गया कि सुप्रीम कोर्ट ने भी इस विषय पर विचार विमर्श करने का निर्देश सरकार को दिया है। इस पर राज्य सरकार की ओर से पेश वकील का कहना था कि कोविड.19 महामारी से जुड़े सभी मुद्दों पर हाईकोर्ट की इलाहाबाद खंडपीठ में भी सुनवाई चल रही है। जस्टिस रितुराज अवस्थी एवं जस्टिस मनीष माथुर की पीठ ने इस पर मामले की अगली सुनवाई जुलाई में सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया। साथ ही यह भी कहा कि यदि इस दौरान सुप्रीम कोर्ट अथवा हाईकोर्ट की इलाहाबाद खंडपीठ इस मुद्दे पर कोई निर्णय देती है, तो उसे इस कोर्ट के रिकॉर्ड पर लाया जाए।

बेटी को संभाल रहे परिवार वाले खुद जुटी हैं मरीजों की सेवा में

नर्सेज डे पर विशेष

● हॉस्पिटल से मरीज के स्वस्थ होकर घर जाने पर मिलती है खुशी: पूजा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोविड के दौरान जहाँ हर किसी की इच्छा होती है कि वह अपने परिवार के करीब रहे वहीं कुछ ऐसे भी कोरोना योद्धा हैं जो अपने छोटे छोटे बच्चों को परिवार को सौंप खुद कोविड उपचाराधीनों की सेवा में जुटे हैं। शायद यही कारण है कि चिकित्सा सेवा में जहाँ डाक्टर को धरती का भगवान माना जाता है वहीं नर्स को सेवा की प्रतिमूर्ति का दर्जा दिया जाता है। इसीलिए मानवता की सेवा को समर्पित फ्लोरेंस नाइटिंगेल के सम्मान में और चिकित्सा सेवा में नर्सो के सराहनीय योगदान के लिए हर साल 12 मई को

अंतर्राष्ट्रीय नर्सेज डे मनाया जाता है। कोरोना योद्धा के सम्मान से पिछले वर्ष सम्मानित बलरामपुर जिला अस्पताल की नर्स पूजा कश्यप का कहना है कि दूसरों की सेवा करने के भाव ने ही मुझे नर्सिंग के क्षेत्र में आने के लिए प्रेरित किया। मुझे इस पेशे में छह साल हो गए हैं। कोविड के दौरान तो मुझे इस बात से बहुत ज्यादा ही खुशी मिलती है जब मरीज ठीक होकर वापस घर जाते हैं। हम अपने मरीजों के साथ भावनात्मक रूप से भी जुड़ जाते हैं क्योंकि हम उनकी अनवरत देख रेख करते हैं। वह कहती हैं कि कोविड की ड्यूटी के दौरान गर्मी के मौसम में छह घंटे पीपीई किट पहनना बहुत कष्टकारी होता है लेकिन सुरक्षा भी बहुत जरूरी है। हमें ड्यूटी के दौरान बहुत सावधानी बरतनी पड़ती है ताकि संक्रमण की जद में आने से बच सकें। पूजा बताती हैं कि हमें परिवार का भरपूर सहयोग मिलता है। संयुक्त परिवार में हम रहते हैं, इसलिए मेरी तीन साल की बच्ची को परिवार के सदस्य मेरी कमी महसूस नहीं होने देते। सामान्य दिनों में तो आठ घंटे की ड्यूटी दिन या रात में कभी भी लग जाती है लेकिन कोविड वार्ड में जब ड्यूटी लगती है तो 15 दिन तक हम घर नहीं जाते हैं। ऐसे में मुझे पिछले दिनों अपनी बच्ची से 15 दिन दूर रहना पड़ा जिसका दु:ख मुझे रहता है लेकिन जब आप एक सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हैं तो व्यक्तिगत चीजें मायने नहीं रखती हैं। मैं लोगों को यह सन्देश देना चाहती हूँ कि डाक्टरए नर्स और अन्य सभी लोग कोरोना को हराने के लिए लड़ रहे हैं। आप सभी का सहयोग करें, घर पर ही रहें, कोविड से बचाव के प्रोटोकॉल का पालन करें।

ईंट से कूंच कर हत्या, गांव के बाहर मिला शव

● चेहरा बिगाड़ने की कोशिश, बेटे की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

गोसाईंगंज के रानीखेड़ा गांव निवासी राम सजीवन का गांव के बाहर खाली पड़े प्लाट में लहूलुहान शव मिलने से आसपास के क्षेत्र में सनसनी फैल गई। ग्रामीणों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर छानबीन के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हत्यारों ने मृतक का चेहरा बिगाड़ने की पूरी कोशिश की उसके सर व चेहरे पर कई वार किए। गोसाईंगंज पुलिस ने खून से लथपथ ईट व मृतक का अन्य सामान भी जब्त कर लिया। जानकारी के अनुसार रामसजीवन का बीते काफी समय से अपनी पत्नी से विवाद चल रहा था, जिसकी वजह से वह घर से अलग रहता था। मृतक मकान आदि की पेंटिंग काम करता था। मृतक के परिवार में पत्नी फूलमती, बेटी नीतू, रेनू व दो बेटे रवि व सौरभ हैं।

मृतक के बेटे रवि के मुताबिक वह सोमवार की शाम करीब 7 बजे घर से निकले थे। जो रात को वापस नहीं आये। परिजनों को सुबह ग्रामीणों द्वारा बताए जाने पर पता चला। बेटे रवि मुताबिक वह कभी कभी पुराने घर पर सो जाते थे इस लिए रात के वक्त किसी ने ढूंढने के प्रायास नहीं किया। राम सजीवन को हत्यारों ने किसी बहाने गांव के बाहर बुलाकर ईट से सर पर वार कर हत्या की। मृतक ने अपने बचाव का प्रयास किया। जिससे उसके हाथों पर खरोच के निशान देखे गए। हत्यारों ने उसके सिर को झाड़ियों के बीच दबा कर ईंट से वार कर मार डाला।

हत्या के बाद घटना स्थल की छानबीन के दौरान गोसाईंगंज पुलिस के हत्या में प्रयोग की गई ईट व उसके अन्य सामान को जब्त कर लिया है। पुलिस का मानना है कि जब्त की गई ईट से केस को सुलझाने में काफी मदद मिलेगी। इस बारे में एडीसीपी दक्षिणी पूर्णेन्दू सिंह का कहना है कि प्रथम दृष्टया पेन्टर की हत्या ईट से कूच कर किये जाने की आशंका लग रही है। मामले की पूरी गहनता से जांच पड़ताल की जा रही है। जल्द ही हत्या में शामिल लोगों को पकड़कर घटना का खुलासा किया जायेगा।

रेलवे ट्रैक पर पड़ा मिला शव, सात के खिलाफ हत्या का मुकदमा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

गोसाईंगंज के रामपुर गांव के किसान केशन का संदिग्ध परिस्थितियों में क्षत विक्षत शव गोमीखेड़ा गांव के पास रेलवे ट्रैक पर पड़ा मिला। मृतक के भाई ने बताया कि वो जमीन बिक्री की बकाया रकम लेने प्रॉपर्टी डीलर के घर गया था। भाई ने पुलिस को प्रॉपर्टी डीलर सहित सात लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराने के लिए तहरीर दी है। जानकारी के मुताबिक गोसाईंगंज के रामपुर निवासी किसान केशन की करीब 15 बिस्वा जमीन एक लक रुपये बिस्वा के हिसाब से क्षेत्र के ही प्रॉपर्टी डीलर मोहित ने मोहम्मदपुर गढ़ी गांव निवासी रामप्रकाश और सावित्री देवी के नाम बैनामा करा दी थी। मृतक के भाई ननकऊ का आरोप है कि जमीन की बिक्री के बाद आरोपियों ने एक लाख रुपये का चेक दिया था। जबकि बाकी की शेष तकं नही दी थी। बकाया रकम लेने के लिए केशन सोमवार की शाम करीब चार बजे घर से मोहित और रामप्रकाश के घर जाने की बात कह कर निकला था। लेकिन रात तक वापस नही लौटा।

मंगलवार सुबह उन्हें गोमीखेड़ा गांव के पास उनके भाई केशन के रेलवे ट्रैक पर क्षत विक्षत शव पड़े जानकारी मिली। सूचना पर पहुची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि मृतक के भाई की तहरीर पर मोहित, रामप्रकाश, सावित्री, गुलाब सिंह, सुधीर कुमार, सुधाकर निवासी मोहम्मदपुर गढ़ी व आदित्य साहू निवासी संजय नगर अमेठी के खिलाफमुकदमा दर्ज कराने के लिए कोतवाली पर तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। आरोपियों को धर पकड़ के लिए पुलिस टीमें बनाई गई है। जो उनकी तलाश में दबिश दे रही है। गौरतलब है कि जमीन बिक्री की बकाया रकम दबंग प्रॉपर्टी डीलर द्वारा न दिए जाने पर केशन ने 24 मार्च और दूसरी बार 5 अप्रैल को दबंग प्रॉपर्टी डीलर और जमीन खरीदारों द्वारा जान से मारने की धमकी दिए जाने की लिखत शिकायत की थी। लेकिन इसके बाद भी गोसाईंगंज पुलिस ने अरोपिये के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर सख्त कार्रवाई नही की। ननकऊ का आरोप है कि अगर पुलिस समय से आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर बकाया रकम दिलवा देती तो शायद केशन की हत्या न हुई होती।

जलशक्ति मंत्री 15 के बाद बाढ़ सम्बंधी कार्यों का करेंगे स्थलीय निरीक्षण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

जलशक्ति मंत्री डा महेन्द्र सिंह ने मानसून से पूर्व बाढ़ सुरक्षा के लिए ग्रामीण क्षेत्रो से जल निकासी सुचारू बनाये जाने के लिए नालों व ड्रेनज की सफाई 15 जून से पहले पूरा किये जाने निर्देश दिये हैं। इसके साथ ही पुल पुलियों की मरम्मत एवं प्रस्तावित निर्माण का कार्यों को लक्ष्य के अनुरूप इस माह के अन्त तक पूरा कराने को कहा है। महेन्द्र सिंह ने कहा कि निर्माण कार्यों को कराते समय कोरोना के प्रोटोकॉल का हर स्तर पर पालन कराया जाये। उन्होंने यह भी निर्देश दिये हैं कि कोरोना के कारण यह समय अत्यन्त कठिन है। इसके बावजूद भी सभी सावधानियों का ध्यान रखते हुए अपने कार्यों को पूरा करायें। जलशक्ति मंत्री ने विभागाध्यक्ष के माध्यम से फील्ड स्तर के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि 15 मई के पश्चात वह विभिन्न जनपदों के निरीक्षण पर निकलेंगे और इसके दौरान बाढ़ से बचाव सम्बन्धी कार्यों पुल पुलियों की मरम्मत एवं निर्माण सम्बन्धी कार्य तथा नालों की सफाई के लिए कराये जा रहे कार्यों का सत्यापन एवं गुणवत्ता का अवलोकन करेंगे। मंत्री के इन निर्देशों की जानकारी सिंचाई मुख्यालय द्वारा उपलब्ध करायी गयी है। डा महेन्द्र सिंह ने सभी क्षेत्रीय अभियन्ताओं को शुरू किये गये कार्यों को गुणवत्ता पूर्वक पूरा कराये जाने के भी निर्देश दिये है। उन्होंने कहा है कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी जून माह के अन्त से बरसात होने की सम्भावना है। इसलिए बाढ़ से बचाव के लिए प्रस्तावित कार्यों को समय से पहले पूरा करा लिया जायेए जिससे बाढ़ के दौरान जनधन की हानि न हो सके और बांधों एवं तटबन्धों को सुरक्षित बनाया जा सके। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री द्वारा गत वर्ष समय समय पर दिये गये मार्गदर्शन एवं जलशक्ति मंत्री द्वारा बाढ़ से बचाव के लिए तैयारी की लगातार समीक्षा के फलस्वरूप बाढ़ से जन धन की हानि नहीं हुई और तटबन्ध भी सुरक्षित रहे।

भंडारण आवेदन पत्रों का शीघ्र निस्तारण किया जाए: जैकब

● उपखनिजों की अनुपलपब्धता के चलते बाजार में दाम बढ़ने की संभावना बनी रहती है

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म डॉ. रोशन जैकब ने समस्त जिलाधिकारियों से अपेक्षा की है कि उपखनिजों के भंडारण अनुज्ञा हेतु जनपदों में प्राप्त आवेदन पत्रों का उत्तर प्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण निवारण) नियमावली-2018 के प्रावधानों के अंतर्गत नियमानुसार यथाशीघ्र निस्तारण कर मानसून से पूर्व पर्याप्त उपखनिज(बालू एवं मोरम) का भंडारण सुनिश्चित कराएं। डा. जैकब ने जिलाधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि भंडारण अनुज्ञप्ति जारी करते समय यह ध्यान रखा जाए कि भंडारण अनुज्ञप्ति की आड़ में नदी तल से अवैध खनन की संभावना न होए अभिवहन प्रपत्र का दुरुपयोग ना होने पाए एवं न्यायालयों द्वारा पारित आदेशों का अनुपालन भी सुनिश्चित हो। श्रीमती जैकब ने बताया कि उत्तर प्रदेश खनिज नियमावली. 2018 के अंतर्गत खनिजों के भंडारण अनुज्ञप्ति निर्गत करने का प्राविधान है। मानसून अवधि में उपखनिजों की अनुपलपब्धता हो जाने के कारण बाजार में उपखनिजों के मूल्य वृद्धि होने की संभावना बनी रहती है। इसके दृष्टिगत डॉ रोशन जैकब ने जनपद स्तर पर लंबित आवेदन पत्रों पर नियमानुसार कार्रवाई कराते हुए यथाशीघ्र मई के द्वितीय सप्ताह तक निस्तारण किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया है ताकि मई के अवशेष अवधि एवं माह जून में खनिजों का पर्याप्त भंडारण हो सके तथा मानसून अवधि में उपलब्धता की निरंतरता बनी रहे और उनके मूल्य वृद्धि पर नियंत्रण भी हो सके।

व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से अधिकारियों तक पहुंचा सकेंगे किसान अपनी समस्याएं

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना संक्रमण काल में किसानों को लाभान्वित करने के लिए कृषि विभाग किसानों व अधिकारियों का संयुक्त व्हाट्सएप ग्रुप बना रहा है। इस व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से कृषि विभाग के अधिकारी कृषकों को कृषि से संबंधित जानकारी के साथ ही साथ प्रदेश सरकार की योजनाओं से भी अवगत कराएंगे। साथ ही कृषकों की समस्याओं को भी जानेंगे।

कृषि निदेशक के मुताबिक व्हाट्सएप ग्रुप में सभी संबंधित विभाग के अधिकारियों के साथ जनपद स्तर के कृषि अधिकारियों को जोड़ा जाएगा। न्याय पंचायत स्तर पर तकनीकी सहायक 8-10 किसानों का एक ग्रुप बनाकर उन्हें कृषि कार्यों से संबंधित तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। इस ग्रुप का उपयोग किसानों को कृषि तकनीकी की जानकारी मुहैया कराने के लिए किया जाएगा। कृषि निदेशक ने बताया कि अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि किसानों को समय से खाद एवं बीज उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। साथ ही अपने अपने क्षेत्र के किसानों की फसल की लोकप्रिय वैरायटी के बीज की डिमाण्ड उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि व्हाट्सएप के माध्यम से धान एवं दलहन के फसलों के लिए तकनीकी प्रयोग की भी जानकारी किसानों को दी जाए ताकि बीज एवं खाद की लागत कम की जा सके। इसके अतिरिक्त ढैंचे एवं जिप्सम का भी प्रचार कर अधिक से अधिक किसानों को लाभान्वित किया जाए। उन्होंने बताया कि प्रदेश में यूरियाए डीएपीए एनपीके और पोटाश की कहीं कोई कमी नहीं है। प्रदेश के किसानों को किसी भी प्रकार की कोई समस्या नहीं होने दी जाएगी।

सपा नेता आईपी सिंह समेत तीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज

● थाईलैंड की स्पा गर्ल मामले में संजय सेठ का नाम लेकर किया था ट्वीट

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना से संक्रमित थाइलैंड की स्पा गर्ल की लखनऊ में मौत के मामले में भाजपा राज्यसभा सांसद संजय सेठ व उनके बेटे का नाम ट्वीट करने के आरोप में सपा नेता सहित तीन के खिलाफ गौतमपल्ली थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। राज्यसभा सदस्य संजय सेठ के निजी सचिव की तहरीर पर गौतमपल्ली थाने में केस दर्ज किया गया। उधर सपा प्रवक्ता आईपी सिंह ने पुलिस की कार्रवाई को राजनीति से प्रेरित बताया है इस बारे में उन्होंने कहा कि एक मासूम थाई गर्ल की मौत हो गई, उसकी विवेचना करने के बजाय पुलिस भाजपा सांसद की शिकायत की विवेचना कर रही है। डीसीपी ईस्ट संजीव सुमन के मुताबिक ओटी थाई स्पा को सील करवा दिया गया है, जहां पर थाइलैंड की युवती बीते तीन वर्ष से काम करती थी। इसके साथ ही स्पा के मैनेजर तथा युवती के मोबाइल की कॉल डिटेल के आधार पर लखनऊ के 50 से अधिक लोग पुलिस के रडार पर है जिनसे इनसे भी पूछताछ की जाएगी। समाजवादी पार्टी के नेता आईपी सिंह , महेंद्र कुरिया तथा रामदत्त तिवारी के खिलाफ 67 आईटी एक्ट तथा आईपीसी 500 में एफआइआर दर्ज कराई गई है। थाइलैंड की स्पा गर्ल की कोरोना वायरस संक्रमण के मौत के मामले में भाजपा नेता तथा राज्यसभा सदस्य संजय सेठ के पुत्र का नाम थाईलैंड की स्पा गर्ल से जोड़ने के आरोप में यह मामला दर्ज हुआ। आरोपितों ने थाई युवती को लखनऊ बुलाने का आरोप संजय सेठ के पुत्र पर लगाया था। वहीं पुलिस का कहना है कि स्पा के मालिक राकेश शर्मा से भी जल्दी पूछताछ होगी।

एटीएम कार्ड का क्लोन बनाकर वैज्ञानिक को लगाई 8078 की चपत

लखनऊ। जालसाजों ने एटीएम का क्लोन बनाकर एक वैज्ञानिक के खाते से 8,078 रुपये निकाला लिए पीड़ित ने बैंक में शिकायत करने के साथ ही जानकीपुरम थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पाकेट-बी, आकांक्षा परिसर जानकीपुरम निवासी डॉ संजय प्रसाद गुप्ता 44 राष्ट्रीय सांस्कृतिक संपदा संरक्षण अनुसंधानशाला में वैज्ञानिक (समूह क) राजपत्रित के पद पर सेवारत है। डॉ संजय के अनुसार केनरा बैंक हजरतगंज शाखा में उनका बचत खाता है। जालसाजों ने उनके एटीएम कार्ड का क्लोन बनाकर तीन मई को उनके खाते से 8,078.52 रुपये निकाल लिया। मोबाइल पर मैसेज आने पर उन्हें ठगी का पता चला।

कोरोना कर्फ्यू के चलते 150 बसों पर लगा ब्रेक

लखनऊ। कोरोना कर्फ्यू ने रोडवेज की लखनऊ क्षेत्र की सवा सौ बसें और 25 अनुबंधित बसें मिलाकर 150 बसों पर ब्रेक लग गया है। इनमें स्कैनिया, वोल्वो, शताब्दी, जनरथ समेत कई लग्जरी श्रेणियों की बसें शामिल हैं। इनमें वोल्वो, एसी शताब्दी, एसी स्लीपर बसें अनबुंधित निजी ऑपरेटरों की है। इन बसों को सरेंडर करने के लिए क्षेत्रीय प्रबंधक ने वाहन मालिकों को नोटिस जारी किया है। वहीं परिवहन निगम की एसी जनरथ बसों को भी सरेंडर कराने की कार्रवाई की जा रही है। क्षेत्रीय प्रबंधक पल्लव बोस ने बताया कि बस स्टेशनों पर यात्री नहीं हैं। आम यात्री निकल नहीं रहे। ऐसे में बसों को सरेंडर करने के लिए नोटिस जारी कर दी गई है। आम सेवाएं भी पचास फीसद यात्रियों के साथ ही चल रही हैं। निगम का बड़ा बेड़ा डिपो में खड़ा करा दिया गया है।

गुडम्बा में सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने फांसी लगाई

लखनऊ। गुडम्बा थाना क्षेत्र के सेक्टर.एच में एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नही मिला है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सेक्टर-एचए जानकीपुरम निवासी दिलीप कुमार शाह पत्नी मीना देवीएबेटी उर्मिला बेटा रिंकू व शनि शाह के साथ रहते है। पिता दिलीप के अनुसार उनका बेटा शनि शाह (22) बीटेक करने के बाद घर से सॉफ्टवेयर इंजीनियर का काम करता था। मंगलवार की दोपहर शनि ने घर के कमरे में रस्सी के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर की। इंस्पेक्टर ने बताया घटना की जांच की जा रही है।

पांच जुआरी गिरफ्तार, रुपए बरामद

लखनऊ। जानकीपुरम पुलिस ने हार जीत की बाजी लगा रहे पांच जुआरियों को गिरफ्तार करने का दावा किया है। इंस्पेक्टर जानकीपुरम ब्रजेश सिंह ने बताया कि उपनिरीक्षक सुधांशु रंजन ने टीम के साथ मुखबिर की सूचना पर खदरी क्रासिंग के पास हार जीत की बाजी लगा रहे पांच जुआरियों को गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपितों की पहचान रानीखेड़ाए जानकीपुरम निवासी मजनू कश्यप, शंकरपुर, मड़ियांव निवासी लल्लन गौतम, मुरई ताजपुर, मितौली, खीरी निवासी अमर पाल, शंकरपुर, मडियांव निवासी संजय गौतम, दीपक गौतम के रूप में हुई है। तलाशी में आरोपितों के पास से पुलिस ने 1420 रुपये नकद व 52 ताश के पत्ते बरामद किया।

यात्रियों के अभाव में कई ट्रेनें रद

लखनऊ। पूर्वोत्तर रेल प्रशासन नेद् परिचालनिक कठिनाईयों और यात्रियों की संख्या बहुत कम होने के चलते कई ट्रेनों का संचालन रद करने का निर्णय लिया है। इनमें से कई ट्रेनों का संचालन लखनऊ से किया जाता है। यह ट्रेनें अगले आदेशों तक रद रहेंगी। जिनमें ट्रेन नंबर 02531 गोरखपुर-लखनऊ जं. विशेष ट्रेन 13 मई से एवं ट्रेन नंबर 02532 लखनऊ जं-गोरखपुर विशेष ट्रेन भी 13 मई से रद रहेगी। वहीं ट्रेन नंबर 05205 लखनऊ जंण.जबलपुर 13 मई और ट्रेन नंबर 05206 जबलपुर-लखनऊ जं. एक्सप्रेस 14 मई से अगली सूचना तक निरस्त रहेगी।

13 हजार प्रवासी श्रमिक लखनऊ पहुंचे

लखनऊ। कोरोना कफ्यू के बीच मुंबई, दिल्ली समेत कई राज्यों से आ रही ट्रेनों से मंगलवार को 13 हजार श्रमिक लखनऊ पहुंचे। चारबाग रेलवे स्टेशन और लखनऊ जंक्शन पर उतरे इन यात्रियों को मौके पर बसों से गृह जनपदों को भेजा गया। इसके अलावा चारबाग, आलमबाग, कैसरबाग और अवध बस स्टेशन से शाम तक 538 बसों से 13 हजार 330 श्रमिकों को 12 विभिन्न जिलों में बसों से रवाना किया गया।

विभूतिखंड पुलिस ने मोबाइल लुटेरे को दबोचा

लखनऊ। राजधानी की विभूतिखंड पुलिस ने एक शातिर लुटेरे को गिरफ्तार करने का दावा किया है पुलिस का कहना है कि आरोपी मौका पाते ही राह चलते लोगों का मोबाइल फ़ोन लूटकर फरार हो जाता था पुलिस ने आरोपी के कब्जे से लूटा हुआ मोबाइल फोन बरामद किया है । जानकारी के अनुसार अपराधियों के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत विभूतिखंड पुलिस गस्त पर थी तभी पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली की मोबाइल लूट की घटना को अंजाम देने वाला शातिर इलाके में मौजूद है पुलिस ने मुखबिर की बात पर भरोसा किया और मौके पर पहुँच कर शातिर को दबोच लिया पुलिस पूछताछ में उसने अपना नाम बहराइच निवासी महेश रावत बताया पुलिस ने उसके कब्जे से लूटा गया मोबाइल फ़ोन बरामद कर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

व्यापारियों ने लगाया पुलिस पर बेवजह तंग करने का आरोप

निगोहां। कोरोना महामारी को देखते हुए राज्य सरकार की ओर से आंशिक लॉक डाउन जारी है जिसको लेकर कस्बे के व्यापारी पालन भी कर रहे है निगोहा पुलिस भी पूरी तरह से मुस्तेद है। वही निगोहा पुलिस की कार्यशैली से कुछ व्यापारियों ने नाराजगी व्यक्त जरूर की है। उनका आरोप है कि हल्का दारोगा कस्बे में स्थित दुकानदारो को बेवजह परेशान करने में लगे हुए है। कस्बे के कई दुकानदारों व फल विक्रेता को डंडो से पिटाई भी वही कुछ दुकानदारों को बेवजह बेज्जत कर गालीगलौज की है कई व्यापारियों ने बताया कि हाल ही में पंचायत चुनाव सम्पन्न हुये है जहाँ वोटो की नाराजगी जाहिर करते हुए निगोहा पुलिस को फर्जी सूचना देकर कस्बे दुकानदारों को परेशान कराया जा रहा है।

अवैध रूप से शराब बेच रहा कारोबारी गिरफ्तार

● कब्जे से भारी मात्रा में शराब व बीयर बरामद, एक आरोपी मौके से हुआ फरार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राजधानी की गाजीपुर पुलिस ने अवैध रूप से शराब बेच रहे लग्जरी सवार कारोबारी को गिर तार कर उसके कब्जे से भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब और बियर बरामद की है जहां एक तरफ कोरोना महामारी को लेकर पूरे प्रदेश में लॉक डाउन घोषित कर बीमारी की चेन तोड़ने के प्रयास में पुलिस उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई करने में जुटी है तो वहीं कई ऐसे लोग हैं जो आपदा में अवसर तलाशने में जरा भी कसर नहीं छोड़ रहे हैं। ताजा मामला गाजीपुर इलाके का हे जहां पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली की मुंशीपुलिया स्तिथ सेक्टर 16 के पास एक कारोबारी मौजूद है जो सफारी कार में अंग्रेजी शराब और बियर रखे हुए और अधिक दामों में बेच रहा है सूचना पाते ही चौकी इंचार्ज पोलिटेकनिक कमलेश राय आईसी मुंशीपुलिया नागेंद्र सिंह सिपाही ऋषि तिवारी व सिपाही प्रदीप चौधरी मौके पर पहुंचे और तत्काल दबोच लिया पुलिस पूछताछ में कारोबारी ने अपना नाम इंदिरानगर गाजीपुर निवासी प्रिन्स उर्फ़ रजत गुप्ता बताया पुलिस ने उसके कब्जे से भारी मात्रा में शराब और बियर बरामद की है पुलिस कहना हे की आरोपी का इक साथी फरार है जिसकी तलाश की जा रही है।

250 लोगों को भोजन के पैकेट, पानी व मास्क बांटे

● ह्यूमन वेलफेयर इक्वल जस्टिस संस्था ने कोविड प्रोटोकॉल के बीच पहुंचाई राहत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

वैश्विक महामारी कोरोना में मंगलवार को ह्यूमन वेलफेयर इक्वल जस्टिस संस्था द्वारा सिविल हॉस्पिटल, मेडिकल कॉलेजए बलरामपुर हॉस्पिटल समेत राजधानी के के विभिन्न कोविड अस्पतालों में जरूरतमंदों को भोजन के पैकेट, पानी व मास्क वितरित किया गया। संस्था द्वारा कोविड-19 के सभी प्रोटोकॉल के पालन के बीच भोजन तैयार कर कोविड-19 मानकों के अनुरूप ही उसका वितरण करवाया जा रहा है।

संस्था के संस्थापक हेमन्त कुमार मिश्रा ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि कोरोना से रिकवरी के लिए आवश्यक है कि मरीजों को पौष्टिक भोजन मिलता रहे। साथ ही उनकी देखभाल करने वालों के लिए भी पौष्टिक भोजन ही बचाव का बड़ा आधार है। ऐसे में अगर मरीज अस्पताल में भर्ती हो तो भोजन एक बड़ी समस्या बन जाता है। इस कठिनाई को ध्यान में रखते हुए संस्था द्वारा 250 लोगों को भोजन के पैकेट का वितरण किया गया। श्री मिश्रा ने कहा कि करोना की इस बार की लहर ने हर शख्स को जैसे परेशान और लाचार कर रखा है। जिनके परिजन कोरोना से संक्रमित होकर अस्पताल पहुंच चुके हैं उनके लिए खाना पीना सब कुछ दूभर हो चुका है। साथ ही लॉक डाउन की वजह से अस्पतालों के आसपास की दुकानें ना खुलने से उनकी स्थिति और विकट हो चुकी है। ऐसे में संस्था द्वारा मरीजों और तीमारदारों के लिए राहत पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान संस्था के संस्थापक हेमंत कुमार मिश्रा के साथ संरक्षक मनीष जैन, जिलाध्यक्ष सीतापुर सत्येंद्र कुमार शुक्ला, जिलाध्यक्ष उन्नाव अभिषेक मिश्रा, विवेक पाण्डेय, उमेश यादव, राघवेंद्र सिंह यादव, कुंवर प्रताप सिंह, सत्येंद्र यादव व शुभम गुप्ता उपस्थित रहे।

परिवार के लिए राशन नहीं जुटा पाया, कर ली खुदकुशी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राजधानी में एक ऐसी घटना सामने आई जिसने भी सुनी सभी को झकझोर कर रख दिया ताजा मामला हसनगंज का है जहां लॉकडाउन में परिवार के लिए राशन न जुटा पाने पर एक युवक ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। उसका शव लटका देखकर घरवालों ने हसनगंज के मदेयगंज पुलिस चौकी पर सूचना दी। पुलिस ने शव को नीचे उतारने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हालांकि पुलिस का कहना है कि उसने फांसी क्यों लगाई। इसका कारण ज्ञात नहीं हो सका है। पड़ताल की जा रही है। खदरा के बड़ी पकरिया निवासी इकबाल 46 वर्ष ई रिक्शा चलाकर और मजदूरी करके परिवार का पेट पालता था। लॉकडाउन के कारण वह काफी परेशान था। पत्नी सफिया के मुताबिक उसने दोपहर में पति से बताया कि घर में राशन नहीं है। इस पर इकबाल घर से राशन की तलाश में निकला। उसके बाद वह खाली हाथ लौटा। पत्नी घरेलू काम में लगी थी जबकि चार बच्चे घर के बाहर थे। इसी बीच इकबाल ने दुपट्टे से छत के कुण्डे से फांसी लगा ली। कुछ देर बाद सफिया कमरे में पहुंची तो शव को लटका देखकर शोर मचाया। मोहल्ले वाले जुटने लगे। उन लोगों ने उसे नीचे उतारा लेकिन इकबाल की मौत हो चुकी थी।

प्रदेश में 21 लाख मेट्रिक टन से अधिक गेहूं की खरीद

● सहकारिता मंत्री की अध्यक्षता में जूम ऐप पर सम्पन्न हुई प्रदेश में गेहूँ भण्डारण की समीक्षा बैठक

11.57 लाख मेट्रिक टन का किया गया भण्डारण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुकुट बिहारी वर्मा सहकारिता मंत्री, अध्यक्ष यूपी राज्य भण्डारण निगम की अध्यक्षता में मंगलवार को को जूम ऐप के मध्यम से गेहूँ भण्डारण की समीक्षा हुई। बैठक में निगम के भण्डारगृहों की क्षमता एवं उपयोगिता की समीक्षा की गयी तथा अपर मुख्य सचिव, सहकारिता द्वारा आगरा, अलीगढ़, कानपुर, मेरठ एवं अयोध्या क्षेत्र की क्षमता की उपयोगिता को 90 प्रतिशत सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये, शेष क्षेत्र की क्षमता की उपयोगिता लगभग 90 प्रतिशत होने के फलस्वरूप इसे बनाये रखने तथा अग्रतर बढ़ाने के निर्देश दिये गये। गेहूँ भण्डारण की समीक्षा के सन्दर्भ में प्रबन्ध निदेशक राज्य भण्डारण निगम द्वारा अवगत कराया गया कि दिनॉक 11 मई 2021 तक प्रदेश में कुल 21.67 लाख मी टन की खरीद हुई है तथा 11.57 लाख मी टन का भण्डारण हो चुका है, जिसमें से राज्य भण्डारण निगम द्वारा अपने भण्डारगृहों में कुल 08.29 लाख मी टन का भण्डारण किया गया है। मंत्री जी द्वारा भण्डारण की स्थिति से अवगत होते हुए निर्देश दिये गये कि गेहूँ भण्डारण में किसी प्रकार की कोई समस्या नही आनी चाहिए।

मंत्री द्वारा निगम द्वारा अतिरिक्त भण्डारण क्षमता के चिन्हांकन की समीक्षा की गयी, इस सन्दर्भ में प्रबन्ध निदेशक भण्डारण निगम द्वारा बताया गया कि प्रदेश में लगभग 10 लाख मी टन की अतिरिक्त क्षमता का चिन्हांकन किया गया है जिसमें आवश्यकतानुसार भारतीय खाद्य निगम की सहमति उपरान्त भण्डारण कराया जायेगा। अतिरिक्त भण्डारण क्षमता के चिन्हॉकन की समीक्षा के दौरान निगम के कई क्षेत्रीय प्रबन्धकों द्वारा मण्डी परिषद की भूमि पर बन रहे भण्डारगृहों को भण्डारण हेतु उपलब्ध कराये जाने का अनुरोध किया गयाए जिस पर अपर मुख्य सचिव सहकारिता द्वारा कार्यदायी संस्थाओं राज्य निर्माण एवं श्रम विकास सहकारी संघ लि एवं राज्य निर्माण सहकारी संघ लि से शीघ्रताशीध्र भण्डारगृहों को हस्तांतरित कराने का आश्वासन दिया गया। बैठक में एमवीएस रामी रेड्डी, अपर मुख्य सचिव, सहकारिता, शासन, राज्य भण्डारण निगम के प्रबन्ध निदेशक श्रीकान्त गोस्वामी के साथ निगम के वरिष्ठ अधिकारी एवं समस्त क्षेत्रीय प्रबन्धक भी उपस्थित रहे।

सीएमएस छात्र को 62,000 अमेरिकी डालर की स्कॉलरशिप

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, कानपुर रोड कैम्पस के प्रतिभाशाली छात्र वंश नारंग को उच्चशिक्षा हेतु अमेरिका की एरिजोना स्टेट यूनिवर्सिटी द्वारा 62,000 अमेरिकी डालर की स्कॉलरशिप से नवाजा गया है। वंश को यह स्कॉलरशिप चार वर्षीय उच्चशिक्षा अवधि के दौरान प्रदान की जायेगी। इसके अलावा, अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफएरिजोना द्वारा भी इस मेधावी छात्र को स्कॉलरशिप के साथ उच्चशिक्षा हेतु आमन्त्रित किया गया है। इस प्रकार, सी.एम.एस. के एक और प्रतिभाशाली छात्र ने अपनी लगन, प्रतिभा व शैक्षणिक उत्कृष्टता के दम पर विदेश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में स्कॉलरशिप के साथ चयनित होकर लखनऊ का नाम गौरवान्वित किया है। सीएमएस के मुख्य जन-सम्पर्क अधिकारी हरि ओम शर्मा ने बताया कि प्रतिवर्ष सीएमएस के 100 से अधिक मेधावी छात्र विश्व के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में उच्चशिक्षा हेतु चयनित होते हैं। इस वर्ष अभी तक सीएमएस के 60 से अधिक छात्र अमेरिका, इंग्लैण्ड, कैनडा, आस्ट्रेलिया, जापान, सिंगापुर, जर्मनी आदि विभिन्न देशों के ख्यातिप्राप्त विश्वविद्यालयों में चयनित हो चुके है, जिनमें से अधिकतर को स्कॉलरशिप प्राप्त हुई है।

पायनियर
लखनऊ, बुधवार, 12 मई, 2021

जहरीली शराब पीने से संदिग्ध परिस्थितियों में 16 की मौत

- विधायक ने कहा, 16 लोगों की हो चुकी है मौत
- डीएम बोले पांच के मौत की हुई है पुष्टि, शेष के लिए जारी है जांच

संवाददाता। अंबेडकरनगर

विधायक सुभाष राय के साथ गांव में मौजूद डीएम, एसपी व अन्य अधिकारी

सोमवार की देर रात से शुरू हुई जहरीली शराब पीने से मौत का सिलसिला मंगलवार की शाम तक जारी रहा। जहरीली शराब पीने से संदिग्ध परिस्थितियों में 16 की मौत हो चुकी है, व एक दर्जन से ज्यादा लोग गंभीर हालत में अलग अलग अस्पतालों में इलाज करा रहे है। दो दिनों में एक दर्जन से अधिक लोगों की मौत से दहशत का माहौल कायम है। ग्रामीणों के मुताबिक जहरीली शराब पीने से मौत हो रही है। वहीं दूसरी तरफ डीएम बोले अभी 6 लोगों के मौत की ही पुष्टि हुई है, बाकी की जांच की जा रही है। जिला प्रशासन मौत के आंकड़े को छुपाने में जुटा है। मालीपुर, जैतपुर, कटका और जलालपुर थाना के लोगों की मौत हुई है।

जलालपुर तहसील क्षेत्र में संभावित जहरीली शराब से मौतों का सिलसिला लगातार जारी है। शराब से हुई मौत की जानकारी होने के बाद जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन ने पुलिस अधीक्षक आलोक प्रियदर्शी के अलावा अपर जिलाधिकारी, अपर पुलिस अधीक्षक समेत अन्य अधिकारियों से प्रभावित गांव का दौरा किया तथा मृतकों के परिजनों से जानकारी हासिल की। जिलाधिकारी ने शराब से 5 लोगों की मौत की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि अन्य मौतों के बारे में आवश्यक जानकारी की जा रही है। जल्द ही प्रशासन पूरी स्थिति को स्पष्ट करेगा। उन्होंने बताया कि मालीपुर थाना क्षेत्र में भी कुछ गांव में मौत की खबरें मिली है जिसकी जांच के लिए अपर जिलाधिकारी व अपर पुलिस अधीक्षक को भेजा गया है । वहीं दूसरी तरफ क्षेत्रीय विधायक सुभाष राय ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर जलालपुर तहसील क्षेत्र में शराब से 16 लोगों की मौत होने की बात कही है। उन्होंने कहा कि शराब से हुई मौत प्रशासन की विफलता का परिणाम है। विधायक के अनुसार सिहोरा गांव में पांच, शिवपाल गांव में एक, सोहगपुर में एक, कोटवा में एक, महगीपुर में एक, बैरागल में दो, रुकुनपुर में दो, टुटहवा में एक, कुलहिया पट्टी में एक तथा करमिसिरपुर में एक व्यक्ति की शराब पीने से मौत हुई है। जानकारी के अनुसार शादी समारोह से लौटने के दूसरे दिन बीमार हुए कुल चार लोगों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से क्षेत्र में कोहराम मच गया है।

परिजनों ने आननफानन में सभी शवो का अंतिम संस्कार कर दिया।सूत्रों के मुताबिक मालीपुर थाना क्षेत्र के बैरागल गांव से बीते रविवार को आजमगढ़ जनपद में लड़के की बारात गई थी।बारात जब सुबह लौटी तो बाजा बजाने वाले लोग बीमार हो गए।रात होते होते धीरे धीरे मौत होने लगी।सुबह तक मिली जानकारी के अनुसार कुल चार लोगों की मौत हो चुकी है और दर्जनों की स्थिति अभी भी गम्भीर है। जनचर्चा है कि सभी लोग बारात जाने से पहले मित्तूपुर से शराब लेकर आये थे। बारात में सभी ने शराब पिया। आंधी एवम पानी में सभी भीग गए।जब सुबह वापस लौटे तो उल्टी होने लगी। स्थानीय स्तर पर इलाज हुआ किन्तु रात बीतते बीतते चार की मौत हो गई। आननफानन में परिजनों ने सभी का अंतिम संस्कार कर दिया। राम प्रवेश तिवारी निवासी मोहनपुर थाना पवई जिला आजमगढ़, करमिसिरपुर निवासी खैंचू यादव,कुलहिया पट्टी निवासी शैलेंद्र राजभर, अशोक पुत्र रघुनाथ टुटहवा मालीपुर,निमेष पाले पुत्र जियालाल हुसेना बैरागल,सुधीश मौर्य बाभन पट्टी रूकुनपुर की मौत जहरीली शराब से होना बताया जा रहा है।

कोविड-19 से सफलतापूर्वक लड़ाई लड़ रही है सरकार: केशव मौर्य

- उप मुख्यमंत्री ने किया अस्पताल का लोकार्पण

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

अस्पताल का लोकार्पण करते डिप्टी सीएम केशव मौर्य

झलवा में उप्र के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अस्पताल का लोकार्पण किया। डिप्टी सीएम ने कहा कि वैश्विक महामारी कोरोना से केंद्र एवं प्रदेश की सरकार लगातार कारगर कदम उठा रही है। समाज के सहयोग से लगातार उत्तर प्रदेश एवं प्रयागराज के अंदर कोविड की दरों में लगातार गिरावट जारी है। बहुत जल्द हम इस पर सफलता प्राप्त कर लेंगे। भाजपा की सरकार और भाजपा कार्यकर्ता प्रधानमंत्री एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन पर सेवा ही संगठन है की संकल्प को लेकर हेल्प डेस्क के माध्यम से जनता की सेवा कर रही है। जनता की समस्याओं को सुलझा रही है। वैक्सीनेशन को लेकर विपक्ष लोगों के अंदर भ्रम न फैलाता तो आज यह दुर्दशा नहीं होती। संकट के दौर में विपक्ष जनता की सेवा करने की बजाए सिर्फ और सिर्फ घृणित राजनीति कर रहे हैं।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस की बधाई देते हुए कहा कि आज राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस है। आज ही के दिन 11 मई 1998 को भारत रत्न एवं भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के नेतृत्व में देश परमाणु शक्ति से संपन्न हुआ। सारी दुनिया ने हमारी शक्ति को पहचाना। आज उन्हीं के मार्गदर्शन पर चलकर देश के पीएम वैश्विक स्तर पर देश को सशक्त बना रहे हैं। भाजपा मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि अस्पताल कोविड मरीजों के लिए है। 300 बेड 100 आईसीयू बेड हैं। केसरी देवी पटेल हर्षवर्धन बाजपेई संजय गुप्ता सुरेंद्र चौधरी गणेश केसरवानी वरुण केसरवानी राजेश केसरवानी आदि रहे।

धरातल पर नही उतर सका है स्वास्थ्य विभाग का डोर-टू-डोर अभियान

अंबेडकरनगर। स्वास्थ्य विभाग द्वारा कोरोना गाइडलाइन एवं प्रभावितों के सर्वे के लिए डोर टू डोर चलाया गया जागरूकता अभियान कागजों पर ही सिमट कर रह गया है। इक्का-दुक्का स्थानो को छोड़कर क्षेत्र में कहीं भी इस अभियान को धरातल पर परवान नहीं चढ़ाया जा सका है। जबकि 5 से 9 मई तक के अभियान को बढ़ाकर 11 मई तक कर दिया गया है । इस अभियान के अंतर्गत कोविड-19 के लक्षण जैसे सर्दी, खांसी ,जुकाम, बुखार आदि हल्के भी लक्षण वाले व्यक्तियों को चिन्हित कर उन्हें आइसोलेशन में रखते हुए दवा किट मुहैया कराई जाए। साथ ही उन्हें टीकाकरण या एवं इस बीमारी से बचाव हेतु जागरूक करने के उपाय भी बताए जाएं। यह अभियान शहरी क्षेत्रों को छोड़कर सभी ग्रामीण क्षेत्रों में चलाए जाने का कार्यक्रम बनाया गया है जिसमें एएनम,आशा, आंगनबाड़ी कार्यकत्री के साथ स्वास्थ्य विभाग से जुड़े अन्य कर्मचारियों एवं अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है लेकिन इस वैश्विक महामारी में भी इस जिम्मेदारी से जुड़े लोग क्षेत्र में ना निकल कर कागजों में ही इसका कोरम पूरा कर इस अभियान की सफलता पर ग्रहण लगा रहे हैं। फिलहाल इस अभियान से जुड़े लोगों के द्वारा दावा किया जा रहा है कि इस अभियान के तहत अब तक निगरानी समिति के द्वारा बीते 6 दिनों में 300 दवाओ का किट और आज यानी 11 मई को 600 किट कोविड-19 के लक्षण या हलके लक्षण देखे जाने वालो को दिया जा चुका है। साथ ही इस अभियान में लगे रैपिड रिस्पांस टीम के द्वारा भी 500 किट लोगों को अब तक वितरण किए जाने की बात बताई जा रही है।साथ ही सभी को टीकाकरण एवं इसके प्रति जागरूक करने का दावा किया जा रहा है लेकिन जब इसकी सच्चाई जानने के लिए धरातल पर पता किया गया तो ग्रामीण क्षेत्रों में काफी लोगो को दवा किट के मिलने की बात ही दूर इस इस अभियान से जुड़ा हुआ कोई भी व्यक्ति उनके पास पहुंचा ही नहीं है। कई ग्रामीणों ने बताया कि इस अभियान से जुड़े लोग ढुढने पर नहीं मिल रहे हैं तो घर घर जाकर क्या अभियान चलाएंगे। इससे स्पष्ट होता है कि यह अभियान इस कार्यक्रम से जुड़े कर्मचारियों की उदासीनता के चलते धरातल पर उतरने के बजाय कागजों में ही सिमट कर रह गया है।अब ऐसे में सवाल उठता है कि इस वैश्विक महामारी को खत्म करने के लिए जहां देश का पूरा सिस्टम सभी विकास कार्यों को छोड़कर इस कोविड-19 जैसी वैश्विक महामारी को हराने के लिए जी तोड़ मेहनत कर रहा है वहीं इस अभियान से जुड़े लोग इस विषम परिस्थिति में भी कागजी कोरम पूरा कर अपने कर्तव्यों की इतिश्री करने में जुटे हुए हैं।

पूर्व कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश वी एम सहाय का निधन

- अधिवक्ताओं में शोक की लहर, अधिवक्ता संगठनों ने दी श्रद्धांजलि

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

फाइल फोटो न्यायमूर्ति वी एम सहाय।

गुजरात हाईकोर्ट के पूर्व कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश विजय मनोहर सहाय 67 वर्ष का लंबी बीमारी के बाद आज नई दिल्ली में निधन हो गया। उनका नई दिल्ली स्थित एम्स में इलाज चल रहा था। वह अपने पीछे पत्नी प्रतिभा सहाय अधिवक्ता एवं अपर मुखु स्थायी अधिवक्ता पुत्र अमित मनोहर सहाय पुत्री अवंतिका अधिवक्ता सुप्रीम कोर्ट छोड़ गए हैं। इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति के रूप में न्यायमूर्ति सहाय बेहद लोकप्रिय रहे। उनके पिता एवं सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति स्व राम मनोहर सहाय रामायण धारावाहिक में सीता परित्याग सीन को आस्था से खिलवाड़ करार देकर रद्द करने का फैसला दिया था। जबकि उनके ससुर श्रीनाथ सहाय इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश रहे। बता दें कि न्यायमूर्ति का पार्थिव शरीर हासिमपुर चौराहा स्थित आवास पर प्रयागराज लाया जा रहा है। अंतिम संस्कार प्रयागराज में बुधवार को दोपहर 12 बजे होगा। यह जानकारी न्यायमूर्ति सहाय के रिश्तेदार अपर मुख्य स्थाई अधिवक्ता निमाई दास ने दी। न्यायमूर्ति सहाय के निधन पर हाईकोर्ट बार एसो. अध्यक्ष अमरेन्द्र नाथ सिंह और महासचिव प्रभाशंकर मिश्र पूर्व अध्यक्ष आर के ओझा सहायक सालीसिटर जनरल ज्ञान प्रकाश अपर महाधिवक्ता विनोद कान्त वरिष्ठ अधिवक्ता ए एन त्रिपाठी वरिष्ठ अधिवक्ता ओ पी सिंह पूर्व महासचिव जे बी सिंह पूर्व महासचिव अशोक कुमार सिंह संयुक्त सचिव संतोष कुमार मिश्र उपाध्यक्ष अजय कुमार मिश्र मुख्य स्थाई अधिवक्ता बिपिन पांडेय अखिलेश कुमार त्रिपाठी अपर मुख्य स्थाई अधिवक्ता रामानंद पांडेय एजीए विकास सहाय योगेन्द्र कुमार मिश्र दिनेश राय अपर मुख्य स्थाई अधिवक्ता पुष्पेन्द्र सिंह अपर मुख्य स्थाई अधिवक्ता संजय गोस्वामी अपर मुख्य स्थाई अधिवक्ता सुधांशु श्रीवास्तव वरिष्ठ अधिवक्ता सुबोध कुमार यंग लॉयर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष संतोष कुमार त्रिपाठी उपाध्यक्ष बी डी पांडेय आर पी तिवारी अखिलेश कुमार राय जे पी त्रिपाठी अधिवक्ता समन्वय समिति के अध्यक्ष बी एन सिंह प्रमेन्द्र प्रताप सिंह सी बी सिंह जूनियर लॉयर्स एसोसिएशन अध्यक्ष मिथिलेश कुमार तिवारी सचिव जी पी सिंह ज्ञान प्रकाश अस्थाना कृष्ण जी शुक्ल बृजेश श्रीवास्तव आदर्श अधिवक्ता संघ अध्यक्ष एस सी मिश्र प्रयागराज अधिवक्ता संघ अध्यक्ष एन के चटर्जी महासचिव राजेश त्रिपाठी बी पी सिंह कछवाह अरूण कुमार गोयल राजीव शुक्ल बाल मुकुंद सिंह संजय सिंह यादव ईशान शिशु कर्मचारी अधिकारी संघ के महासचिव बृजेश शुक्ल पूर्व उपाध्यक्ष मोहम्मद अतहर आदि ने शोक श्रद्धांजलि अर्पित की है।

क्विक न्यूज

कोविड की वजह से टीईटी 2020 की परीक्षा स्थगित

प्रयागराज। कोरोना संक्रमण को देखते हुए परीक्षा नियामक प्राधिकारी उत्तर प्रदेश प्रयागराज ने उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा 2020 टीईटी 2020 को अग्रिम आदेशों तक के लिए स्थगित कर दिया है। परीक्षा नियामक प्राधिकारी उत्तर प्रदेश के विशेष सचिव आरपी सिंह की ओर से 11 मई को जारी किए गए पत्र में बताया गया है कि टीईटी 2020 की परीक्षा कोविड 19 संक्रमण के कारण अनिश्चितकाल के लिए स्थगित की जा रही है। क्योंकि इस समय परीक्षा कराना संभव नहीं है। 15 मार्च को परीक्षा के लिए जो तिथि घोषित की गई थी। वह स्थगित कर दी गई है। परीक्षा की अग्रिम तिथि एवं कार्यक्रम कोविड 19 के संक्रमण व अन्य परिस्थितियों के दृष्टिगत बाद में यथा समय निर्गत किया जाएगा। इस संबंध में बेसिक शिक्षा विभाग समेत विभिन्न अधिकारियों को सूचना प्रेषित कर दी गई है।अध्यापक पात्रता परीक्षा 2020 टीईटी 25 जुलाई को होनी थी। इसके लिए विज्ञापन 15 मई को प्रकाशित किया जाना था। आवेदन लेने की शुरुआत 18 मई से होनी थी। इस संबंध में बेसिक शिक्षा विभाग ने आदेश जारी कर दिया था। 20 अगस्त को इसका रिजल्ट जारी होना था। टीईटी के लिए आवेदन ऑनलाइन मांगे गए थे। पिछले वर्ष कोरोना संक्रमण के कारण टीईटी नहीं हो पाई थी। जबकि बीटीसी व बीएड अभ्यर्थी इसकी मांग कर रहे थे। क्योंकि विभाग में अब भी 51 हजार शिक्षकों के पद खाली हैं। माना जा रहा है कि राज्य सरकार चुनाव से पहले भर्ती की घोषणा कर सकती है। इससे पहले आठ जनवरी 2020 को टीईटी हुई थी और इसमें 15 लाख से ज्यादा अभ्यर्थी शामिल हुए थे।

इफको के महाप्रबंधक तकनीकी पीयूष मिश्र का निधन

प्रयागराज। इन्डियन फारमर्स फर्टिलाइजर कोआपरेटिव लिमिटेड इफको फूलपुर इकाई के महाप्रबंधक तकनीकी पीयूष मिश्रा 58 वर्ष का कोरोना से निधन हो गया। वह पिछले दो सप्ताह से कोरोना पाजिटिव थे। उनका इलाज अस्पताल में चल रहा था। जहाँ उन्होंने युनाइटेड अस्पताल में अंतिम सांस ली। महाप्रबंधक का शव जब इफ्को घियानगर कालोनी पहुंचा तो कोहराम मच गया। महाप्रबंधक पीयूष मिश्रा मूलरूप से लखनऊ के रहने वाले थे। वह इफ्को घियानगर कालोनी में परिवार सहित रहते थे। उनके निधन से इफ्को के अधिकारियों एवं कर्मचारियों में शोक की लहर है।

जगतगुरु परमहंस ने बंगाल के हिंदुओं की रक्षा की लगाई गुहार

अयोध्या। भगवान श्री राम की नगरी अयोध्या के संत जगद्गुरु परमहंस आचार्य में पश्चिम बंगाल के हिंदुओं में आशा की किरण दिखाई दे रही है की वही वर्तमान समय में उनके खेवनहार बनेंगे। चुनाव के बाद जब से पश्चिम बंगाल में हिंसा शुरू हुई है जगत गुरु परमहंस आचार्य खुलकर इस हिंसा के विरोध में आवाज बुलंद कर रहे हैं और राष्ट्रपति प्रधानमंत्री गृहमंत्री से बंगाल के हिंदुओं की रक्षा की गुहार लगा रहे है। स्वामी परमहंस जी महाराज ने बताया की पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी का चल रहा है खूनी खेल यही है खेला होवे। श्री तपस्वी जी की छावनी के पीठाधीश्वर जगद्गुरु परमहंस आचार्य के पास पीड़ित लोग कर रहे हैं और मैसेज पश्चिम बंगाल के पीड़ितों का दावा है कि पश्चिम बंगाल में 5000 से ज्यादा हिंदुओं के घर जला दिए गए है। ममता बनर्जी के गुंडे अभियान चला रहे हैं जो भी अन्य को वोट देने वाले वोटर हैं उनके घर में घुस घुस कर उनकी बहन बेटियों के साथ बलात्कार किया जा रहा है दुकाने लूटी जा रही हैं और मोदी जी को गाली देने के लिए लोगों को मजबूर किया जा रहा है। जो मोदी जी को गाली नहीं दे रहा है उसके सामने उसके बूढ़े मां बाप की हत्या हो रही है उसके बहन बेटी की इज्जत लूटी जा रही है। उसकी सारी संपत्ति लूटी जा रही है अगर पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन नहीं लगा तो रोहिंग्या मुसलमान आतंकवादी बन कर हिंदुओं की हत्या कर रहे और करते रहेंगे।

शांति, पार्वती, श्रवण चुने गए प्रधान

अंबेडकरनगर। प्रत्याशियों की मौत से स्थगित कर दिए और 9 मई को फिर से कराए गए मतदान का परिणाम घोषित कर दिया है। मंगलवार को मतगणना के बाद परिणाम की घोषणा कर दी गई है। मतगणना के परिणाम के अनुसार ब्लॉक अकबरपुर की ग्राम पंचायत मंजीसा की शांति देवी, ताराखुर्द के नरेन्द्र देव वर्मा, ब्लॉक कटेहरी की ग्राम पंचायत नंदूपुर के शिव शंकर व अहिरौली के संदीप कुमार, ब्लॉक रामनगर केआमा दरवेशपुर के अभिमन्यु और सहिजनवा हमजापुर की पार्वती तथा ब्लाक बसखारी के ढेकवा बहाउद्दीनपुर के श्रवण कुमार प्रधान निर्वाचित हुए हैं।

प्राचार्य, सहायक अध्यापक व शिक्षा मित्र की कोरोना ने ली जान

अंबेडकरनगर। पंचायत चुनाव की ड्यूटी के बाद से शिक्षकों की मौत का सिलसिला थम नही रहा है। बेसिक शिक्षा विभाग के तीन क्रमशः प्रधानाध्यापक, सहायक अध्यापक और शिक्षामित्र की कोरोना के संक्रमण से मौत हो गई। तीनों शिक्षक शिक्षा क्षेत्र भियांव में कार्यरत थे। शिक्षा क्षेत्र भियांव के उच्च प्राथमिक विद्यालय चकोरा के सहायक अध्यापक सुरेश चंद, प्रधानाध्यापक रंड़ौली योगेन्द्र प्रसाद और प्राथमिक विद्यालय अम्बरपुर के शिक्षा मित्र कमला यादव शामिल है।

भाई की हत्या में आरोपी भाई व भतीजा गिरफ्तार

- भतीजे ने चाचा व चचेरे भाई के खिलाफदर्ज कराया था गैर इरादतन हत्या का मुकदमा

मिल्कीपुर अयोध्या। इनायत नगर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत निमड़ी अंतर्गत पिलाई गांव में मामूली सी बात को लेकर दो भाइयों में हुई मारपीट के मामले में आरोपी भाई और भतीजा को पुलिस टीम ने गिरफ्तार कर लिया प्रभारी राहुल कुमार ने दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया है। पिलाई गांव निवासी युवक राम सिंह पुत्र वंश बहादुर ने आरोप लगाया था कि कि बीते 25 अप्रैल को प्रात करीब 7 बजे उनके पिता एवं चाचा राजबहादुर के बीच भूसा एवं पुआल हटाने की मामूली बात को लेकर कहासुनी हुई थी दोनों के बीच मामूली सी बात को लेकर मारपीट भी हुई थी। उसके पिता मारपीट में गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर पड़े थे। हल्ला गुहार सुनकर जब वह घर से मौके पर पहुंचा तो देखा कि उसके 20 वर्षीय चचेरे भाई रवि उसके पिता को मार कर भाग रहा था।

घटना के तुरंत बाद वह अपने पिता को इलाज कराने के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हैरिंग्टनगंज लेकर पहुंचा जहां अस्पताल के डॉक्टरों में हालत नाजुक देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया था। जिला अस्पताल में बीते 25-26 की रात करीब 1 बजे इलाज के दौरान घायल वंश बहादुर की मौत हो गई थी। इसके बाद उसने अपने पिता का शव पोस्टमार्टम कराने के पश्चात अंतिम संस्कार किया था। मामले में मृतक वंश बहादुर के पुत्र राम सिंह ने अपने चाचा राजबहादुर एवं उनके बेटे रवि के विरुद्ध मुकदमा कायम किए जाने हेतु इनायतनगर पुलिस को तहरीर दी थी। जिसके आधार पर प्रभारी निरीक्षक राहुल कुमार ने आरोपित पिता पुत्र के विरुद्ध धारा 504 एवं 304 आईपीसी के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश पांडे के दिशा निर्देश तथा अपराधियों को पकड़ने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत प्रभारी निरीक्षक राहुल कुमार के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने आरोपी राजबहादुर एवं रवि को थाना क्षेत्र के सेवरा मोड पर गिरफ्तार कर लिया और थाने ले आई। पुलिस टीम ने मारपीट में प्रयुक्त लाठी पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से बरामद कर लिया है। प्रभारी निरीक्षक राहुल कुमार ने पकड़े गए दोनों आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया। गिरफ्तार करने वाली टीम में प्रमुख रूप से उप निरीक्षक हमराही सिपाही अचुत्यानंद यादव व शिवम शुक्ला शामिल रहे।

भाजपा नेता के विरूद्ध कोरोना गाइडलाइन के उल्लघन का मुकदमा दर्ज

टाण्डा अंबेडकरनगर। टाण्डा नगर के बड़े व्यवसाई व भारतीय जनता पार्टी के पूर्व नगर अध्यक्ष दीपक केड़िया के विरुद्ध कोतवाली टाण्डा पुलिस ने कोरोना गाइडलाइंस के उल्लंघन का मुकदमा पंजीकृत किया है। कोतवाली पुलिस ने दीपक केड़िया पर कोरोना कर्फ्यू के दौरान दुकान खोलने व दुकान पर मौजूद ग्राहकों व दुकान स्वामी दीपक केड़िया द्वारा मास्क न लगाएं जाने का आरोप लगाया है। कोतवाली पुलिस के सिपाही इम्तियाज अहमद ने अपनी तहरीर में आरोप लगाया कि दिनांक 8 मई को रात्रि में लगभग 8:10 बजे चौक क्षेत्र में लॉक डाउन ड्यूटी पर अपने हमराही सिपाही रोजादीन के साथ था कि छज्जापुर की तरफ बढ़ा तो देखा गैस एजेंसी के आगे एक किराना की दुकान खुली हुई थी। जिसपर दुकान स्वामी दीपक केड़िया पुत्र अज्ञात बैठे थे। दुकान पर मौजूद ग्राहक व खुद दुकान स्वामी मास्क नही लगाए हुए थे।

यज्ञ हवन से वायुमंडल में फैले कोरोना वायरस नष्ट होंगे: कल्कि महाराज

अभिषेक करते कल्किराम जी महाराज

अयोध्या। भौमवती अमावस्या की पवित्र मध्याह्न बेला के अभिजित मुहुर्त में सिद्ध श्रीटेढीयतीश्वरनाथ महादेवजी का दुग्धाभिषेक कर राष्ट्रहित में भगवती पीताम्बरा माता बगलामुखी का आवाहन करते हुए 7 दिवसीय महानुष्ठान का संकल्प लिया गया। रामादल अध्यक्ष पण्डित कल्किराम ने कहा कि तमाम विश्लेषकों के अनुसार हवा में मौजूद है कोरोना संक्रमण के लक्षण और इसी तथ्य को ध्यान मे रखकर ही अपने.अपने घरों में रहने एंव मास्क लगाये रहने के लिए लगातार सरकार जनसमुदाय से आग्रह कर रही है। रामादल ट्रस्ट हवा में मौजूद कोरोना संक्रमण को वायुमंडल में ही नष्ट करने का संकल्प लेकर आगामी 14मई भगवान श्रीहरि विष्णु के अंशावतार भगवान परशुराम जी के शुभ जन्मोत्सव अक्षय तृतीया पर पूरे देश में सवा लाख से अधिक सनातनी भाई बहनों से अपनी सामर्थ्य के अनुसार अपने-अपने घरों मे यज्ञ-हवन का आयोजन करने का आवाहन किया है जिसके लिए सोशल मीडिया एंव दूरभाष के माध्यम से सम्पर्क कर बताया जा रहा है ।

इस महाभियान की सफलता के निमित्त अक्षय तृतीया को श्रीराम जन्म भूमि के अस्थाई मन्दिर में विराजमान श्रीराम लला को मुख्य पुजारी श्रीसत्येन्द्रदास जी नवीन वस्त्र धारण कराकर मानव कल्याण की प्रार्थना करेंगेएअक्षय तृतीया को श्रीरामलला को पहनाई जाने वाली पोशाक तैयार है जो गुरूवार को मुख्य पुजारी श्री को भेंट की जायेगी। यज्ञ-हवन का यह महआभियान एक सप्ताह तक चलाया जायेगा जिसका केन्द्र बिन्दू अयोध्या होगा जो लोग यज्ञ.हवन करने में असमर्थ हैं उनसे केवल सरसों के तेल का कर्पूर मिश्रित दीपक प्रज्वलित करने के लिए कहा गया है।

पति की प्रताड़ना से आहत महिला चार बच्चों संग नए पुल से यमुना में कूदी

प्रयागराज। वैश्विक महामारी कोरोना से जहां पूरा देश परेशान है। वहीं संगम नगरी में पति की प्रताड़ना से आहत एक महिला अपने चार बच्चों के साथ नए यमुना पुल से नदी में छलांग लगा दिया। संयोग से पुल के नीचे मौजूद गोताखोरों ने अपनी जान की बाजी लगाकर पांचों लोगों को बचा लिया। सभी को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने पूछताछ के बाद उनके परिजनों को सूचना दी है। मध्य प्रदेश के रीवा शहर की रहने वाली रोहिणी तिवारी 48 पत्नी राम लक्ष्मण तिवारी अपने चार बच्चों एक बेटे व तीन बेटियों के साथ मंगलवार की शाम साढ़े पांच बजे के करीब प्रयागराज के नए यमुना पुल पर पहुंची। जहां उसने पहले एक एक करके चारों बच्चों को यमुना नदी में धकेल फिर खुद भी यमुना में छलांग लगा दिया। संयोग था की नीचे गोताखोर मौजूद थे। उन्होंने रोहिणी देवी और उसके चारों बच्चों को बचा लिया। तत्काल उन्हें पास के ही निजी अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टर ने उनको एसआरएन अस्पताल रेफर कर दिया। पांचों लोग खतरे के बाहर बताएं जा रहे हैं। पुलिस के अनुसार आत्महत्या करने की वजह पारिवारिक कलह बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार महिला का कहना है कि उसका पति उसे और उसके बच्चों को प्रताड़ित करता है। रोज मारता पीटता है। खाने को नहीं देता। जिस से आहत होकर वह आज रोडवेज बस से यहां पहुंचे और खुदकुशी करने के लिए नए पुल से छलांग लगा दिया। उनके घरवालों को बुलाया गया है। पूछताछ के बाद आगे की कार्यवाही की जाएगी।

कंट्रोल रूम से मरीजों का हालचाल लेने के निर्देश

- आरटीपीसीआर व एंटीजन जांच की संख्या बढ़ाने की जरूरत

संवाददाता। अंबेडकरनगर

कोविड कंट्रोल रूम में बैठक करते जिलाधिकारी

कोरोना महामारी के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन की अध्यक्षता में मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में स्थापित कोविड कंट्रोल रूम में समीक्षा बैठक आहूत की गई। प्रभारी सीएमओ द्वारा अवगत कराया गया कि सोमवार को कुल 2067 लोगों को वैक्सीन लगाया गया। डीएम ने प्रभारी सीएमओ को निर्देश देते हुए कहा कि प्रतिदिन कम से कम 2000 लोगों का तज-चबत की जांच तथा 1000 लोगों को एंटीजन टेस्ट कराई जाए। अवगत कराना है कि ग्रामीण ध्नगरीय क्षेत्रों में कुल 1030 निगरानी समिति भ्रमण कर रही हैं। डीएम ने प्रभारी सीएमओ को निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक निगरानी समिति को 10-10 मेडिकल किट उपलब्ध कराया जाए।

निगरानी समिति में आशा कार्यकर्त्री, ए. एन. एम. के अतिरिक्त ग्राम सचिव को भी शामिल किया जाए। नगर पालिका अकबरपुर अधिशासी अधिकारी सुरेश द्वारा अवगत कराया गया कि निगरानी समितियों को कुल 14 पल्स ऑक्सीमीटर दिया गया। डीएम ने कहा कि एक वार्ड में तीन पल्स ऑक्सीमीटर दिया जाए। कंट्रोल रूम से किए जा रहे काल के माध्यम से मरीजों का हालचाल लेने का जायजा लिया गया। सभी ब्लॉकों का कॉल डिटेल रजिस्टर भी देखा गया। उन्होंने समस्त अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सुबह कॉल करके मरीजों के स्वास्थ्य के बारे में पूछा जाए तथा दोपहर के समय कॉल करके आरआरटी टीम को कार्यवाही करने हेतु अवगत कराया जाए। तीसरी कॉल शाम के समय फीडबैक लिया जाए कि आरआरटी टीम कार्यवाही के लिए पहुंची कि नहीं उसकी जानकारी नोट करके अवगत कराया जाए। सीडीओ घनश्याम मीणा, एडीएम डॉ पंकज कुमार वर्मा, एएसडीओ राम नारायण वर्मा, डॉक्टर की टीम तथा संबंधित विभाग के अधिकारी/कर्मचारी मौके पर उपस्थित रहे।

पांच महीने पहले लिए थे फेरे, अब नवदम्पत्ति ने लगाई फांसी

- यमुनापार के नैनी इलाके में हुई घटना, परिजनों की खामोशी और दोनों के मोबाइल में छिपा है मौत का रहस्य

पायनियर समाचार सेवा। नैनी प्रयागराज

दोनों की फाइल फोटो

प्रयागराज में मंगलवार की सुबह नवदंपत्ति फांसी के फंदे पर झूल गए। दोनों ने एक ही पंखे और एक ही साड़ी के दोनों छोर से फांसी लगाई। जैसे ही घर वालों को पता चला तो परिवार के लोग उन्हें अस्पताल ले गए लेकिन दोनों को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। दोनों बेड पर घुटने के बल पर बैठे थे। इसलिए खुदकुशी पर शक भी हो रहा था। महज पांच महीने पहले दोनों परिवारों की आपसी सहमति एवं रजामंदी के बाद अग्नि को साक्षी मानकर सात फेरे लेने वाले इस युगल के जीवन में ऐसा क्या घटा जो कि उन्हें जान देने की नौबत आ गई। पुलिस इस बिंदु पर गहनता से जांच कर रही है।लेकिन दोनों परिवारों का मौन धारण करना पुलिस को परेशान कर रहा है। पुलिस ने नवदम्पत्ति के मोबाइल को अपने कब्जे में ले लिया है। यह भी पता चला है कि लड़के के फेसबुक अकाउंट की कई पोस्ट भी डिलीट की गई हैं। दूसरी तरफ पुलिस इसमें घरवालों की भूमिका भी तय करने में जुटी हुई है।

यमुनापार अंतर्गत नैनी कोतवाली क्षेत्र के तिगनौता डांडी निवासी शंकर लाल केशरवानी की घर पर ही जनरल मर्चेंट बर्तन और हार्डवेयर की दुकान है। जिस पर उनका बड़ा बेटा अभिषेक उर्फशिवम केसरवानी 26 बैठता था। घर से कुछ दूर पर दूसरी कपड़े की दुकान पर छोटा बेटा सौरभ केशरवानी बैठता है। 06 दिसम्बर 2020 को शंकरलाल ने अपने बड़े बेटे अभिषेक केशरवानी की शादी घूरपुर के सब्जी मंडी निवासी श्यामबाबू केशरवानी की बेटी नेहा केशरवानी 24 के साथ धूमधाम से की थी। अभिषेक पत्नी नेहा के साथ घर के प्रथम तल पर रहता था। जबकि माता पिता और छोटा भाई ग्राउंड फ्लोर पर रहते थे। सोमवार शाम नेहा के मायके वाले आए थे। तब तक भी सब कुछ ठीकठाक था। वहां से दोनों एक निमंत्रण में भी गए थे। रात में लौटने के बाद ग्यारह बजे तक नीचे मां बाप के साथ रहे। उसके बाद दोनों अपने कमरे में ऊपर सोने चले गए।

मंगलवार सुबह साढ़े सात बजे बजे तक जब नेहा और अभिषेक नीचे नही आये तो अभिषेक उर्फशिवम की माँ सुनीता केशरवानी उन्हें जगाने गई। दरवाजा पीटा लेकिन कोई आहट नही आई। जिससे पूरा परिवार परेशान हो गया। क्योंकि प्रतिदिन सुबह से साढ़े बजे तक नेहा नहा कर नीचे आ जाती थी। अभिषेक के कमरे के पीछे खिड़की थी। उसमें से जाकर जब लोगों ने देखा तो पता चला कि पंखे में एक ही साड़ी के फंदे से दोनों फांसी पर लटके हुए हैं। यह देख मां की चीख निकल गयी। दरवाजा तोड़कर दोनों को नीचे उतारा गया। दोनों को लाद फांदकर पहले सीएचसी चाका ले जाया गया। जब चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम में दोनों में कम्प्लीट फाँसी पाई गई। शरीर में कोई चोट के निशान नहीं पाए गए। अभिषेक के पिता ने बताया कि होली के बाद अभिषेक अपनी पत्नी नेहा को लेकर जम्मू कश्मीर जाना चाह रहा था। कोरोना की वजह से उन्होंने उसे मना कर दिया था। उसके बाद अगले दिन उसकी पत्नी नेहा ने भी आकर जम्मू कश्मीर जाने की इच्छा जताई थी लेकिन उसे भी मना कर दिया गया था। दूसरी तरफ नेहा के पिता श्याम बाबू केसरवानी का कहना है कि शादी के बाद से एक लड़की ने जिस तरह की खुशी होनी चाहिए उस तरह की खुशी ने हमें कभी देखने को नहीं मिली। कहीं न कहीं बहुत दुखी थी लेकिन किसी से कुछ बता नहीं रही थी।

ममता की विजय
विपक्षी एकता का सपना

सवाल है कि क्या ममता की विजय से विपक्षी एकता की संभावनायें प्रबल होंगी और ज्यादा महत्वपूर्ण रूप से क्या कांग्रेस इसके केन्द्र में होगी? पश्चिम बंगाल में भाजपा द्वारा सत्ता पर कब्जा करने के सुनियोजित प्रयास के बावजूद ममता बनर्जी की विजय ने विपक्षी नेतृत्व को एक बार फिर 2024 के काफी पहले भाजपा-विरोधी गठबंधन का सपना देखने का अवसर दे दिया है। उसकी भावना में यह उत्साह अतीत में भी आया था, पर वर्तमान मामला एकदम अलग है। पश्चित बंगाल की विजय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा गृह मंत्री अमित शाह द्वारा किए अभूतपूर्व प्रयास को विफल कर एक कठोर संदेश दिया है। दूसरे क्षत्रपों ने भी ममता की तारीफ की है, पर ज्यादा महत्वपूर्ण जदयू संसदीय बोर्ड सदस्य उपेन्द्र कुशवाहा द्वारा किया ट्वीट था। उन्होंने कहा था कि ममता बनर्जी ने भाजपा द्वारा बनाया 'चक्रव्यूह' तोड़ दिया है। बिहार में भाजपा की सत्तारूढ़ सहयोगी द्वारा किए ट्वीट से लोगों की भौंहें चढ़ गईं और एक लहर दौड़ गई। शिवसेना के संजय राउत ने यह विमर्श आगे बढ़ाते हुए कहा कि न केवल कमजोर होती कांग्रेस किसी विपक्षी गठबंधन की 'आत्मा' होगी, बल्कि उन्होंने महाराष्ट्र की महाविकास अघाड़ी-एमवीए को राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के खिलाफ राजनीतिक गठबंधन का माडल भी बता दिया। विपक्ष शासित राज्यों में ममता की विजय की सकारात्मक स्वीकृति ने स्वत: ही एक साझा राष्ट्रीय मोर्चे की ओर आगे कदम बढ़ा दिए हैं और ऐसी संभावना की ओर संकेत किए हैं। लेकिन पहले इसके लिए अनेक शर्तें पूरी करनी होंगी। उदाहरण के लिए उत्तर प्रदेश विधानसभा के अगले चुनाव में क्या सपा और बसपा किसी चुनावी समझदारी तक पहुंच सकते हैं? क्या वाम और आप तथा तृणमूल कांग्रेस पंजाब में कांग्रेस और अकाली दल भाजपा के खिलाफ सीधी लड़ाई की अनुमति दे सकते हैं? दोनों राज्य विपक्षी प्रतिबद्धता की परीक्षा लेंगे, जबकि उत्तर प्रदेश के परिणाम सर्वाधिक महत्वपूर्ण होंगे। क्षेत्रीय नेता एकजुट होने की दिशा में अपनी साझा समस्याओं पर विचार करने की दिशा में बढ़ रहे हैं, जबकि कांग्रेस की ऐसे प्रयासों पर नजर है तथा भाजपा उनके प्रयासों को विफल करना चाहती है। क्या भाजपा के खिलाफ संयुक्त मोर्चे का प्रयास केन्द्र व राज्यों में अलग-अलग विकेन्द्रित एकता का फार्मूला पेश करेगा? इसका एक रास्ता कोविड-19 चुनौती का सामना करने में अपने बीच दुहरे संवाद का अवसर प्रदान करना है। कांग्रेस स्वत: ही 'आत्मा' होने का दावा केवल इसलिए नहीं कर सकती है कि नेतृत्व इसे पसंद करता है, तथा विपक्षी एकता उसके पक्ष में है और इससे वह विपक्षी शिविर में सबसे ऊंची कुर्सी पर विराजमान हो सकती है। कांग्रेस ने महाराष्ट्र में सबसे छोटा सहयोगी होने की परिपक्वता दिखाई है। वह विश्वास कर सकती है कि क्षत्रप अपने राज्यों को छोड़ कर राष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक नुकसान के भय से भूमिका नहीं निभाएंगे तथा कांग्रेस के लिए विकल्प खुला छोड़ देंगे। एमवीए माडल इसलिए कारगर हुआ क्योंकि शिवसेना, रांकापा व कांग्रेस को अपने मतभेद छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा। उल्लेखनीय है कि शिवसेना ने अनिल देशमुख के मामले में हस्तक्षेप नहीं किया और इसका समाधान रांकापा पर छोड़ दिया। इसके साथ ही सभी साझीदारों ने राज्य चुनावों में अच्छा प्रदर्शन किया जिससे गठबंधन को गति मिली। इसलिए सवाल यह है कि क्या विपक्ष को पहले एक गठबंधन के नेता की तलाश करनी चाहिए? वर्तमान समय में कांग्रेस से 6 प्रधानमंत्री उम्मीदवार सामने आ चुके हैं और इतने ही विपक्षी पूर्व कांग्रेसी, लेकिन गैर-भाजपा दलों की ओर से सामने हैं। सवाल है कि यह गतिरोध कौन तोड़ेगा?

महामारी काल में नेतृत्व की परीक्षा

पहली लहर के बाद महामारी से निपटने के लिए केंद्र व राज्यों को बहुत कुछ करने की आवश्यकता थी, लेकिन उन्होंने अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाई।

दीपक सिन्हा
(लेखक सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी हैं)

वर्तमान समय में हमारे चारों ओर विद्यमान अंधेरे और अराजकता के बावजूद निश्चित रूप से कहा जा सकता है कि यह दौर भी बीत जाएगा। असंदिग्ध रूप से इसका खामियाजा त्रासद रूप से बहुत बड़ा होगा। ऐसा लगता है कि जैसे हम रोज सामने आ रहे आघात व हृदयविदारक घटनाओं से निपटने के लिए कुछ नहीं कर सकते हैं। तथ्य यह है कि अपने स्वास्थ्य ढांचे की स्थिति तथा सरकार की निष्क्रियता को देखते हुए हमें महामारी की पहली लहर के बहुत भयानक प्रभाव की आशंका थी। ऐसा खासकर उसके द्वारा पूरी तरह डोनाल्ड ट्रंप की यात्रा पर ध्यान देने के बाद लगा, जबकि विपक्ष नागरिकता संशोधन कानून तथा दिल्ली दंगों पर ध्यान दे रहा था। लेकिन अभी हम पूरी तरह नहीं समझ पाए हैं कि किन कारणों से ऐसा नहीं हुआ और हम ज्यादा मुसीबत से बच सके। कुछ लोगों का तर्क है कि इसका कारण सामान्य रूप से स्वच्छता के हमारे खराब मानक हैं जिनके कारण वायरस से पैदा बीमारी ने हमारे ऊपर ज्यादा असर नहीं डाला। स्पष्ट रूप से इसके कारण अपने प्रति विकृत विश्वास, अहंकार और लापरवाही की भावना हावी हो गई। इससे हमने सामान्य समझदारी और मूलभूत विज्ञान से पल्ला झाड़ लिया जिसका नतीजा जल्द ही जीवन के महामारी-पूर्व स्थिति में आने के रूप में सामने आया।

यह कहना काफी होगा कि पहली लहर से निपटने का काम जिम्मेदार लोगों ने शुरुआती चरण में लापरवाही के साथ किया और बाद में वे घबराहट के शिकार हो गए। ऐसा खासकर यूरोप, अमेरिका और दक्षिण अमेरिका में फैली बदहाली देखने के बाद हुआ। हमने खुद को फौरन थोड़े ही समय में घरों में बंद कर लिया और इस बात की चिन्ता नहीं की कि कम सौभाग्यशाली दिहाड़ी मजदूर जैसे लोग क्या करेंगे जिनकी आजीविका रातोंरात छिन गई थी। राज्य उनकी पीड़ा के समाधान का पूर्वानुमान करने में अक्षम रहा जिसका परिणाम देश विभाजन के बाद सबसे बड़े पलायन के रूप में सामने आया। पलायन करने वालों ने वापस अपने गांवों की सुरक्षा में पहुंचने का फैसला किया तथा कुछ ने इसके लिए हजारों किलोमीटर की पैदल यात्रा का जोखिम उठाया। उनकी मुसीबत केन्द्र तथा अधिकांश राज्य सरकारों की प्रतिक्रिया से और बढ़ी। सरकारों ने पूरी बर्बरता का व्यवहार किया जिसमें संवेदना और सद्भावना का अता-पता नहीं था। इसके परिणामस्वरूप हजारों लोगों की रास्ते में ही जान चली गई। सरकार संभवत: इस तथ्य से भी अनजान थी कि विभाजन के समय तत्कालीन लड़खड़ाती सरकार ने भी सेना का प्रयोग कर सेना निकास संगठन बनाया था जो शरणार्थियों के आवागमन में समन्वय स्थापित कर उनकी अपने गंतव्य तक पहुंचने की तुलनात्मक सुरक्षा सुनिश्चित करता था।

इसके एकदम उलट, सरकार के सामने आए गंभीर खतरे के बावजूद सेना केवल मूक प्रत्यक्षदर्शी बनी रही, जबकि अनेक 'महत्वपूर्ण' अवसरों पर उसका प्रयोग होता रहा जिनमें अस्पताल कर्मचारियों व अन्य फ्रंटलाइन कर्मियों तथा अस्पतालों व पुलिस स्मृतियों पर हेलीकाप्टर से फूल बरसाना शामिल है। वर्तमान समय में भी आरोप लग रहे हैं कि सेना का प्रयोग केवल कुछ वीआईपी राजनेताओं के निर्वाचन क्षेत्रों में फील्ड अस्पताल बनाने के लिए हो रहा है। पीछे देखने पर स्पष्ट होता है कि ऐसी आपातस्थिति से निपटने में हमारी व्यवस्थाओं और प्रक्रियाओं ने उस तरह काम नहीं किया जैसा केरल में हमारे सामने आया था। यदि अधिकांश मंत्रालय और नौकरशाह अपनी जिम्मेदारी का क्रियान्वयन सुनिश्चित करते तो ऐसा न होता। उन्होंने अपने विवेक या उसके अभाव के कारण एनडीएमए के विस्तृत दिशानिर्देशों व एसओपी का पालन करने के बजाय उनको घृणा से देखा तथा लाखों लोगों को अपनी समस्याओं से निपटने के लिए अकेला छोड़ दिया।

> **अंतर्निहित घमंड तथा विश्वास के तहत, सरकार ने अपनी आंखें फेर लीं तथा अपने ही सलाहकार समूह द्वारा दी गई यह सलाह अस्वीकार कर दी कि भयानक प्रभाव वाली दूसरी लहर आने की आशंका है। पीछे देखने पर स्पष्ट होता है कि ऐसी आपातस्थिति से निपटने में हमारी व्यवस्थाओं और प्रक्रियाओं ने उस तरह काम नहीं किया जैसा केरल में हमारे सामने आया था।**

इस अंतर्निहित घमंड तथा विश्वास के तहत, कि हमने महामारी को पीछे छोड़ दिया है, सरकार ने इससे अपनी आंखें फेर लीं। उसने मार्च के प्रारम्भ में अपने ही सलाहकार समूह द्वारा दी गई यह सलाह अस्वीकार कर दी कि भयानक प्रभाव वाली दूसरी लहर आने की आशंका है। इसके परिणामस्वरूप उसने पहले तैयार ढांचागत संरचनाओं तथा प्रक्रियागत कमियों में सुधार के बजाय ज्यादा बुरे तरीके से उन लोगों को कमियों और गलतियों के लिए जिम्मेदार ठहराने से इनकार किया जिनके कारण हजारों लोगों की अनावश्यक मौतों से बचा जा सकता था। कुल मिला कर सरकार का ध्यान नागरिकों की बेहतरी की चिन्ता करने के बजाया सत्ता व सम्मान प्राप्त करने पर अधिक था। सिविल सोसाइटी ने भी पूरी लापरवाही बरती, विभाजित विपक्ष का नेतृत्व ऐसी पार्टी के हाथ में था जो स्वयं अपनी मृत्यु की प्रतीक्षा कर रही है तथा सरकार-समर्थक मीडिया इन मुद्दों पर खामोश रहा। ऐसा कर हमने अपने दुष्कृत्यों पर लीपापोती की तथा गलत विमर्श व विजय का प्रदर्शन किया।

हालांकि, प्रधानमंत्री के पास अपने सुरक्षित रेसकोर्स रोड कार्यालय से बाहर न निकलने के उचित कारण थे और उन्होंने वहीं से नेतृत्व करना पसंद किया। लेकिन उनको गौर करना चाहिए था कि अन्य नेताओं की जनता में उपस्थिति जरूरी है, नहीं तो वे निष्प्रभावी हो जाएंगे। मजेदार बात है कि युद्धक्षेत्र से सेना के किसी कमांडर की अनुपस्थिति से उसे फौरन नेतृत्व से हटा दिया जाता और इसके लिए यदि उसकी कायरता नहीं तो भी अक्षमता को जिम्मेदार बताया जाता। सरकार चाहे जो प्रदर्शित करने का प्रयास करे, पर अनेक आलोचकों की नजर में मोदी का पहले वाला करिश्मा और छवि अब कमजोर हो गई है।

विभीषिका की जिम्मेदारी स्वीकार न करने की उनकी इच्छा से लगता है कि अब उनमें नैतिक दृढ़ता की कमी आ गई है। ऐसे में सवाल उठता है कि सरकार और प्रधानमंत्री क्या सही कदम उठा कर एक बार फिर अपनी आक्रामकता प्रदर्शित करेंगे। जल्द ही हमें इस सवाल का जवाब मिल जाएगा। लेकिन हमें समझ लेना चाहिए कि समस्याओं से सीधे टकराने तथा उनसे निपटने वाली उनकी छवि और सम्मान प्रभावित हुआ है। वे जनता से सीधे जुड़े रहते हैं, पर इस महामारी के समय में उनकी यह क्षमता नहीं दिखाई पड़ी है। बार्ड ने हमेशा की तरह विद्वतापूर्ण ढंग से लिखा था, 'मनुष्य जो बुराई करता है वह उसके बाद भी जीवित रहती है तथा अच्छाई अक्सर उसकी हड्डियों के साथ दफन हो जाती है।'

कोरोना काल में नैतिक मानदंडों का क्षरण

सुमित मेदीरत्ता
(लेखक अपोलो अस्पताल में न्यूरोसर्जन हैं)

अफसोस की बात है कि पूरे देश में लोग जबरन वसूली का सामना कर रहे हैं और आवश्यक दवा, ऑक्सीजन, एम्बुलेंस इत्यादि प्राप्त करने के लिए बड़े भुगतान करने के लिए मजबूर हो रहे हैं।

जब से कोविड -19 संक्रमणों की दूसरी लहर ने हमारे देश को हिला दिया है, इसने कई लोगों के नैतिक मूल्यों को भी हिला दिया है। पूरे देश में गंभीर जबरन वसूली का सामना कर रहे लोगों की कोई भी संख्या है और आवश्यक दवा, ऑक्सीजन, एम्बुलेंस सेवा और अस्पतालों के बेड प्राप्त करने के लिए बड़े भुगतान करने के लिए मजबूर किया जा रहा है।

शायद एक कारण है कि लोगों ने बर्ताव किया है और इस तरह के शर्मनाक तरीके से व्यवहार करना जारी रखते हैं। विस्तारित अवधि के दौरान आजीविका की हानि और आजीविका में गिरावट के बाद से महामारी ने कई लोगों के नैतिक और नैतिक मूल्यों को हिला दिया है। लेकिन यह अभी भी ऐसी कार्रवाइयों को सही नहीं ठहराता जब किसी की जिंदगी दांव पर लगी हो। अधिकतम खुदरा मूल्य 3,500 रुपये प्रति डोज़ होने पर यह 40,000 रुपये के रेमेडिसविर के इंजेक्शन को बेचने के लिए उचित नहीं है। कुछ गिरफ्तारियां की गई हैं, लेकिन यह व्यापार देश के कई हिस्सों में बेरोकटोक जारी है।

जब किसी का प्रिय व्यक्ति सांस लेने और जीवित रहने के लिए संघर्ष कर रहा होता है, तो लोग बड़ी रकम निकालने के लिए मजबूर हो जाते हैं। उत्पादन इकाइयों से इस दवा के स्रोत के लिए लोगों ने दिल्ली से मुंबई और हैदराबाद के लिए उड़ान भरी है। चूँकि यह एक निर्धारित दवा है और इसे केवल एक चिकित्सा व्यवसायी की देखरेख में दिए जाने की अनुमति है, इसलिए सरकार को फार्मेसियों के लिए यह दवा सीधे अस्पताल या नर्सिंग होम में बेचनी चाहिए, डॉक्टर के पर्चे के आधार पर, जहां मरीज भर्ती हैं। अस्पताल के बिल के साथ मरीज इसके लिए भुगतान कर सकते थे। यह पूरी पारदर्शिता के साथ होगा और कालाबाजारी के साथ जमाखोरी से निपटेगा।

अन्य बहुत बड़ा मुद्दा मेडिकल ऑक्सीजन की कमी रहा है। कोविड संकट से निपटने के लिए केंद्र को दैनिक आधार पर दिल्ली को 700 मीट्रिक टन मेडिकल ऑक्सीजन उपलब्ध कराने के सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बावजूद, दिल्ली अभी भी अपने हिस्से के लिए हांफ रही है और अरविंद केजरीवाल सरकार को पाने के लिए स्तम्भ से चल रही है इसका आवंटित कोटा है।

अन्य राज्यों में भी ऐसी ही विकट स्थिति विद्यमान है। छोटे अस्पतालों और कोविड देखभाल सुविधाओं में, रोगियों को अपनी ऑक्सीजन लाने के लिए कहा जा रहा है। लोग सिलेंडर भरने के लिए एक साथ घंटों तक ऑक्सीजन संयंत्रों के बाहर डेरा डाले हुए हैं। एक सामान्य सिलेंडर जिसकी कीमत पहले 600 रुपये 800 थी, उसे बेईमान लोग 20,000 रुपये में बेच रहे हैं। गुरुद्वारों ने अपने परिसर में अन्य धार्मिक स्थानों के रूप में ऑक्सीजन वितरित करना शुरू कर दिया है, जिससे कुछ दर्द कम हो जाते हैं। फिर भी, इस स्वाभाविक रूप से उपलब्ध उत्पाद की निरंतर कमी के साथ जीवन तीव्र गति से खो रहा है। जो लोग ऑक्सीजन सिलिंडर की पकड़ में नहीं आ सकते थे, वे बिना रिफिल किए ऑक्सीजन की आपूर्ति करने के लिए ऑक्सीजन सांद्रता की तलाश करने लगे। रात भर, ऑक्सीजन सांद्रता बाजार से गायब हो गई, हर ब्रांड का हर उपलब्ध टुकड़ा लिया गया और फिर सामान्य रूप से काला विपणन शुरू किया गया। एक ब्रांडेड ह्ष्ट जिसकी कीमत आमतौर पर 40,000 रुपये है, ब्लैक मार्केट में वारंटी के बिना घटिया चीनी उत्पादों के लिए लगभग 90,000 रुपये में बेचा जा रहा है, और तात्कालिकता और हताशा के आधार पर 1.5 लाख रुपये तक जाता है। दिल्ली में मेडिकल ऑक्सीजन के उत्पादन में वृद्धि के साथ उम्मीद है कि चीजें बेहतर हो जाएंगी।

एक कोविड मरीज को अस्पताल पहुंचाना एक और बुरा सपना रहा है। संक्रमण फैलने के डर से रिश्तेदारों द्वारा संचालित कार में मरीजों को नहीं लाया जा सकता है, एम्बुलेंस में परिवहन की आवश्यकता होती है। इसलिए, एम्बुलेंस प्रदाता यात्रा की कम दूरी के लिए अत्यधिक मात्रा में शुल्क लेते रहे हैं। दिल्ली-एनसीआर में पांच किमी से कम की सवारी के लिए न्यूनतम शुल्क 10,000 रुपये है, बशर्ते मरीज को ऑक्सीजन समर्थन या साथ में डॉक्टर की आवश्यकता न हो; एक मरीज को ऑक्सीजन के समर्थन की आवश्यकता के लिए एक ही सवारी और एक डॉक्टर को परिवार की कीमत 20,000 रुपये से ऊपर हो सकती है। एम्बुलेंस द्वारा अंतर-शहर स्थानांतरण, उदाहरण के लिए दिल्ली-चंडीगढ़ की कीमत 1,00,000 रुपये है। जब एक सेवा प्रदाता का सामना किया गया और बताया गया कि यह एयरलाइन की तुलना में कहीं अधिक है, तो प्रतिक्रिया थी :कृपया विमान ले जाएं!

मोलभाव और दलील देने का कोई तुक नहीं है। आपकी कहानी के लिए किसी के पास समय नहीं है। शुक्र है कि दिल्ली में, सरकार ने अब हस्तक्षेप किया है और कीमतों को विनियमित किया है। दूसरी समस्या अस्पताल के बिस्तरों की कमी है। अस्पताल के खाली पड़े अस्पतालों को दिखाने वाले सरकारी पोर्टलों को जमीनी हकीकत से अपडेट नहीं किया गया है।सरकारी वेबसाइटों पर पोस्ट किए गए कई टेलीफोन नंबर उपयोग में नहीं हैं या उनका जवाब नहीं दिया जा रहा है, जिससे लोगों का दुख बढ़ेगा। कई अस्पताल अपनी वेबसाइट पर खाली बेड दिखाते हैं लेकिन मरीजों के आने पर ये उपलब्ध नहीं होते हैं। कई अस्पतालों में स्टाफ मरीजों को बेड उपलब्ध कराने के लिए भारी भरकम शुल्क वसूल रहा है। मरीज को बिस्तर मिलने तक एंबुलेंस में इंतजार करने वालों से प्रति घंटे के हिसाब से 2,000 रुपये वसूले जा रहे हैं!

बड़े अस्पतालों में राजनेताओं और वरिष्ठ नौकरशाहों के लिए बेड होते हैं, जबकि आम को कई अस्पतालों में भागना पड़ता है, हर बिंदु पर बड़े रकम का भुगतान करना पड़ता है और फिर भी, देखभाल की जरूरत नहीं होने की उम्मीद है। क्या हमारे देश ने अपनी आत्मा खो दी है? क्या यह महामारी का प्रभाव है या हम स्वाभाविक रूप से इस तरह थे? जैसे ही देश अपने सबसे बड़े संकट से जूझता है और परिवार दिवंगत लोगों के लिए रोते हैं, भारतीयों को अपने टूटे हुए नैतिक कम्पास को ठीक करने की जरूरत है।

आप की बात

भारत-ब्रिटेन संबंध

भारत और यूनाइटेड किंगडम के मध्य मौजूद ऐतिहासिक संबंध में के साथ-साथ आधुनिक कूटनीतिक संबंध में भी मौजूद है। अभी हाल ही में दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों के मध्य एक आभासी द्विपक्षीय बैठक का आयोजन किया गया और इसमें स्वास्थ्य क्षेत्र में आवश्यक रूप से मुख्य मुद्दा रहा किंतु भारत और ब्रिटेन के प्रतिनिधियों द्वारा द्विपक्षीय सहयोग से संबंधित विभिन्न विषयों पर भी चर्चा की गई। जैसे-जैसे भारत की अर्थव्यवस्था बदल रही है इसकी राजनीति के सैन्य और सांस्कृतिक शक्ति भी बढ़ रही है। भारत वैश्विक तौर पर एक नए साथी की तलाश में है और इसके लिए ब्रिटेन अवश्य सहयोग करेगा। ब्रिटेन के पास शिक्षा अनुसंधान नागरिक समाज एवं रचनात्मक क्षेत्र में भारत को देने के लिए बहुत कुछ है। भारत में अंग्रेजी बोलने वाले मध्यम वर्ग की जनसंख्या में भारी वृद्धि ब्रिटेन के लिए महत्वपूर्ण अवसर है इससे पहले कि भारत की अगली पीढ़ी को कहीं और अवसर तलाश है ब्रिटेन व्यापार कूटनीतिक संस्कृति और शिक्षा के क्षेत्र में भारत के लिए अपने दरवाजे खोल सकता है। ब्रिटेन भारत की आंतरिक क्षमताओं को बढ़ाने में मदद करने के साथ-साथ वैश्विक महामारी का प्रबंधन करने में काफी हद तक सक्षम है।

– **सुदर्शन सोराड़ी**, नैनीताल

कोरोना संकट में बुजुर्ग

देश विदेश में कोरोना संक्रमण महामारी से करीब करीब सभी वर्ग आयु के लोग प्रभावित हुए है। वैसे जहां तक बुजुर्गों की अहमियत का सवाल है तो कोई सा भी देश क्यो न हो इनकी हिफाजत हर व्यक्ति की नैतिकताओं में शामिल होना चाहिए। समाचार पत्र के समाचार के आधार पर अमेरिका में बुजुर्गों को वृद्धाश्रम में छोड़ने का चलन घटा है। अपराधबोध के चलते अब घरों में ही देखभाल हो रही है। कोरोना काल मे सबसे ज्यादा असर उम्रदराज लोगों पर हुआ था। अब अमेरिका में 25 प्रतिशत वृद्धाश्रम खाली हो गए। बहुत ही बढ़िया और सार्थकता भरा पहलू है कि अमेरिकी अब बुजुर्गों की अहमियत समझने लगे। कोरोना काल मे बुजुर्गों की परेशानियों को बढ़ता देख लोगों ने अपने घर ही बुजुर्गों को रखने का मन बना लिया। पिछले साल कोरोना महामारी में 86 साल की निक्सन पिट्सबर्ग एक अपारमेन्ट में अपनी चारो बेटियों के साथ रहती थी। कोरोना महामारी से पहले उनकी तबीयत खराब हुई थी, तब बेटियों ने उन्हें वृद्धाश्रम भेजने का सोचा था। डिआने निक्सन पिट्सबर्ग बेटियों पर बोझ नही बनना चाहती थी। पर जब कोरोना से नर्सिंग होम में मौतें होने लगी और परिजनों को भी मिलने से रोक दिया गया तो परिवार ने इरादा बदल दिया।

– **योगेश जोशी**, बड़वाह, मप्र

टीकाकरण का अमेरिकी फार्मूला

आज टीकाकरण अभियान ही दुनियाभर में कोरोना की लहर को थामने का कारगर उपाय साबित हुआ है। पहले और दूसरे टीकाकरण नें लाखों लोगों को संक्रमण और मौत से बचाया है। इस मामले में अमेरिकी सरकार आसान टीकाकरण के लिए जो फार्मूला लाई है वह अभियान को तेजी प्रदान कर सकता है। बाइडेन सरकार ने अब वहां के नागरिकों के लिए राह चलते आसानी से टीकाकरण की व्यवस्था की है। इसके लिए हजारों फार्मेसी और मोबाइल क्लीनिक को टीकाकरण की सेवा में लगाया गया है। इससे निश्चय ही बाइडेन सरकार के प्रयास रंग लाएंगे। भारत में टीकाकरण की गति अपेक्षाकृत धीमी है ऐसे में इस तकनीक का उपयोग हमारे देश में भी हो। इससे राह चलते लोगों का टीकाकरण संभव हो सकेगा। हां इसके लिए सरकार को टीके का बड़ा संग्रहण करना पड़ेगा। राह चलते टीकाकरण से लोगों का समय भी बचेगा। पहला टीका समस्त देशवासियों को लगने के बाद काफी कुछ राहत महसूस की जा सकती है।

– **अमृतलाल मारू**, दसई, मप्र

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

“**विदेशी** सहायता पर सरकार का गौरवान्वित होना दयनीय है। यदि सरकार ने अपना काम किया होता तो ऐसी स्थिति न आती।

– **राहुल गांधी**
कांग्रेस नेता

रूस सतत रूप से अंतरराष्ट्रीय कानून का रक्षण करता है। साथ ही साथ हम अपने राष्ट्रीय हितों की भी रक्षा करेंगे और अपनी जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे।

– **व्लादिमीर पुतिन**
रूस के राष्ट्रपति

हम स्वास्थ्य आपातकाल से गुजर रहे हैं। मैंने बार-बार सरकार से सर्वदलीय बैठक बुलाकर संकल्प प्रदर्शित करने का आग्रह किया है।

– **सोनिया गांधी**
कांग्रेस अध्यक्ष”

सात राजकीय अस्पतालों में लगेंगे ऑक्सीजन प्लांट : डीएम

● एक माह में शहर के अस्पतालों में प्लांट लगाने का काम हो जाएगा पूरा

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

वैश्विक महामारी कोरोना वायरस की दूसरी लहर से संक्रमित 99 प्रतिशत लोगों को ऑक्सीजन की आवश्यकता पड़ रही है। इसे देखते हुए वाराणसी के सरकारी अस्पतालों में एक के बाद एक ऑक्सीजन प्लांट लगाने का काम तेज गति से चल रहा है। सबसे पहले बनारस के उद्योगपति के सहयोग से पंडित दीन दयाल अस्पताल में ऑक्सीजन प्लांट लगाया गया। उसके बाद रामनगर के लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल में ऑक्सीजन प्लांट लगा। वहीं सोमवार को इज़राइल से वाराणसी पहुंचे ऑक्सीजन प्लांट को हॉस्पिटल में इंस्टाल करके चालू कर दिया गया है। इस दौरान वहां पर जिलाधिकारी कौशल राज शर्मा मौजूद रहे।

उन्होंने बातचीत में कहा कि आने वाले एक महीने में प्रधानमंत्री की प्रेरणा और निर्देशन में वाराणसी शहर के सातों सरकारी अस्पताल ऑक्सीजन के लिए आत्मनिर्भर हो जाएंगे। जिलाधिकारी ने बताया कि वाराणसी के ईएसआई हॉस्पिटल में ऑक्सीजन जनरेशन का नया प्लांट शुरू हो गया हैए जो कल यहां पहुंचा था। इसका इंस्टालेशन हो गया है और आज इससे उत्पादन भी शुरू हो गया है। ये 500 एलपीएम का प्लांट है, जो इज़राइल से भारत को मिला है।

इज़राइल से भारत को 4 प्लांट मिले हैं। भारत सरकार और प्रधानमंत्री के विशेष प्रयासों से चार में से एक प्लांट वाराणसी को मिला है और 24 घंटे में ही इसे इंस्टाल करके शुरू कर दिया गया है।

उन्होंने बताया कि इज़राइल की टेक्नोलॉजी पर बना हुआ यह प्लांट कंटेनर में बंद है। सारे कम्पोनेनेट्स एक जगह लगे होने की वजह से ये स्थान नहीं घेरता है। डीएम के अनुसार ये 500 एलपीएम का प्लांट 100 बेड के लिए ऑक्सीजन उपलब्ध कराएगा। वर्तमान में यहाँ 60 बेड का कोविड हॉस्पिटल संचालित किया जा रहा है। उन 60 बेड़ों पर अब सीधे इस प्लांट द्वारा पाइप लाइन से ऑक्सीजन मिल जायेगीए जिससे यहाँ पड़े हुए ऑक्सीजन सिलेंडर खाली हो जायेंगे, जिसे हमें पब्लिक के यूज़ में होम आइसोलेशन में रह रहे लोगों को उपलब्ध करवाएंगे। जिलाधिकारी ने बताया कि इसी प्रकार से वाराणसी में यह तीसरा प्लांट है, जो प्रधानमंत्री के दिशा निर्देशन में यहाँ स्टाल हुआ है। इसे मिलाकर 1250 एपीएम की कैपसिटी हमने वाराणसी में क्रिएट कर ली है और 215 बेड़ों पर हम सीधे ऑक्सीजन दे पा रहे हैं। इसी हफ्ते आयुर्वेदिक कालेज में भी ऑक्सीजन प्लांट इंसटाल हो जायेगा। हम इस महीने के अंत तक 5 ऑक्सीजन प्लांट इंस्टॉल कर लेंगे। अगले महीने में सारे सातों अस्पताल उसमे कवर हो जायेंगे।

तालाब में बुजुर्ग की लाश मिलने से हड़कंप

चंदौली। सैयदराजा थाना क्षेत्र के नगर पंचायत कार्यालय के पास तालाब में मंगलवार की सुबह एक वृद्ध की लाश उतराई हुई मिली। वृद्ध की उम्र 80 वर्ष के आसपास है। अभी तक शव की शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस के अनुसारए सैयदराजा नगर पंचायत के बगल में स्थित तालाब में मंगलवार की सुबह एक अज्ञात वृद्ध की लाश उतर आई हुई मिली। तालाब में शव देखने के बाद आसपास लोगों की भारी भीड़ जुट गई। लोगों की सूचना पर पहुंची सैयदराजा पुलिस ने शव को तालाब से बाहर निकलवाया।उसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय चंदौली भेज दिया। वृद्ध व्यक्ति की शिनाख्त स्थानीय निवासी श्यामनारायण के रूप में हुई । वहीं स्थानीय लोगों ने बताया कि ऐसा लगता है कि बुजुर्ग शौच के बाद तालाब पर आए होंगे जहां सीढ़ियों से पैर फिसलने के बाद वे गहरे पानी में चले गए और डूब कर उनकी मौत हो गयी ।

पीडीडीयू जंक्शन से होकर गुजरी हैं 36 लोडेड ऑक्सीजन एक्सप्रेस

● अब तक पूर्व मध्य रेल के रास्ते बोकारो से लखनऊ के लिए 15 तथा बरेली के लिए तीन ऑक्सीजन एक्सप्रेस ट्रेनें चलाई गईं

संवाददाता। मुग़लसराय

रेलवे की ओर से ऑक्सीजन एक्सप्रेस के माध्यम से देश के विभिन्न इलाकों में ऑक्सीजन आपूर्ति का सिलसिला जारी है। 19 अप्रैल से अब तक पंण् दीनदयाल उपाध्याय रेलवे स्टेशन से 36 लोडेड ऑक्सीजन एक्सप्रेस गुजर चुकी है। पंण् दीनदयाल उपाध्याय रेल मंडल की ओर से ऑक्सीजन एक्सप्रेस को सुरक्षित ढंग से गंतव्य तक पहुंचाने पर जोर दिया जा रहा है।

पूर्व मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी राजेश कुमार ने बताया कि देश के विभिन्न राज्यों में ऑक्सीजन एक्सप्रेस ट्रेनों को चलाने के भारतीय रेलवे के प्रयासों को गति देते हुए पूर्व मध्य रेल की ओर से कोविड के खिलाफ संयुक्त जंग को मजबूती प्रदान की जा रही है। कोविड मरीजों और उनके परिवारों को राहत देने के लिए लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन के परिवहन के लिए 19 अप्रैल से अब तक पूर्व मध्य रेल के पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शनए गयाए डॉल्टेनगंजए टोरी सहित अन्य स्टेशनों से होते हुए देश के विभिन्न राज्यों को जाने वाली 36 लोडेड ऑक्सीजन एक्सप्रेस ट्रेनें चलाई गई हैं। अब तक पूर्व मध्य रेल के रास्ते बोकारो से लखनऊ के लिए 15 तथा बरेली के लिए तीन ऑक्सीजन एक्सप्रेस ट्रेनें चलाई गई हैं । इसी तरह दिल्ली में ऑक्सीजन की आपूर्ति के लिए पूर्व मध्य रेल होकर दुर्गापुर से नौ तथा टाटानगर से दिल्ली के लिए 05 ऑक्सीजन एक्सप्रेस चलाई गई। इसके साथ ही दुर्गापुर से वाराणसीए टाटानगर से लखनऊ आदि शहरों में लोडेड ऑक्सीजन एक्सप्रेस के जरिए तरल मेडिकल ऑक्सीजन का परिवहन किया गया। इससे कोरोना से संक्रमित रोगियों के लिये ऑक्सीजन की उपलब्धता बढ़ी है। बताया कि ऑक्सीजन एक्सप्रेस ट्रेनों को प्राथमिकता के आधार पर सुरक्षा उपायों के साथ चलाया जा रहा है। ट्रेनें तेज गति से चलेए इसके लिए रास्ते में ग्रीन कोरिडोर बनाया गया है। इससे बिना किसी रेड सिग्नल के यह ट्रेन जल्द से जल्द अपने गंतव्य तक पहुंच सके। बताया कि अभी लगातार ऑक्सीजन एक्सप्रेस चलती रहेगी।

कोरोना संक्रमण की रफ्तार जिले में हुई कम, मिले 100 संक्रमित रोगी

सोनभद्र। कोरोना वायरस कोविड-19 के तेजी से बढ़ रहे संक्रमण की रफ्तार में कमी आनी शुरु हो गयी है जो जिले के लिए राहत भरी खबर है। रविवार को आई रिपोर्ट में जनपद सोनभद्र में कुल 212 लोग पॉजिटिव पाए गए थे सोमवार को यह आकडा 172 का रहा। मंगलवार को 100 संक्रमित लोग मिले रविवार को कोविड-19 के संक्रमण से मुक्त होकर अपने घर वापस जाने वालों की सख्या 433 लोगों की थी जब की सोमवार को 353 लोग कोविड-19 के संक्रमण से मुक्त हो कर स्वस्थ हो गये। मंगलवार को 278 लोग संक्रमण से मुक्त हो कर स्वस्थ हो गये है। जनपद सोनभद के लिए राहत भरी खबर यह रही की प्रतिदिन कोविड-19 के संक्रमण से मिलने वाले लोगों की तुलना में ठीक होने वाले लोगों की संख्या अधिक है। जनपद मे जन जागरूकता संक्रमण के रोकथाम को लेकर किये जा रहे तमाम उपायों के बाद भी पिछले लगभग दो हत्तों से तेजी से संक्रमण बढ रहा था। संक्रमण के चलते जनपद के आम लोगों मे कोविड-19 कोरोना वायरस के संक्रमण को लेकर डर का वातावरण बना हुआ था जिसपे थोडा विराम लगा है।

कमजोर इम्युनिटी वालों को हो रहा म्यूकोरमाइकोसिस संक्रमण

● यह एक दुर्लभ फंगल इन्फेक्शन है जो कोरोना काल में ज्यादा हो रहा है

● बेहद कम रोगप्रतिरोधक क्षमता और डायबिटीज के रोगियों को बना रहे हैं निशाना

संवाददाता। मीरजापुर

कोविड-19 की दूसरी लहर के बीच कई लोग म्यूकोरमाइकोसिस नाम के फंगल इन्फेक्शन की चपेट में आ रहे हैं। यह दुर्लभ फंगल इन्फेक्शन है जो किसी व्यक्ति की प्रतिरोधक क्षमता कम होने पर होता है द्य कोविड.19 और डायबिटीज के मरीजों के लिए यह इन्फेक्शन और ज्यादा खतरनाक साबित हो सकता है। इस संक्रमण को ृब्लैक फंगसष् के नाम से भी जाना जाता हैद्य

क्या है म्यूकोरमाइकोसिस

अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अजय ने बताया कि इंडियन काउन्सिल ऑफ मेडिकल रिसर्च आईसीएमआर द्वारा जारी एडवाइजरी के अनुसार म्यूकोरमाइकोसिस फंगल इंफेक्शन है जो शरीर में बहुत तेजी से फैलता है। म्यूकोरमाइकोसिस इंफेक्शन नाकए आँखए दिमागए फेफड़े या फिर स्किन पर भी हो सकता है। इस बीमारी में कई लोगों की आंखों की रोशनी तक चली जाती हैए वहीं कुछ मरीजों के जबड़े और नाक की हड्डी गल जाती है।

कोरोना मरीजों को ज्यादा खतरा

म्यूकोरमाइकोसिस आम तौर पर उन लोगों को तेजी से अपना शिकार बनाता है जिन लोगों में रोग प्रतिरोधक क्षमता बहुत कम होती है। कोरोना के दौरान या फिर ठीक हो चुके मरीजों का इम्यून सिस्टम बहुत कमजोर होता हैए इसलिए वह आसानी से इसकी चपेट में आ रहे हैं। खासतौर से कोरोना के जिन मरीजों को डायबिटीज है। शुगर लेवल बढ़ जाने पर उनमें म्यूकोरमाइकोसिस खतरनाक रूप ले सकता है।यह संक्रमण सांस द्वारा नाक के जरिये व्यक्ति के अंदर चला जाता हैए जिन लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होती हैए उनको यह जकड़ लेता हैद्य

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है . हल्के लक्षण दिखने पर जल्दी से डॉक्टर से संपर्क करेंद्य कोविड के रोगियों में अगर बार . बार नाक बंद होती हो या नाक से पानी निकलता रहेए गालों पर काले या लाल चकत्ते दिखने लगेंए चेहरे के एक तरफ सूजन हो या सुन्न पड़ जाएए दांतों और जबड़े में दर्दए कम दिखाई दे या सांस लेने में तकलीफ हो तो यह ब्लैक फंगस हो सकता है।

अतिक्रमण पर प्रशासन का चला बुल्डोजर

संवाददाता। सकलडीहा चन्दौली

शासन के निर्देश पर जिला प्रशासन द्वारा अवैध अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इस क्रम में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट पीपी मीणा और तहसीलदार डाण् वंदना मिश्रा के संयुक्त नेतृत्व में दस वर्षो से अवैध अतिक्रमण को हटाया गया। उधर ग्रामीणों ने तहसील प्रशासन के इस कार्रवाई को एक तरफा पक्षपात पूर्ण बताया। असवरिया गांव में अवैध कब्जा की शिकायत पर ज्वाइंट मजिस्ट्रेट प्रेमप्रकाश मीणा ने तहसीलदार सहित क्षेत्रीय राजस्व कर्मियों के नेतृत्व में टीम गठित कर मामले की जांच कराया था। इस क्रम में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट के नेतृत्व में तहसीलदार पुलिस फोर्स के साथ अवैध अतिक्रमण को जेसीबी लगाकर हटवाया। उधर ग्रामीणों का आरोप लगाया कि जिसके खिलाफ वर्षो से शिकायत किया जा रहा है। उसके खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय तहसील प्रशासन द्वारा एक तरफपक्षपातपूर्ण निर्णय लिया गया है। इस बाबत ज्वाइंट मजिस्ट्रेट प्रेमप्रकाश मीणा ने बताया कि दस वर्षो से चल रहे अवैध अतिक्रमण को हटाया गया। ग्रामीणों की शिकायत पर जांच किया जायेगा।

ट्रेन में महिला यात्री से छेड़खानी

मुग़लसराय । अप चंडीगढ़ सुपरफास्ट पूजा स्पेशल ट्रेन में रविवार की देर रात एक महिला यात्री ने सहयात्री पर छेड़खानी करने का आरोप लगाया। पीडीडीयू जंक्शन पर ट्रेन पहुंचने से पहले घटना हुई। पीड़िता ने स्थानीय जीआरपी को लिखित तहरीर दी। रिपोर्ट दर्ज कर जीआरपी ने आरोपित को जेल भेज दिया। महिला ने चादर खींचकर छेड़खानी का आरोप लगाया। वह आरा से चंडीगढ़ जा रही थी।पूजा स्पेशल ट्रेन के कोच संख्या बी.5 के बर्थ नंबर 20 पर चंडीगढ़ निवासी एक महिला यात्री सफर कर रही थी। उसी कोच के बर्थ नंबर 17 पर एक व्यक्ति यात्रा कर रहा था। महिला यात्री का आरोप है कि रात में लगभग 1०30 बजे ट्रेन जब पीडीडीयू जंक्शन पहुंचने वाली थी तभी सहयात्री उसकी चादर खींचने लगा। एक बार ऐसा करने पर महिला ने विरोध किया लेकिन सहयात्री नहीं माना और फिर चादर खींचने लगा। इसके बाद महिला यात्री शोरगुल मचाने लगी।

तेज आँधी और पानी से चरमराई विद्युत व्यवस्था

संवाददाता। बीजपुर/सोनभद्र

पिपरी से म्योरपुर नधिरा बभनी व बीजपुर सब स्टेशन को आने वाली 33 हजार की लाईन में फाल्ट आने के बाद सोमवार से ही विद्युत व्यस्था चरमरा गई है। एक तरफ जहाँ ग्रामीण इलाके में बिजली आपूर्ति ठप्प होने के कारण सैकड़ों गाँवो में अंधेरा पसरा पड़ा है वहीं दूसरी तरफ पेयजल आपूर्ति भी चरमरा गई है। जानकारी के अनुसार पिछले हत्ते से ही आये दिन आँधी पानी के कहर से बिजली आपूर्ति बदहाल चल रही है। इसी बीच सोमवार की रात आए आँधी पानी ने भयंकर तवाही मचाई। कई जगह बड़े बड़े पेड़ उखड़ने और डाल टूटने के कारण पिपरी से आने वाली 33 हजार की लाईन में फाल्ट आ गया जिसके कारण चारो सब स्टेशन से जुड़े सैकड़ों गाँवों में अंधेरा छा गया। बिजली आपूर्ति लड़खड़ाने के बाद ग्रामीण इलाके में पेयजल की समस्या बढ़ गयी है तो लाइन न होने के कारण मोबाइल बन्द हो गए हैं।बिजली से संचालित तमामं उपकरण कबाड़ में तब्दील हो गए हैं। इस बाबत जानकारी लेने विभाग के कर्मियों द्वारा बताया गया कि म्योरपुर के जंगल मे कहीं फाल्ट आ गया है लाइनमैन युद्धस्तर पर लगाये गए हैं जिससे जल्द बिजली आपूर्ति बहाल हो जाने की संभावना है। वहीं स्थानीय लाइनमैन ने बताया कि 33 हजार के अलावा 11 हजार की ग्रामीण लाइन में भी फाल्ट आया है। जब तक सब स्टेशन चार्ज नही होगा तब तक गाँवों में कहाँ फाल्ट हुआ है बताना सम्भव नही हैं। इस बाबत अवर अभियंता महेश कुमार ने बताया कि जंगल मे पेड़ गिरने से कही पोल टूट गए हैं तो कहीं इंसुलेटर टूट गया।

सप्तसागर मंडी में स्थानीय लोगों ने किया पुलिस चौकी निर्माण का विरोध

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

सुरक्षा एवं शान्ति व्यवस्था के लिए वाराणसी पुलिस कमिश्नरेट के अंतर्गत आने वाले थानाक्षेत्र के सप्तसागर मंडी में पुलिस चौकी के निर्माण को लेकर स्थानीय लोगों ने विरोध शुरू कर दिया है। स्थानीय लोगों ने मंगलवार को निर्माणाधीन चौकी के सामने प्रदर्शन किया और कहा कि यह होलिका स्थल है जहां अनावश्यक रूप से चौकी बनायी जा रही है। इस सम्बन्ध में मध्यमेश्वर वार्ड के पार्षद भईया लाल यादव ने बताया कि यहां एक पुलिस चौकी बनायी जा रही है। उन्होंने बताया कि जिस स्थान पर पुलिस चौकी बनायी जा रही है उसके सम्बन्ध में हमने चौकी इंचार्ज सप्तसागर से बात कि थी कि ये होलिका का स्थान है तो उन्होंने कहा था कि आप स्थानीय लोगों से बात कर लें यदि वो कह देंगे तो चौकी नहीं बनेगी पर कार्य शुरू करवा दिया गया है। हम किसी भी कीमत पर यहां चौकी नहीं बनने देंगे।

वहीं क्षेत्र की निवासी भाजपा महिला मोर्चा की महानगर उपाध्यक्ष मीना यादव ने कहा कि यहां पर वर्षों पुरानी होलिका जलती आ रही है। इसपर पुलिस ज़बरदस्ती चौकी बनवा रही है। ये आस्था के साथ खिलवाड़ है। बिना स्थानीय लोगों को बताये धार्मिक आस्था के इस स्थल पर पुलिस चौकी का निर्माण पूरी तरह से अवैध है और हम नहीं बनने देंगे। उन्होंने कहा कि जब एक किलोमीटर से भी कम के एरिया में मैदागिन पर पुलिस चौकी है तो यहां चौकी बनाये जाने का क्या तात्पर्य है। यह सैंकड़ों लोगों की आस्था से खिलवाड़ है।

नव निर्वाचित प्रधान समेत चार संक्रमितों की मौत

संवाददाता। मऊ

भले ही सरकारी आंकड़ों में जिले में कोरोना के नए संक्रमितों की संख्या में कमी हो रहा हो, लेकिन मौत की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। मंगलवार विभिन्न कोविड अस्पतालों में उपचार के दौरान नव निर्वाचित ग्राम प्रधान समेत चार कोरोना संक्रमितों की मौत हो गया। लगातार कोरोना संक्रमितों की मौत से स्थानीय लोगों में काफी दहशत है। उधर जिला प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग ने दावा किया है कि कोरोना से बचाव को लेकर वृहद अभियान चलाया जा रहा है।

कोईरियापार संवाद सूत्र के अनुसार मुहम्मदाबाद गोहना ब्लाक क्षेत्र के फरीदपुर धर्मा के नवनिर्वाचित ग्रामप्रधान की करोना के संक्रमण होने से इलाज के दौरान सोमवार की रात हो गया। इससे क्षेत्र में कोहराम मच गया। ब्लॉक क्षेत्र के फरीदपुर धर्मा निवासी 44 वर्षीय नव निर्वाचित ग्राम प्रधान की चुनाव प्रचार से ही तबीयत काफी खराब चल रहा था। सोमवार को अचानक उनकी हालत गंभीर होने के कारण परिजनों ने आजमगढ़ मे एक प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराएं थे। जहां पर देर रात उनकी मौत हो गया। मौत की खबर लगते ही क्षेत्र में कोहराम मच गया। साथ ही साथ ग्राम वासियों में मायूसी छा गया। उधर कोपागंज संवाद सूत्र के अनुसार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार ने बताया एल.1 अस्पताल में इलाज करा रहे दो वृद्ध महिलाओ सहित एक वृद्ध की मंगलवार को इलाज के दौरान मौत हो गया। सूरजपुर निवासी एक 58 वर्षीय वृद्ध महिला पांच दिनों से बीमार चल रहा था। 6 मई को जिला अस्पताल में टेस्टिंग के दौरान पॉजिटिव आने पर कोपागंज स्थित एल .1 बापू आयुर्वेदिक हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। इसके अलावा गंगयापार निवासी एक 60 वर्षीय वृद्ध महिला 7 मई दिन शनिवार को एल .1 हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। वहीं मधुबन के ग्राम सभा सितवा निवासी 59 वर्षीय एक वृद्ध जो मंगलवार को भर्ती हुआ था। तीनों का मंगलवार को इलाज के दौरान मौत हो गयी।

जांच के बाद 66 मिले नए कोरोना संक्रमित, 6554 हुए स्वस्थ

मऊ । कोविड काल के दौरान एक सप्ताह से कोरोना संक्रमितों की संख्या तो घट रही हैए लेकिन संक्रमण से होने वाली मौत में लगातार इजाफा हो रहा है। मंगलवार को जांच के बाद 66 नए संक्रमित पाए गए। जबकि कोरोना संक्रमण में अब तक 50 लोगों की मौत हो चुका है। उधर अब तक 6554 लोग स्वस्थ भी हो चुके हैं। वहीं दूसरी तरफ कोरोना के बढ़ते संक्रमण को रोकने के लिए स्वास्थ्य विभाग एवं जिला प्रशासन द्वारा लगातार युद्ध स्तर पर अभियान चलाया जा रहा है। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. सतीश चंद्र सिंह ने बताया कि जांच के बाद आई रिपोर्ट में 66 लोग कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। हालांकि शासन के निर्देश पर जिले में साप्ताहिक लॉक डाउन के साथ ही रात्रि कालीन कर्फ्यू का काफी सख्ती के साथ पालन कराया जा रहा है। बावजूद इसके जिले में कोरोना पाजिटिव मरीजों के आने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. सतीश चंद्र सिंह ने बताया कि अब तक 183212 लोगों का नमूना लैब भेजा गया है, इसमें 180345 लोगों की रिपोर्ट प्राप्त हो चुकी है।

मुख्तार अंसारी ने कूलर व बेड के लिए अदालत से लगाई गुहार

मऊ। सदर विधायक मुख्तार अंसारी के अधिवक्ता दारोगा सिंह द्वारा दिए गए ऑन लाइन आवेदन पत्र पर मंगलवार को प्रभारी मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्वेता चौधरी ने जेल अधीक्षक बांदा को आदेशित किया है कि वे जेल मैनुअल व विधिक प्राविधान के अनुसार आवेदक के आवेदन पर कार्रवाई सुनिश्चित करे। साथ ही साथ जेल मैनुअल के अनुसार ही उनके अधिवक्ता को मिलने हेतु जेल अधीक्षक को निर्देश दिया है।

बताते चलें कि सदर विधान सभा के बाहुबली विधायक मुख्तार अंसारी विभिन्न मामलों में वर्तमान समय में बांदा जेल में निरुद्ध हैं।

मण्डलायुक्त ने बेहतर स्वास्थ सुविधाओं के लिए की वर्चुअल मीटिंग

संवाददाता। मीरजापुर

मण्डलायुक्त योगेश्वर राम मिश्र ने मण्डल के तीनो जनपदो के जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, अपर निदेशक चिकित्सा, मुख्य चिकित्साधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, डॉ सुनीता दूबे के साथ कोविड-19 एवं स्वास्थ सुविधाओ पर वर्चुअल मीटिंग की। कोरोना संक्रमण के इस काल मे मण्डलायुक्त ने टेली मेडसिन सुविधा पर जोर दिया जिससे जनता को घर बैठे ही फोन पर उपचार का लाभ मिल सके तथा वे अस्पताल तक पहुॅचने की आवागमन के संक्रमण की सम्भावनाओ से सुरक्षित रह सके। मण्डलायुक्त ने मण्डल के तीनो जनपदो के जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी एवं मुख्य चिकित्साधिकारी से एक-एक कर जनपद के कोविड-19 एवं स्वास्थ सुविधाओ की उपलब्धता पर चर्चा किया। जिलाधिकारी मीरजापुर श्री प्रवीण कुमार लक्षकार ने बेहतर स्वास्थ सुविधा के लिये मैन पावर को बढ़ाने की दिशा मे रेडियोलाजी, एनेस्थेटिक आदि स्वास्थकर्मियो को संविदा पर रखे जाने की पहल की। मुख्य विकास अधिकारी सोनभद्र डा0 अमित ने बताया कि एल-2 मे जो गम्भीर मरीज है उनको टेली मेडिसिन के द्वारा स्पेशलिस्ट डॉक्टर टीम से चर्चा कर उपचार किया जाये। एल-2 अस्पताल की संख्या बढ़ायी जाये तथा टेली मेडिसिन मे जुडे स्पेशलिस्ट डाक्टर समर्पण भाव से मरीजो की समस्ओ को सुने साथ ही बेहतर उपचार की जानकारी दे। मण्डलायुक्त ने कोविड-19 की रोकथाम के लिये आशा बहू, स्वयं सहायता समूह, ग्रामीण समितियो आदि द्वारा घर-घर अभियान के तहत कांटेक्ट टेस्टिंग पर बल दिया तथा घरो मे आइसोलेट मरीजो को दवाईयो की किट उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। कोविड-19 की विपदा की इस घड़ी मे मण्डलायुक्त महोदय जनता को स्वास्थ सुविधाये उपलब्ध कराने हेतु काफी सजग एवं सचेत है इसी संदर्भ मे कुछ दिन पूर्व ही वे स्वयं दूरभाष पर कई डाक्टरो से वार्ता कर उनकी उपस्थित की जॉच की। इसी दिशा मे कल जिलाधिकारी मीरजापुर ने स्वयं एवं एक निरीक्षण टीम बनाकर जनपद के 17 स्वास्थ केन्द्रो का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी द्वारा एम्बुलेंस वाहनो का भी दर निश्चित किया गया है। मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा कोरोना संक्रमित मरीजो हेतु निजी अस्पतालो को भी अधिकृत किया गया है एवं टेली मेडसिन सुविधा के लिये डाक्टरो के नाम और उनका मोबाइल नम्बर जारी किया गया है। मण्डलायुक्त ने सी0एस0आर0 के तहत लोगो को स्वास्थ सेवा हेतु सहायता के लिये प्रेरित किया। उन्होने कहा कि मण्डल के तीनो जनपदो मे आक्सीजन सिलेण्डर, आई0सी0यू0 बेड, स्पेशलिस्ट डाक्टर टीम, जीवन रक्षक दवाये, वैक्सीन आदि उपलब्ध है।

भैयाजी बनारसी की 108वीं जयंती मनाई गई

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

प्रान्तीय संगठन उत्तर प्रदेश भोजपुरी संघ द्वारा मूर्धन्य साहित्यिक और ख्यात पत्रकार श्रदेय मोहनलाल गुप्त ष्भैयाजी बनारसीष् की 108वीं जयंती मैदागिन में उनके चित्र पर पुष्पांजलिए माल्यार्पण करते मनाते हुये उनके विशद कृतित्व और व्यक्तित्व को नमन किया गया ।अध्यक्षीय उदबोधन करते अपूर्व नारायण तिवारी ने कहा कि साहित्यिक पत्रकारिता के शलाका पुरूष और हास्य व्यंग्य के पुरौधा थे दादाजी एजो काशी के पंच महाभूतों में एक थे ।वे सदैव स्तुत्य और प्रेरणा स्रोत बने रहेंगे ।इस अवसर पर कोरोना से असमय काल कल्वित होने पर उण्प्रण्भोजपुरी संघ के प्रान्तीय उपाध्यक्ष ख्यात लोकगीतकार पंण्जीतेंद्र नाथ सिंहष्जीतष्एलब्ध नवगीतकार आनंद परमानंद और लोकभाषाविद एपत्रकार डाण्अर्जुन तिवारी के प्रति शोकसभा में दो मिनट का मौन रख कर पुण्यात्माओं को श्रद्धांजली अर्पित की।

ईडी ने महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री देशमुख के खिलाफ मामला दर्ज किया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित रिश्वत के मामले में महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख के खिलाफ धन शोधन रोकथाम कानून के तहत एक आपराधिक मामला दर्ज किया है।

आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को इस बारे में बताया। उन्होंने बताया कि देशमुख के खिलाफ केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा पिछले महीने दर्ज की गई प्राथमिकी का अध्ययन करने के बाद धन शोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) की धाराओं के तहत यह मामला दर्ज किया गया है। अधिकारी ने बताया कि प्रवर्तन निदेशालय अब देशमुख (71) और अन्य लोगों को पूछताछ के लिए तलब कर सकता है। बंबई उच्च न्यायालय के आदेश पर नियमित मामला दर्ज कर सीबीआई द्वारा की गई प्रारंभिक जांच के बाद ईडी ने यह मामला दर्ज किया है। बंबई उच्च न्यायालय ने मुंबई पुलिस के पूर्व आयुक्त परमबीर सिंह द्वारा देशमुख के खिलाफ लगाए गए रिश्वत के आरोपों की जांच करने को कहा था। एजेंसी जांच करेगी कि महाराष्ट्र में पुलिसकर्मियों के स्थानांतरण और पोस्टिंग के नाम पर क्या अवैध धन अर्जित किए गए और क्या पुलिसकर्मियों ने अवैध वसूली की थी जैसा कि सिंह ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया था।

देशमुख के खिलाफ मामला प्रतिशोध की राजनीति से प्रेरित कदमः राकांपा, कांग्रेस

मुंबई। महा विकास आघाड़ी (एमवीए) के घटक दलों राकांपा और कांग्रेस ने प्रवर्तन निदेशालय द्वारा महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किए जाने को प्रतिशोध की राजनीति से प्रेरित कदम बताया और कहा इस कार्वाई का उद्देश्य महामारी से निपटने में मोदी सरकार की विफलता से लोगों का ध्यान हटाना है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने भाजपा पर राज्य सरकार और राकांपा को बदनाम करने के प्रयास का आरोप लगाया। दरअसल प्रवर्तन निदेशालय ने पिछले महीने सीबीआई द्वारा देशमुख के खिलाफ दर्ज की गई एक प्राथमिकी का अध्ययन करने के बाद उनके खिलाफ कथित घूसखोरी के मामले में धन शोधन रोधी कानून के तहत प्राथमिकी दर्ज की है।

वरिष्ठ आईएएस अधिकारी समीर सिन्हा असम के मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव नियुक्त

गुवाहाटी। वरिष्ठ आईएएस अधिकारी समीर कुमार सिन्हा को असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा का प्रधान सचिव नियुक्त किया गया है। सिन्हा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग में प्रधान सचिव थे। सरमा के विश्वासपात्र माने जाने वाले 1994 बैच के आईएएस अधिकारी सिन्हा को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के साथ-साथ परिवर्तन एवं विकास विभागों से सेवामुक्त कर दिया गया है। आदेश में कहा गया है कि सिन्हा वित्त विभाग के प्रधान सचिव और असम भवन के अतिरिक्त प्रधान रेजीडेंट आयुक्त के तौर पर सेवाएं देना जारी रखेंगे। कार्मिक विभाग द्वारा सोमवार रात जारी आदेश में कहा गया है कि पूर्व मुख्यमंत्री सर्बानंद सोनोवाल के अतिरिक्त मुख्य सचिव रहे पवन कुमार बोर्थाकुर को परिवर्तन एवं विकास और सांस्कृतिक मामलों के विभाग में स्थानांतरित कर दिया गया है।

हैदराबाद में वैक्सीनेशन सेन्टर पर कोविड-19 वैक्सीन की डोज देती हुई स्वास्थ्यकर्मी।

मुंबई पुलिस अधिकारी सचिन वाजे पुलिस सेवा से बर्खास्त

विस्फोटक मामला

भाषा। मुंबई

निलंबित किए गए मुंबई पुलिस के अधिकारी सचिन वाजे को मंगलवार को पुलिस सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। गौरतलब है कि उद्योगपति मुकेश अंबानी के मुंबई स्थित आवास के पास एक एसयूवी से विस्फोटक सामग्री बरामद होने और व्यवसाई मनसुख हिरन के सिलसिले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने वाजे को गिरफ्तार किया था और मुंबई पुलिस ने उन्हें निलंबित कर दिया था। शहर पुलिस के प्रवक्ता ने बताया कि मुंबई पुलिस के आयुक्त हेमंत नागराले ने वाजे को बर्खास्त करने का आदेश जारी किया।

महाराष्ट्र कैडर के 1990 बैच के अधिकारी वाजे को एनकाउंटर कॉप के नाम से भी जाना जाता है। एसयूवी-सह-हत्या मामले में एनआईए द्वारा गिरफ्तार के बाद 13 मार्च को वाजे को निलंबित कर दिया गया था। एक शीर्ष अधिकारी ने बताया, एपीआई सचिव हिन्दुराव वाजे को पुलिस सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। बृहन्मुंबई के पुलिस आयुक्त ने भारत के संविधान के प्रावधान 311 (2) (बी) के तहत इस आशय का आदेश जारी किया है। बम विस्फोट के आरोपी की हिरासत में कथित मौत के मामले में 16 साल निलंबित रहने के बाद जून, 2020 में वाजे को फिर से पद पर तैनाती दी गई थी। जून, 2020 के बाद वह अपराध खुफिया इकाई (सीआईयू) के प्रमुख पद पर थे और फर्जी टीआरपी, फर्जी सोशल मीडिया फॉलोवर्स, डीसी कार फाइनेंस घोटाला और अंबानी सुरक्षा मामला सहित कई महत्वपूर्णाहाई-प्रोफाइल मामलों की जांच कर रहे थे।

बंगाल के हुगली जिले में तृणमूल कांग्रेस के नेता को बदमाशों ने मारी गोली

चिनसुराह (पश्चिम बंगाल)। पश्चिम बंगाल के हुगली जिले में मंगलवार को अज्ञात उपद्रवियों ने तृणमूल कांग्रेस के एक नेता को गोली मारकर घायल कर दिया। घटना उस वक्त हुई जब वह एक स्थानीय बाजार में सब्जी खरीद रहे थे। उन्होंने कहा कि बंसबेरिया नगरपालिका के पूर्व उपाध्यक्ष आदित्य नियोगी को गंभीर हालत में पास के एक अस्पताल ले जाया गया जहां से उन्हें कोलकाता रैफर कर दिया गया। भाजपा सूत्रों ने दावा किया कि यह घटना सत्ताधारी दल के अंदर गुटबाजी का नतीजा है। आरोपों से इनकार करते हुए, तृणमूल कांग्रेस के विधायक और पूर्व मंत्री तपन दासगुप्ता ने कहा, भगवा पार्टी के कार्यकर्ताओं ने हमला किया, जिसमें तृणमूल कांग्रेस के कुछ गद्दारों ने साथ दिया, जिनका हाल में हुए चुनावों के दौरान पर्दाफाश हुआ था। इस घटना के विरोध में बंसबेरिया इलाके में कुछ टीएमसी कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया।

लंबे समय से अस्पताल में रहने वाले कोविड रोगियों को घर जाना चाहिएः एदियुरप्पा

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बी एस एदियुरप्पा ने मंगलवार को कहा कि अनावश्यक रूप से अधिक समय से अस्पताल में रह रहे कोविड रोगियों को अपने घर जाना चाहिए ताकि गंभीर मरीजों का उपचार उपलब्ध हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा, उन 332 रोगियों को 30 दिन तक अस्पताल में रहने की क्या आवश्यकता है। उन लोगों को बिस्तर खाली करना चाहिए। 503 रोगी 20 दिन से अस्पताल में हैं। उन्होंने कहा, इस तरह जो लोग अस्पताल में अनावश्यक रूप से रह रहे हैं उन्हें घर जाना चाहिए। मुख्यमंत्री शहर में कोविड वार रूम का दौरा करने के बाद संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे। वार रूम से कोविड मरीज, अस्पतालों में बिस्तरों की स्थिति,ऑक्सीजन की उपलब्धता और महामारी के लिए आवश्यक दवाओं का आंकड़ा जारी किया।

मुख्यमंत्री ने बताया कि कोविड वार रूम ने उन रोगियों के बारे में सूचना दी है जो अपने घर पर उपचार करा सकते हैं किंतु वह अस्पताल में रह रहे हैं। इससे गंभीर रोगियों को उपचार मिलने में कठिनाई हो रही है। एक प्रश्न के उत्तर में एदियुरप्पा ने कहा कि डॉक्टरों की छुट्टी की सलाह के बावजूद अस्पताल में 503 रोगी हैं। उनके अनुसार, ऐसे रोगियों से कहा जाना चाहिए कि उनका उपचार हो चुका है और उन्हें घर जाना चाहिए और गंभीर प्रकृति वाले मरीजों के भर्ती होने का रास्ता साफ करना चाहिए।

कर्नाटक ने वैश्विक निविदा के जरिए कोविड टीकों की दो करोड़ खुराकें खरीदने का निर्णय लिया

बेंगलुरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री तथा कोविड को लेकर राज्य के कार्यबल के प्रमुख सी एन अश्वथ नारायण ने मंगलवार को कहा बढ़ती मांग का पूरा करने और 18 से 44 साल की आयु के लोगों को टीके लगाने के लिए वैश्विक निविदा के जरिए कोविड टीकों की दो करोड़ से अधिक खुराकें खरीदी जाएंगी। इसके अतिरिक्त तीन करोड़ खुराकों की खरीद का ऑर्डर पहले ही दिया जा चुका हैं, जिनमें एक करोड़ कोवैक्सीन और दो करोड़ कोविशील्ड खुराकें शामिल हैं। नारायण के कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि उनकी अध्यक्षता में यहां हुई उच्च स्तरीय बैठक में यह निर्णय लिया गया। नारायण ने कहा, अब तक हम केन्द्र सरकार द्वारा की जा रही टीकों की आपूर्ति पर निर्भर थे और खुले बाजार में निविदा आमंत्रित कर इन्हें नहीं खरीदा गया था। अब निविदा आमंत्रित करने का निर्देश दिया गया है और सात दिन में यह प्रक्रिया पूरी हो जाएगी।

प्रयागराज में मोती लाल नेहरू मेडिकल कालेज में कोविड-19 वैक्सीन की डोज की स्वास्थ्य वर्कर के साथ सेल्फी लेती हुई युवती

आरोप तय किए जाने से मुक्त करने का अनुरोध आरोपी का अधिकारः कोर्ट

भाषा। नई दिल्ली

अदालतों को मामले के गुण-दोष के आधार पर विचार करने का निर्देश देते हुए उच्चतम न्यायालय ने कहा कि आपराधिक मामले में आरोपों तय किए जाने से मुक्त करने का अनुरोध करना कानून के तहत आरोपी का मूल्यवान अधिकार है। प्रधान न्यायाधीश एन वी रमण, न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस की तीन सदस्यीय पीठ ने कहा कि यह काफी स्पष्ट रूप से तय है कि निचली अदालत आरोप मुक्त अनुरोध वाली अर्जियों पर विचार करते हुए महज डाक घर के तौर पर काम नहीं करेंगी।

पीठ ने कहा, संदिग्ध के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए पर्याप्त आधार है या नहीं यह तय करने के लिए अदालत को साक्ष्यों की छानबीन करनी होगी। अदालत को व्यापक संभावनाओं, पेश किए गए दस्तावेजों और साक्ष्यों के कुल प्रभाव और मामले में नजर आ रही बुनियादी कमियों को ध्यान में रखना होगा।

पीठ ने कहा, इसी तरह, जरूरत महसूस होने पर अदालत अपने विवेक से उचित मामलों में आगे की जांच का आदेश भी दे सकती हैं।

उच्चतम न्यायालय उत्तर प्रदेश के निवासी संजय कुमार राय की याचिका पर सुनवाई कर रहा था जिन्होंने एक आपराधिक पुनर्विचार याचिका पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती दी थी। उच्च न्यायालय ने मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, संत कबीर नगर के आरोपों से मुक्त करने से संबंधित याचिका खारिज करने का फैसले बरकरार रखा था।

क्विक न्यूज

शादियों एवं अंतिम संस्कारों में लोगों की संख्या घटाने पर गुजरात सरकार विचार करेः अदालत

अहमदाबाद। गुजरात उच्च न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि शादियो एवं अंतिम संस्कार मे क्रमशः 50 एवं 20 लोगो के भाग लेने की जो अनुमति दी गई है वह कोरोना वायरस महामारी के चलते बहुत अधिक है तथा राज्य सरकार को इसे घटाने पर विचार करना चाहिए। अदालत राज्य में कोरोना वायरस की स्थिति पर एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी। उसने स्वतः ही इस विषय को संज्ञान में लिया है। न्यायमूर्ति बेला त्रिवेदी और न्यायमूर्ति भार्गव डी करिया की खंडपीठ ने महाधिवक्ता कमल त्रिवेदी से वकील शालिन मेहता के इस सुझाव पर विचार करने को कहा कि अनुमत संख्या और घटाई जा सकती है क्योंकि ऐसी भीड़ बड़ी संक्रमण प्रसारक हो सकती है। खंडपीठ ने कहा, (शादियो में मेहमानो की) संख्या घटाई जा सकती है। अंतिम संस्कारो में भी 20 बहुत अधिक संख्या है। कोरोना वायरस संक्रमण की श्रृंखला को तोड़ने के लिए किए गए उपायों पर अपने हलफनामे मे सरकार ने अदालत को शादियो में मेहमानो एवं अंतिम संस्कारो मे भाग लेने वालो की सीमा के बारे में बताया। त्रिवेदी ने कहा कि सरकार इस सुझाव पर गौर करेगी। हालांकि उनका कहना था कि जहां तक शादियो का विषय है तो 50 अब भी ज्यादा है लेकिन अंतिम संस्कारों में भाग लेने वालो की 20 की सीमा को विभिन्न पक्ष बढ़ाने की मांग कर रहे है। मामले की अगली सुनवाई 17 मई को होगी।

जम्मू में महामारी से प्रभावित लोगों के लिए कल्याणकारी योजनाएं

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने कोविड-19 महामारी से गंभीर रूप से प्रभावित होने वाले परिवारो के लिए कई कल्याणकारी योजनाओं की घोषणा की है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के कार्यालय ने मंगलवार को ट्विटर पर एक वक्तव्य जारी कर इस बात की जानकारी दी। वक्तव्य के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर सरकार ने कोविड-19 के कारण अपने प्रियजनो को खोने वाले लोगो की मदद करने के लिए कई कदम उठाएं हैं। इसके तहत ऐसे वरिष्ठ नागरिकों को जीवन भर पेंशन की सुविधा दी जाएगी जिन्होंने परिवार के एकमात्र कमाने वाले व्यक्ति को खो दिया है। ऐसे बच्चे जिनके माता-पिता की मौत कोविड-19 के कारण हुई है, उन्हें सरकार की ओर से विशेष छात्रवृति दी जाएगी। सरकार ने कहा है कि कोविड-19 से प्रभावित ऐसे प्रत्एक परिवार को इसके दायरे मे लाया जाएगा और उन्हें वित्तीय सहायता मुहैया कराई जाएगी। सरकार ने कहा कि इस वैश्विक महामारी के कारण दिहाड़ी पर काम करने वाले लोग बेरोजगार हो गए है। सरकार ने प्रदेश मे पंजीकृत प्रत्एक श्रमिक, पोनीवाले, पालकीवाले, पिठ्ठूवाले को अगले दो महीने तक एक-एक हजार रूपए की सहायता प्रदान करने का फैसला किया है। सरकार ने अधिकारियो को निर्देश दिए है कि राशन कार्ड धारको को प्राथमिकता के आधार पर राशन उपलब्ध कराया जाए। वृद्ध पेंशन योजना, लाडली बेटी, पीएमएवाई, एमजीनरेगा और अन्य सामाजिक कल्याणकारी योजनाओ के तहत मिलने वाली राशि को तत्काल जारी किया जाएगा।

आंध्र प्रदेश ने केन्द्र से की ऑक्सीजन कोटा बढ़ाने की मांग

अमरावती। मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी ने मंगलवार को केन्द्र सरकार से आग्रह किया कि आंध्र प्रदेश को मिलने वाली तरल चिकित्सकीय ऑक्सीजन (एलएमओ) के कोटे को बढ़ाकर 910 टन कर दिया जाए। रेड्डी ने मंगलवार को इस संबंध मे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर कहा कि आंध्र प्रदेश को 24 अप्रैल तक 480 टन एलएमओ मिल रही थी जिसे आठ मई को बढ़ाकर 590 टन किया गया। मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में कहा कि राज्य में कोविड-19 के बढ़ते मामलो के मद्देनजर ऑक्सीजन की मांग मे काफी वृद्धि आई है और मौजूदा एलएमओ कोटा पर्याप्त नही है। दस मई को चेन्नई और कर्नाटक से ऑक्सीजन आने मे देरी हुई जिसके कारण तिरुपति मे ऑक्सीजन की कमी से कोविड-19 के 11 मरीजों की दुर्भाग्यवश मौत हो गई। कर्नाटक के बेल्लारी से मिलने वाली ऑक्सीजन की आपूर्ति को बढ़ाया जाए क्योंकि वहां जेएसडब्ल्यू संयंत्र मे उत्पादन बढ़ा दिया गया है। रेड्डी ने प्रधानमंत्री से कहा, इसलिए मै आपसे आग्रह करता हूं कि आप इस मामले मे हस्तक्षेप कर आंध्र का एलएमओ कोटा बढ़ाकर 910 टन कर दें और राज्य को 20 एलएमओ टैंकर भी प्रदान किए जाएं ताकि अस्पतालो मे ऑक्सीजन की आपूर्ति मे कोई परेशानी नही हो।

दुमका में आकाशीय बिजली गिरने से दो बच्चों की मौत

दुमका (झारखंड)। झारखंड के दुमका जिले मे मसानजोर थाना क्षेत्र के पारसिमला गांव मे मंगलवार को आकाशीय बिजली गिरने से दो बच्चो की मौत हो गई जबकि एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि मृतक बच्चो की पहचान मोहित कुमार रजक और दीपक रजक के रूप मे की गई है। दोनो क्रमशः 13 और सात वर्ष के थे। बिजली गिरने के समय दोनों बच्चे अपने गांव में वृक्ष के नीचे आम चुन रहे थे। मसानजोर थाना प्रभारी चन्द्रशेखर चौबे ने बताया कि मंगलवार को ही सालतला गांव में बिजली गिरने से 37 वर्षीया संवर मुर्मू नामक एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई।

मप्र में कोरोना वायरस संक्रमण लगातार कम हो रहा है : नरोत्तम मिश्रा

भोपाल। मध्य प्रदेश में बीते 24 घंटे में कोविड-19 के 9,715 नए मामले आने के बाद प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने मंगलवार को कहा कि प्रदेश में कोरोना वायरस संक्रमण लगातार कम हो रहा है।मिश्रा ने यहां संवाददाताओं से कहा, सोमवार को कोरोना के नए प्रकरण 10,000 के नीचे आ गए हैं। पिछले तीन-चार दिनों से प्रदेश में कोरोना वायरस संक्रमण के नए मामले निरंतर कम होते जा रहे हैं। कोरोना वायरस संक्रमण के प्रदेश में सोमवार को 9,715 नए प्रकरण आए हैं, जबकि उस दिन 8,400 से अधिक लोग इस बीमारी से उबरे हैं।मिश्रा ने बताया, कोरोना वायरस संक्रमण के मामले शहरों में कम हो रहे हैं। इस महामारी का ग्रामीण इलाकों में अभी असर है, लेकिन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के प्रयासों से इसे काबू में लाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 18 से 44 वर्ष के आयुवर्ग के 150 लोग कोरोना वायरस रोधी टीकाकरण के लिए पंजीयन करवाने के बाद भी टीका लगवाने नहीं आए, जिससे 150 टीके बर्बाद हो गए। टीके कब और कहां बर्बाद हुए।मिश्रा ने अप्रत्यक्ष रूप से कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, मैं युवाओं से हाथ जोड़कर अपील करता हूं कि बुकिंग करने के बाद टीका लगने का समय मिलने पर उन्हें टीका लगवाने के लिए आना चाहिए। मैं उन लोगों से भी अनुरोध करता हूं, जो लोग पत्र लिख कर कह रहे हैं कि शुरुआती चरण में युवाओं को बहुत ही कम टीके लगाए जा रहे हैं, वे राज्य में युवाओं को लग रहे एक भी टीके को बर्बाद न होने दें।

इन लोगों को इस मुद्दे पर सरकार की आलोचना करने के बजाय ट्वीट कर युवाओं को टीका लगवाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। मिश्रा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस इस महामारी में लोगों की मदद नहीं कर रही है और केवल ट्वीट कर रही है। कोरोना वायरस की महामारी कांग्रेस शासित राज्यों महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, पंजाब एवं राजस्थान से देश के अन्य राज्यों में फैली है।

असम में कोविड-19 महामारी के कारण मस्जिद में ईद की सामूहिक नमाज नहीं

गुवाहाटी। असम में मस्जिद समितियों ने फैसला किया है कि कोविड-19 महामारी और राज्य सरकार के दिशानिर्देशों के मद्देनजर आगामी ईद-उल-फित्र उत्सव के दौरान मस्जिद परिसरों में सामूहिक नमाज अदा नहीं की जाएगी। मस्जिद के इमामों ने लोगों से अपने-अपने घरों में ही इबादत करने और उत्सव मनाने को कहा है। बुरहा जामा मस्जिद समिति के एक पदाधिकारी ने गुवाहाटी में कहा कि मस्जिदों या ईदगाह में पारंपरिक रूप से ईद पर होने वाली सामूहिक नमाज नहीं होगी। कोविड-19 संबंधी दिशानिर्देशों की वजह से लोगों के हाथ मिलाने और गले मिलने पर भी पाबंदी होगी। पदाधिकारी ने कहा कि सभी धार्मिक स्थलों के लिए, सरकारी दिशानिर्देशों के मुताबिक मस्जिदों या ईदगाह में सिर्फ पांच लोगों के जमा होने की इजाजत है। ज्यादा भीड़ से बचने और भीड़ प्रबंधन के लिए अधिकतर मस्जिद समितियों ने पिछले साल महामारी के बाद से ही मस्जिदों के दरवाजों को बंद रखा है।

लोकल ट्रेनों में यात्रा पर पाबंदी जारी रहेगी : अदालत

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने मंगलवार को बंबई उच्च न्यायालय को बताया कि कोविड-19 के मामलों में वृद्धि जारी रहने के मद्देनजर मुंबई में लोकल ट्रेनों, मेट्रो और मोनोरेल के परिचालन पर पाबंदी बरकरार रहेगी। राज्य सरकार की ओर से पेश हुए वकील पी पी काकडे ने न्यायमूर्ति के के तातेड और न्यायमूर्ति अभय आहूजा की पीठ को बताया कि सिर्फ अग्रिम मोर्चों के कर्मियों और राज्य सरकार के कर्मियों को वर्तमान में उपनगरीय ट्रेन सेवाओं, मोनोरेल और मेट्रो ट्रेन के इस्तेमाल की अनुमति है। पीठ सहकारी बैंक कर्मचारी संघ (सीबीईयू) की ओर से दाखिल याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें कार्य के लिए शहर में लोकल ट्रेनों, मेट्रो और मोनोरेल से यात्रा की अनुमति देने का अनुरोध किया गया था। सीबीईयू की ओर से पेश हुए वकील ए एस पीरजादा ने उच्च न्यायालय से सहकारी बैंकों के कर्मचारियों को आवश्यक बैंक सेवाओं के सिलसिले में ट्रेनों से यात्रा की अनुमति देने का अनुरोध किया।

पीरजादा ने कहा, यहां तक कि महामारी की पहली लहर के दौरान भी रेलवे और राज्य के अधिकारियों ने सितंबर 2020 में सहकारी एवं निजी बैंक के अधिकारियों को लोकल ट्रेनों, मेट्रो और मोनोरेल में यात्रा की अनुमति दी थी। यहां तक कि वर्तमान में राष्ट्रीयकृत बैंकों के कर्मचारियों को भी लोकल ट्रेन के इस्तेमाल की अनुमति है। काकडे ने कहा कि राष्ट्रीयकृत बैंकों के कर्मचारियों को महामारी की दूसरी लहर के दौरान लोकल ट्रेनों के इस्तेमाल की अनुमति नहीं है। कोविड-19 का संक्रमण राज्य में अब भी फैल रहा है। ऐसे में इस समय हम किसी के लिए भी लोकल ट्रेन शुरू नहीं कर सकते हैं। उच्च न्यायालय ने हालांकि कहा कि अगर सीबीईयू राष्ट्रीयकृत बैंक के कर्मचारियों को लोकल ट्रेन में यात्रा की अनुमति से संबंधित दस्तावेज का सबूत अदालत में दिखा सके तो वह फिर से अदालत से संपर्क कर सकता है।

मुंबई में सांस की समस्याओं से ग्रसित मरीज को अस्पताल से छुट्टी के बाद घर ले जाने के दौरान गोद में आक्सीजन का सिलेंडर लगा हुआ

आईसीएमआर प्रमुख डॉ. बलराम भार्गव ने कहा

कोविड की दूसरी लहर से युवा ज्यादा प्रभावित

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के प्रमुख ने मंगलवार को कहा कि कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर में युवा थोड़ा ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं क्योंकि वे शायद बाहर जाने लगे हैं और देश में मौजूद सार्स-सीओवी-2 के कुछ स्वरूपों के वजह से भी ऐसा है। यह पूछे जाने पर कि क्या युवा आवादी ज्यादा प्रभावित हो रही है, आईसीएमआर के महानिदेशक डॉ. बलराम भार्गव ने कहा कि कोविड-19 की पहली और दूसरी लहर के आंकड़ों की तुलना यह दिखाती है कि उम्र का ज्यादा अंतर नहीं है। उन्होंने कहा कि 40 साल से ज्यादा उम्र के लोग प्रतिकूल प्रभावों के लिहाज से ज्यादा संवेदनशील हैं। उन्होंने कहा, हमने पाया है कि युवा लोग थोड़े ज्यादा संक्रमित हो रहे हैं

क्योंकि वे बाहर गए और देश में कोरोना वायरस के कुछ पहले से मौजूद स्वरूप भी हैं, जो उन्हें प्रभावित कर रहे हैं। भारत कोरोना वायरस संक्रमण की विकराल दूसरी लहर का सामना कर रहा है।

सरकार ने मंगलवार को कहा कि देश में कोविड-19 के दैनिक मामलों और मौत के आंकड़ों में शुरुआती कमी देखी जा रही है, हालांकि कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और पंजाब उन 16 राज्यों में शामिल हैं जहां दैनिक मामलों में लगातार बढ़ोतरी अब भी नजर आ रही है। सरकार के मुताबिक महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान, छत्तीसगढ़, बिहार, गुजरात, मध्य प्रदेश और तेलंगाना उन 18 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में शामिल हैं, जहां कोविड-19 संक्रमण के दैनिक मामलों में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है।

राज्यों को आगामी तीन दिन में मिलेंगी टीके की सात लाख और खुराक: केंद्र

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के पास अब भी कोविड-19 टीके की 90 लाख से अधिक खुराक हैं और सात लाख से अधिक खुराक आगामी तीन दिन में उन्हें वितरित की जाएंगी। मंत्रालय ने बताया कि केंद्र ने राज्योंकेंद्रशासित प्रदेशों को अब तक 18 करोड़ से अधिक (18,00,03,160) खुराक नि:शुल्क दी हैं, जिनमें से 17,09,71,429 करोड़ खुराकों की खपत हो चुकी है।उसने कहा, राज्योंकेंद्रशासित प्रदेशों के पास 90 लाख से अधिक खुराक (90,31,691) अब भी हैं। उसने कहा कि जिन राज्यों ने कम आपूर्ति दिखाई है, वे टीकों की आपूर्ति की तुलना में अधिक खपत दिखा रहे हैं, जिनमें बर्बाद हुई खुराक भी शामिल हैं। इसका कारण यह है कि उन्होंने सशस्त्र बलों को मुहैया कराए गए टीकों को शामिल नहीं किया है। मंत्रालय ने बताया कि आगामी तीन दिन में राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों को 7,29,610 और खुराक दी जाएंगी। उसने बताया कि भारत सरकार राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों को कोविड-19 टीका नि:शुल्क मुहैया कराके राष्ट्रव्यापी टीकाकरण मुहिम में मदद कर रही है। कोविड- 19 टीकाकरण की उदारीकृत और त्वरित चरण तीन रणनीति एक मई, 2021 से शुरू हो गई है। रणनीति में यह स्पष्ट किया गया है कि केंद्र सरकार हर महीने केंद्रीय औषधि प्रयोगशाला द्वारा स्वीकृत टीकों की खुराक का 50 प्रतिशत ही खरीदेगी और इन्हें राज्य सरकारों को पहले की तरह नि:शुल्क मुहैया कराया जाएगा।

बिहार में गंगा से अब तक निकाले गए 73 शव, बहकर आने की आशंका

भाषा। पटना

बिहार सरकार ने मंगलवार को कहा कि बक्सर जिले में गंगा से अबतक कुल 73 शव निकाले गए हैं जिनके कोरोना वायरस के संदिग्ध मरीजों के शव होने की आशंका जताते हुए यह संभावना जताई जा रही है कि संभवत: अंतिम संस्कार नहीं करके उन्हें गंगा नदी में प्रवाहित कर दिया गया होगा। जल संसाधन मंत्री संजय कुमार झा ने मंगलवार को अपने ट्वीट में बक्सर जिले में चैसा गांव के पास इन शवों के गंगा नदी में मिलने की चर्चा करते हुए कहा कि 4-5 दिन पुराने क्षत-विक्षत ए शव पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश से बहकर बिहार आए हैं।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को इतनी संख्या में शव बरामद होने और नदी में उन्हें प्रवाहित किए जाने से तकलीफ पहुंची है क्योंकि वह गंगा नदी की स्वच्छता और निर्बाध प्रवाह को लेकर हमेशा चिंतित रहे हैं और उन्होंने जिला प्रशासन को नदी किनारे गश्ति बढाने को कहा है ताकि इसकी पुनरावृत्ति न हो। झा ने ट्वीट किया, उत्तरप्रदेश और बिहार के सीमावर्ती रानीघाट में गंगा में जाल लगाया गया है। हमने उत्तरप्रदेश प्रशासन को सतर्क रहने की सलाह दी है। हमारा प्रशासन भी सतर्कता बरत रहा है। इसबीच बक्सर के अनुमंडल अधिकारी के के उपाध्याय ने बताया कि सीमा पर लगाए गए जाल के समीप उत्तरप्रदेश की ओर से मंगलवार को दो अन्य शव नदी में बहते हुए आए हैं जिनके अंतिम संस्कार का प्रबंध सीमा पर ही किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि सोमवार को बक्सर जिले के चौसा में बड़ी संख्या में शव गंगा नदी में देखे गए थे। कई समाचार चैनलों ने दावा किया है कि ए शव उन कोरोना पीड़ितों के हैं जिनके परिवार के सदस्यों द्वारा गरीबी के कारण और संसाधन के अभाव में शव को छोड़ दिया गया या सरकारी कर्मी इस डर से कि वे स्वयं संक्रमण की चपेट में कहीं न आ जाएं, शवों को नदी में फेंक कर फरार हो गए। चौसा के प्रखंड विकास अधिकारी अशोक कुमार ने सोमवार को मृतक में से किसी के भी बक्सर जिला का निवासी होने से इनकार किया था।

वहीं राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) ने गंगा नदी में शवों को तैरते पाए जाने के बाद राज्यों को संदिग्ध कोविड-19 शवों का सुरक्षा प्रोटोकाल के अनुसार अंतिम संस्कार करने तथा जिला गंगा समिति को गंगा नदी में शवों को प्रवाहित करने पर रोक लगाने एवं निगरानी बढ़ाने का निर्देश दिया है। एनएमसीजी के एक अधिकारी ने बताया कि समाचारपत्रों, डिजिटल मीडिया में ऐसी खबरें आई कि कुछ स्थानों पर गंगा नदी में अज्ञात शवों को प्रवाहित किए जाने की खबरें आई हैं जिनके संदिग्ध कोविड पीड़ित होने की आशंका व्यक्त की गई है।

सकारात्मकता के साथ भारत कोरोना से जीतेगा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● 'हम जीतेंगे: पाजिटिविटी अनलिमिटेड' व्याख्यान श्रृंखला सद्गुरु जग्गी वासुदेव व मुनिश्री प्रमाणसागरजी के उद्बोधन के साथ आरंभ

'हम जीतेंगे: पॉजिटिविटी अनलिमिटेड' यह पांच दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला मंगलवार से प्रारंभ हो गयी। जग्गी वासुदेव और जैन मुनिश्री प्रमाणसागर ने भारतीय समाज का आह्वान किया कि कोविड 19 के खिलाफ लड़ाई जीतने के लिए समाज के सभी सदस्य मजबूत संकल्प लें व घबराहट, डर, हताशा और क्रोध से बचें। दोनों आध्यात्मिक गुरुओं ने विश्वास व्यक्त किया कि भारतीय समाज में वर्तमान चुनौती सहित किसी भी चुनौती का सामना कर उस पर विजय प्राप्त करने की क्षमता है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि वर्तमान समय में सबसे महत्वपूर्ण है सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखना। अपने संबोधन में सदगुरु जग्गी वासुदेव जी ने कहाकि घबराहट हताशा भय क्रोध इनमें से कोई भी चीज हमारी मदद करने वाली नहीं है। यह एक दूसरे पर उंगली उठाने का समय नहीं है। यह एक साथ मिलकर खड़े होने का समय है। एक राष्ट्र के रूप में ही नहीं बल्कि पूरे मानव समाज के रूप में।

उन्होंने कहाकि यह आवश्यक है कि हम जो भी काम कर रहे हैं उन्हें करना जारी रखें। सारी गतिविधियां एकदम बंद करने से राष्ट्र या दुनिया को इस चुनौती का समाधान नहीं मिलेगा क्योंकि इससे हम पर और ज्यादा प्रतिकूल असर पड़ेगा। इसीलिए यह महत्वपूर्ण है कि हम क्या काम कर रहे हैं, बिना लोगों के नजदीक जाए व संक्रमित हुए किस प्रकार हम अपने काम को जारी रखते हैं, यह करना हमारा मूलभूत दायित्व है। जैन मुनिश्री प्रमाण सागर जी ने कहाकि निश्चित ये बहुत त्रासदीपूर्ण काल है लेकिन ऐसे समय में एक संदेश मैं लोगों को देना चाहता हूं। सबसे पहले उन लोगों को जो आज इस महामारी के शिकार हुए हैं, जो आज अपनी चिकित्सा ले रहे हैं, जो अस्पतालों में हैं, मैं उन सबसे कहना चाहता हूं कि मन को मजबूत बनाओ, घबराओ मत। बीमारी आई है तो ये जाएगी भी। ये बीमारी आई है, इसका मतलब ये नहीं कि बीमारी आई है तो मौत ही आ गई। मन को अच्छा रखिए। यदि आपका मन मजबूत होगा तो आप इस बीमारी को चुटकियों में हरा सकते हैं। उन्होंने कहाकि मन जिसका मजबूत होता है उसका कोई कुछ भी नहीं बिगाड़ सकता। मैं मानता हूं कि अमर कोई नहीं है लेकिन हमें बेमौत नहीं मरना। लोगों को थोड़ा सा कोविड पॉजिटिव आता है तो लोगों के मन में खौफ आ जाता है कि अब तो गए और पेशेंट के साथ साथ उनके परिजन भी अधीर हो जाते हैं। वो भी बहुत घबरा जाते हैं और इसी घबराहट में मामला बिगड़ जाता है। यह व्याख्यान श्रृंखला कोविड रिस्पांस टीम द्वारा आयोजित की जा रही है जिसमें धार्मिक, आध्यात्मिक, व्यावसायिक, परोपकारी और सामाजिक संगठनों सहित समाज के सभी वर्गों व क्षेत्रों के प्रतिनिधि जुड़े हुए हैं।

भुवनेश्वर में महिला को कोविड-19 का टीका लगाते हुए स्वास्थ्यकर्मी

आईआईटी कानपुर के सहायक कुलसचिव ने की आत्महत्या

कानपुर। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर के सहायक कुलसचिव ने मंगलवार को आईआईटी परिसर में अपने आवास पर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। कानपुर के पुलिस आयुक्त असीम अरुण ने मंगलवार को बताया कि आईआईटी में सहायक कुलसचिव के पद पर तैनात सुरजीत दास (40) को उनके आवास के अंदर एक कमरे में छत के हुक के साथ लटका पाया गया। जांच में यह मुख्य रूप से आत्महत्या का मामला लगता है लेकिन पुलिस ने सभी बिंदुओं पर जांच शुरू कर दी है, घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) संजीव सुमन ने बताया कि सुरजीत दास मूल रूप से असम के रहने वाले थे और लंबे समय से अवसाद में थे और पिछले एक दशक से दवाइयां ले रहे थे। उन्होंने बताया कि डेढ़ वर्ष के अपने सबसे छोटे बेटे के कोरोना वायरस संक्रमित होने के बाद दास गंभीर रूप से अवसाद में चले गए थे।

यूपी सरकार अंतरराष्ट्रीय बाजार से खरीद सकती है टीके

भाषा। नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश सरकार स्पूतनिक वी और मॉडर्ना तथा जॉनसन एंड जॉनसन द्वारा तैयार टीकों समेत अंतरराष्ट्रीय कोविड-19 रोधी टीकों की बड़ी मात्रा में खुराकें खरीद सकती है। राज्य सरकार के अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। राज्य सरकार ने भारी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इस महीने की शुरुआत में चार करोड़ खुराकों के लिए वैश्विक निविदा आमंत्रित की थी।

उत्तर प्रदेश सरकार के अतिरिक्त सचिव नवनीत सहगल ने निविदा के बारे में कहा कि बुधवार को निविदा पूर्व बैठक होगी और इसमें सभी हितधारक भाग ले सकते हैं। सहगल ने कहा कि हालांकि केवल उन्हीं टीकों की खरीद का ऑर्डर दिया जाएगा, जिन्हें भारत सरकार मंजूरी दे चुकी है। राज्य सरकार के अधिकारियों के अनुसार बैठक में स्पूतनिक वी और मॉडर्ना तथा जॉनसन एंड जॉनसन टीकों के निर्माताओं के भाग लेने की उम्मीद है। रूस द्वारा विकसित स्पूतनिक वी एक मात्र विदेश निर्मित टीका है, जिसके आपात इस्तेमाल को भारत सरकार ने मंजूरी दी है। हैदराबाद में स्थित डॉक्टर रेड्डीज लैब्स देश में स्पूतनिक वी के लिए विपणन कंपनी है और इन टीकों का स्थानीय स्तर पर अध्ययन किया जा चुका है। जबकि मॉडर्ना तथा जॉनसन एंड जॉनसन के टीकों को भारत में मंजूरी नहीं मिली है। मॉडर्ना ने मंजूरी के लिए भारत सरकार के समक्ष आवेदन नहीं किया है।

सहगल ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा संचालित टीकाकरण केंद्रों में लोगों को निशुल्क टीके लगाए जाएंगे। राज्य सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक प्रबंध करेगी कि टीकों की खरीद में कोई बजटीय बाधा उत्पन्न न हो। इन टीकों की प्राप्ति के समय के बारे में पूछे जाने पर सहगल ने कहा कि राज्य सरकार की कोशिश जल्द से जल्द अधिक से अधिक खुराकें प्राप्त करने की है। बहरहाल, राज्य सरकार के अन्य अधिकारियों ने कहा कि इस साल के अंत तक सभी चार करोड़ खुराकें प्राप्त हो सकती हैं।

महिला आयोग ने योगेन्द्र और उग्रहन को भेजा नोटिस

नई दिल्ली। राष्ट्रीय महिला आयोग ने दिल्ली के निकट टीकरी बॉर्डर के आंदोलन स्थल पर 26 वर्षीय महिला कार्यकर्ता के साथ कथित यौन उत्पीड़न की खबरों को लेकर मंगलवार को स्वराज इंडिया पार्टी के नेता योगेंद्र यादव और किसान नेता जोगिंदर सिंह उग्रहन को नोटिस जारी किया। आयोग ने एक बयान में कहा, टीकरी बॉर्डर पर एक महिला के साथ यौन उत्पीड़न की खबरें राष्ट्रीय महिला आयोग के संज्ञान में आई हैं। ऐसा आरोप है कि योगेंद्र यादव और संयुक्त किसान मोर्चा के कई दूसरे प्रदर्शनकारी इस घटना के बारे में अवगत थे, लेकिन उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को नहीं दी। उसने बताया, यादव को नोटिस जारी कर यह स्पष्ट करने के लिए कहा गया है कि उन्होंने पुलिस को सूचना देने में विलंब क्यों किया। आयोग ने उग्रहन को नोटिस जारी कर कहा है कि वह इस मामले में स्पष्टीकरण दें और इसकी सूचना दें कि आंदोलन से जुड़ी महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं।

यूजीसी अध्यक्ष ने उच्च शिक्षण संस्थाओं को लिखा पत्र

कोविड कार्य बल तथा हेल्पलाइन गठित करने का सुझाव दिया

भाषा। नई दिल्ली

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने कोविड-19 महामारी के प्रसार के मद्देनजर सभी उच्च शैक्षणिक संस्थानों से कोविड कार्य बल एवं हेल्पलाइन गठित करने, कोविड प्रोटोकॉल के अनुरूप व्यवहार को बढ़ावा देने, मनोचिकित्सा-सामाजिक सहायता के लिए परामर्शदाता की व्यवस्था करने के सुझाव दिए हैं।

यूजीसी के अध्यक्ष प्रो. धीरेन्द्र पाल सिंह ने सभी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों एवं महाविद्यालयों के प्राचार्यों को लिखे पत्र में कहा है कि कोविड-19 महामारी का प्रसार निरंतर हो रहा है, इससे व्यक्तियों एवं संस्थाओं का दैनिक जीवन एवं कार्य गंभीर रूप से प्रभावित हो रहा है। महामारी की वजह से हमारी शैक्षणिक संस्थाओं की कार्यप्रणाली भी बाधित हो रही है।

उन्होंने कहा, इस चुनौतीपूर्ण समय की मांग है कि हम सभी हितधारकों की समस्याओं एवं जरूरतों के प्रति संवेदनशील रहें और इस तरह की स्थिति को दूर करने के लिए हर संभव सहयोग प्रदान करें एवं शैक्षणिक परिसर को सुरक्षित रखें।

सिंह ने अपने पत्र में लिखा कि यूजीसी समय समय पर भारत सरकार द्वारा निर्धारित प्रोटोकॉला दिशानिर्देशों के उचित पालन एवं संक्रमण के प्रसार की रोकथाम संबंधित गतिविधियों के प्रबंधन हेतु सलाह जारी करता है। पत्र में कहा गया है कि सभी उच्च शिक्षण संस्थान वर्तमान परिस्थितियों से उबरने के लिए विभिन्न उपाए कर सकते हैं जिनमें कोविड कार्य बल एवं हेल्पलाइन का गठन, कोविड काल में स्वच्छता, मास्क पहनना, सामाजिक दूरी बनाना, हाथ धोना, परीक्षण कराना सहित वांछनीय व्यवहार को बढ़ावा देना शामिल हैं। इसमें मानसिक स्वास्थ्य, मनोचिकित्सा-सामाजिक सहायता एवं कल्याण के लिए परामर्शदाता की व्यवस्था करने का सुझाव भी दिया गया है। इसके अलावा घर में रहते हुए सभी को शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए गतिविधियों में शामिल होने के लिए प्रेरित करना, दोस्तों एवं परिवार की सुरक्षा के लिए टीकाकरण अभियान में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना, जरूरतमंदों की सहायता करना आदि सुझाव दिए गए हैं।

पूछताछ में शामिल नहीं हुए सीआईएसएफ कर्मी

कोलकाता। सीतलकूची में हत्याओं के सिलसिले में पश्चिम बंगाल सीआईडी द्वारा भेजे गए समन के बाद मंगलवार को पूछताछ के लिए सीआईएसएफ के छह कर्मी पेश नहीं हुए। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सीआईएसएफ ने जांच एजेंसी को अभी तक उनकी अनुपस्थिति के बारे में जानकारी नहीं दी है। एजेंसी के अधिकारी ने पीटीआई-भाषा से कहा, हम आज रात तक उनके जवाब का इंतजार करेंगे। अगर हमें जवाब नहीं मिलता है तो हम उन्हें नोटिस भेजेंगे। अगर वे पेश नहीं होते हैं तो हम अदालत का रूख करेंगे। कूच बिहार जिले के सीतलकूची विधानसभा क्षेत्र के जारपाटकी में मतदान केंद्र संख्या 126 पर दो अधिकारियों सहित सीआईएसएफ के छह कर्मियों की ड्यूटी थी। दस अप्रैल को चुनाव के दौरान केंद्रीय बलों की गोलीबारी में चार लोगों की मौत हो गई थी।

पेज 1 का शेष

कोई कमी दिखे...

उन्होंने प्रदेश में कोविड नियंत्रण के पीएम मोदी और डीआरडीओ-एचएल की मदद से जगह-जगह कोविड अस्पताल स्थापित करने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का आभार जताया। सीएम योगी ने जनता से अपील करते हुए कहा कि उपचार से बेहतर बचाव है। इसलिए केंद्र और प्रदेश सरकार की गाइड लाइन का पालन करिए जिससे हमें इस वायरस की चेन को तोड़ने में काफी मदद मिलेगी।

जम्मू-कश्मीर में...

अधिकारी ने कहा, सभी आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो जाने के बाद, अभियान पुन: शुरू किया गया और मुठभेड़ में सभी आतंकवादियों को मार गिराया गया। मुठभेड़ स्थल से आतंकवादियों के शव बरामद कर लिए गए हैं। मारे गए आतंकवादियों की पहचान इलियास अहमद डार उर्फ समीर, उबैद शफी उर्फ अब्दुल्ला और आकिब अहमद लोन उर्फ साहिल के रूप में की गई है। उन्होंने कहा, पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, मारे गए सभी आतंकवादी प्रतिबंधित संगठन लश्कर से जुड़े थे और सुरक्षा बलों एवं सुरक्षा प्रतिष्ठानों पर हमले समेत कई आतंकवादी अपराधों में शामिल समूहों का हिस्सा थे।

कोरोना प्रबंधन पर...

जिले के हर ब्लाक में कोविड जांच के लिए राज्य सरकार की ओर से दो मोबाइल वैन तैनात की गई है। कोरोना के खिलाफ महाअभियान के लिए स्वास्थ्य विभाग की 141610 टीमें दिन रात काम कर रही हैं। कोविड मैनेजमेंट की इस पूरे अभियान पर नजर रखने के लिए योगी सरकार ने 21242 पर्यवेक्षकों की तैनाती की है। ग्रामीण इलाकों में कोविड समेत अन्य संक्रामक बीमारियों की रोकथाम के लिए योगी सरकार ने बड़े स्तर पर स्वच्छता अभियान चला रखा है। 60 हजार से अधिक निगरानी समितियों के 4 लाख सदस्य गांवों में घर घर पहुंच कर न सिर्फ कोविड के प्रति लोगों को जागरूक कर रहे हैं बल्कि साफ-सफाई और स्वास्थ्य सुविधाओं से भी जोड़ रहे हैं। इस तरह का अभियान चलाने वाला यूपी देश का पहला राज्य है। गौरतलब है कि कोरोना की पहली लहर के दौरान भी योगी सरकार के शानदार कोविड मैनेजमेंट की डब्ल्यूएचओ समेत देश और दुनिया में जम कर तारीफहुई थी।

ग्रामीण डरे, तो महिला...

इस तरह का समर्थन मिलने से हैरान पति ने अपनी पत्नी का अंतिम संस्कार किया। रजनी यादव ने कहा कि इस राष्ट्रीय संकट के समय मैंने एक छोटी सामाजिक सेवा अपनी तरफ से की है। श्मसान घाट पर अंतिम संस्कार की तैयारियों के लिए इसलिए गई क्योंकि बुजुर्ग और दो नाबालिग पोतों के साथ कोई नहीं था।

लंबे समय तक ...

कानपुर के जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के साइकेट्री डिपार्टमेंट के प्रोफेसर के हवाले से आई रिपोर्ट के अनुसार कोविड जैसी जानलेवा बीमारियाँ कुछ रोगियों में बेहोशी पैदा करती है और जिससे अक्सर चीजों को ठीक से समझने में परेशानी होती है। इसे आईसीयू मनोविकार या निराशा के रूप में जाना जाता है।

एएमयू में एक...

उन्होंने कुलपति से लक्षित आयु वर्ग के लिए तत्परतापूर्वक टीकाकरण कराए जाने की अपेक्षा करते हुए कहा कि इस कार्य में प्रदेश सरकार एवं जिला प्रशासन द्वारा पूर्ण सहयोग प्रदान किया जाएगा।

केंद्र ने सेंट्रल विस्टा के निर्माण के लिए रखीं हाईकोर्ट में दलीलें

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्र ने दिल्ली उच्च न्यायालय से कहा कि कोविड-19 वैश्विक महामारी के बढ़ते मामलों के बीच यहां सेंट्रल विस्टा के निर्माण पर रोक लगाने का अनुरोध करने वाली जनहित याचिका इस परियोजना को रोकने की एक और कोशिश है, जिसे शुरू से ही बाधित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। केंद्र ने आरोप लगाया कि याचिका दायर करने की मंशा इस बात से स्पष्ट है कि याचिकाकर्ताओं ने इसी परियोजना पर सवाल उठाया है, जबकि दिल्ली मेट्रो समेत कई अन्य एजेंसियां राष्ट्रीय राजधानी में निर्माण कार्य कर रही हैं। मुख्य न्यायाधीश डी एन पटेल और न्यायमूर्ति जसमीत सिंह की पीठ ने कहा कि चूंकि केंद्र का यह शपथपत्र अभी रिकॉर्ड में नहीं है, इसलिए मामले की सुनवाई 12 मई को होगी। अदालत ने याचिकाकर्ताओं आन्या मल्होत्रा और सोहेल हाशमी की शीघ्र सुनवाई की अर्जी भी स्वीकार कर ली। याचिकर्ताओं ने दलील दी है कि यह परियोजना आवश्यक गतिविधि नहीं है और इसलिए, महामारी के मद्देनजर इस पर रोक लगाई जा सकती है। केंद्र सरकार ने 10 मई को दायर शपथ पत्र में कहा कि दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) ने मौजूदा कर्फ्यू के दौरान निर्माण गतिविधियों की अनुमति दी है और श्रमिक निर्माण स्थल पर रह रहे हैं। केंद्र ने कहा कि 19 अप्रैल को कर्फ्यू लगने से पहले ही श्रमिक इस कार्य में लगे थे। सरकार ने कहा, इस बीच, कार्यस्थल पर भी कोविड-19 से बचने के अनुरूप केंद्र बनाया गया है, जिसमें वे 250 कर्मी रह रहे हैं जिन्होंने काम करते रहने की इच्छा जताई है। उसने कहा, इस केंद्र में कोविड-19 संबंधी प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन किया जा रहा है।

ट्रायल में जो दवाएं-थैरेपी फेल, उसी से मरीजों को उम्मीद

अर्चना ज्योति। नई दिल्ली

● रेमडेसिविर, टोसिलिजुमाब व आइवरमेक्टिन और प्लाज्मा थैरेपी की अब भी बहुत ज्यादा मांग

ट्रायल में निराशाजनक प्रदर्शन के बावजूद कोविड मरीजों के लिए भरोसेमंद साबित हो रही है चमत्कारी दवा रेमडेसविर, टॉकलीजुमेब, आइवमैक्टिन। इसके साथ ही प्लाज्मा थेरेपी के पक्ष में लोग खड़े हैं और आशा करते हैं कि सटीक इलाज के अभाव में इससे कोविड-19 का इलाज संभव होगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन के कोविड-19 के सटीक इलाज के संबंध में हाथ खड़ा करने पर चिकित्सा विशेषज्ञ इस तथाकथित चमत्कारिक दवा की क्षमता को लेकर बंटे हुए हैं। यह बीमारी से लड़ने की झूठी आशा देती है। इसके बावजूद मरीजों में इसको लेकर उम्मीद है, जिसके कारण इस दवा की बाजार में भारी मांग है और इसकी कालाबाजारी हो रही है। मंगलवार को डब्ल्यूएचओ ने आइवरमेक्टिन का कोविड-19 के इलाज में सामान्य प्रयोग के खिलाफ सिफारिश की और इसे सिर्फ नैदानिक परीक्षण के लिए उपयोग किया जा सकता है।

नए संकेत के लिए किसी भी दवा का दवा का प्रयोग करते समय सुरक्षा और प्रभावकारिता महत्वपूर्ण है। डब्ल्यूएचओ की चीफ सइंटिस्ट सौम्या स्वामीनाथन ने कहा कि क्लीनिकल परीक्षण में आवरमेक्टिन के उपयोग के खिलाफ डब्ल्यूएचओ में सिफारिश की गई। यह चेतावनी गोवा सरकार के उस निर्णय के बाद आई है जिसमें 18 साल से अधिक आयु के सभी लोगों के कोविड-19 इलाज के लिए आइवमेक्टिन आवश्यक रूप से देने का निर्णय लिया गया है। ठीक इसी तरह पूरे देश की राज्य सरकारें एंटी वायरल दवाओं को सुनिश्चित कराने और रेमडेसविर और टोसलीजुमैब की कालाबाजारी रोकने के लिए साथ ही लोगों को उपलब्ध कराने का प्रयास कर रही है। वहीं कोविड नियंत्रण को लेकर भारत सरकार के रणनीतिकार एम्स के डा. रणदीप गुलेरिया और आईसीएमआर के डा. बलराम भार्गव जनता को बता रहे हैं कि इन इंजेक्शन से बहुत चमत्कार की उम्मीद करना बेमानी है। डा. गुलेरिया ने कई मंचों से कहा है कि डॉक्टरों को रेमडेसविर लिखने से बचना चाहिए, यह दवा कोरोना वायरस का इलाज नहीं करती यह कोई चमत्कारिक गोली नहीं है। वो डॉक्टरों को सलाह देते हुए कहते हैं कि इस दवा से मृत्यु दर कम नहीं होती और इसे हल्के लक्षण वाले मरीजों को नहीं देना चाहिए। कई राज्यों जैसे दिल्ली और महाराष्ट्र में कोविड मरीजों की जरूरत को देखते हुए कई प्लाज्मा बैंक स्थापित करने के साथ ही सोशल मीडिया पर प्लाज्मा डोनेशन के लिए अपील की गई।

कप्तानी की दौड़ में शिखर व हार्दिक

●श्रीलंका दौरे के लिए माथापच्ची
●अय्यर के न फिट होने का असर

भाषा। नई दिल्ली

श्रेयस अय्यर यदि श्रीलंका के जुलाई में होने वाले सीमित ओवरों के दौरे तक फिट नहीं हो पाते हैं तो फिर अनुभवी सलामी बल्लेबाज शिखर धवन और आलराउंडर से विशेषज्ञ बल्लेबाज बने हार्दिक पंड्या ही भारतीय कप्तानी की दौड़ में बने रहेंगे। भारत के सीमित ओवरों के विशेषज्ञ श्रीलंका में तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय और इतने ही वनडे मैच खेलेंगे। इस दौरान विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे खिलाड़ी पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला में इंग्लैंड में रहेंगे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर पीटीआई से कहा, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि श्रेयस श्रीलंका दौरे तक पूरी तरह से फिट हो पाएंगे या नहीं। आम तौर पर इस तरह की चोट के आपरेशन और रिहैबिलिटेशन में लगभग चार महीने का समय लगता है। उन्होंने कहा, यदि श्रेयस उपलब्ध रहते हैं तो वह कप्तान पद के लिए स्वत: पसंद होंगे। उनके बाद आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करने वाले धवन और मैच विजेता हार्दिक कप्तानी की दौड़ में सबसे आगे हैं। अधिकारी ने कहा, शिखर का दो आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन रहा है जिनमें हाल में स्थगित किया गया टूर्नामेंट भी शामिल है। वह सीनियर बल्लेबाज है और चयन के लिए उपलब्ध रहेगा। वह कप्तानी का मजबूत दावेदार है। इसके अलावा पिछले आठ वर्षों में उसने भारत की तरफ से भी बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। जहां तक हार्दिक का सवाल है तो सीमित ओवरों की क्रिकेट में उनकी मैच विजेता की छवि को कम करके नहीं आंका जा सकता है। हां, हार्दिक ने हाल में मुंबई इंडियन्स और भारत की तरफ से गेंदबाजी नहीं की लेकिन वह टीम के लिए तुरुप का इक्का है। प्रभाव छोड़ने वाले खिलाड़ियों में वह अपने साथियों से काफी आगे है। और कौन जानता है कि अतिरिक्त जिम्मेदारी मिलने से वह अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में सफल रहे।

डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए भारत का लेग स्पिनर नहीं चुनना चिंता का विषय : कनेरिया

नई दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व लेग स्पिनर दानिश कनेरिया को लगता है कि भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए कलाई के स्पिनर का चयन नही करके गलती की है तथा राहुल चाहर उनके आक्रमण मे नए आयाम जोड़ सकता था।
पिछले सप्ताह भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 18 जून से साउथम्पटन मे होने वाले डब्ल्यूटीसी फाइनल और चार अगस्त से इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए टीम घोषित की थी। कनेरिया ने कराची से पीटीआई से कहा, भारत ने मजबूत टीम का चयन किया है। कुल मिलाकर उनकी टीम अच्छी है लेकिन ध्यान देने वाली बात यह है कि उन्होंने कलाई के स्पिनर का चयन नही किया है। उन्होने कहा, उनके पास रविचंद्रन अश्विन, वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल और रविंद्र जडेजा के रूप मे उंगलियो के स्पिनर है लेकिन उनके पास कलाई का स्पिनर - दाएं हाथ का लेग स्पिनर नही है।

मशाल रिले को हिरोशिमा की सड़कों से हटाया गया

तोक्यो। तोक्यो ओलंपिक की मशाल रिले को हिरोशिमा की सड़को से हटा लिया गया है क्योंकि उद्घाटन समारोह से सिर्फ 10 हफ्ते पहले जापान मे कोविड-19 संक्रमण के मामलो मे इजाफा हुआ है। हिरोशिमा के गवर्नर हिदेहिको युजाकी ने कहा कि रिले के बावजूद अगले हफ्ते समारोह का आयोजन किए जाने की संभावना है। पिछले कुछ हफ्तो मे यह रिले मे कम से कम छठा बदलाव किया गया है जिसमे मार्ग मे बदलाव से लेकर इसे रद्द करना तक शामिल है। आयाजको ने रिले की शुरुआत से पहले ही चेताया था कि महामारी को देखते हुए बदलाव और विलंब हो सकते है।

फ्रांस से रिहा होने के बाद सेनेगल लौटे डियाक

डकार (सेनेगल)। विश्व एथलेटिक्स के पूर्व प्रमुख लेमाइन डियाक एक स्थानीय फुटबॉल क्लब द्वारा 600,000 डालर से अधिक के बांड का भुगतान करने के बाद फ्रांस से रिहा होकर सोमवार को अपने देश सेनेगल पहुंच गए। डियाक 1999 से 2015 तक विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष रहे। उन पर अपने कार्यकाल के दौरान भ्रष्टाचार के कई आरोप लगे जिनमे से कुछ रूसी डोपिंग कांड से भी जुड़े थे।

बेलग्रेड में अक्टूबर – नवंबर में होगी पुरुष विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप

लुसाने। पुरुषों की विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप 26 अक्टूबर से छह नवंबर के बीच सर्बिया की राजधानी बेलग्रेड मे आयोजित की जाएगी। एआईबीए ने मंगलवार को यह घोषणा की।पहले यह प्रतियोगिता भारत मे होनी थी लेकिन पिछले साल मेजबानी शुल्क का भुगतान करने मे असफल रहने के बाद उसने मेजबानी के अधिकार गंवा दिए थे। इसके बाद एआईबीए ने सर्बिया को मेजबानी सौप दी थी।

कोरोना राहत कोष के लिए नुमाइशी मैच खेलेंगे आनंद व अन्य ग्रैंडमास्टर

नई दिल्ली। पांच बार के विश्व चैम्पियन विश्वनाथन आनंद और चार अन्य ग्रैंडमास्टर कोरोना राहत कोष के लिए धन जुटाने की कवायद मे गुरुवार को दूसरे शतरंज खिलाड़ियों के साथ आनलाइन शतरंज मैच खेलेंगे। चेस डॉट कॉम ब्लिटज धारक या 2000 से कम फिडे रेटिंग वाले खिलाड़ी 150 डॉलर दान देकर आनंद के साथ खेल सकते है जबकि बाकी ग्रैंडमास्टर्स के साथ खेलने के लिए 25 डॉलर देने होंगे।

एएफसी प्रमुख शेख सलमान ने फ्रेंको के निधन पर शोक जताया

नई दिल्ली। एएफसी के अध्यक्ष शेख सलमान अल खलीफा ने भारत के 1962 एशियाई खेल स्वर्ण पदक विजेता फुटबॉल टीम के सदस्य फोर्टुनाटो फ्रेंको के निधन पर शोक व्यक्त किया है। शेख सलमान ने एआईएफएफ अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल को लिखे पत्र में कहा मै फोर्टुनाटो फ्रेंको के निधन पर शोक और संवेदना व्यक्त करता हूं।

आईपीएल का नया कार्यक्रम आने पर नही खेल सकेंगे इंग्लैंड के क्रिकेटर

लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट टीम का जून के बाद कार्यक्रम काफी व्यस्त है और अगर आईपीएल के बचे हुए मैच इस साल नए सिरे से आयोजित होते हैं तो इंग्लैंड के क्रिकेटर नहीं खेल सकेंगे। ईसीबी के क्रिकेट निदेशक एशले जाइल्स ने यह जानकारी दी। आईपीएल बायो बबल में कोरोना संक्रमण के मामले आने के बाद लीग पिछले सप्ताह अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। अब इसे या तो सितंबर के आखिर में टी20 विश्व कप से पहले या नवंबर के मध्य में आयोजित किया जा सकता है। इंग्लैंड के शीर्ष क्रिकेटर दोनों समय व्यस्त होंगे। उन्हें सितंबर और अक्टूबर में बांग्लादेश और पाकिस्तान जाना है जबकि टी20 विश्व कप के ठीक बाद एशेज श्रृंखला खेली जाएगी। हमारा एफटीपी शेड्यूल काफी व्यस्त है। पाकिस्तान और बांग्लादेश का दौरा है। आईपीएल की विभिन्न टीमों में इंग्लैंड के 11 क्रिकेटर भाग ले रहे हैं। हमें नहीं पता कि आईपीएल के बाकी मैचों का शेड्यूल क्या होगा और ए कब और कहां होंगे। इस सत्र में न्यूजीलैंड के खिलाफ मैचों से हमारा कार्यक्रम काफी व्यस्त है। हमें टी20 विश्व कप और उसके बाद एशेज श्रृंखला खेलनी है। अपने खिलाड़ियों के कार्यभार का भी ध्यान रखना है।

न लौटेंगे दोबारा वैसे स्वर्णिम दिन : एम्बरोज

किंगस्टन। महान तेज गेंदबाज कर्टली एम्बरोज का मानना है कि मौजूदा दौर के कैरेबियाई क्रिकेटरों को पता ही नहीं है कि वेस्टइंडीज के लिए क्रिकेट के क्या मायने हैं और उन्हें नहीं लगता कि दो बार की विश्व चैम्पियन टीम फिर वह वैभवशाली दौर देख पाएगी। वेस्टइंडीज ने 1975 और 1979 में पहले दो विश्व कप जीते थे। इसके 33 साल बाद उसने फिर आईसीसी ट्रॉफी जीती जब डेरेन सैमी की अगुवाई में टीम ने 2012 टी20 विश्व कप जीता था। एम्बरोज ने टॉक स्पोटर्स लाइव से कहा , आज के दौर के अधिकांश युवाओं को पता ही नहीं है कि वेस्टइंडीज के लिए क्रिकेट के क्या मायने हैं। क्रिकेट एकमात्र खेल है जो कैरेबियाई लोगों को एकजुट करता है।

कुछ भारतीय खिलाड़ियों को प्रतिबंध पसंद नहीं आए लेकिन हमें सुरक्षित लगा : पार्मेंट

नई दिल्ली। मुंबई इंडियंस के क्षेत्ररक्षण कोच जेम्स पार्मेंस ने दावा किया है कि कुछ भारतीय क्रिकेटरों को आईपीएल बायो बबल में प्रतिबंधों में रहना पसंद नहीं आया लेकिन उन्हें बबल बिल्कुल सुरक्षित लगा। उन्होंने किसी खिलाड़ी का नाम नहीं लिया। आईपीएल में खिलाड़ियों में कोरोना संक्रमण के मामले आने के बाद लीग को चार मई को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया था। पार्मेंट ने स्टफ डॉट कॉम डॉट न्यूजीलैंड से कहा , कुछ भारतीय खिलाड़ियों को प्रतिबंध और दिशा निर्देश पसंद नहीं आ रहे थे। लेकिन हमें बिल्कुल सुरक्षित लगा। हमें एक बार भी नहीं लगा कि बबल में सुरक्षा को लेकर कोई समझौता हो रहा है। न्यूजीलैंड के नार्दर्न डिस्ट्रिक्ट के पूर्व कोच ने कहा कि लीग रोके जाने से थोड़ा पहले ही वह और मुंबई टीम के खिलाड़ी आशंकित होने लगे थे। उन्होंने कहा , जब टीमों में मामले आने लगे तो हम थोड़ा डर गए और आशंकित भी हो गए थे।

बुमराह व मंधाना ने टीका लगवाया

मुंबई। भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह व महिला क्रिकेटर स्मृति मंधाना ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने कोरोना के टीके का पहला डोज लगवा लिया है। बुमराह ने अपनी तस्वीर ट्वीट करके कहा , टीका लग गया। हर कोई सुरक्षित रहे। बुमराह अगले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल और उसके बाद इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम का हिस्सा हैं। इससे पहले छह मई को सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने कोरोना टीके का पहला डोज लगवाया था।

एमसीसी ने बांस के बल्ले अवैध बताकर खारिज किए

लंदन। एमसीसी ने बांस के बने बल्ले इस्तेमाल करने का सुझाव यह कहकर खारिज कर दिया कि मौजूदा नियमों के तहत यह अवैध है। इसने कहा कि उसके नियमों संबंधी उप समिति की बैठक में इस मसले पर गौर किया जाएगा। कैंब्रिज यूनिवर्सिटी के दर्शील शाह और बेन टिंकलेर डेविस द्वारा किए गए अध्ययन में कहा गया था कि बांस के बने बल्ले किफायती होने के साथ अधिक मजबूत होते हैं। एमसीसी ने कहा , इस समय नियम 5-3-2 कहता है कि बल्ले लकड़ी के ही होने चाहिए। बांस चूंकि घास का एक रूप है तो उसके बल्ले इस्तेमाल करने के लिए नियम में बदलाव करना होगा। शोधकर्ताओं ने पाया कि बांस के बने बल्ले अधिक मजबूत होते हैं और इसमें निचले हिस्से की तरह मुलायम हिस्सा होता है जिससे यॉर्कर पर चौका लगाना आसान होता है। इससे हर तरह के शॉट लगाना रोचक होगा। एमसीसी ने कहा कि उसे सावधानी से सुनिश्चित करना होगा कि खेल में बल्ले और गेंद में संतुलन बना रहे।

पैनापन लाने क्रोएशिया गए निशानेबाज

●ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके भारतीय ट्रेनिंग सह प्रतियोगिता दौरे में भाग लेंगे

भाषा। नई दिल्ली

ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके भारतीय निशानेबाजों की टीम मंगलवार को ढाई महीने के ट्रेनिंग सह प्रतियोगिता दौरे के लिए क्रोएशिया रवाना हो गई।
यह तोक्यो ओलंपिक से पहले टीम के पास तैयारी का अंतिम मौका होगा। कोच और सहयोगी स्टाफ के साथ भारत की 13 सदस्यीय निशानेबाजी टीम क्रोएशिया की राजधानी जागरेब के लिए रवाना हुई जहां टीम ट्रेनिंग शिविर में हिस्सा लेगी। ट्रेनिंग शिविर में हिस्सा लेने के बाद टीम ओसिएक रवाना होगी जहां उसे यूरोपीय चैंपियनशिप (20 मई से छह जून) और फिर संयुक्त आईएसएसएफ विश्व कप (22 जून से तीन जुलाई) में हिस्सा लेना है। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) के अध्यक्ष रानिंदर सिंह ने टीम की रवानगी से ठीक पहले ट्वीट किया, टीम इंडिया 20 मिनट में रवाना होगी। टीम की सफलता के लिए कड़ी मेहनत करो। ओलंपिक के लिए जाने वाले दो स्कीट निशानेबाज अंगद वीर सिंह बाजवा और मेराज अहमद खान इटली में ट्रेनिंग करेंगे। गुरजोत सिंह खांगुरा सहित दो भारतीय निशानेबाजों ने लोनाटो में चल रहे शॉटगन विश्व कप में हिस्सा लिया जहां वे सोमवार को पुरुष स्कीट स्पर्धा के फाइनल में जगह नहीं बना पाए। राष्ट्रीय राइफल टीम की हाई परफोर्मेंस कोच और पूर्व भारतीय निशानेबाज सुमा शिरूर ने रवानगी से पहले ट्वीट किया, भारत माता की जय के साथ हम क्रोएशिया जाने के लिए तैयार हैं। वहां से सीधे तोक्यो 2020 ओलंपिक के लिए रवाना होंगे। कुल मिलाकर 80 दिन। भारतीय निशानेबाजी टीम को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए आपकी दुआओं की जरूरत है। टीम चार्टर्ड विमान में क्रोएशिया रवाना हुई जिसका इंतजाम एनआरएआई ने किया। क्रोएशिया के बाद भारतीय टीम 23 जुलाई से शुरू हो रहे ओलंपिक में हिस्सा लेने के लिए सीधे तोक्यो रवाना होगी। ओसिएक में आईएसएसएफ विश्व कप का आयोजन अजरबेजान के बाकू में 21 जून से दो जुलाई तक होने वाले विश्व कप की जगह किया जा रहा है जिसे देश में कोविड-19 मामलों में इजाफे के बाद रद्द कर दिया गया था। तेरह राइफल और पिस्टल निशानेबाजों के साथ नौ कोच होंगे लेकिन समरेश जंग, जसपाल राणा और रोनक पंडित जैसे कुछ कोच विभिन्न कारणों से टीम के साथ नहीं जा सके। विदेशी राइफल कोच ओलेग मिखाइलोव भी टीम के साथ गए हैं लेकिन लंबे समय से टीम के पिस्टल कोच पावेल स्मिरनोव मंगलवार को रवाना नहीं हो सके क्योंकि उन्हें वीजा नहीं मिला। उनके अगले हफ्ते टीम से जुड़ने की संभावना है। क्रोएशिया में कोविड-19 नियमों के अनुसार ट्रेनिंग शुरू करने से पहले भारतीय दल को अनिवार्य पृथकवास से गुजरना होगा।

रीजीजू ने खिलाड़ियों से कहा, अन्य देशों के कोविड-19 नियम कभी मत तोड़ो

नई दिल्ली। खेल मंत्री किरेन रीजीजू ने भारतीय खिलाड़ियों को ट्रेनिंग या प्रतियोगिता के लिए यात्रा करते हुए दूसरे देशो के कोविड-19 नियमो को तोड़ने के खिलाफ मंगलवार को चेताया। आज ही क्रोएशिया दौरे पर गए ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाले निशानेबाजो को सफल दौरे के लिए शुभकामना देते हुए रीजीजू ने ट्वीट किया। रीजीजू ने ट्वीट किया, सुरक्षित यात्रा। अन्य देशो के कोविड-19 नियमो को कभी मत तोड़ो। ट्रेनिंग पर ध्यान लगाओ, ध्यान लगाओ और सुरक्षित रहो। हम अपने खिलाड़ियो और कोचो को सभी जरूरत समर्थन मुहैया कराएंगे।

यूरोप और अर्जेंटीना के सफल दौरों पर वीडियो विश्लेषण से मदद मिली : रोहिदास

बेंगलुरू। भारतीय पुरूष हॉकी टीम के डिफेंडर अमित रोहिदास का मानना हैकि यूरोप और अर्जेंटीना दौरे पर तैयारियों के दौरान वीडियो विश्लेषण के इस्तेमाल का उनकी टीम की कामयाबी में बड़ा हाथ रहा। वीडियो विश्लेषण से राष्ट्रीय शिविर में खिलाड़ियों को अपनी गलतियों का पता चल जाता है। वीडियो विश्लेषण से हमें दोनों दौरों पर मदद मिली। हमने विरोधी टीम के खेलने के तरीके , आक्रमण और डिफेंस में उनके मूवमेंट और हालात के अनुरूप खुद को ढालने में मदद मिली। हमें मैदान पर उतना अनुभव नहीं था लेकिन हमने होमवर्क अच्छा किया।

एफआईएच प्रो लीग : आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड का सामना जून में

लुसाने। आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड हॉकी टीमें 26 और 27 जून को पर्थ में दो चरण का एफआईएच प्रो लीग मैच खेलेंगी। महासंघ ने एक बयान में कहा , कोरोना महामारी के कारण दोनों देशों के बीच रद्द हुआ एफआईएच हॉकी प्रो ली मैच अब 26 और 27 जून को पर्थ में खेला जाएगा। दोनों टीमों को अप्रैल में एक दूसरे से खेलना था लेकिन कोरोना महामारी के कारण लगे यात्रा प्रतिबंधों की वजह से यह स्थगित करना पड़ा। पिछले महीने अंतर तस्मान बायो बबल बनाने की वजह से यह संभव हो सका। इसके अलावा आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में परस्पर यात्रा के बाद पृथकवास की जरूरत नहीं है।

भारत में 2022 एएफसी महिला एशियाई कप के क्वालीफाइंग राउंड का ड्रॉ स्थगित

कुआलालंपुर। भारत में होने वाले 2022 एएफसी महिला एशियाई कप फुटबॉल टूर्नामेंट के क्वालीफाइंग दौर का 27 मई को होने वाला ड्रॉ मेजबान देश और महाद्वीप में कोविड-19 के बढ़ते मामलों के कारण मंगलवार को स्थगित कर दिया गया।
एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) ने कहा कि यहां होने वाले ड्रॉ को अगली सूचना तक स्थगित कर दिया गया है। एएफसी ने बयान में कहा, मौजूदा चुनौतियों और इंतजामों को ध्यान में रखते हुए एएफसी सहमत हुआ है कि मेजबान देश के अलावा पूरे महाद्वीप में कोविड-19 के बढ़ते मामलों के कारण सभी टीमों, खिलाड़ियों, अधिकारियों और संबंधित हितधारकों की सुरक्षा को देखते हुए ड्रॉ को स्थगित करना जरूरी है।

कनाडा के अगले दो क्वालीफायर अमेरिका में

वाशिंगटन। कनाडा कोरोना वायरस महामारी के कारण लगे यात्रा प्रतिबंधों की वजह से विश्व कप फुटबॉल क्वालीफायर में अपने अगले दो मैच अमेरिका में खेलेगा। कनाडा को अगला मैच पांच जून को अरूबा से खेलना है जो फ्लोरिडा में खेला जाएगा। कनाडा फुटबॉल संघ ने यह जानकारी दी। इसके आद आठ जून को सूरीनाम के खिलाफ मैच इलिनोइस में होगा। कनाडा उत्तर और मध्य अमेरिका और कैरेबियाई क्षेत्र के ग्रुप बी में शीर्ष पर है। ग्रुप के विजेता का सामना ग्रुप ई की शीर्ष टीम से होगा।

भारत के खिलाफ न्यायाधिकरण के निर्णय को अमल में लाने को जरूरी कदम: केयर्न

नई दिल्ली। ब्रिटेन की केयर्न एनर्जी ने मंगलवार को कहा कि वह अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता न्यायाधिकरण के आदेश के अनुसार 1.7 अरब डॉलर हासिल करने के लिए सभी जरूरी कदम उठा रही है। न्यायाधिकरण ने भारत सरकार द्वारा पूर्व की तिथि से कर मांग को खारिज करते हुए कंपनी के पक्ष में फैसला सुनाया था। कंपनी ने 1994 में भारत के तेल एवं गैस क्षेत्र में निवेश किया था और एक दशक बाद उसने राजस्थान में बड़े स्तर पर तेल की खोज की थी। वर्ष 2006 में उसने अपनी भारतीय संपत्ति को बीएसई में अधिसूचित कराया। पांच साल बाद सरकार ने पूर्व की तिथि से कर लगाने का कानून पारित किया और कंपनी पर पुनर्गठन को लेकर कर, ब्याज और जुर्माना समेत 10,247 करोड़ रुपए की मांग की। सरकार ने इस मांग की वसूली के लिए केयर्न की भारतीय इकाई में बचे हुए शेयर को भुनाया, लाभांश जब्त कर लिया तथा कर वापसी रोक ली। केयर्न ने हेग स्थित मध्यस्थता न्यायाधिकरण में इस कदम के विरोध में अपील दायर की। न्यायाधिकरण ने दिसंबर 2020 में भारत के खिलाफ केयर्न के 1.2 अरब डॉलर (8,800 करोड़ रुपए से अधिक) के दावे के साथ लागत और ब्याज के रूप में कुल 1.725 अरब डॉलर (12,600 करोड़ रुपए) लौटाने को कहा।

पेट्रोल, डीजल की कीमतों में फिर बढ़ोतरी, कई शहरों में पेट्रोल 100 रुपए के पार

नई दिल्ली। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में मंगलवार को एक बार फिर बढ़ोतरी हुई, जिसके चलते महाराष्ट्र के नांदेड़ से लेकर मध्य प्रदेश के रीवा और राजस्थान के जैसलमेर तक कई स्थानों पर पेट्रोल 100 रुपए प्रति लीटर के स्तर को पार कर गया। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों द्वारा जारी मूल्य अधिसूचना के अनुसार पेट्रोल की कीमत में 27 पैसे लीटर और डीजल में 30 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई। इस बढ़ोतरी के साथ देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें उच्चतम स्तर पर पहंच गई हैं। दिल्ली में अब पेट्रोल 91.80 रुपए प्रति लीटर और डीजल 82.36 रुपए में मिल रहा है।

कोरोना की दूसरी लहर के बावजूद अप्रैल में सौदों की संख्या रिकार्ड स्तर पर रही

मुंबई। देश में कोविड-19 महामारी के बावजूद निजी इक्विटी निवेश और विलय तथा अधिग्रहण समेत सौदों की संख्या अप्रैल में बढ़कर 161 पर पहुंच गई जो एक दशक का उच्चतम स्तर है। परामर्श कंपनी ग्रांट थोर्नटन की मंगलवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार अप्रैल में कुल सौदों का मूल्य 13 अरब डॉलर रहा। इसमें घरेलू विलय एवं अधिग्रहण के सौदों की संख्या 30 से अधिक रही जबकि इनका मूल्य 5 अरब डॉलर रहा। देश में कोरोना महामारी की दूसरी लहर में संक्रमण तेजी से फैला और संक्रमितों की संख्या प्रतिदिन 4 लाख से ऊपर तक निकल गई जबकि मृतकों की संख्या भी 4,000 से ऊपर तक चली गई है। महामारी को काबू में लाने के लिए 20 राज्यों में स्थानीय स्तर पर लॉकडाउन का आर्थिक गतिविधियों पर असर पड़ा है।

एजेंसियों ने भारत की वृद्धि दर का अनुमान घटाया

● मूडीज ने 9.3 प्रतिशत किया

भाषा। नई दिल्ली

क्रेडिट रेटिंग एजेंसी मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विसेज ने चालू वित्त वर्ष 2021-22 के लिए देश की आर्थिक वृद्धि दर के पूर्वानुमान को करीब चार प्रतिशत घटाकर मंगलवार को 9.3 प्रतिशत कर दिया जबकि पहले उसने 13.7 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान रखा था। मूडीज ने भारत की सॉवरेन रेटिंग को नकारात्मक परिदृश्य के साथ बीएए3 पर रखा है। उसका कहना है कि आर्थिक वृद्धि के रास्ते में अड़चनें, ऊंचा रिण और कमजोर वित्तीय प्रणाली का सावरेन साख पर असर पड़ता है। अमेरिकी रेटिंग एजेंसी ने फरवरी में 2021-22 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर के 13.7 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया था। आधिकारिक अनुमान के अनुसार वित्त वर्ष 2020-21 में भारतीय अर्थव्यवस्था 8 प्रतिशत संकुचित हुई है। मूडीज ने कहा, भारत कोविड-19 की भीषण दूसरी लहर का सामना का कर रहा है। जो निकट-अवधि के आर्थिक सुधार को धीमा और लंबी अवधि के विकास गति को कम कर सकता है।

नोमुरा ने 2021-22 के लिए आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को घटाकर 10.8 प्रतिशत किया

मुंबई। जापान की ब्रोकरेज कंपनी नोमुरा ने मंगलवार को कोरोना वायरस महामारी की दूसरी लहर और उसकी रोकथाम के लिए स्थानीय स्तर पर लगाए गए लॉकडाउन के प्रभाव का हवाला देते हुए वित्त वर्ष 2021-22 के लिए भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर के अनुमान को घटाकर 10.8 प्रतिशत कर दिया। पूर्व मे उसने 12.6 प्रतिशत वृद्धि दर का अनुमान जताया गया था। नोमुरा ने कहा कि उसके आकलन के तहत गतिविधियों का स्तर नौ मई को समाप्त सप्ताह मे महामारी पूर्व स्तर के 64.5 प्रतिशत पर पहुंच गया है। इस सप्ताह इसमे 5 प्रतिशत की और गिरावट आई है। गतिविधियों का स्तर फिलहाल जून 2020 के स्तर के बराबर है। देश मे कोरोना वायरस महामारी को फैलने से रोकने के लिए 20 से अधिक राज्यों ने लॉकडाउन और अन्य पाबंदियां लगाई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मंगलवार को सुबह जारी आंकड़े के अनुसार पिछले 24 घंटे मे देश मे कोविड-19 के 3.29 लाख मामले सामने आए जबकि संक्रमण के कारण 3,876 लोगों की मौत हो गई। ब्रोकरेज कंपनी ने कहा कि जीडीपी वृद्धि दर के अनुमान मे कमी का कारण लॉकडाउन की वजह से जून तिमाही मे होने वाला नुकसान है।

दूसरी लहर से भारत में आजीविका संकट गहराने की आशंका: ज्यां द्रेज

नई दिल्ली। जाने-माने अर्थशास्त्री ज्यां द्रेज ने कहा है कि कोरोना वायरस महामारी की दूसरी लहर के बीच कामकाजी वर्ग के लिए स्थिति इस बार बदतर लग रही है और इससे भारत मे आजीविका संकट गहराने की आशंका है। उन्होने यह भी कहा कि इस महामारी की रोकथाम के लिए राज्यों के स्तर पर लगाया गया लॉकडाउन देशव्यापी बंद जैसी ही स्थिति है। बातचीत मे यह भी कहा कि सरकार का 2024-25 तक देश को 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य कभी भी व्यवहारिक लक्ष्य नही था।

बिकवाली से रुपया आरंभिक गिरावट से उबरकर लगभग अपरिवर्तित बंद हुआ

मुंबई। निर्यातकों द्वारा अमेरिकी मुद्रा की बिकवाली और कच्चे तेल के दाम में नरमी से विदेशीमुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अपनी आरम्भिक गिरावट से उबर गया और मंगलवार को रुपए की विनिमय दर 73.34 प्रति डॉलर पर लगभग पूर्वस्तर पर बंद हुई। बाजार सूत्रों ने कहा कि कोविड-19 के बढ़ते मामले को लेकर चिंता और घरेलू शेयर बाजार में आई गिरावट से रुपए की धारणा प्रभावित हुई। अंतरबैंक विदेशी विनिमय बाजार में डॉलर- रुपया दर 73.47 पर कमजोर खुली। दिन में कारोबार के दौरान अन्य एशियाई मुद्राओं में गिरावट के अनुरूप यह दिन के निचले स्तर 73.53 तक गई। बाद में रुपए की हानि कम हो गई और यह कारोबार के अंत में डॉलर के मुकाबले मात्र एक पैसे का लाभ दर्शाती 73.34 रुपए प्रति डॉलर पर बंद हुई।

इसुजु हाईलैंडर और नई वी क्रॉस जेड एटी लांच

नई दिल्ली। इसुज़ु मोटर्स इंडिया ने भारत में बहुप्रतीक्षित बीएस 6 अनुपालित वी क्रॉस वेरिएंट को लॉन्च किया है। कंपनी द्वारा बिलकुल नए मॉडल इसुज़ु हाईलैंडर और नए वीक्रॉस ज़ेड एटी वेरिएंट को पेश किया है। इसके साथ ही कंपनी ने एमयू एक्स मॉडल को भी लॉन्च किया है। इन नए वेहिकल्स के जुड़ाव के साथ इसुज़ु मोटर्स इंडिया अब पर्सनल पिक अप वेहिकल्स और एसयूवी की एक ज़्यादा विस्तृत रेंज पेश करती है जिसमें शामिल है वी क्रॉस ज़ेड प्रेस्टीज ए व.क्रॉस ज़ेड ए वी.क्रॉस ज़ेड ए हाई.लैंडर और एमयू.एक्स। केन ताकाशिमा डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर इसुज़ु मोर्टर्स इंडिया ने कहा कि श्एसयूवी के लिए भारतीय बाज़ार अपने विकास की चरम अवस्था में पहुँच रहा है और हम इस दौर में अपनी सबसे नवीनतम पेशकश के साथ मौजूद हैं। आरंभिक कीमत रुपए 1998000 एक्स शोरूम चेन्नई और हाईलैंडर की आरंभिक कीमत 1698000 एक्स शोरूम चेन्नई होगी।

जेबीसीपीएल का भारत में नेफ्रोलॉजी क्षेत्र में प्रवेश

मुंबई। जेबी केमिकल्स एंड फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड भारत में सबसे तेजी से बढ़ती फार्मास्युटिकल कंपनियों में से एक और उच्च रक्तचाप हाइपरटेंशन में अग्रणी कंपनी ने नेफ्रोलॉजी के क्षेत्र में प्रवेश करने की घोषणा की है। गंभीर किडनी बिमारियों पर इलाज ले रहे मरीज़ों की सेवा के लिए कंपनी ने यह नया समर्पित डिवीज़न शुरू किया है। नया डिवीज़न किडनी की गंभीर बिमारियों में व्यापक देखभाल पर ध्यान केंद्रित करेगा। किडनी की गंभीर बिमारियों में उच्च रक्तचाप हाइपरटेंशन के प्रबंधन से लेकर गुर्दे की आखरी स्टेज पर पहुंच चुकी बीमारी तक व्यापक देखभाल के लिए यह डिवीज़न प्रयासशील रहेगा। सीईओ और पूर्णकालिक निदेशक निखिल चोपड़ा ने बताया कि सीकेडी से जुड़े उच्च रक्तचाप मामले बढ़ रहे हैं और हमें विश्वास है कि यह पहल हमें सीकेडी रोगियों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने में सक्षम बनाएगी।

शेयर बाजार में चार दिन से जारी तेजी पर विराम

● सेंसेक्स 341 अंक लुढ़का

भाषा। मुंबई

शेयर बाजार में पिछले चार कारोबारी सत्रों से जारी तेजी पर मंगलवार को विराम लग गया और सेंसेक्स 341 अंक लुढ़क कर बंद हुआ। वैश्विक स्तर पर जिंसों के दाम में तेजी के साथ मुद्रास्फीति बढ़ने की आशंका को लेकर दुनिया के प्रमुख शेयर बाजारों में गिरावट के साथ घरेलू बाजार भी नीचे आया। कारोबारियों के अनुसार बैंक, वित्त और धातु कंपनियों के शेयरों में मुनाफावसूली से बाजार में गिरावट को बल दिया तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स गिरावट के साथ खुला और पूरे कारोबार के दौरान यह नकारात्मक दायरे में रहा। अंत में यह 340.60 अंक यानी 0.69 प्रतिशत घटकर 49,161.81 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 91.60 अंक यानी 0.61 प्रतिशत की गिरावट के साथ 14,850.75 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में सर्वाधिक 3 प्रतिशत का नुकसान कोटक बैंक को हुआ। इसके अलावा एचडीएफसी, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, टेक महिंद्रा, एचयूएल, टाइटन और एक्सिस बैंक आदि के शेयरों में गिरावट रही। दूसरी तरफ, एनटीपीसी, ओएनजीसी, पावरग्रिड, सन फार्मा, अल्ट्राटेक सीमेंट और एसबीआई लाभ में रहने वाले शेयरों में शामिल हैं। इनमें 4.60 प्रतिशत तक की तेजी आई। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, अंतरराष्ट्रीय बाजार में इस्पात समेत जिंसों के दाम में तेजी से वैश्विक स्तर पर मुद्रास्फीति बढ़ने की आशंका है।

जैम पर वस्तुओं, सेवाओं की सार्वजनिक खरीद अप्रैल में 6,894 करोड़ रुपए रही

नई दिल्ली। सरकार के ई-मार्केट पोर्टल (जैम) पर वस्तुओं और सेवाओं की खरीद अप्रैल में बढ़कर 6,894 करोड़ रुपए हो गई। जैम पोर्टल की शुरुआत नौ अगस्त 2016 में हुई थी, जहां केंद्र सरकार के सभी मंत्रालय और विभाग वस्तुओं तथा सेवाओं की ऑनलाइन खरीदारी कर सकते हैं। जैम के सीईओ प्रशांत कुमार सिंह ने पीटीआई-भाषा को बताया, अप्रैल में जैम प्लेटफॉर्म पर कुल कारोबार का मूल्य 6,894 करोड़ रुपए रहा। यह राशि पिछले वित्त वर्ष की जून तिमाही और सितंबर तिमारी के आंकड़ों से अधिक है।

बायोकॉन प्रमुख ने वैक्सीन की कमी पर चिंता जताई

नई दिल्ली। बायोकॉन की कार्यकारी अध्यक्ष किरण मजूमदार-शॉ ने कोविड-19 की वैक्सीन की कमी पर चिंता जताते हुए उनकी उपलब्धता के बारे में सरकार से पारदर्शिता की मांग की है, ताकि आम लोग धैर्य से काम लें ।और अपनी बारी की प्रतीक्षा करें। मजूमदार-शॉ ने स्वास्थ्य मंत्रालय को टैग करके एक ट्वीट किया, इस बात को लेकर बेहद चिंतित हूं कि वैक्सीन की आपूर्ति इतनी कम क्यों हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय, क्या हम यह जान सकते हैं कि हर महीने सात करोड़ खुराक कहां जा रही है? ।

हमास के खिलाफ इजराइली हमले में 26 की मौत

एपी। गाजा सिटी (गाजा पट्टी)

इजराइल ने मंगलवार को गाजा पर हवाई हमले कर दो बहुमंजिला इमारतों को निशाना बनाया जिनके बारे में उसका मानना था कि वहां उग्रवादी छिपे थे वहीं हमास और अन्य सशस्त्र समूहों ने दक्षिणी इजराइल पर सैकड़ों रॉकेट दागे। यरूशलम में हफ्तों के तनाव के बाद यह झड़प हुई हैं। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि सोमवार शाम से शुरू हुई झड़प में नौ बच्चों और एक महिला समेत 26 फलस्तीनियों की मौत हुई है। अधिकतर मौत हवाई हमलों से हुई। इजराइली सेना ने कहा कि मरने वालों में कम से कम 16 उग्रवादी थी। इसी अवधि के दौरान गाजा स्थित उग्रवादियों ने इजराइल की तरफ सैकड़ों रॉकेट दागे जिसमें दो नागरिकों की मौत हो गई जबकि 10 अन्य घायल हो गए। इजराइली सेना के मुताबिक उसने गाजा में उग्रवादी संगठन इस्लामिक जिहाद के एक वरिष्ठ कमांडर को मार दिया है। उसने कहा कि मारे गए आतंकी कमांडर की पहचान समीह-अल-मामलुक के तौर पर हुई है जो इस्लामिक जिहाद की रॉकेट इकाई का प्रमुख था। सेना ने कहा कि हमले में उग्रवादी संगठन के अन्य वरिष्ठ उग्रवादी भी मारे गए हैं। इस्लामिक जिहाद ने गाजा सिटी में एक अपार्टमेंट पर हुए हवाई हमले में तीन लोगों की मौत की पुष्टि की है जो उसकी सशस्त्र शाखा के वरिष्ठ सदस्य थे। उग्रवादी संगठन ने बदला लेने की बात कही है। वहीं तनाव के और बढ़ने का संकेत देते हुए इजराइल ने सैन्य अभियान का दायरा बढ़ाने की बात कही है। सेना ने कहा कि वह गाजा सीमा पर अपने सैनिकों की संख्या बढ़ा रही है और रक्षा मंत्री ने 5000 आरक्षित सैनिकों को वहां भेजने का आदेश दिया है। इस बीच एक सकारात्मक संकेत है। अधिकारियों के मुताबिक मिस्र संघर्ष विराम के लिए काम कर रहा है। रात में हुए रॉकेट व हवाई हमले से पहले

हमले में क्षतिग्रस्त हुई कारों के पास से गुजरते लोग

फलस्तीनियों और इजराइल के सुरक्षा बलों के बीच घंटों झड़प होती रही। झड़प यरूशलम की अल-अक्सा मस्जिद परिसर में भी हुई जिसे यहूदी और मुसलमान दोनों पवित्र मानते हैं। बढ़ती अशांति के संकेतों के बीच इजराइल में अरब समुदाय के सैकड़ों लोगों ने फलस्तीन के खिलाफ इजराइली बलों की हालिया कार्वाई की निंदा करते हुए प्रदर्शन किया। इसे हाल के वर्षों में इजराइल में फलस्तीनी नागरिकों द्वारा सबसे बड़ा प्रदर्शन माना जा रहा है इजराइल और इजराइल की बर्बादी चाहने वाले इस्लामी आतंकी संगठन हमास ने तीन जंग लड़ीं और गाजा पर आतंकी संगठन के 2007 में हुए कब्जे के बाद से कई बार झड़प भी देखने को मिली। पूर्व में इजराइल और गाजा पर शासन करने वाले हमास के बीच होने वाला सीमा पार संघर्ष कुछ दिनों बाद समाप्त हो जाता था जिसका कारण अक्सर पर्दे के पीछे से कतर, मिस्र और अन्य देशों द्वारा की जाने वाली मध्यस्थता होती थी।मिस्र के एक अधिकारी ने पुष्टि की कि उनका देश संघर्ष विराम के लिए प्रयास कर रहा है। संवेदनशील कूटनीति पर चर्चा कर रहे अधिकारी ने नाम न जाहिर करने की मंशा व्यक्त करते हुए कहा कि यरूशलम में इजराइली कार्वाई ने इन प्रयासों को और जटिल बना दिया है। नाम न जाहिर करने की शर्त पर एक फलस्तीनी सुरक्षा अधिकारी ने भी संघर्ष विराम के प्रयासों की पुष्टि की। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सोमवार को चेतावनी दी थी कि यह लड़ाई कुछ समय तक जारी रह सकती है।इजराइल की सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल जोनाथन कॉनरिकस ने मंगलवार को संवाददाताओं को बताया कि सेना गाजा में लक्ष्यों को निशाना बनाने के शुरुआती चरण में है। इन लक्ष्यों को निशाना बनाने की योजना बहुत पहले बना ली गई थी।इजराइल ने दो बहुमंजिला इमारतों को निशाना बनाने के साथ ही दर्जनों हवाई हमले किए। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता अशरफ अल-किदरा ने कहा कि नौ बच्चों और एक महिला समेत कुल 26 लोग इस हमले में मारे गए हैं जबकि 122 अन्य घायल हुए हैं।

यह तनाव और संघर्ष ऐसे समय हो रहा है जब इजराइल में राजनीतिक अस्थिरता के हालात हैं। नेतन्याहू अभी कार्यवाहक प्रधानमंत्री हैं।

मुस्लिम देशों के संगठन ने इजरायल की निंदा की

एपी। दुबई

मुस्लिम देशों के एक समूह ने यरूशलम में स्थित इस्लाम के पवित्र स्थलों में से एक अल-अक्सा मस्जिद के परिसर में हिंसा भड़कने को लेकर इजरायल की निंदा की है इजरायल और फलस्तीन के बीच बढ़ते तनाव और यरूशलम में हुई हिंसक झड़पों पर मुस्लिम जगत की ओर से एकजुट प्रतिक्रिया देने के लिए मंगलवार को 57 सदस्यीय इस्लामिक सहयोग संगठन की आपात बैठक बुलाई गई। एक विज्ञप्ति के अनुसार बैठक में अल-अक्सा मस्जिद की पवित्रता की निरंतर अनदेखी, इबादतगुजारों पर बर्बर हमलों और परिसर में फलस्तीनियों की आवाजाही पर पाबंदी को लेकर इजरायल की निंदा की गई। संगठन ने कहा कि उसके विचार में इजरायल की कार्वाई दुनियाभर के मुसलमानों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली और अंतरराष्ट्रीय कानून का घोर उल्लंघन है। संगठन ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय को तनाव बढ़ने के लिए इजरायल को जिम्मेदार ठहराने और उसपर हमले रोकने का दबाव डालने की अपील की, जिसकी वजह से क्षेत्र की सुरक्षा और स्थायित्व के सामने खतरा पैदा हो गया है। संगठन ने स्वतंत्र फलस्तीन के समर्थन के लंबे समय से चले आ रहे अरब जगत के रुख को भी दोहराया।

रूस के स्कूल में गोलीबारी, नौ लोगों की जान गई

● संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया गया है

एपी। मास्को

रूस के कजान शहर में एक बंदूकधारी ने मंगलवार की सुबह एक स्कूल पर हमला कर दिया, जिसमें एक शिक्षक एवं आठवीं कक्षा के सात छात्रों समेत नौ लोगों की मौत हो गई जबकि 21 अन्य घायल हो गए जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

एक रूसी अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि मरने वालों में स्कूल का एक अन्य कर्मचारी शामिल है। रूसी मीडिया में जारी वीडियो फुटेज में दिखाया गया है कि श्वेत श्याम ड्रेस में बच्चे स्कूल की इमारत से बाहर भाग रहे हैं। एक अन्य वीडियो में टूटी खिड़कियां और धुआं दिख रहा है जबकि बंदूक चलने की आवाज सुनाई दे रही है। हमले के बाद दर्जनों एम्बुलेंस मौके पर पहुंच गई और पुलिस ने इमारत को चारों तरफ से घेर लिया।रूसी मीडिया ने खबर दी है कि हमले के दौरान कुछ छात्र स्कूल की इमारत से भाग

रूस के कजान में स्कूल पर हुए हमले के बाद मारे गए लोगों के परिजनों को सांत्वना देते कर्मचारी

निकले जबकि गोलीबारी के दौरान अन्य छात्र स्कूल के अंदर फंस गए। अंततः सभी छात्र-छात्राओं को वहां से निकाल लिया गया और बाद में वे अपने अपने परिवारवालों के साथ घर चले गए।अधिकारियों ने कहा कि हमलावर को गिरफ्तार कर लिया गया है और पुलिस ने मामले में आपराधिक जांच शुरू की है। मास्को से करीब 700 किलोमीटर दूर स्थित कजान में अधिकारियों ने सुरक्षा के अतिरिक्त प्रबंध किए हैं।रूस के ततारस्तान गणतंत्र के गवर्नर रूस्तम मिन्निखानोव ने बताया कि मंगलवार को हुई गोलीबारी में आठवीं कक्षा के चार छात्र एवं तीन छात्राओं तथा एक शिक्षक एवं एक अन्य स्कूल कर्मचारी की मौत हो गई। कजान, ततारस्तान की राजधानी है। मिन्निखानोव ने स्कूल के दौरे के बाद कहा हमलावर को गिरफ्तार कर लिया गया है, (वह) 19 वर्ष का है। हथियार उसके नाम पर पंजीकृत है। उसके साथी की पुष्टि नहीं हुई है, जांच की जा रही है। ततारस्तान के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार इस घटना में 21 लोग घायल हुए हैं जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें 18 बच्चे हैं जिनमें से छह की हालत नाजुक है जिन्हें गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती किया गया है। अधिकारियों ने कजान के स्कूल में हुई इस गोलीबारी में मारे गए लोगों के सम्मान में बुधवार को एक दिवसीय शोक की घोषणा की है। रूस के सरकारी आरआईए नोवोस्ती समाचार समिति ने इससे पहले स्थानीय आपात अधिकारियों के हवाले से बताया था गोलीबारी में 11 लोग मारे गए हैं। रूसी राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन ने घटना पर शोक जताया है। उन्होंने इस घटना को देखते हुए रूसी नेशनल गार्ड के प्रमुख विक्टर जोल्टोव को नागरिकों के लिए हथियारों के नियमों की समीक्षा के आदेश दिए हैं।

नेपाल में सरकार गठन के प्रयास तेज

काठमांडू। प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली की सरकार के विश्वास मत हासिल नहीं कर पाने के बाद नेपाल की राष्ट्रपति विद्यादेवी भंडारी ने नई सरकार बनाने की खातिर बहुमत साबित करने के लिए विभिन्न दलों को बृहस्पतिवार तक का वक्त दिया है। राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से सोमवार को जारी एक वक्तव्य में कहा गया कि नेपाल के संविधान के अनुच्छेद 76 (2) के तहत राष्ट्रपति ने बहुमत की सरकार का गठन करने के लिए विभिन्न दलों को आमंत्रित करने का फैसला लिया है। हिमालयन टाइम्स की खबर के मुताबिक, भंडारी ने सियासी दलों को तीन दिन का वक्त दिया है और कहा है कि वे बृहस्पतिवार की रात नौ बजे तक अपना दावा पेश करें। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति विद्यादेवी भंडारी के निर्देश पर संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा के आहूत विशेष सत्र में प्रधानमंत्री ओली की ओर से पेश विश्वास प्रस्ताव के समर्थन में केवल 93 मत मिले थे जबकि 124 सदस्यों ने इसके खिलाफ मत दिया।

क्विक न्यूज

अमेरिका में अब 12 से 15 साल तक के बच्चों को लगेगा फाइजर का कोविड-19 रोधी टीका

वाशिंगटन। अमेरिका के नियामकों ने 12 से 15 साल तक की उम्र के बच्चों को फाइजर का कोविड-19 रोधी टीका लगाने का फैसला किया है, ताकि स्कूल वापस जाने पर वे सुरक्षित हों और उनकी सामान्य गतिविधियां भी शुरू हो सकें। संघीय टीका सलाहकार समिति के 12 से 15 वर्ष के बच्चों को टीके की दो खुराक लगाने की सिफारिश करने के बाद, बृहस्पतिवार से बच्चों का टीकाकरण शुरू किया जा सकता है। इसकी घोषणा बुधवार को किए जाने की संभावना है। विश्व में कोविड-19 रोधी कई टीकों को व्यस्कों को लगाने की ही अनुमति दी गई है। हालांकि फाइजर का टीका कई देशों में 16 साल के किशोरों को लगाया जा रहा है। हाल ही में कनाडा ने 12 साल और अधिक आयु के बच्चों को टीका लगाना शुरू किया था, ऐसा करने वाला वह पहला देश था। फाइजर के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. बिल ग्रूबर ने एपी से कहा, वैश्विक महामारी कोविड-19 से निपटने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण क्षण है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने 12 से 15 वर्ष के दो हजार से अधिक बच्चों पर परीक्षण करने के बाद टीके के किशोरों के लिए सुरक्षित होने की घोषणा की थी।

अमेरिकी सांसद ने बाइडन से भारत को और मदद मुहैया कराने का अनुरोध किया

वाशिंगटन। अमेरिकी सांसद हेली स्टीवंस ने अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन को पत्र लिखकर अनुरोध किया कि वह कोविड-19 महामारी की भयावह दूसरी लहर का सामना कर रहे भारत को और अधिक सीधी सहायता मुहैया करवाएं। स्टीवंस ने पत्र में लिखा, बीते हफ्ते भारत में कोरोना वायरस के प्रतिदिन 4,00,000 से अधिक मामले सामने आए। चार मई को वहां 3,786 संक्रमितों की मौत हुई और कुल मृतक संख्या 2,26,188 पर पहुंच गई। मामलों में तेजी से हुई वृद्धि के कारण वहां की स्वास्थ्य प्रणाली पर बहुत भार पड़ा, अस्पताल मरीजों से भरे पड़े हैं और ऑक्सीजन की कमी है। भारत को ऑक्सीजन, उपचार व्यवस्था एवं टीकों की बहुत आवश्यकता है। भारत को 10 करोड़ डॉलर से अधिक की सहायता पहुंचाने के लिए बाइडन का आभार जताते हुए स्टीवंस ने व्हाइट हाउस से भारत के अस्पतालों में और अधिक ऑक्सीजन सिलेंडर, ऑक्सीजन सांद्रक, ऑक्सीजन संयंत्र, रेमडेसिविर, टोसिलिजुमैब और वेंटिलेटर भेजने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा, भारत में आप हालात का आकलन लगातार कर रहे है, ऐसे में मैं आपसे अनुरोध करती हूं कि उपरोक्त आवश्यकताओ की पूर्ति करने पर विचार करें। जब तक भारत में कोविड-19 का प्रकोप बना रहेगा, तब तक वायरस के नए-नए स्वरूपों की उत्पत्ति का भी जोखिम रहेगा, जिससे टीकाकरण के बावजूद अमेरिका में भी गंभीर खतरा रह सकता है। वायरस को सभी ओर से उखाड़ फेंकने के लिए हमें अपना योगदान देना चाहिए।

चीन की जनसंख्या बढ़कर 1.41178 अरब, 2022 में घटने का अनुमान

बीजिंग। चीन की आबादी 2019 की तुलना में 0.53 प्रतिशत बढ़कर 1.41178 अरब हो गई है। 2019 में आबादी 1.4 अरब थी। हालांकि इसके अगले साल की शुरुआत से घटने का अनुमान है।चीन की सरकार की तरफ से मंगलवार को जारी की गई सातवी राष्ट्रीय जनसंख्या जनगणना के अनुसार, चीन के सभी 31 प्रांत, स्वायत्त क्षेत्र और नगरपालिका की आबादी 1.41178 अरब थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो (एनबीएस) के अनुसार, नई जनगणना के आंकड़ों से पता चलता है कि चीन जिस संकट का सामना कर रहा था, उसके और गहराने की उम्मीद है, क्योंकि देश में 60 वर्ष से अधिक लोगों की आबादी बढ़कर 26.4 करोड़ हो गई है। एनबीएस ने एक बयान में कहा कि जनसंख्या औसत आयु बढ़ने से दीर्घकालिक संतुलित विकास पर दबाव बढ़ेगा। देश में 89.4 करोड़ लोगों की उम्र 15 से 59 वर्ष के बीच है, जो कि 2010 की तुलना में 6.79 प्रतिशत कम है। चीन के नेताओं ने जनसंख्या को बढ़ने से रोकने के लिए 1980 से जन्म संबंधी सीमाएं लागू की थी, लेकिन अब उन्हें इस बात की चिंता है कि देश में कामकाजी आयु वर्ग के लोगों की संख्या तेजी से कम हो रही है और इसके कारण समृद्ध अर्थव्यवस्था बनाने के प्रयास बाधित हो रहे हैं। चीन में जन्म संबंधी सीमाओं में ढील दे दी गई है, लेकिन दंपती महंगाई, छोटे आवास और मांओं के साथ नौकरी में होने वाले भेदभाव के कारण बच्चों को जन्म देने से कतराते हैं।

भारत-ब्रिटेन के बीच बेहतर हुआ है प्रत्यर्पण संबंध : मंत्री प्रीति पटेल

भाषा। लंदन

ब्रिटेन की गृह मंत्री प्रीति पटेल ने कहा कि भारत-ब्रिटेन माइग्रेशन एंड मोबिलिटी साझेदारी (एमएमपी) के तहत आव्रजन और प्रत्यर्पण सहित सभी मुद्दे आएंगे और इससे दोनों देशों के पेशेवर लोगों और छात्रों को लाभ होगा। किंगफिशर एयरलाइंस के पूर्व प्रमुख विजय माल्या और भगोड़ा हीरा व्यापारी नीरव मोदी सहित भारत के चर्चित प्रत्यर्पण मामलों के संदर्भ में भारतीय मूल की कैबिनेट मंत्री ने यह स्वीकार किया कि अतीत में कुछ निराशा रही है। लेकिन साथ ही उन्होंने इसपर जोर दिया कि ब्रिटेन के गृह मंत्री के रूप में उनके कार्यकाल में दोनों देशों के बीच प्रत्यर्पण समन्वय बेहतर हो गया है और मूल रूप से उसमें ना सिर्फ बदलाव हुआ है बल्कि वह बेहतर हुआ है। सोमवार को एक साक्षात्कार में पटेल ने बताया, मुझे पूरे मामले की जानकारी है और आर्थिक अपराधियों के सिलसिले में यह मुश्किल मामला है, और गृह मंत्री बनने से पहले भी मैंने इन मामलों में दिलचस्पी ली है और भारत सरकार को उससे अवगत भी कराया है। उन्होंने कहा, गृहमंत्री के रूप में मेरे कार्यकाल में इस संबंध में मौलिक बदलाव आए हैं, यह बेहतर हुआ है। मुझे नहीं लगता है

कि किसी को भी इसे खोना चाहिए। प्रत्यर्पण के क्षेत्र में ब्रिटेन और भारत के बीच मजबूत और रचनात्मक संबंध है और यह बेहतर हुआ है। इसके कारण पिछले कुछ वर्षों में कई सफल प्रत्यर्पण भी हुए हैं।

पटेल ने कहा कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ पिछले सप्ताह हुई मुलाकात में दोनों मंत्रियों ने एमएमपी पर हस्ताक्षर किया। पटेल ने कहा कि उन्होंने जयशंकर को आश्वासन दिया है कि ब्रिटेन की सरकार कानून के दायरे में रहते हुए यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि गंभीर अपराध करने वालों को औपचारिक प्रक्रिया के तहत न्याय की जद में लाने के लिए भारत भेजा जाए।

म्यांमा में सैन्य तख्तापलट के 100 दिन, जुंटा के पास नाम का नियंत्रण

एपी। बैंकाक

फरवरी में सेना द्वारा आंग सांग सू ची की लोकतांत्रिक रूप से चुनी हुई सरकार को बर्खास्त कर सत्ता अपने हाथ में लेने के बाद से सैन्य शासक देश में ट्रेनों को समय पर नहीं चलवा पाए, क्योंकि रेलकर्मी सैन्य तख्तापलट के विरोध में एकजुट होने वाले शुरुआती लोगों में शामिल थे और वे हड़ताल पर चले गए।

इसी के साथ, स्वास्थ्य कर्मियों ने भी सैन्य शासकों के खिलाफ सविनय अवज्ञा किया और सरकारी अस्पतालों में जाना बंद कर दिया। कई लोक सेवाकों और सरकारी तथा निजी बैंकों के कर्मियों ने भी काम का बहिष्कार किया। विश्वविद्यालय विरोध का केंद्र बने और हाल के हफ्तों में प्राथमिक और माध्यमिक स्तर पर शिक्षा व्यवस्था भी चरमरा गई, क्योंकि शिक्षकों, छात्रों एवं अभिभावकों ने सरकारी स्कूलों का बहिष्कार कर दिया। सैन्य तख्तापटल के 100 दिन बाद, म्यांमा के सत्तारूढ़ जनरलों के पास नाम का नियंत्रण है। नियंत्रण होने का भ्रम इसलिए भी है, क्योंकि उन्हें स्वतंत्र मीडिया की आवाज़ बंद करने और बलों को तैनात कर सड़कों को प्रदर्शनकारियों से खाली कराने में आंशिक कामयाबी मिली है। स्वतंत्र आंकड़ों के मुताबिक, सुरक्षा बलों ने 750 से ज्यादा प्रदर्शनकारियों और राहगीरों को मौत के घाट उतार दिया है। रोम में रह रही पत्रकार थिन लेई विन ने कहा, सैन्य शासक चाहते हैं कि लोग समझें कि चीज़े सामान्य हो रही हैं क्योंकि वे उतने लोगों को नहीं मार रहे हैं जितनों को पहले मारा है और सड़कों पर उतने लोग नहीं हैं, जितने पहले थे [8230] जमीन पर लोगों से बात करके हमें पता चल रहा है कि विरोध अभी शांत नहीं हुआ है। उन्होंने 2015 में म्यांमा नाउ ऑनलाइन समाचार सेवा शुरू कराने में मदद की थी।

उन्होंने कहा कि मुख्य बदलाव यह है कि असंतोष अब उस तरह से नहीं दिख रहा है जैसा प्रदर्शनों के शुरुआती दिनों में दिखता था तब प्रमुख शहरों में मार्च और रैलियों में हजारों लोग जुटते थे, क्योंकि सुरक्षा बलों ने उनपर गोलीबारी की है। इस बीच अशांत सीमांत क्षेत्रों से सैन्य चुनौतियां बढ़ रही हैं जहां जातीय अल्पसंख्यक समूहों के पास राजनीतिक शक्तियां हैं और गुरिल्ला सेनाएं हैं। उत्तर में कचिन और पूर्व में करेन समूहों ने आंदोलनों को अपना समर्थन दे दिया है और अपनी लड़ाई तेज़ कर दी है। वहीं सरकारी सेना जबर्दस्त ताकत से जवाब दे रही है और हवाई हमले भी कर रही है।

भारतीय यात्री के सामान से बरामद हुए उपले

वाशिंगटन (भाषा)। अमेरिका के सीमा शुल्क एवं सीमा सुरक्षा अधिकारियों को वाशिंगटन डीसी के उपनगर में अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर भारत से लौटे एक यात्री के सामान से उपले बरामद हुए हैं। भारतीय यात्री जिस बैग में उपले लाया था, उसे हवाईअड्डे पर ही छोड़ गया था। अधिकारियों ने बताया कि अमेरिका में उपलों पर प्रतिबंध है, क्योंकि ऐसा माना जाता है कि इससे अत्यधिक संक्रामक मुंहपका-खुरपका रोग हो सकता है। अमेरिकी सीमा शुल्क एवं सीमा सुरक्षा (सीबीपी) ने बताया कि इन्हें नष्ट कर दिया गया है। विभाग की ओर से सोमवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह गलत नहीं लिखा गया। सीबीपी कृषि विशेषज्ञों को एक सूटकेस में से दो उपले बरामद हुए हैं। बयान के अनुसार, यह सूटकेस चार अप्रैल को एअर इंडिया के विमान से लौटे एक यात्री का है। सीबीपी के बाल्टीमोर फील्ड ऑफिस के फील्ड ऑपरेशंस कार्यवाहक निदेशक कीथ फलेमिंग ने कहा, मुंहपका-खुरपका रोग जानवरों को होने वाली एक बीमारी है, जिससे पशुओं के मालिक सबसे ज्यादा डरते हैं।

क्वॉड में शामिल होने को लेकर चीन की बांग्लादेश को चेतावनी

भाषा। ढाका

● सोमवार को हुई बैठक के दौरान, चीनी राजदूत ने तीस्ता नदी प्रबंधन परियोजना पर बांग्लादेश के प्रयासों को चीन का समर्थन मिलने की संभावना भी जताई।

चीन ने बांग्लादेश को अमेरिका नीत क्वॉड गठबंधन में शामिल होने को लेकर आगाह करते हुए कहा है कि ढाका के इस बीजिंग विरोधी क्लब का हिस्सा बनने पर द्विपक्षीय संबंधों को भारी नुकसान होगा। चीन के रक्षा मंत्री जनरल वेई फेंग की यात्रा के बाद बांग्लादेश में चीन के राजदूत ली जिमिंग की यह अप्रत्याशित चेतावनी सामने आई है।

गौरतलब है कि 27 अप्रैल को फेंग बांग्लादेश की यात्रा पर आए थे। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रपति अब्दुल हामिद से कहा था कि बीजिंग और ढाका को दक्षिण एशिया में सैन्य गठबंधन गठबंधन बनाने और वर्चस्ववाद कायम करने की जुगत में लगीं बाहरी शक्तियों को रोकना चाहिए। डिप्लोमेटिक कॉरेस्पोंडेंट एसोसिएशन, बांग्लादेश द्वारा सोमवार को आयोजित डिजिटल बैठक में ली ने कहा, बांग्लादेश के लिए चार देशों के इस छोटे से क्लब (क्वॉड) में शामिल होना निश्चित रूप से सही विचार नहीं होगा क्योंकि इससे द्विपक्षीय संबंधों को भारी नुकसान पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि क्वॉड एक छोटा कुलीन समूह है जो चीन के विरुद्ध काम कर कहा है। चीन के राजदूत के इस विवादित बयान पर बांग्लादेश के विदेश मंत्री डॉक्टर ए के अब्दुल मोमिन ने कहा कि बांग्लादेश गुट-निरपेक्ष तथा संतुलित विदेश नीति का अनुसरण करता है और वह खुद तय करेगा कि इन सिद्धांतो के अनुरूप क्या किया जाना चाहिए।

मोमिन ने मंगलवार को पत्रकारों से कहा, हम स्वतंत्र तथा संप्रभु देश हैं। हम अपनी विदेश नीति खुद तय करते हैं। हालांकि कोई देश अपना रुख बता सकता है। विदेश मंत्री ने कहा, वह (चीनी राजदूत) एक देश का प्रतिनिधित्व करते हैं। वह जो कहना चाहते हैं, कह सकते हैं। हो सकता है कि वह ऐसा (बांग्लादेश का क्वॉड में शामिल होना) न चाहते हों। साथ ही मोमिन ने कहा कि अभी तक क्वॉड के किसी भी सदस्य ने बांग्लादेश से संपर्क नहीं किया है।समाचार एजेंसी यूनाइटेड न्यूज़ ऑफ बांग्लादेश (यूएनबी) ने विदेश मंत्री के हवाले से कहा कि राजदूत ने जल्दबाजी में यह टिप्पणी की। क्वॉड्रिलेटरल सिक्योरिटी डायलॉग को संक्षेप में क्वॉड कहा जाता है।

कतर के अमीर ने सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस से की मुलाकात

जेद्दा। कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी ने जेद्दा में सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस (वली अहद) मोहम्मद बिन सलमान से सोमवार को मुलाकात की। कतर की सरकारी एजेंसी ने यह जानकारी दी है।कतर द्वारा सऊदी अरब और अन्य अरब खाड़ी देशों के साथ तनाव कम करने के लिए एक घोषणापत्र पर हस्ताक्षर करने के बाद दोनों नेताओं के बीच यह पहली मुलाकात है।इस बैठक में इस पर गौर किया गया कि कतर पर तीन साल से अधिक समय से लगी पाबंदी को इस साल की शुरुआत में समाप्त करने के बाद से पड़ोसियों के बीच संबंध किस तरह बेहतर हो रहे हैं।अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के नेतृत्व में नए प्रशासन के अमेरिका और सऊदी के संबंधों का पुनर्मूल्यांकन करने के मद्देनजर भी सऊदी की विदेश नीति बदलाव के संकेत मिले हैं। कतर के अमीर आखिरी बार इस वर्ष जनवरी में उच्च स्तरीय खाड़ी अरब शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने यहां आए थे, जिसमें तनाव को कम करने की घोषणा की गई थी।

काबुल के एक अस्पताल में कोविड वैक्सीनेशन को लेकर इंजेक्शन तैयार करती डॉक्टर

ट्रेंड ब्लेजर

शरमन जोशी ने कहा, मैं आज भी बाहरी हूं

अभिनेता शरमन जोशी ने बॉलीवुड में दो दशकों से अधिक समय तक काम किया है। जबकि वह समझता है कि फिल्म उद्योग और कनेक्शन कैसे काम करते हैं, वह कहता है कि वह अभी भी एक बाहरी व्यक्ति की तरह महसूस करता है और खुद को बॉलीवुड के स्टार परिवार से जुड़े नहीं होने के लिए खेद महसूस करता है।

''मैं समझता हूं कि कुछ पीढ़ियों के परिवारों की एक निश्चित एकाधिकार है जो व्यवसाय में हैं, और कल मेरे बच्चे करेंगे।''

सत्य वचन

अमित सियाल

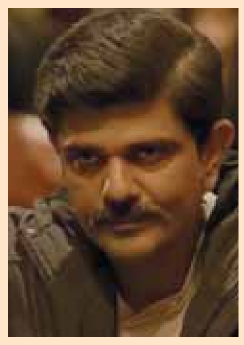

मैं सुनिश्चित करने के लिए कोई पुलिस भूमिका नहीं लेना चाहता। मैं वास्तव में तीव्र भूमिका निभाने में कटौती करना चाहता हूं क्योंकि यह मेरे सिर के साथ खेलना शुरू कर रहा है। मैं हल्की भूमिकाएं करना चाहता हूं, आम आदमी भूमिकाएं ... यहां तक ?क एक अंधेरे कॉमेडी भी करूंगा। अभिनेता हर चीज में रूढ़ हो जाते हैं। यह आपकी जिम्मेदारी है कि इससे कैसे बाहर निकला जाए। आपको अपने बारे में सोचने की जरूरत है, कोई और नहीं।

दैनिक काल

विशाल मिश्रा

मुझे लगता है कि वे कलाकार जो लगातार संगीत लिख रहे हैं, वीडियो डाल रहे हैं और पिछले एक साल से घर पर रहकर सभी का मनोरंजन कर रहे हैं, वे भी फ्रंटलाइन वर्कर्स की तरह काम कर रहे हैं। फ्रंटलाइन कार्यकर्ता हैं। हमारे दर्शकों को कभी नहीं पता होता है कि गाना गाते समय हम किस मानसिक स्थिति से गुजर रहे हैं लेकिन जो चीज हमें चलती रहती है वह उनका प्यार है।

मैं अपने बच्चों के साथ खुश हूं : जोली

अभिनेत्री एंजेलिना जोली ने कहा कि वह अपने बच्चों के लिए हमेशा बहुत गर्म और कोमल होना सुनिश्चित करती हैं।

उन्होंने कहा कि यह कुछ ऐसा है जो उन्होंने अपनी दिवंगत मां मार्चेलाइन बर्ट्रेंड से सीखा है।

उसने कहा, ''मेरी मां बहुत कोमल थी। मैं अपने काम और अपने जीवन में बहुत सी चीजें कर सकता हूं, लेकिन मैं अपने बच्चों के साथ बहुत गर्म और सौम्य हूं। यह दया और गर्मजोशी एक नींव है जो अविश्वसनीय रूप से महत्वपूर्ण है।''

ईद पर राधे रिलीज कर प्रशंसकों से किया वादा पूरा करेंगे सलमान

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान ने अपने प्रशंसकों से किया वादा पूरा करते हुए देश के कोविड-19 की दूसरी लहर की चपेट में होने के बावजूद अपनी फिल्म राधे : यॉर मॉस्टवॉन्टेड भाई को ईद पर रिलीज करने का फैसला किया है।

सलमान ने जूम राउंडटेबल साक्षात्कार में सोमवार रात कहा कि जिन लोगों ने फिल्म मैंने प्यार किया देखी है, वे उनसे प्यार करते हैं और अब उनके बच्चे भी उनसे प्यार करते हैं।

मुंबई से उन्होंने कहा, मैं काफी खुशकिस्मत तथा कृतज्ञ हूं कि मेरे प्रशंसक बेहद वफादार हैं। दादा-दादी से माता-पिता... माता-पिता से नाती-पोते हर आयुवर्ग में मेरे प्रशंसक हैं।

अभिनेता की फिल्म 13 मई को ओटीटी मंच डीटीएच पर प्रसारित की जाएगी। फिल्म में सलमान मुंबई में मादक पदार्थों के गिरोह से निपटने वाले एक एनकाउंटर विशेषज्ञ की भूमिका निभा रहे हैं।

फिल्म के सलमान की 2009 में आई फिल्म वॉन्टेड का सीक्वल होने की अटकलों पर सलमान ने स्पष्ट किया कि यह एक नई कहानी और केवल किरदार का नाम एक है तथा वह भी अपने किए वादे पूरे करता है। साथ ही सलमान ने वक्त के साथ-साथ एक्शन के और चुनौतीपूर्ण होने की बात भी कही। उन्होंने कहा, मुझे पता नहीं कि एक्शन ज्यादा चुनौतीपूर्ण हो गया है या मेरे लिए यह चुनौतीपूर्ण हो गया है। लेकिन मैं अब भी इसे कर रहा हूं।

मुझे लगता है कि आप जब तक एक्शन कर सकते हैं तब तक आप रोमांस कर सकते हैं। लोगों को एक्शन और रोमांस देखना पसंद है और मैं वहीं करने की कोशिश कर रहा हूं। फिल्म में सलमान के अलावा दिशा पटानी, रणदीप हुड्डा, जैकी श्रॉफ और गौतम गुलाटी भी नजर आएंगे।

कोरोना वायरस से फैली महामारी समाप्त होने का कर रहे इंतजार

नई दिल्ली। बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने सोमवार को कहा कि देश में कोरोना वायरस महामारी समाप्त होने और लोगों के लिए सिनेमाघरों में जाना सुरक्षित होने के बाद ही उनकी फिल्म राधे: योर मोस्ट वांटेड भाई थिएटरों में रिलीज की जाएगी। प्रभुदेवा के निर्देशन में बनी यह फिल्म ईद के मौके पर 13 मई को ओटीटी और डीटीएच सेवाओं समेत विभिन्न मंचों पर उपलब्ध होगी। इस फिल्म में दिशा पटानी, रणदीप हुड्डा, जैकी श्राफ ने भूमिका निभाई है। सलमान खान ने मुम्बई में साक्षात्कार में संवाददाताओं से कहा, यह फिल्म ईद पर आ रही है और आपको इसे घर पर देखने का मौका मिलेगा और जब कोरोना चला जाएगा तब हम इसे सिनेमाघरों में रिलीज करेंगे।

कोविड-19 संबंधी राहत कार्यों के लिए दिए 15 करोड़ : अमिताभ बच्चन

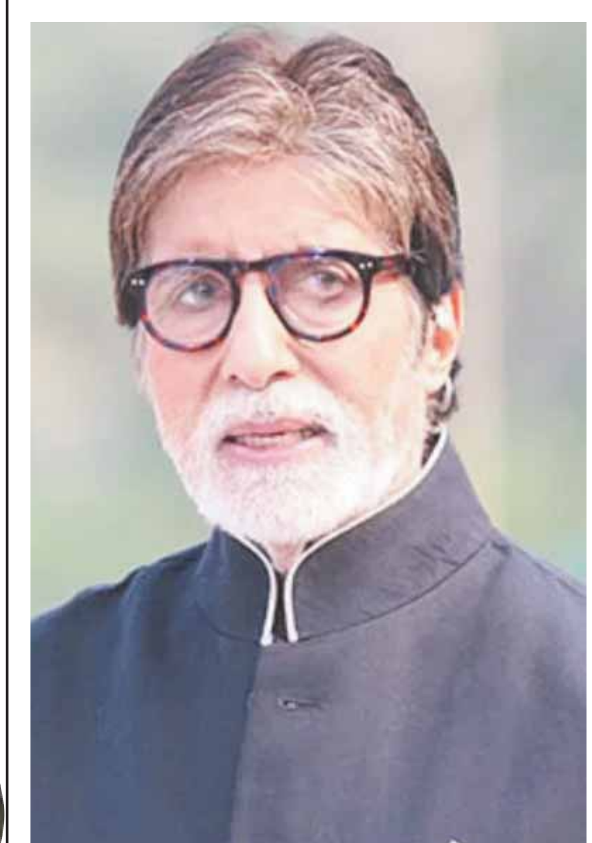

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन ने कहा है कि उन्होंने कोविड-19 महामारी के खिलाफ देश की लड़ाई में अब तक कम से कम 15 करोड़ रुपए दान दिए हैं और यदि आवश्यकता पड़ती है तो वह अपने निजी कोष में से और योगदान देने से भी पीछे नहीं हटेंगे। बच्चन ने ब्लॉग में अपने परोपकारी कार्य की यह ताजा जानकारी साझा की है।

अभिनेता ने योगदान का विवरण साझा कर अपने उन विरोधियों को जवाब दिया है जो सोशल मीडिया पर देश में जारी स्वास्थ्य संकट के समय में मशहूर हस्तियों द्वारा सहायता नहीं किए जाने का आरोप लगा रहे थे। रविवार रात को दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के अध्यक्ष मनजिंदर सिंह सिरसा ने ट्वीट कर बताया था कि नई दिल्ली के गुरुद्वारा रकाबगंज में श्रीगुरु तेग बहादुर कोविड देखभाल केंद्र के लिए अमिताभ बच्चन ने दो करोड़ रुपए दान दिए हैं।

78 वर्षीय अभिनेता ने सोमवार रात को अपने ब्लॉग पर लिखा, वायरस के खिलाफ इस लड़ाई में कई लोगों ने योगदान दिया है और यह जारी रहेगा... फिलहाल मेरे द्वारा दिल्ली में एक कोविड देखभाल केंद्र को दो करोड़ रुपए दान किए जाने की जानकारी अधिक सुनाई दे रही हैं। हालांकि, समय गुजरने के साथ ही मेरे निजी योगदान एवं दान का आंकड़ा करीब 15 करोड़ रुपए होगा। उन्होंने कहा, बेशक ए आंकड़े मेरी क्षमता से परे हैं लेकिन मैंने कार्य एवं श्रम किया और अपनी कमाई में से ऐसे जरूरतमंद लोगों को सहायता पहुंचाई जिन्हें इसकी सबसे ज्यादा आवश्यकता थी और ईश्वर की कृपा से यह राशि देने में समर्थ हो सका। बच्चन ने कहा कि उनके परोपकारी कार्यों का मकसद इनका ढींढोरा पीटना नहीं था। मशहूर अभिनेता ने कहा, अगर मैं अपने निजी कोष में से और भी अधिक योगदान देने लायक हुआ तो मैं इसमें हिचकिचाऊंगा नहीं।

यहां कई ऐसे साथी और मित्र हैं जोकि वित्तीय रूप से मुश्किल समय से गुजरे हैं... उन्हें भी वित्तीय सहायता देकर परेशानी के भंवर से निकालने का प्रयास किया। उन्होंने लिखा, यह सब कुछ अन्य लोगों को भी आगे आने और दान करने को प्रोत्साहित कर सकता है। अमिताभ बच्चन ने कहा कि रकाबगंज साहिब में बना केंद्र जल्द ही इसस मुश्किल समय में राहत प्रदान करने में सक्षम होगा। बच्चन ने कहा कि उनके द्वारा विदेशों से खरीदे गए 20 वेंटिलेटर पहुंचने लगे हैं। 10 वेंटिलेटर की पहली खेप मुंबई पहुंच चुकी है और सीमा शुल्क विभाग की निकास अनुमति का इंतजार है। उन्होंने कहा, बुधवार तक इन वेंटिलेटर की आपूर्ति कर दी जाएगी। इनमें से कम से कम चार उन निगम अस्पतालों को दिए जाएंगे, जिन्हें मैंने चिन्हित किया है। बाकी छह में से कम से कम चार वेंटिलेटर बृहनमुंबई महानगर पालिका समिति को सौंपे जाएंगे।

बाकी के 10 वेंटिलेटर भी 25 मई तक भारत पहुंच रहे हैं और इन्हें भी मेरे द्वारा निर्धारित अलग-अलग जगहों के अस्पतालों को वितरित किया जाएगा। अभिनेता ने ऑक्सीजन सांद्रक भी विदेशी कंपनियों से खरीदे हैं जिनकी आपूर्ति जल्द होगी। कोविड महामारी की चपेट में आने के चलते अपने माता-पिता को खोने वाले बच्चों की शिक्षा एवं पालन-पोषण की जिम्मेदारी लेने वाले बच्चन ने हैदराबाद के एक अनाथालय से संपर्क किया है। अमिताभा बच्चन ने महामारी के संकट काल में किए गए अन्य परोपकारी कार्यों का भी जिक्र अपने ब्लॉग में किया।

टेलीविजन अभिनेता रवि दुबे कोरोना वायरस से संक्रमित

मुंबई। मशहूर टेलीविजन अभिनेता रवि दुबे कोरोना वायरस से संक्रमित हैं और पृथक-वास में रह रहे हैं। अभिनेता (37) ने इंस्टाग्राम पर सोमवार रात यह जानकारी दी और उनके सम्पर्क में आए सभी लोगों को एहतियात बरतने को भी कहा। उन्होंने लिखा, अभी रिपोर्ट मिली है और मैं कोरोना वायरस से संक्रमित हूं, पिछले कुछ दिनों में मेरे सम्पर्क में आए सभी लोग अपना ध्यान रखें... मैं पृथक रह रहा हूं और मेरे प्रियजन मेरा ध्यान रख रहे हैं। अभिनेता ने लिखा, सुरक्षित एवं सकारात्मक रहें। राज्य के स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, मुंबई में सोमवार को ा,782 नए मामले सामने आने के बाद शहर में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 6,77,412 हो गई। यहां संक्रमण से अभी तक कुल 13,855 लोगों की मौत हुई है।

कोरोना से लेखक-अभिनेता मदम्पु कुंजुकुट्टन की मौत

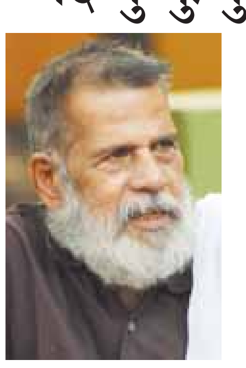

त्रिशूर (केरल)। लोकप्रिय उपन्यासकार, अभिनेता और पटकथा लेखक मदम्पु शंकरन नम्बूदरी उर्फ मदम्पु कुंजुकुट्टन की यहां निजी अस्पताल में कोरोना वायरस संक्रमण से मंगलवार को मृत्यु हो गई। वह 84 वर्ष के थे। सूत्रों ने बताया कि बुखार और सांस लेने में परेशानी होने के बाद लेखक को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उनके संक्रमित होने की पुष्टि हुई। अपने पाठकों और फिल्मी दुनिया में मदम्पु नाम से लोकप्रिय कुंजुकुट्टन ने 10 से ज्यादा उपन्यास और पांच पटकथाएं लिखीं। अभिनेता के रूप में पैथ्रीकम , वडाक्कुन्नाथन , करुनम , देशदानम आदि में उनकी यादगार भूमिकाएं हैं। उन्होंने कई बेहतरीन फिल्मों के लिए पटकथा भी लिखी।

मिशन मजनू में रश्मिका मंदाना

मिशन मजनू टीम ने अभिनेत्री रश्मिका मंदाना को भूमिका के लिए पहली और सबसे अच्छी पसंद बनाया।

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना जल्द ही बॉलीवुड में शुरुआत करते हुए अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ नजर आएंगी। मिशन मजनू जासूसी थ्रिलर में उनका पहला मंच है, फिर भी टीम ने सर्वसम्मति से महसूस किया कि वह फिल्म के लिए उनकी पहली और सर्वश्रेष्ठ पसंद थी।

''जब हम रश्मिका के कुछ कामों का जिक्र करते थे, तो हम एक नए चेहरे के साथ एक शानदार अभिनेता की तलाश में थे। मैं प्रिय कॉमरेड में उनकी बारीकियों से प्रभावित था। हमने महसूस किया कि महत्वपूर्ण भूमिका के लिए उसके पास निर्दोषता और सुंदरता का सही मिश्रण था, जिसे चरित्र की संवेदनशील व्याख्या की आवश्यकता थी। मुझे लगता है कि बहुत अच्छा मौका है कि भारतीय दर्शक दक्षिण से एक और फिल्म स्टार की खोज करेंगे'' , यह कहना है मिशन मजनू के निदेशक शांतनु बाग्ची का। प्रमुख विज्ञापन फिल्म निर्माता आगामी फिल्म के साथ अपना निर्देशन कर रहे हैं।

निर्माता अमर बुटाला ने भी रश्मिका के लिए अपनी प्रशंसा व्यक्त की, ''उसके साथ मेरी पहली बातचीत लॉकडाउन के दौरान जूम कॉल के दौरान हुई जब हमने मिशन मजनू की पटकथा सुनाई। यह देखना उल्लेखनीय था कि कैसे उसने अपने चरित्र की हर बारीकियों को उठाया, भले ही हम एक वीडियो कॉल पर थे। यह उसके साथ काम करने में खुशी की बात है क्योंकि न केवल वह अपने साथ एक बड़े फिल्म स्टार के लिए एक ठोस अनुभव और आत्मविश्वास लाता है, बल्कि एक नवागंतुक की ईमानदार ऊर्जा भी है।''

निर्माता गरिमा मेहता ने कहा, ''रश्मिका में जो पहली चीज आप देख रहे हैं, वह उसकी चकाचौंध भरी मुस्कान, सरासर ऊर्जा और आकर्षण है जिसे वह पसंद करती है। अपनी पहली फिल्म किरिक पार्टी, बाद में गीता गोविंदम और डियर कॉमरेड के बाद से, वह एक असाधारण अभिनेता के रूप में विकसित हुई हैं। हमें यकीन था कि वह फिल्म में अपनी भूमिका को जीवंत करेगी। मिशन मजनू में रश्मिका और सिद्धार्थ ने ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री साझा की है और निश्चित रूप से उनके प्रशंसक आधार से प्यार करेंगे।''

अभिनेत्री के त्रुटिहीन काम ने दर्शकों को खौफ में नहीं छोड़ा बल्कि निर्माता और निर्देशकों की एक टीम के रूप में अच्छी तरह से बर्बाद कर दिया, जिसने उन्हें फिल्म के लिए बोर्ड पर लाने के लिए कोई समय बर्बाद नहीं किया। मिशन मजनू के अलावा, रश्मिका की पाइपलाइन में एक और बॉलीवुड फिल्म है, अमिताभ बच्चन के साथ अलविदा। वह इस साल के अंत में अल्लू अर्जुन के साथ पुष्पा नामक तेलुगु एक्शन थ्रिलर में भी अभिनय करेंगी।

वृद्धावस्था में कुछ अलग करेंगी कुबरा

सेक्रेड गेम्स की अभिनेत्री कुब्रा सैट का कहना है कि अपने साठ या सत्तर के दशक में, वह एक छोटे से घर को पसंद करेंगे, जिसमें थोड़ा सा बगीचा हो सकता है, जिसमें शायद कैबेज बढ़ रहा हो। ''ओह, हां, अगर यह समुद्र तट का सामना करता है, तो यह आश्चर्यजनक होगा'', कहना है कुबरा का।

कलाकार, जिसने अभिनय के लिए एक सफल कॉर्पोरेट कैरियर को पीछे छोड़ दिया, ने हाल ही में ऑड 3 में माई 3 सीक्रेट टू सक्सेस ऑडियो शृंखला को प्रदर्शित किया।

एक सवाल का जवाब देते हुए कि उसे 60 या 70 के दशक में कैसा दिखना चाहिए, वह आगे कहती हैं, ''इसलिए, सांस लेने के लिए कुछ साफ हवा, पढ़ने के लिए एक किताब और शायद मेरी उंगलियां उससे जुड़ी रहना चाहती है जो मैं पसंद करती हूं। मुझे लगता है कि मेरे लिए एक आदर्श 60-70 की अवस्था होगी। हम हर दिन पीछा नहीं कर रहे हैं मुझे नहीं लगता कि मैं आज भी पीछा कर रहा हूं। मैं उन अवसरों के बारे में सोच रहा हूं जो इस समय मेरे पास आते हैं, लेकिन अब कोई पीछा नहीं है, और मुझे लगता है कि यदि आप चीजों का पीछा करना बंद कर देते हैं, तो आप स्वचालित रूप से शांति के एक बिंदु पर पहुंच जाते हैं और यह पीछा से सुन्न होने से बहुत अलग है।

काम के मोर्चे पर, कुबबरा ने फाउंडेशन के बारे में अपनी उत्तेजना साझा की, जो इस वर्ष रिलीज़ होने वाली है। वह कहती हैं, ''मुझे लगता है कि एक एकमात्र परियोजना जो मैंने लगभग डेढ़ साल में पूरी की है, और वह बहुत मूल्यवान है।''

वो आगे कहती हैं : ''मुझे नहीं लगता कि आज आपकी मुद्रा पैसा है। आपकी मुद्रा समय है। इसलिए अगर मैं उस मानसिक अवरोध को तोड़ने और उस परियोजना में समय बिताने में सक्षम हूं जिस पर मुझे विश्वास है, तो मुझे लगता है कि यह बहुत अच्छा भुगतान करने वाला है और मैं इसके बारे में काफी उत्साहित हूं। इसके अलावा, मुझे प्रक्रिया में तीन कार्य परियोजनाएं मिलीं और जब उन्हें बोध हुआ, तो मैं उन्हें आपके साथ साझा करूंगी। लेकिन अन्यथा मैं यह कह सकता हूं कि, मुझे एक किताब आ रही है, मुझे एक शो आ रहा है, मैं इस श्रव्य पॉडकास्ट में शामिल हूं।'' अंत में, जेन मोड के बारे में बोलते हुए : ''मैं जेन राज्य में एकांत की स्थिति में हूं। मैं वह व्यक्ति हूं, और यह आपको भूत, वर्तमान और भविष्य को पहचानने की अनुमति देता है। मुझे लगता है कि जेन की स्थिति में होना बहुत महत्वपूर्ण है ताकि आप भविष्य को समाप्त करने की अनुमति दे सकें। काफी रोमांचक है। तो, मुझे व्यस्त रखने के लिए, मेरे जेन मुझे व्यस्त रख रहे हैं।

2 | न्यूज-व्यूज
कालाबाजारी में अब तक 146 लोग गिरफ्तार

6 | अभिमत
महामारी काल में नेतृत्व की परीक्षा

11 | स्पोर्ट्स
कप्तानी की दौड़ में शिखर और हार्दिक शामिल

RNI NO. UPHIN/2010/36547
वर्ष 11 अंक 200
लखनऊ, बुधवार, 12 मई, 2021
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
डाक संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

मैं अपने बच्चों के साथ खुश हूं : जोली

विविध-12

आफत के बीच आई राहत

देशभर में कोविड-19 के उपचाराधीन रोगियों की संख्या में 24 घंटे के दौरान 30,016 की आई कमी

● संक्रमण के 3,29,942 नए मामले, 3,876 लोगों की मौत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रयागराज में कोरोनारोधी टीका लगवाने के लिए लाइन में खड़े लोग

केन्द्र सरकार ने मंगलवार को कहा कि देश में कोविड-19 के नए मामलों और संक्रमण से होने वाली मौतों में कमी आने का शुरुआती रुझान दिखने लगा है जो संकेत है कि महामारी की घातक दूसरी लहर धीरे-धीरे मंद पड़ रही है। सरकार के अनुसार, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और छत्तीसगढ़ उन 18 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में शामिल हैं जहां कोविड-19 के रोजाना आ रहे नए मामलों में कमी आ रही है। देश में 24 घंटे के दौरान उपचाराधीन रोगियों की संख्या में 30,016 की कमी आई है, जिसके बाद मरीजों की संख्या मंगलवार को घट कर 37,15,221 हो गई है।

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा कि 61 दिनों में पहली बार ऐसा हुआ है कि संक्रमण मुक्त हुए लोगों की संख्या नए संक्रमितों की संख्या से अधिक रही। देश में अब तक संक्रमित पाए गए लोगों में से 16.16 प्रतिशत का फिलहाल इलाज चल रहा है।

संवाददाता सम्मेलन में एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और पंजाब उन 16 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में से हैं जहां जहां रोजाना आ रहे कोविड-19 के नए मामलों में वृद्धि हो रही है। सरकार ने बताया कि 13 राज्य ऐसे हैं जहां कोविड-19 के उपचाराधीन रोगियों की संख्या एक-एक लाख से ज्यादा है और 26 राज्य ऐसे हैं जहां संक्रमण की दर 15 प्रतिशत से ज्यादा है। देश में कोरोना वायरस संक्रमण की दूसरी लहर में विकराल रूप ले लिया है, हालांकि रोजाना आने वाले नए मामलों और संक्रमण से होने वाली मौतों में कमी आ रही है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा मंगलवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, देश में 14 दिनों के बाद संक्रमण के नए मामलों की संख्या घटकर 3.29 लाख रह गई है। वहीं अभी तक कुल 2,29,92,517 लोगों के संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। मंत्रालय द्वारा सुबह आठ बजे तक प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, पिछले 24 घंटों में संक्रमण के 3,29,942 नए मामले आए हैं, वहीं कोविड-19 से 3,876 लोगों की मौत हुई है। देश में अभी तक कुल 2,49,992 लोगों की मौत संक्रमण से हुई है। मंत्रालय के अनुसार कुल उपचाराधीन रोगियों में से 81.68 प्रतिशत रोगी कर्नाटक, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, केरल, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, राजस्थान, आंध्र प्रदेश, गुजरात, तमिलनाडु, छत्तीगढ़, हरियाणा, बिहार, मध्य प्रदेश में हैं। मंत्रालय ने कहा कि देश में उपचाराधीन रोगियों में से 24.44 प्रतिशत रोगी बेंगलुरू शहर, पुणे, दिल्ली, एर्नाकुलम, नागपुर, अहमदाबाद, त्रिशूर, जयपुर, कोझीकोड़ और मुंबई में हैं। मंत्रालय के अनुसार महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, राजस्थान, आंध्र प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली में एक दिन में कोविड-19 के 3,29,942 मामले सामने आए हैं, जो कुल नए मामलों का 69.88 प्रतिशत हैं।

कर्नाटक में एक दिन में सबसे अधिक 39,305 नए मामले सामने आए हैं। इसके अलावा महाराष्ट्र में 37,236 और तमिलनाडु में 28,978 मामले सामने आए।

प्रदेश में 29,358 मरीज स्वस्थ 20,463 नए केस सामने आए

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश में मंगलवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 20,463 नए मामले आए और 306 मरीजों की मौत हो गई। उत्तर प्रदेश में पिछले 24 घंटे में 20,463 नए मरीज आने के बाद कुल मामले 15,45,212 पहुंच गए हैं जबकि राज्य में 306 और मौतें होने से कोरोना संक्रमण से मरने वालों की संख्या 16,043 हो गई है। पिछले 24 घंटों में बीमारी से 29,358 मरीज स्वस्थ होकर घर गए हैं और इसके साथ ही, राज्य में कुल 13,13,112 कोरोना मरीज संक्रमण मुक्त हुए हैं। अपर मुख्य सचिव (स्वास्थ्य) अमित मोहन प्रसाद ने मंगलवार को पत्रकारों से कहा कि राज्य में पिछले दस दिनों में कोरोना संक्रमितों की संख्या में 94 हजार से अधिक की कमी आई है। यहां जारी स्वास्थ्य बुलेटिन के अनुसार, राज्य में पिछले 24 घंटे में लखनऊ में अधिकतम 23 मौतें हुई हैं जिसके बाद कानपुर में 16, मेरठ में 15, झांसी और गौतमबुद्ध नगर में 12-12, आगरा और आजमगढ़ में 11-11, बस्ती में 10 तथा वाराणसी में आठ मुत्यु हुई हैं। वहीं मेरठ में सबसे ज्यादा 1,368 नए मामले आए हैं। इसके बाद गौतमबुद्ध नगर में 1,229 और लखनऊ में 1,154 मरीजों की पुष्टि हुई है।प्रसाद ने कहा कि उत्तर प्रदेश में इस समय कोरोना के कुल 2,16,057 मरीज इलाज करा रहे हैं। प्रसाद ने दावा किया कि अब तक राज्य में 4.34 करोड़ से अधिक नमूनों का परीक्षण किया जा चुका है जिनमें से सोमवार को 2.33 लाख से अधिक नमूनों की जांच की गई है।

कोई कमी दिखे तो सुझाव दें, आलोचना का यह समय नहीं: राजनाथ सिंह

● जीवन और जीविका दोनों को बचाने का कार्य कर रही केंद्र और प्रदेश सरकार: योगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड और प्रदेश राज्य सरकार के सहयोग से हज हाउस में बने कोविड अस्पताल का निरीक्षण करते केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अपने एक दिवसीय के दौरे पर मंगलवार को लखनऊ पहुंचे और हज हाउस में बने हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड और प्रदेश राज्य सरकार के सहयोग से निर्मित 255 बिस्तरों वाले कोविड अस्पताल के संचालन की शुरुआत की। वहीं उन्होंने अवध शिल्पग्राम में रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन द्वारा निर्मित 505 बिस्तर वाले अटल बिहारी वाजपेयी कोविड अस्पताल का निरीक्षण भी किया। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि यह केंद्र की मोदी सरकार के प्रयासों का ही परिणाम है कि आज जब भारत में कोविड का संकट गहरा रहा है तो भारत की मदद करने के लिए दुनिया भर के देश आगे आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोविड को एक चुनौती की तरह लिया है और इसे नियंत्रित करने के लिए हरसंभव प्रयास किया जा रहा है।

राजनाथ सिंह जब चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट पहुंचे तो वहां बने लाउंज में उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सिंह के साथ यूपी में कोविड से निपटने के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी लेते हुए योगी सरकार की तारीफ भी की।

उन्होंने कहा कि इस संक्रमण काल में अगर किसी को कोई कमी दिखाई देती है और कोई भी सुझाव देता है तो इसका केंद्र और प्रदेश सरकार स्वीकार करेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुनियाभर में जो राजनयिक संबंध बनाए हैं, आज उसी का परणिाम है कि जब भारत पर संक्रमण काल हैं तो सभी मदद को तैयार हैं। राजनाथ ने कहा कि कोरोना महामारी की रोकथाम के लिए प्रदेश सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदम सराहनीय हैं। इसके लिए सीएम योगी आदित्यनाथ ने जो कदम उठाए हैं उसकी जितनी प्रशंसा की जाए कम है। मुख्यमंत्री ने बेहतरीन काम किया है। उन्होंने संक्रमण के कारण जिनकी जाने गईं हैं उनके परिजनों को संवेदना भी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि कोविड-19 को नियंत्रित करने के लिए किए जा रहे प्रदेश सरकार के प्रयासों की विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी सराहना की है। जो कि छोटी बात नहीं है। प्रदेश सरकार द्वारा कोविड-19 की चुनौती का पूरी जिम्मेदारी से सामना किया जा रहा है। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हर व्यक्ति का जीवन अमूल्य है। ऐसे में प्रत्येक व्यक्ति का जीवन और जीविका दोनों को बचाने का कार्य केंद्र और प्रदेश सरकार द्वारा युद्ध स्तर पर किया जा रहा है।

नया टीका कोरोना के कई स्वरूपों पर प्रभावी पाया गया

भाषा। नई दिल्ली

कोविड-19 रोधी एक नया टीका बंदरों और चूहों को कोरोना वायरस एवं ब्रिटेन, दक्षिण अफ्रीका और ब्राजील में सामने आए उसके स्वरूपों के साथ-साथ चमगादड़ संबंधी उन अन्य कोरोना वायरस संक्रमण से बचाने में प्रभावी साबित हुआ है, जो भविष्य में वैश्विक महामारी का कारण बन सकते हैं। अनुसंधानकर्ताओं ने कहा है कि पत्रिका नेचर में प्रकाशित अध्ययन मनुष्यों पर भी अत्यधिक प्रभावी है। सभी प्रकार के कोरोना वायरस पर प्रभावी यह टीका कोरोना वायरस के हिस्से से बने सूक्ष्मकणों के जरिए इसे निष्क्रिय बनाने वाली एंटीबॉडी पैदा करता है। अमेरिका स्थित ड्यूक यूनिवर्सिटी ह्यूमन वैक्सीन इंस्टीट्यूट के बार्टन एम हेन्स ने कहा, हमने पिछले साल बसंत में इस समझ के साथ यह काम शुरू किया था कि सभी वायरसों की तरह सार्स-सीओवी-2 वायरस के भी स्वरूप विकसित होंगे। हेन्स ने कहा, यह नया दृष्टिकोण केवल सार्स-सीओवी-2 के खिलाफ ही सुरक्षा प्रदान नहीं करता, बल्कि टीके से बनी एंटीबॉडी वायरस के ब्रिटेन, दक्षिण अफ्रीका और ब्राजील में सामने आए स्वरूपों को भी निष्क्रिय कर सकती हैं।

दूसरी ओर देश के कुछ चिकित्सकों और वैज्ञानिकों ने कोविड-19 रोगियों के इलाज में स्वस्थ्य हो चुके लोगों के प्लाज्मा के अतार्कित तथा गैर-वैज्ञानिक इस्तेमाल के प्रति आगाह करते हुए प्रधान विज्ञान विधि सलाहकार के विजय राघवन को पत्र लिखा है। जन स्वास्थ्य पेशेवरों ने कहा कि कोविड-19 रोगियों के इलाज में प्लाज्मा थैरेपी के इस्तेमाल को लेकर मौजूदा साक्ष्य तथा भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद (आईसीएमआर) के दिशा-निर्देश मौजूदा साक्ष्यों पर आधारित नहीं हैं। टीका संबंधी मामलों के विशेषज्ञ गगनदीप कांग और सर्जन प्रमेश सीएस द्वारा हस्ताक्षर किए गए इस पत्र में प्लाज्मा थैरेपी के अतार्किक इस्तेमाल के चलते वायरस के और अधिक खतरनाक स्वरूप के पैदा होने की आशंका जताई गई है। पत्र में कहा गया है, हम देश में कोविड-19 रोगियों के इलाज में, स्वस्थ हो चुके लोगों के प्लाज्मा के अतार्किक और गैर-वैज्ञानिक इस्तेमाल के बारे में आपको पत्र लिख रहे हैं।

ईडी ने महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री देशमुख के खिलाफ मामला दर्ज किया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित रिश्वत के मामले में महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख के खिलाफ धन शोधन रोकथाम कानून के तहत एक आपराधिक मामला दर्ज किया है। आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को इस बारे में बताया। उन्होंने बताया कि देशमुख के खिलाफ केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा पिछले महीने दर्ज की गई प्राथमिकी का अध्ययन करने के बाद धन शोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) की धाराओं के तहत यह मामला दर्ज किया गया है। अधिकारी ने बताया कि प्रवर्तन निदेशालय अब देशमुख (71) और अन्य लोगों को पूछताछ के लिए तलब कर सकता है। बंबई उच्च न्यायालय के आदेश पर नियमित मामला दर्ज कर सीबीआई द्वारा की गई प्रारंभिक जांच के बाद ईडी ने यह मामला दर्ज किया है। बंबई उच्च न्यायालय ने मुंबई पुलिस के पूर्व आयुक्त परमबीर सिंह द्वारा देशमुख के खिलाफ लगाए गए रिश्वत के आरोपों की जांच करने को कहा था।

नड्डा का सोनिया पर कड़ा प्रहार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● पत्र लिखकर महामारी के दौरान लोगों को गुमराह करने, भय पैदा करने का लगाया आरोप

● कांग्रेस ने कहा, संकट के समय हमने विपक्ष होने का राजधर्म निभाया, भाजपा ने अहंकार दिखाया

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मंगलवार को कांग्रेस पर कोविड-19 के खिलाफ जारी देश की लड़ाई में लोगों को गुमराह करने और भय का झूठा माहौल पैदा करने का आरोप लगाया और कहा कि संकट के इस दौर में राहुल गांधी सहित उसके नेताओं के व्यवहार को छल कपट और ओछेपन के लिए याद किया जाएगा। नड्डा ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को लिखे चार पन्नों के एक पत्र में यह आरोप लगाए हैं।

ज्ञात हो कि सोमवार को कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक हुई थी जिसमें कोविड-19 प्रबंधन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कड़ी आलोचना की गई थी। दूसरी कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता अजय माकन ने पलटवार करते हुए कहा कि नड्डा और केंद्र सरकार को अहंकार त्यागकर इस वक्त देशवासियों की जान बचाने पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहाकि कोरोना महामारी के संकट के समय उसने सरकार को आगाह करके और अच्छे सुझाव देकर विपक्ष होने का राजधर्म निभाया, लेकिन सत्तापक्ष की तरफ से सिर्फ अहंकार दिखाया गया है।

भाजपा अध्यक्ष ने कांग्रेसी मुख्यमंत्रियों सहित पार्टी के अन्य नेताओं पर टीकों को लेकर असमंजस की स्थिति पैदा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह स्थिति ऐसे समय में पैदा की गई जब देश संकट से जूझ रहा है और वह भी सदियों में एक बार आने वाली महामारी से। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विज्ञान में अटूट विश्वास, नवोन्मेष को समर्थन, सहकारी संघवाद के साथ वैश्विक महामारी से निपटा जा रहा है। नड्डा ने कहा कि वह संकट के इस काल में कांग्रेस के रवैए से दुखी हैं लेकिन आश्चर्यचकित नहीं हैं। कांग्रेस की शीर्ष नीति निर्धारण इकाई कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) ने देश में कोरोना महामारी की गंभीर स्थिति पर चिंता प्रकट करते हुए सोमवार को कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपनी गलतियां स्वीकार करना चाहिए और इस महामारी से लड़ने के लिए पूरी तरह समर्पित होना चाहिए। सीडब्ल्यूसी की डिजिटल बैठक में पारित प्रस्ताव में यह आरोप भी लगाया गया था कि केंद्र सरकार ने कोरोना महामारी के खिलाफ लड़ाई में अपनी जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ लिया तथा टीकाकरण एवं दूसरे कदमों का पूरा उत्तरदायित्व राज्यों पर छोड़ दिया।

भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने कोविड के मामलों के बढ़ने के बावजूद बड़ी बड़ी चुनावी रैलियों के लिए तथा सेंट्रल विस्टा परियोजना के जारी निर्माण कार्य के लिए अपनी पार्टी की हो रही आलोचनाओं के मद्देनजर भी कांग्रेस पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि पहले लॉकडाउन का विरोध कर और फिर इसकी मांग कर कांग्रेस अपना भला नहीं कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने दूसरी लहर से संबंधित केंद्र की सलाहों को नजरअंदाज किया।

जम्मू-कश्मीर में मुठभेड़ में तीन आतंकवादी मारे गए

पायनियर समाचार सेवा। श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में मंगलवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा के तीन आतंकवादी मारे गए। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा बलों ने जिले में कोमेरनाग के वाइलू में आतंवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद इलाके को घेर लिया और तलाशी अभियान चलाया। अधिकारी ने कहा, तलाशी अभियान के दौरान आतंकवादियों की मौजूदगी का पता चलने पर उन्हें आत्मसमर्पण करने का अवसर दिया गया, लेकिन उन्होंने संयुक्त तलाश दल पर अंधाधुंध गोलीबारी की। बलों ने जवाबी कार्वाई की और मुठभेड़ शुरू हो गई। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों के संयुक्त दल ने गोलीबारी के दौरान फंसे सभी आम नागरिकों को बचाया और इलाके से लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए अभियान को कुछ देर रोक दिया। अधिकारी ने कहा, सभी आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो जाने के बाद, अभियान पुन: शुरू किया गया और मुठभेड़ में सभी आतंकवादियों को मार गिराया गया।

बाजार

सेंसेक्स	49,162	↓	340	
निफ्टी	14,851	↓	92	
सोना	47,308	↓	212	/10g
चांदी	70,646	↓	973	/kg

क्विक न्यूज

अग्रिम आदेशों तक यूपी टीईटी 2020 स्थगित

लखनऊ। कोरोना संक्रमण के चलते राज्य सरकार ने उत्तरप्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्ष 2020 को अग्रिम आदेशों तक के लिए स्थगित कर दिया है। इस बाबत शासन स्तर पर विशेष सचिव आर बी सिंह के स्तर से जारी आदेश में कहा गया है कि कोरोना संक्रमण को देखते हुए 15 मार्च को जारी यूपी टीईटी के परीक्षा कार्यक्रम को स्थगित कर दिया गया है। जारी आदेश में कहा गया है कि परीक्षा के बावत कोरोना संक्रमण के चलते परीक्षा की तिथि और परीक्षा कार्यक्रम को लेकर निर्णय परिस्थितियों के आधार पर लिए जाएंगे।

कोरोना प्रबंधन पर डब्ल्यूएचओ ने योगी सरकार को सराहा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● दस हजार घरों तक पहुंच विश्व स्वास्थ्य संगठन ने देखा कोविड मैनेजमेंट का योगी माडल

गांवों में कोविड प्रबंधन की निगरानी के लिए सरकार ने तैनात किए 21242 पर्यवेक्षक

लखनऊ में कोरोना संक्रमण रोकने के लिए सेनेलाइजेशन करता कर्मचारी

योगी सरकार के कोविड प्रबंधन पर एक बार फिर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने मुहर लगा दी है। ग्रामीण इलाकों में राज्य सरकार के कोरोना के माइक्रो मैनेजमेंट का डब्ल्यूएचओ भी कायल है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अपनी वेबसाइट पर यूपी सरकार के कोविड प्रबंधन की खुल कर तारीफ की है।

डब्ल्यूएचओ ने यूपी के ग्रामीण इलाकों में कोरोना को रोकने के लिए चलाए जा रहे महाभियान की चर्चा करते हुए अपनी रिपोर्ट में बताया है कि राज्य सरकार ने किस तरह से 75 जिलों के 97941 गांवों में घर घर संपर्क कर कोरोना की जांच करने के साथ आइसोलेशन और मेडिकल किट की सुविधा उपलब्ध कराई। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने योगी सरकार के कोविड मैनेजमेंट को धरातल पर परखने के लिए यूपी के ग्रामीण इलाकों में 10 हजार घरों का दौरा किया । डब्ल्यू एचओ की टीम ने खुद गांवों में कोविड मैनेजमेंट का हाल जाना। कोरोना मरीजों से उनको मिल रही चिकित्सीय सुविधाओं के बारे में पूछताछ की। इतना ही नहीं विश्व स्वास्थ्य संगठन के विशेषज्ञों ने फील्ड में काम कर रही दो हजार सरकारी टीमों के काम काज की गहन समीक्षा भी की है।

डब्ल्यूएचओ ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि किस तरह यूपी के ग्रामीण इलाकों में किस तरह योगी सरकार ने सामुदायिक केंद्रों, पंचायत भवनों और स्कूलों में कोरोना मरीजों की जांच और इलाज की सुविधा दे रही है। जिले के हर ब्लाक में कोविड जांच के लिए राज्य सरकार की ओर से दो मोबाइल वैन तैनात की गई है। कोरोना के खिलाफ महाअभियान के लिए स्वास्थ्य विभाग की 141610 टीमें दिन रात काम कर रही हैं। कोविड मैनेजमेंट की इस पूरे अभियान पर नजर रखने के लिए योगी सरकार ने 21242 पर्यवेक्षकों की तैनाती की है। ग्रामीण इलाकों में कोविड समेत अन्य संक्रामक बीमारियों की रोकथाम के लिए योगी सरकार ने बड़े स्तर पर स्वच्छता अभियान चला रखा है। 60 हजार से अधिक निगरानी समितियों के 4 लाख सदस्य गांवों में घर घर पहुंच कर न सिर्फ कोविड के प्रति लोगों को जागरूक कर रहे हैं बल्कि साफ-सफाई और स्वास्थ्य सुविधाओं से भी जोड़ रहे हैं। इस तरह का अभियान चलाने वाला यूपी देश का पहला राज्य है। गौरतलब है कि कोरोना की पहली लहर के दौरान भी योगी सरकार के शानदार कोविड मैनेजमेंट की डब्ल्यूएचओ समेत देश और दुनिया में जम कर तारीफहुई थी।

एएमयू में एक और शिक्षक की कोरोना से मौत

पायनियर समाचार सेवा। अलीगढ़, लखनऊ

● मुख्यमंत्री योगी ने कुलपति से की वार्ता

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) में कोरोना संक्रमण से होने वाली मौतों का सिलसिला जारी है। एएमयू के जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के चिकित्सा विभाग के प्रोफेसर शोएब जहीर (56) का कोविड-19 से निधन हो गया। परिवार के सदस्य के अनुसार, प्रोफेसर जहीर का निधन दिल्ली के एक अस्पताल में हुआ। एएमयू के प्रवक्ता ने बताया कि इसके साथ ही अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय ने पिछले तीन सप्ताह में कोविड -19 के संक्रमण से 17 सेवारत वरिष्ठ संकाय सदस्यों को खो दिया है। इस बीच उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के कुलपति से फोन पर वार्ता कर विश्वविद्यालय के मेडिकल कॉलेज में भर्ती मरीजों तथा वहां कार्यरत चिकित्सकों एवं अन्य कार्मिकों के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। मंगलवार को यहां जारी सरकारी बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने एएमयू में कुछ चिकित्सकों एवं कर्मचारियों के कोरोना संक्रमित होने की खबरों का संज्ञान लेकर कुलपति से वार्ता की। मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्वविद्यालय के परिसर में बड़ी संख्या में लोग रहते हैं, इन्हें कोविड संक्रमण से सुरक्षित रखने के लिए सभी उपाय किए जाना आवश्यक है। योगी ने कहा कि कोरोना संक्रमण से बचाव में टीकाकरण की महत्वपूर्ण भूमिका है और वर्तमान में 18 से 44 वर्ष आयु वर्ग का टीकाकरण भी प्रारम्भ हो गया है।

हर संदिग्ध व्यक्ति की करें एंटीजन जांच: योगी

विशेषज्ञों के आकलन के मद्देनजर सभी जिलों में बच्चों के स्वास्थ्य सुरक्षा के विशेष इंतजाम करने के निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना संक्रमण पर काबू पाने के लिये मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लक्षणयुक्त और संदिग्ध हर व्यक्ति की एंटीजन जांच करने के निर्देश दिये हैं। इसके साथ ही सीएम ने आरआरटी टीम की संख्या बढ़ाई जाने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा है कि कहा है कि हर जिला अस्पताल में न्यूनतम 10-15 बेड और मेडिकल कॉलेज में 25-30 बेड की क्षमता वाले पीडियाट्रिक आईसीयू को तैयार कराया जाए। मंडल मुख्यालय पर न्यूनतम 100 बेड का पीडियाट्रिक आईसीयू होना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने मंगलवार को टीम-9 के साथ बैठक में यह निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञों के आकलन के मद्देनजर सभी जिलों में बच्चों के स्वास्थ्य सुरक्षा के विशेष इंतजाम करने की आवश्यकता है। इस उद्देश्य से सभी जिला अस्पतालों में आवश्यक चिकित्सकीय उपकरण, मेडिसिन आदि की उपलब्धता करा ली जाए। इस संबंध में चिकित्सकों व अन्य स्टाफका प्रशिक्षण कराया जाए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कोरोना संक्रमण की रोकथाम के राज्य सरकार के प्रयासों को सफलता मिल रही है। प्रदेश में संक्रमण की पाजिटिविटी दर लगातार कम तथा रिकवरी दर निरन्तर बढ़ रही है। उन्होंने कोरोना संक्रमण की रोकथाम और उपचार की व्यवस्था और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि गांवों को संक्रमण से सुरक्षित रखने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा व्यापक स्तर पर विशेष जांच अभियान संचालित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में लक्षणयुक्त अथवा संक्रमण की मद्देनजर से संदिग्ध लोगों को मेडिकल किट का वितरण निगरानी समितियों द्वारा किया जाए। साथ ही, ऐसे व्यक्तियों का नाम, टेलीफोन नम्बर युक्त एक सूची भी तैयार की जाए, जिन्हे मेडिकल किट दी गयी है। यह सूची सम्बन्धित जनपद के इण्टीग्रेटेड कमाण्ड एण्ड कण्ट्रोल सेण्टर को उपलब्ध करायी जाए। जिलाधिकारी आईसीसीसी के माध्यम से सम्बन्धित व्यक्ति का कुशलक्षेम प्राप्त करने के साथ-साथ मेडिकल किट की उपलब्धता की पुष्टि कराएं। होम आइसोलेशन में रह कर उपचार करा रहे लोगों की विधानसभा वार सूची संकलित करते हुए इसे संबंधित सांसद व विधायक को भी उपलब्ध कराया जाए, जिससे इन जनप्रतिनिधियों द्वारा भी अपने क्षेत्र से सम्बन्धित व्यक्तियों को मेडिकल किट मिलने का सत्यापन करने के साथ ही, हालचाल लिया जा सके।

सीएम योगी ने कहा कि निगरानी समितियां समितियां होम आइसोलेट मरीजों को तथा अन्य संदिग्ध लक्षणयुक्त लोगों को मेडिकल किट प्रदान करती हैं। निगरानी समितियां जिन्हें मेडिकल किट पाने वालों के नाम और फोन नम्बर आइसीसीसी को उपलब्ध कराएं। आइसीसीसी इसका पुनः सत्यापन करे। इसके अतिरिक्त जिलाधिकारी के माध्यम से इसकी एक प्रति स्थानीय जनप्रतिनिधियों को उपलब्ध कराया जाएए ताकि सांसद, विधायकगण मेडिकल किट प्राप्त कर स्वास्थ्य लाभ कर रहे लोगों से संवाद कर सकें। इससे व्यवस्था का क्रॉस वेरिफिकेशन भी हो सकेगा।

सीएम ने कहा कि सभी जिलों में उपलब्ध कराए गए वेंटिलेटर और ऑक्सीजन कंसंट्रेटर क्रियाशील होना चाहिए। संबंधित जिलों से संपर्क कर इस संबंध में उनकी समस्याओं का निराकरण कराएं। इसके उपरांत भी यदि वेंटिलेटर, ऑक्सीजन कंसंट्रेटर क्रियाशील न होने की सूचना प्राप्त हुई तो संबंधित डीएम व सीएमओ की जवाबदेही तय की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि भविष्य की चुनौतियों के दृष्टिगत चिकित्सकीय मानव संसाधन की उपलब्धता के लिए नियोजित प्रयास किए जा रहे हैं। मेडिकल, पैरामेडिकल अंतिम वर्ष, इंटर्न, प्रशिक्षण पूर्ण कर चुके युवाए सेवानिवृत्त अनुभवी लोगों की सेवाएं ली जानी चाहिए। इस संबंध में चयन एवं नियुक्ति की प्रक्रिया एक सप्ताह में पूर्ण कर लिया जाए। चिकित्सा शिक्षा मंत्री स्तर से इसकी विस्तृत समीक्षा कर ली जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना कर्फ्यू को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए। कण्टेनमेण्ट जोन में डोर स्टेप डिलीवरी व्यवस्था के माध्यम से जरूरतमन्द लोगों को आवश्यक सामग्री की आपूर्ति की जाए। खाद्यान्न वितरण एवं गेहूं क्रय की कार्यवाही सुचारु ढंग से कोरोना प्रोटोकाल का पालन करते हुए संचालित की जाएं। औद्योगिक गतिविधियां निर्बाध रूप से संचालित होनी चाहिए। इस दौरान कोरोना प्रोटोकॉल का पूर्णतया पालन सुनिश्चित किया जाए। समीक्षा में चिकित्सा शिक्षा मंत्री सुरेश खन्ना, स्वास्थ्य मंत्री जय प्रताप सिंह तथा अधिकारी सम्मिलित हुए।

प्रदेश में बीते 24 घंटों में की गई 1011.79 मेट्रिक टन ऑक्सीजन की आपूर्ति

● मुख्यमंत्री के प्रयास से आक्सीजन की आपूर्ति में हुई रिकार्ड वृद्धि

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयास से बीते 24 घंटों में प्रदेश के मेडिकल कालेजों, चिकित्सा संस्थानों, निजी अस्पतालों एवं रिफीलर्स को रिकार्ड 1011.79 मेट्रिक टन ऑक्सीजन की आपूर्ति की गयी है। इसमें सेल्फप्रोडक्शन के तहत एयर सेपरेटर्स यूनिट्स के माध्यम से भी 88.84 मेट्रिक टन ऑक्सीजन आपूर्ति की गयी तथा होम आईसोलेशन के 4604 मरीजों को भी कुल 32.475 मेट्रिक टन आक्सीजन की अपूर्ति सिलेण्डरों के माध्यम से बीते 24 घण्टों में की गयी है। अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने बीते 24 घंटे में हुई कुल 1011.79 मेट्रिक टन रिकार्ड ऑक्सीजन सप्लाई का ब्योरा देते हुए बताया कि इसमें से 632.96 मेट्रिक टन ऑक्सीजन की आपूर्ति रिफीलर्स को खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा की गयी है। साथ ही 301.80 मेट्रिक टन ऑक्सीजन की सप्लाई प्रदेश के मेडिकल कालेजों व चिकित्सा संस्थानो को तथा 77.03 मेट्रिक टन ऑक्सीजन की आपूर्ति ऑक्सीजन सप्लायर्स द्वारा सीधे निजी चिकित्सालयों को की गई है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रदेश में ऑक्सीजन की मांग को तत्परता से पूरा करने के उद्देश्य से गृह विभाग में बने एक विशेष कन्ट्रोल रूम के माध्यम से ऑक्सीजन आपूर्ति व्यवस्था की ऑक्सीजन मानीटरिंग की जा रही है। इस कन्ट्रोल रूम में गृह विभाग, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, चिकित्सा शिक्षा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा परिवहन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी व कर्मचारी लगातार 24 घंटे परस्पर समन्वय बनाकर कार्य कर रहे हैं।

मदद के बजाए जनता को गुमराह कर रहे कांग्रेस के नेता: सुरेश खन्ना

'कांग्रेस नेताओं के ऐसे गैरजिम्मेदारी भरे बयानों के चलते जनता भ्रमित हो रही है, फिर भी कांग्रेस नेता लगातार झूठ पर झूठ बोले जा रहे हैं'

● झूठे बयान देने के बजाय कोरोना पीड़ितों की मदद करें

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राज्य के चिकित्सा शिक्षा मंत्री सुरेश खन्ना ने कांग्रेस के नेताओं को गैरजिम्मेदार और झूठा बताया है। उनका मानना है कि कांग्रेस के नेता वर्तमान में कोरोना से पीड़ितों की मदद करने के बजाए उन्हें गुमराह करने का कार्य कर रहे हैं। जिसके चलते कांग्रेस नेता कभी वैक्सीन को लेकर भ्रम फैलाते हैं तो कभी सरकार द्वारा गांवों में कोरोना पीड़ितों की तलाश के लिए चलाए जा रहे अभियान पर सवाल खड़ा करते हैं। कांग्रेस नेताओं के ऐसे गैरजिम्मेदारी भरे बयानों के चलते जनता भ्रमित हो रही है, फिर भी कांग्रेस नेता लगातार झूठ पर झूठ बोले जा रहे हैं।

चिकित्सा शिक्षा मंत्री सुरेश खन्ना ने कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू द्वारा कोरोना संक्रमण को नियंत्रित करने व जीवन रक्षक दवाओं तथा ऑक्सीजन की उपलब्धता को लेकर प्रदेश सरकार के दावे पर सवाल खड़ा करने पर कांग्रेस नेताओं को झूठा बताया है। सुरेश खन्ना का कहना है कि कांग्रेस के नेता राहुल गांधी से लेकर अजय कुमार लल्लू तक सबके सब गैर जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, महासचिव प्रियंका गांधी और कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू संकट की इस घड़ी में ओछी राजनैतिक बयानबाजी कर रहे हैं। इन्हें ओछी राजनैतिक करने से बाज आना चाहिए। उनका कहना है कि कुछ दिनों पूर्व राहुल गांधी ने कोरोना वैक्सीन पर भ्रम फैलाकर उत्तर प्रदेश के लाखों लोगों की जान को खतरे में डालने का काम किया था। जबकि हकीकत यह है कि राज्य में टीकाकरण हो रहा हैं। तो अब कांग्रेस के नेता कोरोना संक्रमण को नियंत्रित करने व जीवन रक्षक दवाओं, ऑक्सीजन की उपलब्धता पर सरकार के दावे को लेकर सवाल खड़ा कर रहे हैं।

यहीं नहीं कांग्रेस के नेता अब सूबे के ग्रामीण व कस्बाई इलाकों में कोरोना से संक्रमित व्यक्ति की तलाश और उनके उनका इलाज कराने के लिए चलाए जा रहे उस अभियान पर सवाल खड़ा कर रहे हैं जिसे अंतर्राष्ट्रीय संस्था डब्लूएचओ ने सराहा है। सुरेश खन्ना के अनुसार वास्तव में कांग्रेस के नेता कोरोना पीड़ित की मदद करने के बजाए घर में बैठकर अब सिर्फगैर जिम्मेदारी भरे बयान देने के अलावा कोई कार्य नहीं कर रहे हैं। इस पार्टी के नेताओं के जनता से दूर रखकर सिर्फसरकार के खिलाफ बयान देने वाले चरित्र के चलते ही जनता कांग्रेस को देशभर में नकार रही हैं। इसके बाद भी इस पार्टी ने नेताओं का गैरजिम्मेदारी वाला रवैया खत्म नहीं हो रहा हैं। सुरेश खन्ना ने कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू को सलाह दी है कि वह रोज झूठे बयान देने के बजाए कोरोना पीड़ितों की मदद करें।

लाल जी टण्डन फाउण्डेशन के अध्यक्ष व मंत्री आशुतोष टण्डन ने कोरोना मरीजों की निशुल्क सेवा के लिए एक कोशिश ऐसी भी संस्था की अध्यक्ष वर्षा वर्मा को एम्बुलेंस भेंट की

झूठे आंकड़ों व पीआर के बल पर सरकार ने हासिल की डब्लूएचओ की प्रशंसा: लल्लू

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कोरोना संक्रमण को नियंत्रित करने व जीवन रक्षक दवाओंए ऑक्सीजन की उपलब्धता पर सरकार के दावे पर तीखा हमला करते हुए कहा राज्य सरकार के सभी दावे हेराफेरी वाले हैं। आंकड़ों में हेराफेरी करने वाले मुख्यमंत्री की प्रशंसा करने वाले रक्षा मंत्री को क्या अपनी संसदीय सीट लखनऊ सहित प्रदेश भर के शमशानों में चिताओं से उठती लपटे नही दिखाई दी, बिना ऑक्सीजन व बिना दवाओं से होती मौतें उन्हें क्यों नही दिखाई देती है, रक्षा मंत्री जिस तरह मुख्यमंत्री की तारीफ कर रहे हैं उससे साबित होता है मानवीय संवेदना का उनसे कोई सम्बन्ध नहीं है।

लल्लू ने कहा कि ग्रामीण व कस्बाई इलाकों में फर्जी जांच व गुमराह कर राज्य सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय संस्था डब्लूएचओ से पीआर के बल पर प्रशंसा प्राप्त की है जबकि जमीनी सच्चाई यह है कि उत्तर प्रदेश में न वैक्सीन है, न ऑक्सीजन है, न दवाई, फिर भी उसके झूठे दावे में कोई कमी नहीं आ रही है। सरकार की लापरवाही के कारण लाशों के ढेर लगे हैं और लाशों की मीनार खड़ी कर वह प्रशंसा प्राप्त कर रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि गांव, कस्बो में कोरोना के सिम्टम्स लगातार मौतें हो रही है, मां गंगा की जलधारा अपनो के शव समेटने को विवश है वहीं लाशों की मीनार खड़ी कर सरकार अपना रेडकारपेट स्वागत कराने में व्यस्त है।

कोरोना को संयम, अनुशासन व हिम्मत से ही परास्त कर सकते हैं

● बीजेपी क्षेत्रीय अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं से किया वर्चुअल संवाद

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बीजेपी अवध क्षेत्र के अध्यक्ष शेष नारायण मिश्र ने अवध क्षेत्र के पदाधिकारियों की एक वर्चुअल बैठक में उन्होंने कहा कि संयम, अनुशासन एवं हिम्मत से ही कोरोना महामारी को परास्त कर सकते हैं। जिस तरह हम सबने मिलकर कोरोना की पहली लहर का डटकर मुकाबला कर उस लहर को परास्त किया था। उसी तरह हमे बिना डरे व हिम्मत हारे कोरोना की दूसरी लहर को भी परास्त करना होगा। देश व प्रदेश की सरकार अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए कोरोना की दूसरी लहर को भी परास्त करने में तेजी से अग्रसर हैं। हमें भी सकारात्मक रहते हुए सरकार द्वारा जारी गाइड लाइन का सख्ती से पालन करना चाहिए। श्री मिश्र ने कहा कि भाजपा की सरकारें व कार्यकर्ता जिस तरह से कोरोना पीड़ितों की मदद करने को कटिबद्ध है। प्रदेश के सीएम अपनी कुशल नेतृत्व क्षमता को दर्शाते हुए कोरोना को शीघ्र नियंत्रण में लाने का जो सफल प्रयास कर रहे है। ऑक्सीजन व अन्य उपकरणों की कालाबाज़ारी पर रोक लगाकर दोषियों को गिरफ्तार कर आम जनता को अधिक से अधिक मदद पहुँचाने का कार्य भी प्रदेश सरकार कर रही है। मीडिया प्रभारी राजेश मिश्र ने बताया कि अवध क्षेत्र के अध्यक्ष ने भाजपा के सभी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से कोरोना पीड़ितों व उनके परिवारों की मदद करने का आवाहन करते हुए कहा कि नर सेवा नारायण सेवा को चरितार्थ करते हुए पूरे मनोयोग से इस पुनीत कार्य में लग जाएं यही भारतीय जनता पार्टी की पहचान है।

अफवाह फैलाना कांग्रेस के डीएनए में: राधा मोहन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बीजेपी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व प्रदेश प्रभारी राधा मोहन सिंह ने मंगलवार को कहा कि अफवाह फैलाना कांग्रेस के डीएनए में है। जब-जब देश पर विपत्ति आई कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने विपदा से निकलने में सहयोग की बजाय लोगों को भड़काने, गुमराह करने और अफ्वाह फैलाकर देश को अशांति की ओर ले जाने का ही काम किया है। कुछ कांग्रेसी नेताओं को छोड़ दें तो आज कोविड की महामारी में भी नकली गांधी एंड कंपनी दिन-रात इसी अभियान में लगी है। उन्होंने कहा यह दुःख का विषय है कि मानव इतिहास की सबसे बड़ी त्रासदी में से एक कोविड संक्रमण से उत्पन्न इस विषम परिस्थिति में भी देश में राजनीति हो रही है। राधा मोहन सिंह ने कहा कि जब दुनिया के तमाम देश भारत की मदद के लिए संसाधन भेज रहे हैं तो कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, उनके बेटे राहुल गांधी, बेटी प्रियंका वाड्रा और कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्री सहयोग की भावना को भूलकर व्यवस्था को बिगाड़ ही रहे हैं। ऐसे प्रदेशों में भी वे अपनी हरकतों से माहौल खराब कर रहे हैं जहां पर उनकी सरकारें हैं। इससे वहां स्थितियां और भी खराब हो रही हैं। उन्होंने कहा कि कोविड टीकाकरण अभियान को भी कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने नहीं छोड़ा। जब टीका बना तो उसे बेकार बताने के लिए न जाने कितने ही जतन कांग्रेस व उनकी पिछलग्गू पार्टियों ने किया। कोविड टीके को लेकर जनता को भ्रमित किया, खुद भी भ्रम में रहे। अब वे इसे लेकर अफवाह फैला रहे हैं। श्री सिंह ने कहा कि यह आपदा का समय है उन्हें लोगों को संबल देना चाहिए न कि लोगों की फिक्र बढ़ाने वाला काम करना चाहिए। बड़े दुःख की बात है कि कांग्रेस सहित तमाम विपक्षी दल यही कर रहे हैं। उन्हें जनता की पीड़ा में अपनी राजनीतिक रोटी सेंकनी है। उन्होंने अपील की कि अभी भी समय है विपक्षी दल राजनीति छोड़कर कोविड की आपदा से प्रभावित लोगों की मदद करें।

रीति रिवाज से नहीं हो पा रहा है मरने वालों का अंतिम संस्कार: संजय सिंह

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आम आदमी पार्टी के यूपी प्रभारी और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि योगी सरकार में मरने वालों का अंतिम संस्कार रीति रिवाज के अनुसार नहीं हो पा रहा है। कानपुर में गंगा के किनारे 1000 से ज्यादा शवों को दफनाया जा चुका है। गंगा किनारे का हाल काफी डरावना हो गया है। हर दूसरे कदम पर एक शव को दफना दिया गया है। गाजीपुर जनपद में गंगा घाट के किनारे नदी से बहकर आई लाशों का अंबार लगा पाया गया। गंगा के घाट पर शवों की बदबू से लोग परेशान हो रहे हैं। कानपुर, उन्नाव, गाजीपुर में बहती हुई लाशें बता रही है कि योगी सरकार में कोरोना से मरने वालों का अंतिम संस्कार नहीं हो पा रहा है। उन्हें लावारिस बताकर नदी, नालों में फेंक दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गंगा का जलस्तर के बढ़ने से किनारे पर दफनाए गए शव बहते हुए नदी में मिल जाएंगे, जिससे संक्रमण का खतरा और ज्यादा बढ़ जाएगा। सरकार इस महामारी में लोगों को राहत नहीं मुहैया करा पा रही बल्कि झूठे आंकड़े पेश कर जनता को गुमराह कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अंतिम संस्कार के लिए प्रति व्यक्ति 5000 खर्च करने का प्रावधान किया हुआ है, लेकिन इन घटनाओं से स्पष्ट है की सरकार कागजों पर काम कर रही है जमीन पर कोई काम नहीं हो रहा है।

प्रदेश में चिकित्सा व्यवस्था पूरी तरह से ठप हो चुकी है। मुख्यमंत्री झूठे आंकड़े और बयानबाजी कर जनता को गुमराह कर रहे है। कोरोना का कहर उत्तर प्रदेश में जारी है। हालात बहुत भयावह हो चुके हैं। सरकार लोगों को ऑक्सीजन, बेड उपलब्ध नहीं करा पा रही है और न ही कोई उचित इलाज की व्यवस्था कर पा रही। गांव गांव में कोरोना फैल चुका है। इलाज के अभाव में लोग तड़प तड़प कर दम तोड़ रहे हैं।

सभी पुलिस लाइन व पीएसी में बने कोविड केयर सेंटर

● पुलिस महकमा अपने संसाधनों से कर रहा है ऑक्सीजन व अन्य जरूरी सुविधाओं से लैस इन सेंटरों का संचालन

● 1891 पॉजिटिव पुलिसकर्मियों का चल रहा है इलाज, पूरी तरह स्वस्थ होने के बाद 854 हो चुके हैं डिस्चार्ज

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

अपनी जान जोखिम में डालकर कोरोना संक्रमण के इस भीषण दौर में फ्रंट लाइन पर रहकर कानून व्यवस्था संबंधी ड्यूटी को अंजाम देने वाले पुलिस कर्मियों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को ध्यान में रखते हुए पुलिस विभाग ने प्रदेश की सभी पुलिस लाइन और पीएसी इकाइयों में कोविड केयर सेंटर स्थापित किए गए हैं। संक्रमित पुलिसकर्मी सीधे संबंधित पुलिस लाइन में जाकर भर्ती हो रहे हैं और उनको चिकित्सकों और पैरामेडिकल स्टॉफ की मौजूदगी में समुचित इलाज मुहैया कराया जा रहा है।

राज्य के एडीजी कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार ने मंगलवार को बताया कि पुलिस मुख्यालय द्वारा कोरोना के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए इन गंभीर परिस्थितियों में पुलिसकर्मियों के अनवरत कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए किए जा रहे परिश्रम के कारण संक्रमित हो जाने के दृष्टिगत पुलिस लाइनोंए पीएसी इकाइयोंए जीआरपी और प्रशिक्षण केंद्रों पर अपने संसाधनों तथा पुलिस मुख्यालय द्वारा प्रदत्त बजट का उपयोग करते हुए पुलिसकर्मियों के इलाज के लिए कोविड केयर सेंटर का निर्माण करने के निर्देश दिए गए थे। इन निर्देशों के अनुपालन में लगभग सभी जिलों व पुलिस इकाइयों द्वारा पुलिस लाइनों के पुलिस अस्पतालों विशेष बैरको तथा भवनों को कोविड केयर सेंटर के रूप में स्थापित करते हुए उसमें कोरोना के प्राथमिक उपचार से संबंधित सभी सुविधा जैसे बेड, स्ट्रेचर, बीपी मशीन, ऑक्सीजन सिलेंडर, सैनिटाइजर, पल्स ऑक्सीमीटर, थर्मामीटर जैसे उपकरणों तथा आवश्यक औषधियों का इंतजाम किया गया है। सभी कोविड केयर सेंटर में विशेष तौर पर जहां ऑक्सीजन का इलाज है, मरीजों की देखभाल सरकारी डॉक्टरों द्वारा नियमित रूप से किया जा रहा है तथा यथासभव चिकित्सा कर्मी भी उपस्थित रहते हैं। सभी सेंटरों पर प्रशिक्षित पुलिसकर्मियों को 24 घंटे ड्यूटी पर तैनात किया गया है जिनके द्वारा मरीजों की देखभाल की जा रही है। केवल 12 जनपद ऐसे हैं जहां बैरकों में वैकल्पिक व्यवस्था की गई है अन्यथा सभी जगहों पर उचित व्यवस्थाएं कर दी गई हैं। एडीजी ने बताया कि जनपद मुख्यालय व विभिन्न पुलिस इकाइयों से मिली जानकारी के अनुसार इन अस्पतालों में अब तक 2,365 बेड का इंतजाम अपने संसाधनों द्वारा किया गया है।

इंजेक्शन व दवाओं की कालाबाजारी में अब तक 146 लोग गिरफ्तार

● अप्रैल से अब तक यूपी 112 पर एक लाख से अधिक लोगों ने कॉल कर मांगी मेडिकल हेल्प

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना की गम्भीरता से निपटने के लिए जहां जिला पुलिस अपने सम्पूर्ण प्रयास कर रही है वहीं यूपी .112 के पीआरवी वाहनों ने भी कानून.व्यवस्था सम्बन्धी सूचनाओं पर कार्रवाई करने के साथ.साथ जनता की सेवा करने में कमी नहीं छोड़ी है। पहली अप्रैल 2021 से अब तक कुल 1 लाख 145 लोगों ने यूपी 112 पर कॉल करके चिकित्सा सम्बन्धी सहायता मांगी है। एडीजी कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार ने कहा कि जिस पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस द्वारा मौके पर पहुंचकर यथासम्भव स्वयं सहायता की गई अथवा एम्बुलेंस को सूचित कर मदद करवाई गई। एडीजी ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा सम्पूर्ण प्रदेश में लॉकडाउन लगाने के पश्चात कुल 30 हजार 272 लाउडहेलर, लाउडस्पीकरों का प्रयोग करते हुए पुलिस द्वारा जनता को कोरोना को हराने का आह्वान करते हुए लॉकडाउन का पालन करने के लिए कहा जा रहा है। वर्तमान में प्रदेश में कुल. 51 हजार 284 कन्टेनमेंट जोन है तथा 73,891 बैरेकेडिंग लगायी गयी है जिन पर 37 हजार 812 पुलिस कर्मियों द्वारा निगरानी की जा रही है जिससे इन कन्टेनमेंट जोन के निवासी संक्रमण का फैलाव न कर सकें। पुलिस की इन कार्रवाई तथा जनता के सहयोग से सकारात्मक परिणाम दिखाई दे रहे हैं तथा उत्तर प्रदेश में कोरोना संक्रमितों की संख्या लगातार घट रही है। एडीजी कानून व्यवस्था ने बताया कि वर्तमान समय में कोरोना बीमारी से निपटने के लिए जहां शासन द्वारा सभी उपाय किये जा रहे है वहीं कतिपय समाजद्रोही इस आपदा के समय में भी जीवनरक्षक औषधियों ए ऑक्सीजन सिलेण्डरों तथा चिकित्सीय उपकरणों की कालाबाजारी जैसा घृणित कार्य कर रहे है। उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा शासन के निर्देशानुसार ऐसे अपराधियों पर लगातार कार्रवाई करते हुए अब तक कुल 146 व्यक्तियों को गिरफ्तार करते हुए 1253 जीवनरक्षक इंजेक्शन, 1337 ऑक्सीजन सिलेण्डर 18 ऑक्सीजन कन्संट्रेटर, 844 ऑक्सीमीटर तथा अन्य उपकरणों सहित कालाबाजारी से प्राप्त 62 लाख 33 हजार 710 रु. बरामद किए गए हैं। सभी जनपदों के कप्तानों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि ऐसे सभी अपराधियों पर जो कालाबाजारी करते गिरफ्तार किए गए हैं, उनके विरुद्ध परीक्षणोपरान्त एनएसए एवं गैंगस्टर कानून के तहत कठोर कारवाई की जाए।

कार्यालय - नगर पालिका परिषद खलीलाबाद, जनपद- संतकबीरनगर।

पत्रांक- 1827/न0पा0 दिनांक- 11-05-2021

अति अल्पकालिक ई-टेण्डर सूचना

नगर पालिका खलीलाबाद को 15वां वित्त आयोग के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि से निर्माण/आपूर्ति कार्य हेतु आन लाइन निविदा आमंत्रित किया जाता है, आन लाइन निविदा दिनाक 22-05-2021 को 01.00 बजे तक कार्यालय में प्राप्त करायी जायेगी। आन लाइन निविदा दिनांक 22-05-2021 को अपरान्ह 04.00 बजे से निविदा समिति द्वारा खोली जायेगी निविदा उत्तर प्रदेश की ई-प्रक्योरमेन्ट की वेबसाइट htt://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। नगर पालिका परिषद खलीलाबाद सीमान्तर्गत फर्म को ही वरीयता दी जायेगी। नियम एवं शर्तों की विस्तृत जानकारी के लिए किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय में उपस्थित होकर अवलोकन कर सकते है।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद खलीलाबाद, संतकबीरनगर।

सात राजकीय अस्पतालों में लगेंगे ऑक्सीजन प्लांट : डीएम

● एक माह में शहर के अस्पतालों में प्लांट लगाने का काम हो जाएगा पूरा

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

वैश्विक महामारी कोरोना वायरस की दूसरी लहर से संक्रमित 99 प्रतिशत लोगों को ऑक्सीजन की आवश्यकता पड़ रही है। इसे देखते हुए वाराणसी के सरकारी अस्पतालों में एक के बाद एक ऑक्सीजन प्लांट लगाने का काम तेज गति से चल रहा है। सबसे पहले बनारस के उद्योगपति के सहयोग से पंडित दीन दयाल अस्पताल में ऑक्सीजन प्लांट लगाया गया। उसके बाद रामनगर के लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल में ऑक्सीजन प्लांट लगा। वहीं सोमवार को इज़राइल से वाराणसी पहुंचे ऑक्सीजन प्लांट को हॉस्पिटल में इंस्टाल करके चालू कर दिया गया है। इस दौरान वहां पर जिलाधिकारी कौशल राज शर्मा मौजूद रहे।

उन्होंने बातचीत में कहा कि आने वाले एक महीने में प्रधानमंत्री की प्रेरणा और निर्देशन में वाराणसी शहर के सातों सरकारी अस्पताल ऑक्सीजन के लिए आत्मनिर्भर हो जाएंगे। जिलाधिकारी ने बताया कि वाराणसी के ईएसआई हॉस्पिटल में ऑक्सीजन जनरेशन का नया प्लांट शुरू हो गया हैए जो कल यहां पहुंचा था। इसका इंस्टालेशन हो गया है और आज इससे उत्पादन भी शुरू हो गया है। ये 500 एलपीएम का प्लांट है, जो इज़राइल से भारत को मिला है।

इज़राइल से भारत को 4 प्लांट मिले हैं। भारत सरकार और प्रधानमंत्री के विशेष प्रयासों से चार में से एक प्लांट वाराणसी को मिला है और 24 घंटे में ही इसे इंस्टाल करके शुरू कर दिया गया है।

उन्होंने बताया कि इज़राइल की टेक्नोलॉजी पर बना हुआ यह प्लांट कंटेनर में बंद है। सारे कम्पोनेनेट्स एक जगह लगे होने की वजह से ये स्थान नहीं घेरता है। डीएम के अनुसार ये 500 एलपीएम का प्लांट 100 बेड के लिए ऑक्सीजन उपलब्ध कराएगा। वर्तमान में यहाँ 60 बेड का कोविड हॉस्पिटल संचालित किया जा रहा है। उन 60 बेड़ों पर अब सीधे इस प्लांट द्वारा पाइप लाइन से ऑक्सीजन मिल जायेगीए जिससे यहाँ पड़े हुए ऑक्सीजन सिलेंडर खाली हो जायेंगे, जिसे हमें पब्लिक के यूज़ में होम आइसोलेशन में रह रहे लोगों को उपलब्ध करवाएंगे। जिलाधिकारी ने बताया कि इसी प्रकार से वाराणसी में यह तीसरा प्लांट है, जो प्रधानमंत्री के दिशा निर्देशन में यहाँ स्टाल हुआ है। इसे मिलाकर 1250 एपीएम की कैपसिटी हमने वाराणसी में क्रिएट कर ली है और 215 बेड़ों पर हम सीधे ऑक्सीजन दे पा रहे हैं। इसी हफ्ते आयुर्वेदिक कालेज में भी ऑक्सीजन प्लांट इंसटाल हो जायेगा। हम इस महीने के अंत तक 5 ऑक्सीजन प्लांट इंस्टॉल कर लेंगे। अगले महीने में सारे सातों अस्पताल उसमे कवर हो जायेंगे।

तालाब में बुजुर्ग की लाश मिलने से हड़कंप

चंदौली। सैयदराजा थाना क्षेत्र के नगर पंचायत कार्यालय के पास तालाब में मंगलवार की सुबह एक वृद्ध की लाश उतराई हुई मिली। वृद्ध की उम्र 80 वर्ष के आसपास है। अभी तक शव की शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस के अनुसारए सैयदराजा नगर पंचायत के बगल में स्थित तालाब में मंगलवार की सुबह एक अज्ञात वृद्ध की लाश उतर आई हुई मिली। तालाब में शव देखने के बाद आसपास लोगों की भारी भीड़ जुट गई। लोगों की सूचना पर पहुंची सैयदराजा पुलिस ने शव को तालाब से बाहर निकलवाया।उसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय चंदौली भेज दिया। वृद्ध व्यक्ति की शिनाख्त स्थानीय निवासी श्यामनारायण के रूप में हुई । वहीं स्थानीय लोगों ने बताया कि ऐसा लगता है कि बुजुर्ग शौच के बाद तालाब पर आए होंगे जहां सीढ़ियों से पैर फिसलने के बाद वे गहरे पानी में चले गए और डूब कर उनकी मौत हो गयी ।

पीडीडीयू जंक्शन से होकर गुजरी हैं 36 लोडेड ऑक्सीजन एक्सप्रेस

● अब तक पूर्व मध्य रेल के रास्ते बोकारो से लखनऊ के लिए 15 तथा बरेली के लिए तीन ऑक्सीजन एक्सप्रेस ट्रेनें चलाई गईं

संवाददाता। मुगलसराय

रेलवे की ओर से ऑक्सीजन एक्सप्रेस के माध्यम से देश के विभिन्न इलाकों में ऑक्सीजन आपूर्ति का सिलसिला जारी है। 19 अप्रैल से अब तक पंण् दीनदयाल उपाध्याय रेलवे स्टेशन से 36 लोडेड ऑक्सीजन एक्सप्रेस गुजर चुकी है। पंण् दीनदयाल उपाध्याय रेल मंडल की ओर से ऑक्सीजन एक्सप्रेस को सुरक्षित ढंग से गंतव्य तक पहुंचाने पर जोर दिया जा रहा है।

पूर्व मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी राजेश कुमार ने बताया कि देश के विभिन्न राज्यों में ऑक्सीजन एक्सप्रेस ट्रेनों को चलाने के भारतीय रेलवे के प्रयासों को गति देते हुए पूर्व मध्य रेल की ओर से कोविड के खिलाफ संयुक्त जंग को मजबूती प्रदान की जा रही है। कोविड मरीजों और उनके परिवारों को राहत देने के लिए लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन के परिवहन के लिए 19 अप्रैल से अब तक पूर्व मध्य रेल के पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शनए गयाए डॉल्टेनगंजए टोरी सहित अन्य स्टेशनों से होते हुए देश के विभिन्न राज्यों को जाने वाली 36 लोडेड ऑक्सीजन एक्सप्रेस ट्रेनें चलाई गई हैं। अब तक पूर्व मध्य रेल के रास्ते बोकारो से लखनऊ के लिए 15 तथा बरेली के लिए तीन ऑक्सीजन एक्सप्रेस ट्रेनें चलाई गई हैं । इसी तरह दिल्ली में ऑक्सीजन की आपूर्ति के लिए पूर्व मध्य रेल होकर दुर्गापुर से नौ तथा टाटानगर से दिल्ली के लिए 05 ऑक्सीजन एक्सप्रेस चलाई गई। इसके साथ ही दुर्गापुर से वाराणसीए टाटानगर से लखनऊ आदि शहरों में लोडेड ऑक्सीजन एक्सप्रेस के जरिए तरल मेडिकल ऑक्सीजन का परिवहन किया गया। इससे कोरोना से संक्रमित रोगियों के लिये ऑक्सीजन की उपलब्धता बढ़ी है। बताया कि ऑक्सीजन एक्सप्रेस ट्रेनों को प्राथमिकता के आधार पर सुरक्षा उपायों के साथ चलाया जा रहा है। ट्रेनें तेज गति से चलेए इसके लिए रास्ते में ग्रीन कोरिडोर बनाया गया है। इससे बिना किसी रेड सिग्नल के यह ट्रेन जल्द से जल्द अपने गंतव्य तक पहुंच सके। बताया कि अभी लगातार ऑक्सीजन एक्सप्रेस चलती रहेगी।

कोरोना संक्रमण की रफ्तार जिले में हुई कम, मिले 100 संक्रमित रोगी

सोनभद्र। कोरोना वायरस कोविड–19 के तेजी से बढ़ रहे संक्रमण की रफ्तार में कमी आनी शुरु हो गयी है जो जिले के लिए राहत भरी खबर है। रविवार को आई रिपोर्ट में जनपद सोनभद्र में कुल 212 लोग पॉजिटिव पाए गए थे सोमवार को यह आकडा 172 का रहा। मंगलवार को 100 संक्रमित लोग मिले रविवार को कोविड–19 के संक्रमण से मुक्त होकर अपने घर वापस जाने वालों की सख्या 433 लोगों की थी जब की सोमवार को 353 लोग कोविड–19 के संक्रमण से मुक्त हो कर स्वस्थ हो गये। मंगलवार को 278 लोग संक्रमण से मुक्त हो कर स्वस्थ हो गये है। जनपद सोनभद के लिए राहत भरी खबर यह रही की प्रतिदिन कोविड–19 के संक्रमण से मिलने वाले लोगों की तुलना में ठीक होने वाले लोगों की संख्या अधिक है। जनपद मे जन जागरूकता संक्रमण के रोकथाम को लेकर किये जा रहे तमाम उपायों के बाद भी पिछले लगभग दो हफ्तों से तेजी से संक्रमण बढ रहा था। संक्रमण के चलते जनपद के आम लोगों मे कोविड–19 कोरोना वायरस के संक्रमण को लेकर डर का वातावरण बना हुआ था जिसपे थोडा विराम लगा है।

कमजोर इम्युनिटी वालों को हो रहा म्यूकोरमाइकोसिस संक्रमण

● यह एक दुर्लभ फंगल इन्फेक्शन है जो कोरोना काल में ज्यादा हो रहा है

●बेहद कम रोगप्रतिरोधक क्षमता और डायबिटीज के रोगियों को बना रहे हैं निशाना

संवाददाता। मीरजापुर

कोविड–19 की दूसरी लहर के बीच कई लोग म्यूकोरमाइकोसिस नाम के फंगल इन्फेक्शन की चपेट में आ रहे हैं। यह दुर्लभ फंगल इन्फेक्शन है जो किसी व्यक्ति की प्रतिरोधक क्षमता कम होने पर होता है द्य कोविड.19 और डायबिटीज के मरीजों के लिए यह इन्फेक्शन और ज्यादा खतरनाक साबित हो सकता है। इस संक्रमण को ृब्लैक फंगसष् के नाम से भी जाना जाता हैद्य

क्या है म्यूकोरमाइकोसिस

अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अजय ने बताया कि इंडियन काउन्सिल ऑफ मेडिकल रिसर्च आईसीएमआर द्वारा जारी एडवाइजरी के अनुसार म्यूकोरमाइकोसिस फंगल इंफेक्शन है जो शरीर में बहुत तेजी से फैलता है। म्यूकोरमाइकोसिस इंफेक्शन नाकए आँखए दिमागए फेफड़े या फिर स्किन पर भी हो सकता है। इस बीमारी में कई लोगों की आंखों की रोशनी तक चली जाती हैए वहीं कुछ मरीजों के जबड़े और नाक की हड्डी गल जाती है।

कोरोना मरीजों को ज्यादा खतरा

म्यूकोरमाइकोसिस आम तौर पर उन लोगों को तेजी से अपना शिकार बनाता है जिन लोगों में रोग प्रतिरोधक क्षमता बहुत कम होती है। कोरोना के दौरान या फिर ठीक हो चुके मरीजों का इम्यून सिस्टम बहुत कमजोर होता हैए इसलिए वह आसानी से इसकी चपेट में आ रहे हैं। खासतौर से कोरोना के जिन मरीजों को डायबिटीज है। शुगर लेवल बढ़ जाने पर उनमें म्यूकोरमाइकोसिस खतरनाक रूप ले सकता है।यह संक्रमण सांस द्वारा नाक के जरिये व्यक्ति के अंदर चला जाता हैए जिन लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होती हैए उनको यह जकड़ लेता हैद्य

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है . हल्के लक्षण दिखने पर जल्दी से डॉक्टर से संपर्क करेंद्य कोविड के रोगियों में अगर बार . बार नाक बंद होती हो या नाक से पानी निकलता रहेए गालों पर काले या लाल चकत्ते दिखने लगेंए चेहरे के एक तरफ सूजन हो या सुन्न पड़ जाएए दांतों और जबड़े में दर्दए कम दिखाई दे या सांस लेने में तकलीफ हो तो यह ब्लैक फंगस हो सकता है।

अतिक्रमण पर प्रशासन का चला बुल्डोजर

संवाददाता। सकलडीहा चन्दौली

शासन के निर्देश पर जिला प्रशासन द्वारा अवैध अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इस क्रम में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट पीपी मीणा और तहसीलदार डाण् वंदना मिश्रा के संयुक्त नेतृत्व में दस वर्षो से अवैध अतिक्रमण को हटाया गया। उधर ग्रामीणों ने तहसील प्रशासन के इस कार्रवाई को एक तरफा पक्षपात पूर्ण बताया। असवरिया गांव में अवैध कब्जा की शिकायत पर ज्वाइंट मजिस्ट्रेट प्रेमप्रकाश मीणा ने तहसीलदार सहित क्षेत्रीय राजस्व कर्मियों के नेतृत्व में टीम गठित कर मामले की जांच कराया था। इस क्रम में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट के नेतृत्व में तहसीलदार पुलिस फोर्स के साथ अवैध अतिक्रमण को जेसीबी लगाकर हटवाया। उधर ग्रामीणों का आरोप लगाया कि जिसके खिलाफ वर्षो से शिकायत किया जा रहा है। उसके खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय तहसील प्रशासन द्वारा एक तरफपक्षपातपूर्ण निर्णय लिया गया है। इस बाबत ज्वाइंट मजिस्ट्रेट प्रेमप्रकाश मीणा ने बताया कि दस वर्षो से चल रहे अवैध अतिक्रमण को हटाया गया। ग्रामीणों की शिकायत पर जांच किया जायेगा।

ट्रेन में महिला यात्री से छेड़खानी

मुग़लसराय । अप चंडीगढ़ सुपरफास्ट पूजा स्पेशल ट्रेन में रविवार की देर रात एक महिला यात्री ने सहयात्री पर छेड़खानी करने का आरोप लगाया। पीडीडीयू जंक्शन पर ट्रेन पहुंचने से पहले घटना हुई। पीड़िता ने स्थानीय जीआरपी को लिखित तहरीर दी। रिपोर्ट दर्ज कर जीआरपी ने आरोपित को जेल भेज दिया। महिला ने चादर खींचकर छेड़खानी का आरोप लगाया। वह आरा से चंडीगढ़ जा रही थी।पूजा स्पेशल ट्रेन के कोच संख्या बी.5 के बर्थ नंबर 20 पर चंडीगढ़ निवासी एक महिला यात्री सफर कर रही थी। उसी कोच के बर्थ नंबर 17 पर एक व्यक्ति यात्रा कर रहा था। महिला यात्री का आरोप है कि रात में लगभग 1ण्30 बजे ट्रेन जब पीडीडीयू जंक्शन पहुंचने वाली थी तभी सहयात्री उसकी चादर खींचने लगा। एक बार ऐसा करने पर महिला ने विरोध किया लेकिन सहयात्री नहीं माना और फिर चादर खींचने लगा। इसके बाद महिला यात्री शोरगुल मचाने लगी।

तेज आँधी और पानी से चरमराई विद्युत व्यवस्था

संवाददाता। बीजपुर/सोनभद्र

पिपरी से म्योरपुर नधिरा बभनी व बीजपुर सब स्टेशन को आने वाली 33 हजार की लाईन में फाल्ट आने के बाद सोमवार से ही विद्युत व्यस्था चरमरा गई है। एक तरफ जहाँ ग्रामीण इलाके में बिजली आपूर्ति ठप्प होने के कारण सैकड़ों गाँवो में अंधेरा पसरा पड़ा है वहीं दूसरी तरफ पेयजल आपूर्ति भी चरमरा गई है। जानकारी के अनुसार पिछले हफ्ते से ही आये दिन आँधी पानी के कहर से बिजली आपूर्ति बदहाल चल रही है। इसी बीच सोमवार की रात आए आँधी पानी ने भयंकर तवाही मचाई। कई जगह बड़े बड़े पेड़ उखड़ने और डाल टूटने के कारण पिपरी से आने वाली 33 हजार की लाईन में फाल्ट आ गया जिसके कारण चारो सब स्टेशन से जुड़े सैकड़ों गाँवों में अंधेरा छा गया। बिजली आपूर्ति लड़खड़ाने के बाद ग्रामीण इलाके में पेयजल की समस्या बढ़ गयी है तो लाइन न होने के कारण मोबाइल बन्द हो गए हैं।बिजली से संचालित तमामं उपकरण कबाड़ में तब्दील हो गए हैं। इस बाबत जानकारी लेने विभाग के कर्मियों द्वारा बताया गया कि म्योरपुर के जंगल मे कहीं फाल्ट आ गया है लाइनमैन युद्धस्तर पर लगाये गए हैं जिससे जल्द बिजली आपूर्ति बहाल हो जाने की संभावना है। वहीं स्थानीय लाइनमैन ने बताया कि 33 हजार के अलावा 11 हजार की ग्रामीण लाइन में भी फाल्ट आया है। जब तक सब स्टेशन चार्ज नही होगा तब तक गाँवों में कहाँ फाल्ट हुआ है बताना सम्भव नही हैं। इस बाबत अवर अभियंता महेश कुमार ने बताया कि जंगल मे पेड़ गिरने से कही पोल टूट गए हैं तो कहीं इंसुलेटर टूट गया।

सप्तसागर मंडी में स्थानीय लोगों ने किया पुलिस चौकी निर्माण का विरोध

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

सुरक्षा एवं शान्ति व्यवस्था के लिए वाराणसी पुलिस कमिश्नरेट के अंतर्गत आने वाले थानाक्षेत्र के सप्तसागर मंडी में पुलिस चौकी के निर्माण को लेकर स्थानीय लोगों ने विरोध शुरू कर दिया है। स्थानीय लोगों ने मंगलवार को निर्माणाधीन चौकी के सामने प्रदर्शन किया और कहा कि यह होलिका स्थल है जहां अनावश्यक रूप से चौकी बनायी जा रही है। इस सम्बन्ध में मध्यमेश्वर वार्ड के पार्षद भईया लाल यादव ने बताया कि यहां एक पुलिस चौकी बनायी जा रही है। उन्होंने बताया कि जिस स्थान पर पुलिस चौकी बनायी जा रही है उसके सम्बन्ध में हमने चौकी इंचार्ज सप्तसागर से बात कि थी कि ये होलिका का स्थान है तो उन्होंने कहा था कि आप स्थानीय लोगों से बात कर लें यदि वो कह देंगे तो चौकी नहीं बनेगी पर कार्य शुरू करवा दिया गया है। हम किसी भी कीमत पर यहां चौकी नहीं बनने देंगे।

वहीं क्षेत्र की निवासी भाजपा महिला मोर्चा की महानगर उपाध्यक्ष मीना यादव ने कहा कि यहां पर वर्षों पुरानी होलिका जलती आ रही है। इसपर पुलिस ज़बरदस्ती चौकी बनवा रही है। ये आस्था के साथ खिलवाड़ है। बिना स्थानीय लोगों को बताये धार्मिक आस्था के इस स्थल पर पुलिस चौकी का निर्माण पूरी तरह से अवैध है और हम नहीं बनने देंगे। उन्होंने कहा कि जब एक किलोमीटर से भी कम के एरिया में मैदागिन पर पुलिस चौकी है तो यहां चौकी बनाये जाने का क्या तात्पर्य है। यह सैंकड़ों लोगों की आस्था से खिलवाड़ है।

नव निर्वाचित प्रधान समेत चार संक्रमितों की मौत

संवाददाता। मऊ

भले ही सरकारी आंकड़ों में जिले में कोरोना के नए संक्रमितों की संख्या में कमी हो रहा हो, लेकिन मौत की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। मंगलवार विभिन्न कोविड अस्पतालों में उपचार के दौरान नव निर्वाचित ग्राम प्रधान समेत चार कोरोना संक्रमितों की मौत हो गया। लगातार कोरोना संक्रमितों की मौत से स्थानीय लोगों में काफी दहशत है। उधर जिला प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग ने दावा किया है कि कोरोना से बचाव को लेकर वृहद अभियान चलाया जा रहा है।

कोईरियापार संवाद सूत्र के अनुसार मुहम्मदाबाद गोहना ब्लाक क्षेत्र के फरीदपुर धर्मा के नवनिर्वाचित ग्रामप्रधान की करोना के संक्रमण होने से इलाज के दौरान सोमवार की रात हो गया। इससे क्षेत्र में कोहराम मच गया। ब्लॉक क्षेत्र के फरीदपुर धर्मा निवासी 44 वर्षीय नव निर्वाचित ग्राम प्रधान की चुनाव प्रचार से ही तबीयत काफी खराब चल रहा था। सोमवार को अचानक उनकी हालत गंभीर होने के कारण परिजनों ने आजमगढ़ मे एक प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराएं थे। जहां पर देर रात उनकी मौत हो गया। मौत की खबर लगते ही क्षेत्र में कोहराम मच गया। साथ ही साथ ग्राम वासियों में मायूसी छा गया। उधर कोपागंज संवाद सूत्र के अनुसार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार ने बताया एल.1 अस्पताल में इलाज करा रहे दो वृद्ध महिलाओ सहित एक वृद्ध की मंगलवार को इलाज के दौरान मौत हो गया। सूरजपुर निवासी एक 58 वर्षीय वृद्ध महिला पांच दिनों से बीमार चल रहा था। 6 मई को जिला अस्पताल में टेस्टिंग के दौरान पॉजिटिव आने पर कोपागंज स्थित एल .1 बापू आयुर्वेदिक हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। इसके अलावा गंगयापार निवासी एक 60 वर्षीय वृद्ध महिला 7 मई दिन शनिवार को एल .1 हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। वहीं मधुबन के ग्राम सभा सितवा निवासी 59 वर्षीय एक वृद्ध जो मंगलवार को भर्ती हुआ था। तीनों का मंगलवार को इलाज के दौरान मौत हो गयी।

जांच के बाद 66 मिले नए कोरोना संक्रमित, 6554 हुए स्वस्थ

मऊ । कोविड काल के दौरान एक सप्ताह से कोरोना संक्रमितों की संख्या तो घट रही हैए लेकिन संक्रमण से होने वाली मौत में लगातार इजाफा हो रहा है। मंगलवार को जांच के बाद 66 नए संक्रमित पाए गए। जबकि कोरोना संक्रमण में अब तक 50 लोगों की मौत हो चुका है। उधर अब तक 6554 लोग स्वस्थ भी हो चुके हैं। वहीं दूसरी तरफ कोरोना के बढ़ते संक्रमण को रोकने के लिए स्वास्थ्य विभाग एवं जिला प्रशासन द्वारा लगातार युद्ध स्तर पर अभियान चलाया जा रहा है। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. सतीश चंद्र सिंह ने बताया कि जांच के बाद आई रिपोर्ट में 66 लोग कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। हालांकि शासन के निर्देश पर जिले में साप्ताहिक लॉक डाउन के साथ ही रात्रि कालीन कर्फ्यू का काफी सख्ती के साथ पालन कराया जा रहा है। बावजूद इसके जिले में कोरोना पाजिटिव मरीजों के आने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. सतीश चंद्र सिंह ने बताया कि अब तक 183212 लोगों का नमूना लैब भेजा गया है, इसमें 180345 लोगों की रिपोर्ट प्राप्त हो चुकी है।

मुख्तार अंसारी ने कूलर व बेड के लिए अदालत से लगाई गुहार

मऊ। सदर विधायक मुख्तार अंसारी के अधिवक्ता दारोगा सिंह द्वारा दिए गए ऑन लाइन आवेदन पत्र पर मंगलवार को प्रभारी मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्वेता चौधरी ने जेल अधीक्षक बांदा को आदेशित किया है कि वे जेल मैनुअल व विधिक प्राविधान के अनुसार आवेदक के आवेदन पर कार्रवाई सुनिश्चित करे। साथ ही साथ जेल मैनुअल के अनुसार ही उनके अधिवक्ता को मिलने हेतु जेल अधीक्षक को निर्देश दिया है।

बताते चलें कि सदर विधान सभा के बाहुबली विधायक मुख्तार अंसारी विभिन्न मामलों में वर्तमान समय में बांदा जेल में निरुद्ध हैं।

मण्डलायुक्त ने बेहतर स्वास्थ सुविधाओं के लिए की वर्चुअल मीटिंग

संवाददाता। मीरजापुर

मण्डलायुक्त योगेश्वर राम मिश्र ने मण्डल के तीनो जनपदो के जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, अपर निदेशक चिकित्सा, मुख्य चिकित्साधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, डॉ सुनीता दूबे के साथ कोविड–19 एवं स्वास्थ सुविधाओ पर वर्चुअल मीटिंग की। कोरोना संक्रमण के इस काल मे मण्डलायुक्त ने टेली मेडसिन सुविधा पर जोर दिया जिससे जनता को घर बैठे ही फोन पर उपचार का लाभ मिल सके तथा वे अस्पताल तक पहुँचने की आवागमन के संक्रमण की सम्भावनाओ से सुरक्षित रह सके। मण्डलायुक्त ने मण्डल के तीनो जनपदो के जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी एवं मुख्य चिकित्साधिकारी से एक–एक कर जनपद के कोविड–19 एवं स्वास्थ सुविधाओ की उपलब्धता पर चर्चा किया। जिलाधिकारी मीरजापुर श्री प्रवीण कुमार लक्षकार ने बेहतर स्वास्थ सुविधा के लिये मैन पावर को बढ़ाने की दिशा मे रेडियोलाजी, एनेस्थेटिक आदि स्वास्थकर्मियो को संविदा पर रखे जाने की पहल की। मुख्य विकास अधिकारी सोनभद्र डा0 अमित ने बताया कि एल–2 मे जो गम्भीर मरीज है उनको टेली मेडिसिन के द्वारा स्पेशलिस्ट डॉक्टर टीम से चर्चा कर उपचार किया जाये। एल–2 अस्पताल की संख्या बढ़ायी जाये तथा टेली मेडिसिन मे जुडे स्पेशलिस्ट डाक्टर समर्पण भाव से मरीजो की समस्ओ को सुने साथ ही बेहतर उपचार की जानकारी दे। मण्डलायुक्त ने कोविड–19 की रोकथाम के लिये आशा बहू, स्वयं सहायता समूह, ग्रामीण समितियो आदि द्वारा घर–घर अभियान के तहत कांटेक्ट टेस्टिंग पर बल दिया तथा घरो मे आइसोलेट मरीजो को दवाईयो की किट उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। कोविड–19 की विपदा की इस घड़ी मे मण्डलायुक्त महोदय जनता को स्वास्थ सुविधाये उपलब्ध कराने हेतु काफी सजग एवं सचेत है इसी संदर्भ मे कुछ दिन पूर्व ही वे स्वयं दूरभाष पर कई डाक्टरो से वार्ता कर उनकी उपस्थित की जॉच की। इसी दिशा मे कल जिलाधिकारी मीरजापुर ने स्वयं एवं एक निरीक्षण टीम बनाकर जनपद के 17 स्वास्थ केन्द्रो का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी द्वारा एम्बुलेंस वाहनो का भी दर निश्चित किया गया है। मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा कोरोना संक्रमित मरीजो हेतु निजी अस्पतालो को भी अधिकृत किया गया है एवं टेली मेडसिन सुविधा के लिये डाक्टरो के नाम और उनका मोबाइल नम्बर जारी किया गया है। मण्डलायुक्त ने सी0एस0आर0 के तहत लोगो को स्वास्थ सेवा हेतु सहायता के लिये प्रेरित किया। उन्होने कहा कि मण्डल के तीनो जनपदो मे आक्सीजन सिलेण्डर, आई0सी0यू0 बेड, स्पेशलिस्ट डाक्टर टीम, जीवन रक्षक दवाये, वैक्सीन आदि उपलब्ध है।

भैयाजी बनारसी की 108वीं जयंती मनाई गई

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

प्रान्तीय संगठन उत्तर प्रदेश भोजपुरी संघ द्वारा मूर्धन्य साहित्यिक और ख्यात पत्रकार श्रदेय मोहनलाल गुप्त ष्भैयाजी बनारसीष् की 108वीं जयंती मैदागिन में उनके चित्र पर पुष्पांजलिए माल्यार्पण करते मनाते हुये उनके विशद कृतित्व और व्यक्तित्व को नमन किया गया ।अध्यक्षीय उदबोधन करते अपूर्व नारायण तिवारी ने कहा कि साहित्यिक पत्रकारिता के शलाका पुरूष और हास्य व्यंग्य के पुरौधा थे दादाजी एजो काशी के पंच महाभूतों में एक थे ।वे सदैव स्तृत्य और प्रेरणा स्त्रोत बने रहेंगे ।इस अवसर पर कोरोना से असमय काल कल्वित होने पर उण्प्रण्भोजपुरी संघ के प्रान्तीय उपाध्यक्ष ख्यात लोकगीतकार पंण्जीतेंद्र नाथ सिंहष्जीतष्एलब्ध नवगीतकार आनंद परमानंद और लोकभाषाविद एपत्रकार डाण्अर्जुन तिवारी के प्रति शोकसभा में दो मिनट का मौन रख कर पुण्यात्माओं को श्रद्धांजली अर्पित की।

सुमांशु बने औषधि निरीक्षक

कानपुर देहात। युवा कर्मठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुमॉशु सचान को डीएम जितेन्द्र प्रताप सिंह ने औषधि निरीक्षक की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। कोरोना संक्रमण काल में जीवन रक्षक औषधियों व आक्सीजन की कालाबाजारी को देखते हुये डीएम के निर्देश पर औषधि निरीक्षक बनाये गये सुमॉशु से इस महामारी में मुनाफाखोरों पर अॅकुश लगने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। डीएम जितेन्द्र प्रताप सिंह ने मॅगलवार को कोविड–19 के बढते प्रसार को देखते हुये 5 निजी अस्पतालों को उपचार हेतु अनुमति प्रदान की। डीएम ने बताया कि विभिन्न स्त्रोतों से प्राप्त जानकारी के अनुसार निजी चिकित्सालयों द्वारा मनमानी धनराशि की वसूली कर उनके उपचार में घोर लापरवाही बरती जा रही है। सीएमओ के कार्यवाही के निर्देश पर भी प्रभावी कार्यवाही न होने से तत्कालिक प्रभाव से खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुमॉशु सचान को औषधि निरीक्षक का अधिकार प्रदत्त करते हुये शिकायतों की जॉच हेतु एक समिति का गठन किया गया है।

अस्पतालों ने अधिक शुल्क वसूला तो होगी कार्रवाई

संवाददाता। कानपुर देहात

जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में कोविड–19 की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गयी, इस बैठक में टीम 9 के कार्यो का मूल्यांकन किया गया, मूल्यांकन के दौरान पाया गया कि जनपद में कुल 803 सैम्पल लिए गये और कुल पॉजिटिवरेट 14.1 प्रतिशत रही, जबकि होम आइसोलेशन में कुल 667 मरीज विद्यमान है, 738 जनपद में कुल एक्टिव केस है, कुल 47 आरआरटी टीम सक्रिय है जिन्होंने 82 मेडिकल किट वितरित किये, एल 1 में बेडों की संख्या 200 है, जबकि एल–2 में कुल 21 मरीज भर्ती है, इसमें से कुल 4 नये मरीज भर्ती हुए, इस समय क्रियाशील वेन्टीलेटरों की संख्या 15 है, इसके अलावा समीक्षा के दौरान यह भी पाया गया कि कुछ अस्पतालों ने अपने यहां रेट दर नही लगायी है जिसमें राजावत और वीपीएन अस्पताल प्रमुख है, इस पर जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को फ्टकार लगाते हुए कहा कि जल्द ही इन अस्पतालों में रेट दर की सूची अवश्य लग जानी चाहिए अन्यथा इस पर सख्त कार्यवाही की जायेगी, क्योकि प्राइवेट अस्पताल कोविड के नाम पर जनता को लूट रहे है, अगर कोई इनके कुकर्मो को प्रश्रय देता है तो वह भी कुकर्मी है क्योकि इस संकट के समय मानवीय संवेदनाओं की जरूरत है न कि अपने स्वार्थ हेतु अवसर तलाशने की, उन्होंने इस बात के लिए संबंधित अधिकारियों को फ्टकार लगायी कि वे कन्टेन्टमेन्ट जोन का सही तरीके से पालन नही करा रहे है, गेंहू खरीद का विश्लेषण करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि इसमें जमीनी स्तर पर कोई बेहतरीन काम नही हो रहा है, कृपया इसकी स्थिति ठीक कर ले, साथ ही निगरानी समिति प्रवासी कामगारों की प्रतिदिन की रिपोर्ट अवश्य उपलब्ध कराते रहे। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन पंकज वर्मा, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व साहब लाल, डीडीओ गोरखनाथ भट्ट, सीएमओ, जिला सूचना अधिकारी नरेन्द्र मोहन आदि अधिकारीगण उपस्थित रहे।

अक्षय तृतीया के अवसर पर बाल विवाह रोकने के लिए करें आवश्यक कार्रवाई

कानपुर देहात। जनपद कानपुर देहात में 14 मई को अक्षय तृतीया के अवसर पर बाल विवाह रोकने के लिये जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में जनपद स्तरीय अधिकारीयो एवं पुलिस अधीक्षक केशव कुमार चौधरी के दिशा–निर्देश के क्रम में समस्त थानो को अपने–अपने क्षेत्र में बाल विवाह रोकने हेतु आवश्यक निर्देश जारी किये जा चुके हैं। जहां एक ओर जिला प्रोबेशन अधिकारी अभिषेक पाण्डेय द्वारा जिला बाल संरक्षण इकाई, महिला शक्ति केन्द्र, वन स्टाप सेन्टर को बाल विवाह रोकने हेतु जनपद के समस्त ग्राम प्रधानो, ऑगनवाडी, ए0एन0एम, आशा वर्कर से संर्पक कर इसे प्रभावी रूप से रोकने हेतु निर्देशित किया गया है वही दूसरी ओर जिला पंचायत राज अधिकारी के माध्यम से ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत अधिकारी से संर्पक करने एवं सभी अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद/नगर पंचायत अपने – अपने क्षेत्र में बाल विवाह की सूचना प्राप्त होने पर तत्काल पुलिस की सहायता से बाल विवाह को रूकवाने के लिये जिलाधिकारी महोदय की तरफसे आवश्यक निर्देश जारी किये गये हैं। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बाल विवाह कराने वाले लड़की एवं लड़के के माता– पिता तथा शादी में सहयोंग देने वालों के विरूद्ध बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के सुसंगत धाराओं के तहत कठोर कानूनी कार्यवाही की जायेगी।

कोरोना काल में मदद के लिए बढ़ रहे हाथ

कानपुर देहात। व्यक्ति के व्यक्तित्व की पहचान विपरीत परिस्थितियों में ही होती है, साथ ही इस बात का भी पता चलता है कि उसके अन्दर मानवीय संवेदनाऐं कितनी विद्यमान है। इसी में कुछ संस्थाऐं उभर कर सामने आ रही है जो इस कोविड–19 महामारी संकट के समय अपने स्तर से लोगों के मदद के लिए हाथ बढ़ा रही है। इसी क्रम में कानपुर देहात के जैनपुर में स्थित चर्म उत्पाद निर्यातक इकाई जामा कारपोनेशन द्वारा डिप्टी कमिश्नर उद्योग चन्द्रभान सिंह के माध्यम से एक लाख रूपये की चेक जिले की सदभावना सहयोग समिति के नाम से जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह को कलेक्टेªट कार्यालय में हस्तगत की गयी। इस इकाई के निदेशक राजीव जलान है। जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह ने उनके इस योगदान पर धन्यवाद ज्ञापित किया और उनके इस योगदान की सराहना करते हुए अन्य लोगों को भी इससे प्रेरित होने को कहा जो सक्षम है।

क्विक न्यूज

भाई ने की छोटे भाई की हत्या

उन्नाव। रिश्तों को कलंकित करने वाली ख़बर उन्नाव जिले के आसीवन थानांतर्गत सिद्धनाथ गांव से है। यहां घर के बाहर मंगलवार को सुबह सहन को लेकर हुवे विवाद के बाद बड़े भाई ने छोटे भाई पर कुल्हाड़ी से एक के बाद एक कई वार किये। जिससे छोटे भाई की इलाज के दौरान मौत हो गयी। पुलिस ने हत्या का मामला दर्जकर हत्यारोपी बड़े भाई को गिरफ्तार कर लिया है। जिसकी निशानदेही पर आला कत्ल बरामद करते हुवे पुलिस ने विवेचनात्मक कार्यवाही शुरू की है।अपर पुलिस अधीक्षक शशि शेखर सिंह ने बताया आसीवन थाना क्षेत्र के सिद्धनाथ गांव में दो भाइयों शिवमोहन और राममोहन के बीच सहन को लेकर सुबह विबाद शुरू हुआ। जिसमें बड़े भाई शिवमोहन ने कुल्हाड़ी से छोटे भाई पर हमला कर दिया। कुल्हाड़ी के हमले से छोटा भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन घायलावस्था में उसे अस्पताल लेकर पहुंचे जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गयी। पुलिस ने सूचना पर हत्या का मामला दर्ज कर बड़े भाई को गिरफ्तार कर उसकी निशानदेही पर आलाकत्ल बरामद कर लिया है। साथ ही विवेचनात्मक कार्यवाही शुरू कर दी है।

घाटमपुर-भीतरगांव में 10 पॉजिटिव मिले

घाटमपुर। गांवों में हो रही कोराना वायरस संदिग्दों की जॉच में बीते सोमवार की तरह आज भी कोरोना वायरस का कहर धीमा पड़ता दिखा, एंटीजन जॉच में जहॉ घाटमपुर व भीतरगांव सीएचसी में 493 की जॉच में 10 लोग संक्रमित पाये गये। घाटमपुर सीएचसी के चिकित्साधीक्षक डा0 कैलाश चंद्रा ने बताया कि आज सीएचसी गेट व गांवों की टीमों द्वारा 244 की एटीजन जॉच में 6 लोग संक्रमित मिले जिनको होम आइलोशन के लिये कहा गया है। पतारा सीएचसी के चिकित्साधीक्षक डा0 नीरज सचान ने बताया कि आज एंटीजन से 209 व आरटीपीसीआर से 52 लोगों की जॉच की गयी, एंटीजन जॉच में सभी निगेटिव पाये गयें वही 80 लोगों को कोरोना टीका लगाया गया। भीतर गांव में गठित जॉच टीमों ने कस्बा भीतरगांव व निबियाखेड़ा में 340 एंटीजन जॉच की गयी जॉच में 4 लोग संक्रमित पाये गये, चिकित्साधीक्षक डा0 अजय मौर्या ने बताया कि सभी का होम आइलोशन किया गया है। इसके साथ ही सीएचसी में 100 लोगों को को–बैक्सीन का टीका व 80 की आटीपीसीआर जॉच की गयी। क्षेत्र की पीएचसी अमौर और भीतरगांव सीएचसी में आज बुद्यवार को कोरोना वायरस से बचाव के लिये टीके लगाये जायेंगे। चिकित्साधीक्षक डा0 अजय मौर्या ने बताया कि कि अमौर में को–बैक्सीन तथा सीएचसी में को–शील्ड का टीका लगाया जायेगा।

ऑक्सीजन के लिए भटके भाजपा नेता

फर्रुखाबाद। पूर्व भाजपा जिलामंत्री के कोरोना पीड़ित पिता की शनिवार को तबियत बिगड़ गई। उन्हें तमाम प्रयासों के बाद भी ऑक्सीजन सिलिंडर नहीं मिल सका। इस पर भाजपा नेता ने अपनी ही सरकार पर आरोप लगाते हुए फेसबुक पर पोस्ट डाली। इसमें लिखा कि मुझ जैसे व्यक्ति को ऑक्सीजन सिलिंडर नहीं मिल पाया तो आम जनता की स्थिति क्या होगी। जिला भगवान भरोसे चल रहा है। उन्होंने ऑक्सीजन की कालाबाजारी का आरोप भी लगाया। उनकी पोस्ट पर कमेंट भी खूब किए गए। भाजपा के पूर्व जिलामंत्री शैलेंद्र सिंह राठौर के पिता कोरोना पॉजिटिव हैं। घर पर ही उपचार चल रहा है।

अज्ञात चोरों ने सूने घर से पार किया लाखों का माल

बांगरमऊ उन्नाव। नगर के मोहल्ला नसीम गंज निवासी एक परिवार अपने मृत पिता का तेरहवीं संस्कार करने गांव गया था। तभी सूने घर से अज्ञात चोरों ने नगदी सहित करीब तीन लाख का माल पार कर दिया। तेरहवीं संस्कार करने के बाद वापस घर आने पर पीड़ित को घटना की जानकारी हो सकी।मोहल्ला नसीम गंज निवासी मनीष तिवारी के पिता जटाशंकर तिवारी की मृत्यु विगत 7 मई को हो गई थी पिता के अंतिम संस्कार के बाद बीते सोमवार को ग्राम शादीपुर के मजरा वैरी में उनका तेरहवीं संस्कार होना था। इसीलिए गृह स्वामी शहर के मकान में ताला बंद कर अपने सभी पारिवारिक सदस्यों सहित अपने पैतृक गांव चला गया था। रात में अज्ञात चोरों ने मकान के मुख्य गेट का ताला तोड़ दिया और घर के अंदर दाखिल हो गए। चोरों ने कमरे में रखी अलमारी का लॉक तोड़कर उसमें रखा करीब डेढ़ लाख रुपए कीमत का जेवर और इतनी ही नकदी चोरी कर ली और भाग गए। आज प्रात: गांव से वापस नगर स्थित घर आने पर मुख्य गेट का ताला टूटा देख कर घटना की जानकारी हो सकी। पीड़ित ने घटना की तहरीर कोतवाली में दी है। पुलिस चोरों का पता लगाने में जुटी हुई है।

बाबा रामदेव ने फतेहपुर को दिया एक ट्रक कोरोनिल

फतेहपुर। जिले की सांसद व केंद्रीय राज्य मंत्री निरंजन ज्योति के हवाले से उनके प्रवक्ता शिव प्रताप ने आज यहां बताया कि पतंजलि योगपीठ हरिद्वार से बाबा रामदेव ने एक ट्रक कोरोनिल जनपद फ्तेहपुर के लिए दिया है, जो अगले एक दो दिन में फ्तेहपुर आ जाएगा। बताया कि यह आयुर्वेद की अचूक दवा है जिसका उपयोग उन्होंने अपने आश्रम में कोरोना वायरस से पीड़ित व्यक्तियों के लिए किया था जो काफी कारगर साबित हुई थी। यह भी बताया कि जरूरतमंदों तक सांसद स्वयं अपने कार्यकर्ताओं के माध्यम से इसे पहुंचाएंगी। स्वसन तंत्र को मजबूत रखने के लिए आलोम विलोम व कपाल भारती योगा करें। यह इस रोग से लड़ने में काफी सहायक सिद्ध होगी

उपचार दौरान घायल युवक की मौत

फ्तेहपुर। सदर कोतवाली क्षेत्र के देवीगंज ओवर ब्रिज में रविवार की रात अज्ञात वाहन की चपेट में आ जाने से 30 वर्षीय घायल युवक की कानपुर में इलाज के दौरान सोमवार की देर रात मौत हो गयी। बताते चलें कि शहर क्षेत्र के जयरामनगर मुहल्ला निवासी महेश चौरसिया का पुत्र दीपू चौरसिया रविवार की रात लगभग साढ़े आठ बजे अज्ञात वाहन की चपेट में आ जाने से गम्भीर रूप से घायल हो गया था। इलाज के लिए जिला चिकित्सालय लाया गया था जहां से उसे कानपुर रिफर कर दिया गया था। जिसकी उपचार के दौरान सोमवार की देर रात कानपुर में मौत हो गयी। उधर पुलिस ने शव को विच्छेदन गृह भेज दिया।

सड़क हादसे में अज्ञात की मौत

फ्तेहपुर। सदर कोतवाली क्षेत्र के लखनऊ बाईपास हाईवे पर मंगलवार की सुबह अज्ञात वाहन की चपेट में आ जाने से लगभग 50 वर्षीय अज्ञात अधेड़ गम्भीर रूप से घायल हो गया जिसे उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

एक सप्ताह बाद खुली शराब की दुकानों पर उमडी भीड

रसूलाबाद। करीब 1 सप्ताह बाद खुली शराब की दुकानों पर बड़ी भीड़ देखने को मिली। आबकारी विभाग के निर्देश पर शराब की दुकानें खुली। गौरतलब हो कि शराब की दुकान है न खुलने से चोरी छुपे से चुपचाप तीन से चार गुने दामों तक शराब की बिक्री चल रही थी। जिसके चलते आबकारी विभाग ने निर्देश दिया कि कोविड प्रोटोकॉल को ध्यान में रखते हुए शराब की दुकानें निर्धारित समय पर खोलें।

ब्लाक प्रमुख पद पर भाजपा ने की चर्चा

रसूलाबाद कानपुर देहात। बैठक कर भाजपा नेताओं ने ब्लाक प्रमुख पद के लिए चर्चा की और तय किया कि किस प्रकार से पार्टी का ब्लाक प्रमुख बनाना है। रसूलाबाद विकास खंड क्षेत्र में अब ब्लॉक प्रमुख पद के लिए दावेदारी तेज हो गई है। बिरहुन में भाजपा नेता शिवपाल सिंह के आवास पर बैठक कर ब्लॉक प्रमुख पद के उम्मीदवार को जिताने के रणनीति बनाई गई। हालांकि पार्टी ने अभी तक कोई प्रत्याशी घोषित नहीं किया है। लेकिन भारतीय जनता पार्टी के नेता व कार्यकर्ता अपने प्रत्याशी को जिताने के लिए अभी से दम बांधे हुए हैं।

सपा एमएलसी समेत 35 पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता। उन्नाव

समाजवादी पार्टी के एमएलसीए पूर्व विधायक के साथ ही कुल 8 नामजद और 30.35 अन्य पर जिले के अजगैन थाने में कोविड.19 लॉकडाउन तथा धारा 144 के उल्लंघन का मुकदमा पंजीकृत किया गया है। अपर पुलिस अधीक्षक शशि शेखर सिंह ने बताया अजगैन कोतवाली क्षेत्र में स्थित होटल गीता गार्डेन राजनैतिक विशेष के लोगों ने मिलकर बैठक करी। इस बैठक में 30.35 लोग शामिल हुवे थे। जो इस कोरोना कॉल में कोविड नियमो का उलंघन है। साथ ही धारा 144 जो जनपद में लगी हुई है उसका भी उलंघन है। इसी आधार पर अजगैन कोतवाली में मुकदमा पंजीकृत करके विवेचनात्मक कार्यवाही की जा रही है। आपको बतादें 8 मई को सपा पदाधिकारियों द्वारा बिना अनुमति के ही कानपुर लखनऊ राजमार्ग पर स्थिति गीता गार्डन में बैठक की गई थी। इस बैठक में जिला पंचायत के पार्टी समर्थित निर्वाचित अधिकतर सदस्यों के साथ ही पार्टी के कई वरिष्ठ नेता भी शामिल हुवे थे। माना जा रहा हैए सपा ने जिलापंचायत अध्यक्ष पद की तैयारियों और सदस्यों की भावना जानने को बैठक बुलाई थी। हालांकि तब सपा जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र यादव ने बैठक को परिचयात्मक बताया था।

पुलिस रिकार्ड में इस बैठक के आयोजन को लेकर होटल गीता गार्डेन के मालिक सुनील गुप्ता सपा एमएलसी सुनील सिंह साजन पूर्व विधायक उदयराज यादव जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र यादव अरुण शंकर उर्फ अन्ना शुक्ला अशोक चंदेल अनिरुद्ध चंदेल व सेवकलाल रावत समेत 30 . 35 अज्ञात सपा नेताओं पर रिपोर्ट दर्ज हुई है।

11 ग्राम पंचायतों में प्रधान पद के लिये मतगणना का कार्य सम्पन्न

उन्नाव। त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन के तहत जनपद में हुये प्रधान पद के रिक्त 11 ग्राम पंचायतों में आज मतगणना का कार्य सम्पन्न हुआ। यह गांव है जहां पूर्व में नामांकन तथा मतदान के बीच प्रत्याशियों की मौत हो जाने के बाद प्रधान का चुनाव रद्द कर दिया गया था। जिलाधिकारी रवीन्द्र कुमार ने बताया कि जनपद के 11 पंचायतों में हुये प्रधानों के चुनाव सम्पन्न होने के बाद उन गांवों की मतगणना आज विभिन्न ब्लांकों में करायी गयी। जिसमें विकास खण्ड सिकन्दरपुरकर्ण के ग्राम लखापुर से ह्रदेश कुमारए सफीपुर ब्लांक के ग्राम पंचायत फ्हतेपुर से सुबोध कान्तीए अटवा मोहाल ओसिया से लक्ष्मी तिवारीए बिछिया ब्लांक के ग्राम पंचायत बडौरा से ऊषा देवीए इछौली से रामचन्द्रए जमुका से विजयशंकरए बदलीखेड़ा से उमेशए ब्लांक फ्हतेपुर.84 के ग्राम पंचायत अहमदाबाद माथर से सरजू देईए ब्लांक बीघापुर के ग्राम पंचायत सगवर से दीक्षाए लालगंज प्रथम से दुलारी देवी तथा ब्लाक हिलौली के ग्राम पंचायत बरौना से बीना विजयी हुई है।

लॉकडाउन में पौधों का जीवन बचाने के लिए समर्पित पर्यावरण मित्र की बीईओ ने की सराहना

संवाददाता। रूरा कानपुर देहात

जहॉं एक ओर लोग चिकित्सा लयों में अपनों की जीवन रक्षा में आक्सीजन की कमी न होने देने के लिए समर्पित हैं और लोग घरों से बाहर निकलने में घबराते हैं वहीं जिले के जाने माने पर्यावरण मित्र नवीन कुमार दीक्षित जूनियर स्कूल सिठमरा में रोपित पौधों का जीवन बचाने के लिए भीषण गर्मी में अपने विद्यालय जाकर पौधों की सुरक्षा में समर्पित हैं। नवीन दीक्षित के अपने विद्यालय के प्रति समर्पण की सराहना करते हुए खण्ड शिक्षा अधिकारी डेरापुर उदयनारायण कटियार ने बताया कि नवीन ने भारत से भूटान तक बेसिक शिक्षा के बच्चों को ग्रेपलिंग कुश्ती में जिताकर स्वर्णिम तिरंगा फ्हराया था जो एक इतिहास बना है। आगे उन्होंने बताया कि अभी हाल ही में उत्तर प्रदेश सरकार की यातायात ए चित्रकलाएरंगोली और भाषण प्रतियोगिता के तीनों प्रथम पुरस्कार एक द्वितीय तथा तीन सान्त्वना सहित अट्ठारह में से छरू पुरस्कार तत्कालीन जिलाधिकारी दिनेश चन्द्र जी के करकमलों से पाकर डेरापुर ब्लॉक को गौरवान्वित किया था। इससे उक्त विद्यालय की प्रियंका ने रंगोली में जिले का प्रथमएनगरनिगम से प्रथमए चिड़ियाघर कानपुर से व जनपदीय स्वच्छता कला में तृतीय स्थान पाकर विभाग का नाम रोशन कर चुकी हैं। नवीन स्वयं के लैपटॉप से ई पाठशाला और आनलाइन शिक्षण से बच्चों को नई दिशा देने के साथ ही पढ़े भारतए स्कूल चलोएस्वच्छताए जलए जीवए जंगल एतितलियोंएबेटी बचाओ मतदाता जागरूकता आपदा प्रबंधन हिन्दी व अन्य राष्ट्रीय दिवस जैसे राष्ट्र हितैषी कार्यों में बच्चों को प्रशिक्षित किया करते हैं।

रूबी देवी विजयी

रसूलाबाद कानपुर देहात। आकस्मिक प्रत्याशी की मौत के बाद 26 अप्रैल को असालतगंज ग्राम पंचायत में प्रधान पद के लिए मतदान नहीं हो सका था और चुनाव टल गया था। रविवार को असालतगंज में मतदान हुआ और मंगलवार को मतगणना हुई। जिसमें रूबी देवी विजयी हुई। असालतगंज से विजयी हुई रूबी गौतम 702ए रंजीता देवी 651ए रामदेवी ने 538 मत पाए। इस प्रकार से रूबी देवी पत्नी सत्येंद्र गौतम 51 मतों से असालतगंज ग्राम पंचायत प्रधान पद का चुनाव जीत गई। उन्होंने मतदाताओं का आभार प्रकट किया।

विहिप ने सौंपा नायब तहसीलदार को ज्ञापन

रसूलाबाद कानपुर देहात। पश्चिम बंगाल में राज्य के चुनाव के पश्चात हुई हिंसा को लेकर नाराजगी प्रकट करते हुए विश्व हिंदू परिषद ने नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा और पश्चिम बंगाल में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए अपील की। विश्व हिंदु परिषद् जिला बिल्हौर की तरफ से पश्चिम बंगाल मे चुनाव परिणाम आने के बाद एक दल के कार्यकर्ताओ के द्वारा की गई अभूतपूर्व हिंसा व अत्याचार के विषय मे नायब तहसील रसूलाबाद मनोज कुमार रावत को ज्ञापन सौंपा।

सुजानपुर पहुंची स्वास्थ्य टीम

फतेहपुर। बहुआ विकास खण्ड के सुजानपुर गाँव नवनिर्वाचित प्रधान हेमलता पटेल के प्रयास से मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग द्वारा गठित पीएचसी बहुआ के चिकित्स्कों की पांच सदस्यीय टीम गाँव पहुंची। जहां जांच की व दवाइयां वितरित कीं।

प्रारंभिक लक्षण वाले लोगों की जांच कराएं

संवाददाता। गुरसहायगंज (कन्नौज)

वैश्विक आपदा कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए नगर पालिका सभागार में एसडीएम की अध्यक्षता में मोहल्ला निगरानी समितियों की बैठक का आयोजन हुआ। इस दौरान उन्होनें बताया कि समितियां कोरोना के प्रारंभिक लक्षणों वाले रोगियों का चिन्हीकरण करके उनका चेकअप करवाये, और घर पर रहने की सलाह दें। मंगलवार को नगर के मोहल्ला रामगंज स्थित नगर पालिका परिसर सभागार में उप जिलाधिकारी छिबरामऊ देवेश गुप्ता ने मोहल्ला निगरानी समितियों की बैठक ली।

इस दौरान उन्होंने कहा कि नगर व क्षेत्र में कोरोना संक्रमण से बचाने के लिए मोहल्ला निगरानी समितियां अपने अपने वार्डों में बाहर से आने वाले नागरिकों को कम से कम 10 दिन घर पर रहने की सलाह दें। इसके अतिरिक्त सभासदों द्वारा मोहल्ला गोपाल नगर स्थित टीवी अस्पताल को कोविड आइसोलेशन सेंटर के रूप में प्रयोग करने की मांग की गई। जिस पर उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक से वार्ता की। तो बताया गया कि एमओआईसी द्वारा टीवी हॉस्पिटल का निरीक्षण किया जा चुका है। इस अवसर पर कार्यालय अधीक्षक आरपी सिंह, प्रधान लिपिक अनिल प्रजापति, जिलेदार सिंह, जगदीश सिंह, मनोज तिवारी सहित सभासद नफीस खां, अयूब सिद्दीकी, बलवीर राठौर, आजम सिद्दीकी, शिवम दुबे, मोहित गुप्ता मौजूद रहे।

सात लोगों का हुआ कोरोना वैक्सीनेशन

गुरसहायगंज (कन्नौज)। कोरोना संक्रमण काल में पूरी ईमानदारी से अपने ड्यूटी को अंजाम दे रहे स्वास्थ विभाग द्वारा सात लोगों का कोरोना टीकाकरण कराया गया। वही करीब पांच दर्जन लोगों की आरटीपीसीआर जांच की गई।

बीमारी के चलते निर्वाचित प्रधान की हुई मौत

संवाददाता। नवाबगंज फर्रुखाबाद

बीमारी के चलते नवनिर्वाचित ग्राम प्रधान की असमय मौत हो गयी। जिससे परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों ने बताया कि करीब 15 दिनों से बीमार चल रहे थे।जानकारी के अनुसार नवाबगंज विकास खंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत अमरापुर नगला मकोड़ा निवासी नवनिर्वाचित ग्राम प्रधान जौहरी लाल का बीती रात असमय निधन हो गया। उनके निधन की सूचना पाकर प्रधान संघ तथा विकास खंड कार्यालय पर एकदम मायूसी छा गई। वहीं ग्राम प्रधान के परिजनों के मुताबिक चुनाव प्रचार के दौरान ही उनकी तबियत खराब हो गई थीए तभी से उनको बुखार खांसी जैसी समस्याओं से जूझना पड़ रहा था। ग्राम प्रधान जौहरी लाल चुनाव जीतकर ग्राम सभा के दूसरी बार प्रधान बने थे। वह करीब 15 दिन से बीमार चल रहे थे। उनका उपचार चल रहा था। बीती रात उपचार के दौरान उनकी मौत हो गयी। मौत की सूचना मिलते ही प्रधान संघ तथा ब्लॉक कार्यालय पर एकदम मायूसी छा गई। पूर्व प्रधान संघ अध्यक्ष राजीव यादव, मनोज यादव तथा अन्य प्रधानों ने भी ग्राम प्रधान की असमय मृत्यु हो जाने पर गहरा दुख व्यक्त किया।

पुलिस का लाठीचार्ज

फर्रुखाबाद। पंचायत चुनाव में हुई प्रत्याशियों की मौत के बाद दूसरी बार 9 मई को हुये मतदान के लिए आज मतगणना चल रही है। गांव भूसेरा में प्रधान प्रत्याशी विनय सोमवंशी की जीत की खबर सुनते ही ब्लाक के बाहर खड़े उनके समर्थक जीत के आवेश में आकर नारेबाजी करने लगे।

पायनियर
वर्गीकृत

सूचना

मैंने अपने पुत्र सुरजीत सिंह व पुत्रवधू अदिति सालवान के दुराचरणों के कारण उनसे अपने सभी सम्बन्ध विच्छेद कर अपने परिवार व सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। कुलवन्त कौर पत्नी स्व0 कुलदीप सिंह नि0 67/3, शास्त्रीनगर, कानपुर नगर

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं अपने बड़े पुत्र मोहम्मद सलीम को उनके गलत चाल चलन व गलत दुर्व्यवहार होने के कारण अपनी समस्त चल अचल संपत्ति से बेदखल कर रही हूं भविष्य में इनके द्वारा किए गए गलत कार्य के लिए खुद जिम्मेदार होंगे सम्मो w/o स्वर्गीय मोहम्मद मुमताज श्रीनाथ नगर पारा राजाजीपुरम लखनऊ।

पहचान पत्र नहीं होने पर भी लगेगा टीका

संवाददाता। फ्तेहपुर

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कोई पहचान पत्र न रखने वाले लोगों का टीकाकरण करने के लिए दिशा–निर्देश जारी किए हैं। इसके मुताबिक ऐसे लोगों को कोविन ऐप में पंजीकृत किया जाएगा और उनके टीकाकरण के लिए विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे। इन लोगों की पहचान करने की जिम्मेदारी जिला शासन की होगी। मंत्रालय की गाइडलाइन के मुताबिक किसी भी व्यक्ति को वैक्सीनेशन कराने के लिए आधार कार्ड, वोटर आईडी कार्ड, पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, एनपीआर कार्ड या पेंशन पेपर में से किसी एक पहचान पत्र का होना जरूरी है लेकिन अगर किसी के पास यह पहचान पत्र नहीं हैं तो उन्हें वैक्सीनेशन से वंचित नहीं रखा जा सकता। इसी के मद्देजनर मंत्रालय ने ऐसे लोगों का टीकाकरण कराने के लिए गाइलाइन जारी की है। इस श्रेणी में बुजुर्ग, साधु–संत, जेल में बंद कैदी, मानसिक अस्पतालों में भर्ती मरीज, वृद्धाश्रम के लोग, भिखारी, पुनर्वास केन्द्रों में रह रहे मरीज शामिल होंगे। ऐसे लोगों को ढूंढने का काम जिले की टास्क फोर्स करेगी। वह अल्पसंख्यक विभाग, सामाजिक न्याय विभाग व समाज कल्याण विभाग के सहयोग से ऐसे लोगों की पहचान कर सकती है। इन लोगों का कोविन ऐप में पंजीकरण कराया जाएगा जिसमें लाभार्थी का नाम, जन्म का साल और लिंग दर्ज कराया जाएगा। मोबाइल नंबर और पहचान पत्र की अनिवार्यता नहीं होगी। इसका सत्यापन फैसिलिटेटर करेंगे जिसके बाद इन लोगों का वैक्सीनेशन किया जाएगा।

टोकने पर बदमाशों ने ग्रामीण पर झोंका फायर

- **चीखने चिल्लाने पर ग्रामीणों ने एक बदमाश को दबोचा, पकड़ा गया बदमाश निकला टॉपटेन अपराधी, पुलिस काफी दिनों से कर रही थी तलाश**

संवाददाता। नवाबगंज फर्रुखाबाद

खेत की रखवाली कर रहे किसान के टोंकने पर बदमाशों ने फायर झोंक दिया। चीख पुकार सुनकर पहुंचे ग्रामीणों ने बदमाश को पकड़कर मारपीट कर पुलिस को सौंप दिया।

जानकारी के अनुसार नवाबगंज थाना क्षेत्र के गांव सिरमौरा बांगर निवासी पप्पू पाल पुत्र गयादीन पाल अपने गांव के बाहर रायपुर जाने वाली सड़क के किनारे अपने खेत में तरबूज की फसल की रखवाली कर रहे थे,तभी बीती रात उनको कुछ बदमाशों के निकलने की आहट लगी। जिस पर उन्होंने बदमाशों को टोंक दिया। जिस पर बदमाशों ने उनके ऊपर सीधे फायर झोंक दिया। पप्पू पाल के चीखने चिल्लाने की आवाज सुनकर ग्रामीण मौके की ओर दौड़े। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों को देखकर बदमाशों ने फायरिंग शुरु कर दीए जिस पर ग्रामीणों ने भी फायरिंग शुरु कर दी तथा घटना की सूचना पुलिस को दी। जिस पर थाना अध्यक्ष अंकुश राघव तथा हल्का प्रभारी नितिन कुमार थाने का भारी पुलिस बल लेकर मौके पर पहुंचे तथा चारों तरफसे पुलिस व ग्रामीणों ने बदमाशों की घेराबंदी कर ली। घेराबंदी देखकर कुछ बदमाश अंधेरे का लाभ उठाकर मौके से भाग गएए लेकिन एक बदमाश को ग्रामीणों ने दबोच लिया तथा उसके साथ मारपीट करते हुए थाना पुलिस को सौंप दिया। थाना पुलिस ने बदमाश की पहचान नवाबगंज थाना क्षेत्र के ही गांव बबुरारा निवासी शातिर टॉपटेन इनामी अपराधी कल्लन तिवारी पुत्र रामखिलाड़ी तिवारी के रूप में की। इसकी थाना पुलिस को काफी दिनों से तलाश थी। इसके विरुद्ध गंभीर धाराओं में विभिन्न थानों में कई मुकदमे दर्ज हैं।

हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

फर्रुखाबाद। शातिर अपराधी एंव हिस्ट्रीशीटर को गिरफ्तार किया है। जिससे पास पुलिस को छानबीन में तंमचा व कारतूस बरामद हुए हैं। पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।शहर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला खड़ियाई थाना कोतवाली फर्रुखाबाद निवासी शातिर अपराधी एंव हिस्ट्रीशीटर पंकज शुक्ला पुत्र रामकिशन शुक्ला को शहर कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जिसके पास पुलिस को छानबीन में एक अदद तंमचा व 2 अदद जिंदा कारतूस 315 बोर बरामद हुए है। अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी–33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ से प्रकाशित। सम्पादकः चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादकः विजय प्रकाश सिंह। फोनः (0522) 4036600 फैक्सः 2346443/2345582

जहरीली शराब पीने से संदिग्ध परिस्थितियों में 16 की मौत

- विधायक ने कहा, 16 लोगों की हो चुकी है मौत
- डीएम बोले पांच के मौत की हुई है पुष्टि, शेष के लिए जारी है जांच

संवाददाता। अंबेडकरनगर

विधायक सुभाष राय के साथ गांव में मौजूद डीएम, एसपी व अन्य अधिकारी

सोमवार की देर रात से शुरू हुई जहरीली शराब पीने से मौत का सिलसिला मंगलवार की शाम तक जारी रहा। जहरीली शराब पीने से संदिग्ध परिस्थितियों में 16 की मौत हो चुकी है, व एक दर्जन से ज्यादा लोग गंभीर हालत में अलग अलग अस्पतालों में इलाज करा रहे है। दो दिनों में एक दर्जन से अधिक लोगों की मौत से दहशत का माहौल कायम है। ग्रामीणों के मुताबिक जहरीली शराब पीने से मौत हो रही है। वहीं दूसरी तरफ डीएम बोले अभी 6 लोगों के मौत की ही पुष्टि हुई है, बाकी की जांच की जा रही है। जिला प्रशासन मौत के आंकड़े को छुपाने में जुटा है। मालीपुर, जैतपुर, कटका और जलालपुर थाना के लोगों की मौत हुई है।

जलालपुर तहसील क्षेत्र में संभावित जहरीली शराब से मौतों का सिलसिला लगातार जारी है। शराब से हुई मौत की जानकारी होने के बाद जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन ने पुलिस अधीक्षक आलोक प्रियदर्शी के अलावा अपर जिलाधिकारी, अपर पुलिस अधीक्षक समेत अन्य अधिकारियों से प्रभावित गांव का दौरा किया तथा मृतकों के परिजनों से जानकारी हासिल की। जिलाधिकारी ने शराब पीने से 5 लोगों की मौत की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि अन्य मौतों के बारे में आवश्यक जानकारी की जा रही है। जल्द ही प्रशासन पूरी स्थिति को स्पष्ट करेगा। उन्होंने बताया कि मालीपुर थाना क्षेत्र में भी कुछ गांव में मौत की खबरें मिली है जिसकी जांच के लिए अपर जिलाधिकारी व अपर पुलिस अधीक्षक को भेजा गया है । वहीं दूसरी तरफ क्षेत्रीय विधायक सुभाष राय ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर जलालपुर तहसील क्षेत्र में शराब से 16 लोगों की मौत होने की बात कही है। उन्होंने कहा कि शराब से हुई मौत प्रशासन की विफलता का परिणाम है। विधायक के अनुसार सिहोरा गांव में पांच, शिवपाल गांव में एक, सोहगूपुर में एक, कोटवा में एक, महगीपुर में एक, बैरागल में दो, रुकुनपुर में दो, टूटहआ में एक, कुलहिया पट्टी में एक तथा करमिसिरपुर में एक व्यक्ति की शराब पीने से मौत हुई है। जानकारी के अनुसार शादी समारोह से लौटने के दूसरे दिन बीमार हुए कुल चार लोगों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से क्षेत्र में कोहराम मच गया है।

परिजनों ने आननफानन में सभी शवो का अंतिम संस्कार कर दिया।सूत्रों के मुताबिक मालीपुर थाना क्षेत्र के बैरागल गांव से बीते रविवार को आजमगढ़ जनपद में लड़के की बारात गई थी।बारात जब सुबह लौटी तो बाजा बजाने वाले लोग बीमार हो गए।रात होते होते धीरे धीरे मौत होने लगी।सुबह तक मिली जानकारी के अनुसार कुल चार लोगों की मौत हो चुकी है और दर्जनों की स्थिति अभी भी गम्भीर है। जनचर्चा है कि सभी लोग बारात जाने से पहले मित्तूपुर से शराब लेकर आये थे। बारात में सभी ने शराब पिया। आंधी एवम पानी में सभी भीग गए।जब सुबह वापस लौटे तो उल्टी होने लगी। स्थानीय स्तर पर इलाज हुआ किन्तु रात बीतते बीतते चार की मौत हो गई। आननफानन में परिजनों ने सभी का अंतिम संस्कार कर दिया। राम प्रवेश तिवारी निवासी मोहनपुर थाना पवई जिला आजमगढ़, करमिसिरपुर निवासी खैंचू यादव,कुल्हिया पट्टी निवासी शैलेंद्र राजभर, अशीष पुत्र रघुनाथ टुटहवा मालीपुर,निमेष पाल पुत्र जियालाल हुसेना बैरागल,सुधीश मौर्य बाभन पट्टी रूकुनपुर की मौत जहरीली शराब से होना बताया जा रहा है।

कोविड-19 से सफलतापूर्वक लड़ाई लड़ रही है सरकार: केशव मौर्य

- उप मुख्यमंत्री ने किया अस्पताल का लोकार्पण

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

अस्पताल का लोकार्पण करते डिप्टी सीएम केशव मौर्य

झलवा में उप्र के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अस्पताल का लोकार्पण किया। डिप्टी सीएम ने कहा कि वैश्विक महामारी कोरोना से केंद्र एवं प्रदेश की सरकार लगातार कारगर कदम उठा रही है। समाज के सहयोग से लगातार उत्तर प्रदेश एवं प्रयागराज के अंदर कोविड की दरों में लगातार गिरावट जारी है। बहुत जल्द हम इस पर सफलता प्राप्त कर लेंगे। भाजपा की सरकार और भाजपा कार्यकर्ता प्रधानमंत्री एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन पर सेवा ही संगठन है की संकल्प को लेकर हेल्प डेस्क के माध्यम से जनता की सेवा कर रही है। जनता की समस्याओं को सुलझा रही है। वैक्सीनेशन को लेकर विपक्ष लोगों के अंदर भ्रम न फैलाता तो आज यह दुर्दशा नहीं होती। संकट के दौर में विपक्ष जनता की सेवा करने की बजाए सिर्फ और सिर्फ घृणित राजनीति कर रही है।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस की बधाई देते हुए कहा कि आज राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस है। आज ही के दिन 11 मई 1998 को भारत रत्न एवं भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के नेतृत्व में देश परमाणु शक्ति से संपन्न हुआ। सारी दुनिया ने हमारी शक्ति को पहचाना। आज उन्हीं के मार्गदर्शन पर चलकर देश के पीएम वैश्विक स्तर पर देश को सशक्त बना रहे हैं। भाजपा मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि अस्पताल कोविड मरीजों के लिए है। 300 बेड 100 आईसीयू बेड हैं। केसरी देवी पटेल हर्षवर्धन बाजपेई संजय गुप्ता सुरेंद्र चौधरी गणेश केसरवानी वरुण केसरवानी राजेश केसरवानी आदि रहे।

धरातल पर नही उतर सका है स्वास्थ्य विभाग का डोर-टू-डोर अभियान

अंबेडकरनगर। स्वास्थ्य विभाग द्वारा कोरोना गाइडलाइन एवं प्रभावितों के सर्वे के लिए डोर टू डोर चलाया गया जागरूकता अभियान कागजों पर ही सिमट कर रह गया है। इक्का-दुक्का स्थानो को छोड़कर क्षेत्र में कहीं भी इस अभियान को धरातल पर परवान नहीं चढ़ाया जा सका है। जबकि 5 से 9 मई तक के अभियान को बढ़ाकर 11 मई तक कर दिया गया है । इस अभियान के अंतर्गत कोविड-19 के लक्षण जैसे सर्दी, खांसी ,जुकाम, बुखार आदि हल्के भी लक्षण वाले व्यक्तियों को चिन्हित कर उन्हें आइसोलेशन में रखते हुए दवा किट मुहैया कराई जाए। साथ ही उन्हें टीकाकरण या एवं इस बीमारी से बचाव हेतु जागरूक करने के उपाय भी बताए जाएं। यह अभियान शहरी क्षेत्रों को छोड़कर सभी ग्रामीण क्षेत्रों में चलाए जाने का कार्यक्रम बनाया गया है जिसमें एएनम,आशा, आंगनबाड़ी कार्यकत्री के साथ स्वास्थ्य विभाग से जुड़े अन्य कर्मचारियों एवं अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है लेकिन इस वैश्विक महामारी में भी इस जिम्मेदारी से जुड़े लोग क्षेत्र में ना निकल कर कागजों में ही इसका कोरम पूरा कर इस अभियान की सफलता पर ग्रहण लगा रहे हैं। फिलहाल इस अभियान से जुड़े लोगों के द्वारा दावा किया जा रहा है कि इस अभियान के तहत अब तक निगरानी समिति के द्वारा बीते 6 दिनों में 300 दवाओ का किट और आज यानी 11 मई को 600 किट कोविड-19 के लक्षण या हलके लक्षण देखे जाने वालो को दिया जा चुका है। साथ ही इस अभियान में लगे रैपिड रिस्पांस टीम के द्वारा भी 500 किट लोगों को अब तक वितरण किए जाने की बात बताई जा रही है।साथ ही सभी को टीकाकरण एवं इसके प्रति जागरूक करने का दावा किया जा रहा है लेकिन जब इसकी सच्चाई जानने के लिए धरातल पर पता किया गया तो ग्रामीण क्षेत्रों में काफी लोगो को दवा किट के मिलने की बात ही दूर इस इस अभियान से जुड़ा हुआ कोई भी व्यक्ति उनके पास पहुंचा ही नहीं है। कई ग्रामीणों ने बताया कि इस अभियान से जुड़े लोग ढुढने पर नहीं मिल रहे हैं तो घर घर जाकर क्या अभियान चलाएंगे। इससे स्पष्ट होता है कि यह अभियान इस कार्यक्रम से जुड़े कर्मचारियों की उदासीनता के चलते धरातल पर उतरने के बजाय कागजों में ही सिमट कर रह गया है।अब ऐसे में सवाल उठता है कि इस वैश्विक महामारी को खत्म करने के लिए जहां देश का पूरा सिस्टम सभी विकास कार्यों को छोड़कर इस कोविड-19 जैसी वैश्विक महामारी को हराने के लिए जी तोड़ मेहनत कर रहा है वहीं इस अभियान से जुड़े लोग इस विषम परिस्थिति में भी कागजी कोरम पूरा कर अपने कर्तव्यों की इतिश्री करने में जुटे हुए हैं।

पूर्व कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश वी एम सहाय का निधन

- अधिवक्ताओं में शोक की लहर, अधिवक्ता संगठनों ने दी श्रद्धांजलि

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

फाइल फोटो न्यायमूर्ति वी एम सहाय।

गुजरात हाईकोर्ट के पूर्व कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश विजय मनोहर सहाय 67 वर्ष का लंबी बीमारी के बाद आज नई दिल्ली में निधन हो गया। उनका नई दिल्ली स्थित एम्स में इलाज चल रहा था। वह अपने पीछे पत्नी प्रतिभा सहाय अधिवक्ता एवं अपर मुखु स्थायी अधिवक्ता पुत्र अमित मनोहर सहाय पुत्री अवंतिका अधिवक्ता सुप्रीम कोर्ट छोड़ गए हैं। इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति के रूप में न्यायमूर्ति सहाय बेहद लोकप्रिय रहे। उनके पिता एवं सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति स्व राम मनोहर सहाय रामायण धारावाहिक में सीता परित्याग सीन को आस्था से खिलवाड़ करार देकर रद्द करने का फैसला दिया था। जबकि उनके ससुर श्रीनाथ सहाय इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश रहे। बता दें कि न्यायमूर्ति का पार्थिव शरीर हासिमपुर चौराहा स्थित आवास पर प्रयागराज लाया जा रहा है। अंतिम संस्कार प्रयागराज में बुधवार को दोपहर 12 बजे होगा। यह जानकारी न्यायमूर्ति सहाय के रिश्तेदार अपर मुख्य स्थाई अधिवक्ता निमाई दास ने दी। न्यायमूर्ति सहाय के निधन पर हाईकोर्ट बार एसो. अध्यक्ष अमरेन्द्र नाथ सिंह और महासचिव प्रभाशंकर मिश्र पूर्व अध्यक्ष आर के ओझा सहायक सालीसिटर जनरल ज्ञान प्रकाश अपर महाधिवक्ता विनोद कान्त वरिष्ठ अधिवक्ता ए एन त्रिपाठी वरिष्ठ अधिवक्ता ओ पी सिंह पूर्व महासचिव जे बी सिंह पूर्व महासचिव अशोक कुमार सिंह संयुक्त सचिव संतोष कुमार मिश्र उपाध्यक्ष अजय कुमार मिश्र मुख्य स्थाई अधिवक्ता बिपिन पांडेय अखिलेश कुमार त्रिपाठी अपर मुख्य स्थाई अधिवक्ता रामानंद पांडेय एजीए विकास सहाय योगेन्द्र कुमार मिश्र दिनेश राय अपर मुख्य स्थाई अधिवक्ता पुष्पेन्द्र सिंह अपर मुख्य स्थाई अधिवक्ता संजय गोस्वामी अपर मुख्य स्थाई अधिवक्ता सुधांशु श्रीवास्तव वरिष्ठ अधिवक्ता सुबोध कुमार यंग लॉयर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष संतोष कुमार त्रिपाठी उपाध्यक्ष बी डी पांडेय आर पी तिवारी अखिलेश कुमार राय जे पी त्रिपाठी अधिवक्ता समन्वय समिति के अध्यक्ष बी एन सिंह प्रमेन्द्र प्रताप सिंह सी बी सिंह जूनियर लॉयर्स एसोसिएशन अध्यक्ष मिथिलेश कुमार तिवारी सचिव जी पी सिंह ज्ञान प्रकाश अस्थाना कृष्ण जी शुक्ल बृजेश श्रीवास्तव आदर्श अधिवक्ता संघ अध्यक्ष एस सी मिश्र प्रयागराज अधिवक्ता संघ अध्यक्ष एन के चटर्जी महासचिव राजेश त्रिपाठी बी पी सिंह कछवाह अरूण कुमार गोयल राजीव शुक्ल बाल मुकुंद सिंह संजय सिंह यादव ईशान शिशु कर्मचारी अधिकारी संघ के महासचिव बृजेश शुक्ल पूर्व उपाध्यक्ष मोहम्मद अतहर आदि ने शोक श्रद्धांजलि अर्पित की है।

क्विक न्यूज

कोविड की वजह से टीईटी 2020 की परीक्षा स्थगित

प्रयागराज। कोरोना संक्रमण को देखते हुए परीक्षा नियामक प्राधिकारी उत्तर प्रदेश प्रयागराज ने उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा 2020 टीईटी 2020 को अग्रिम आदेशों तक के लिए स्थगित कर दिया है। परीक्षा नियामक प्राधिकारी उत्तर प्रदेश के विशेष सचिव आरपी सिंह की ओर से 11 मई को जारी किए गए पत्र में बताया गया है कि टीईटी 2020 की परीक्षा कोविड 19 संक्रमण के कारण अनिश्चितकाल के लिए स्थगित की जा रही है। क्योंकि इस समय परीक्षा कराना संभव नहीं है। 15 मार्च को परीक्षा के लिए जो तिथि घोषित की गई थी। वह स्थगित कर दी गई है। परीक्षा की अग्रिम तिथि एवं कार्यक्रम कोविड 19 के संक्रमण व अन्य परिस्थितियों के दृष्टिगत बाद में यथा समय निर्गत किया जाएगा। इस संबंध में बेसिक शिक्षा विभाग समेत विभिन्न अधिकारियों को सूचना प्रेषित कर दी गई है।अध्यापक पात्रता परीक्षा 2020 टीईटी 25 जुलाई को होनी थी। इसके लिए विज्ञापन 15 मई को प्रकाशित किया जाना था। आवेदन लेने की शुरुआत 18 मई से होनी थी। इस संबंध में बेसिक शिक्षा विभाग ने आदेश जारी कर दिया था। 20 अगस्त को इसका रिजल्ट जारी होना था। टीईटी के लिए आवेदन ऑनलाइन मांगे गए थे। पिछले वर्ष कोरोना संक्रमण के कारण टीईटी नहीं हो पाई थी। जबकि बीटीसी व बीएड अभ्यर्थी इसकी मांग कर रहे थे। क्योंकि विभाग में अब भी 51 हजार शिक्षकों के पद खाली हैं। माना जा रहा है कि राज्य सरकार चुनाव से पहले भर्ती की घोषणा कर सकती है। इससे पहले आठ जनवरी 2020 को टीईटी हुई थी और इसमें 15 लाख से ज्यादा अभ्यर्थी शामिल हुए थे।

इफको के महाप्रबंधक तकनीकी पीयूष मिश्र का निधन

प्रयागराज। इन्डियन फारमर्स फर्टिलाइजर कोआपरेटिव लिमिटेड इफको फूलपुर इकाई के महाप्रबंधक तकनीकी पीयूष मिश्रा 58 वर्ष का कोरोना से निधन हो गया। वह पिछले दो सप्ताह से कोरोना पाजिटिव थे। उनका इलाज अस्पताल में चल रहा था। जहाँ उन्होंने युनाइटेड अस्पताल में अंतिम सांस ली। महाप्रबंधक का शव जब इफको घियानगर कालोनी पहुंचा तो कोहराम मच गया। महाप्रबंधक पीयूष मिश्रा मूलरूप से लखनऊ के रहने वाले थे। वह इफको घियानगर कालोनी में परिवार सहित रहते थे। उनके निधन से इफको के अधिकारियों एवं कर्मचारियों में शोक की लहर है।

जगतगुरु परमहंस ने बंगाल के हिंदुओं की रक्षा की लगाई गुहार

अयोध्या। भगवान श्री राम की नगरी अयोध्या के संत जगद्गुरु परमहंस आचार्य में पश्चिम बंगाल के हिंदुओं में आशा की किरण दिखाई दे रही है की वही वर्तमान समय में उनके खेवनहार बनेंगे। चुनाव के बाद जब से पश्चिम बंगाल में हिंसा शुरू हुई है जगत गुरु परमहंस आचार्य खुलकर इस हिंसा के विरोध में आवाज बुलंद कर रहे हैं और राष्ट्रपति प्रधानमंत्री गृहमंत्री से बंगाल के हिंदुओं की रक्षा की गुहार लगा रहे है। स्वामी परमहंस जी महाराज ने बताया की पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी का चल रहा है खूनी खेल यही है खेला होवे। श्री तपस्वी जी की छावनी के पीठाधीश्वर जगद्गुरु परमहंस आचार्य के पास पीड़ित लोग कर रहे हैं और मैसेज पश्चिम बंगाल के पीड़ितों का दावा है कि पश्चिम बंगाल में 5000 से ज्यादा हिंदुओं के घर जला दिए गए है। ममता बनर्जी के गुंडे अभियान चला रहे हैं जो भी अन्य को वोट देने वाले वोटर हैं उनके घर में घुस घुस कर उनकी बहन बेटियों के साथ बलात्कार किया जा रहा है दुकाने लूटी जा रही हैं और मोदी जी को गाली देने के लिए लोगों को मजबूर किया जा रहा है। जो मोदी जी को गाली नहीं दे रहा है उसके सामने उसके बूढ़े मां बाप की हत्या हो रही है उसके बहन बेटी की इज्जत लूटी जा रही है। उसकी सारी संपत्ति लूटी जा रही है अगर पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन नहीं लगा तो रोहिंग्या मुसलमान आतंकवादी बन कर हिंदुओं की हत्या कर रहे और करते रहेंगे।

शांति, पार्वती, श्रवण चुने गए प्रधान

अंबेडकरनगर। प्रत्याशियों की मौत से स्थगित कर दिए और 9 मई को फिर से कराए गए मतदान का परिणाम घोषित कर दिया है। मंगलवार को मतगणना के बाद परिणाम की घोषणा कर दी गई है। मतगणना के परिणाम के अनुसार ब्लॉक अकबरपुर की ग्राम पंचायत मंजीसा की शांति देवी, ताराखुर्द के नरेन्द्र देव वर्मा, ब्लॉक कटेहरी की ग्राम पंचायत नंदूपुर के शिव शंकर व अहिरौली के संदीप कुमार, ब्लॉक रामनगर केआमा दरवेशपुर के अभिमन्यु और सहिजनवा हमजापुर की पार्वती तथा ब्लाक बसखारी के ढेकवा बहाउद्दीनपुर के श्रवण कुमार प्रधान निर्वाचित हुए हैं।

प्राचार्य, सहायक अध्यापक व शिक्षा मित्र की कोरोना ने ली जान

अंबेडकरनगर। पंचायत चुनाव की ड्यूटी के बाद से शिक्षकों की मौत का सिलसिला थम नही रहा है। बेसिक शिक्षा विभाग के तीन क्रमशः प्रधानाध्यापक, सहायक अध्यापक और शिक्षामित्र की कोरोना के संक्रमण से मौत हो गई। तीनों शिक्षक शिक्षा क्षेत्र भियांव में कार्यरत थे। शिक्षा क्षेत्र भियांव के उच्च प्राथमिक विद्यालय चकोरा के सहायक अध्यापक सुरेश चंद, प्रधानाध्यापक रड़ौली योगेन्द्र प्रसाद और प्राथमिक विद्यालय अम्बरपुर के शिक्षा मित्र कमला यादव शामिल है।

भाई की हत्या में आरोपी भाई व भतीजा गिरफ्तार

- भतीजे ने चाचा व चचेरे भाई के खिलाफदर्ज कराया था गैर इरादतन हत्या का मुकदमा

मिल्कीपुर अयोध्या। इनायत नगर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत निमड़ी अंतर्गत पिलाई गांव में मामूली सी बात को लेकर दो भाइयों में हुई मारपीट के मामले में आरोपी भाई और भतीजा को पुलिस टीम ने गिरफ्तार कर लिया प्रभारी राहुल कुमार ने दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया है। पिलाई गांव निवासी युवक राम सिंह पुत्र वंश बहादुर ने आरोप लगाया था कि कि बीते 25 अप्रैल को प्रात करीब 7 बजे उनके पिता एवं चाचा राजबहादुर के बीच भूसा एवं पुआल हटाने की मामूली बात को लेकर कहासुनी हुई थी दोनों के बीच मामूली सी बात को लेकर मारपीट भी हुई थी। उसके पिता मारपीट में गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर पड़े थे। हल्ला गुहार सुनकर जब वह घर से मौके पर पहुंचा तो देखा कि उसके 20 वर्षीय चचेरे भाई रवि उसके पिता को मार कर भाग रहा था।

घटना के तुरंत बाद वह अपने पिता को इलाज कराने के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हैरिंग्टनगंज लेकर पहुंचा जहां अस्पताल के डॉक्टरों में हालत नाजुक देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया था। जिला अस्पताल में बीते 25⁄26 की रात करीब 1 बजे इलाज के दौरान घायल वंश बहादुर की मौत हो गई थी। इसके बाद उसने अपने पिता का शव पोस्टमार्टम कराने के पश्चात अंतिम संस्कार किया था। मामले में मृतक वंश बहादुर के पुत्र राम सिंह ने अपने चाचा राजबहादुर एवं उनके बेटे रवि के विरुद्ध मुकदमा कायम किए जाने हेतु इनायतनगर पुलिस को तहरीर दी थी। जिसके आधार पर प्रभारी निरीक्षक राहुल कुमार ने आरोपित पिता पुत्र के विरुद्ध धारा 504 एवं 304 आईपीसी के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश पांडे के दिशा निर्देश तथा अपराधियों को पकड़ने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत प्रभारी निरीक्षक राहुल कुमार के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने आरोपी राजबहादुर एवं रवि को थाना क्षेत्र के सेवरा मोड पर गिरफ्तार कर लिया और थाने ले आई। पुलिस टीम ने मारपीट में प्रयुक्त लाठी पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से बरामद कर लिया है। प्रभारी निरीक्षक राहुल कुमार ने पकड़े गए दोनों आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया। गिरफ्तार करने वाली टीम में प्रमुख रूप से उप निरीक्षक हमराही सिपाही अचुत्यानंद यादव व शिवम शुक्ला शामिल रहे।

भाजपा नेता के विरूद्ध कोरोना गाइडलाइन के उल्लघन का मुकदमा दर्ज

टाण्डा अंबेडकरनगर। टाण्डा नगर के बड़े व्यवसाई व भारतीय जनता पार्टी के पूर्व नगर अध्यक्ष दीपक केड़िया के विरुद्ध कोतवाली टाण्डा पुलिस ने कोरोना गाइडलाइंस के उल्लंघन का मुकदमा पंजीकृत किया है। कोतवाली पुलिस ने दीपक केड़िया पर कोरोना कर्फ्यू के दौरान दुकान खोलने व दुकान पर मौजूद ग्राहकों व दुकान स्वामी दीपक केड़िया द्वारा मास्क न लगाएं जाने का आरोप लगाया है। कोतवाली पुलिस के सिपाही इम्तियाज अहमद ने अपनी तहरीर में आरोप लगाया कि दिनांक 8 मई को रात्रि में लगभग 8:10 बजे चौक क्षेत्र में लॉक डाउन ड्यूटी पर अपने हमराही सिपाही रोजादीन के साथ था कि छज्जापुर की तरफ बढ़ा तो देखा गैस एजेंसी के आगे एक किराना की दुकान खुली हुई थी। जिसपर दुकान स्वामी दीपक केड़िया पुत्र अज्ञात बैठे थे। दुकान पर मौजूद ग्राहक व खुद दुकान स्वामी मास्क नही लगाए हुए थे।

यज्ञ हवन से वायुमंडल में फैले कोरोना वायरस नष्ट होंगे: कल्कि महाराज

अयोध्या। भौमवती अमावस्या की पवित्र मध्याह्न बेला के अभिजित मुहुर्त में सिद्ध श्रीटेढीयतीश्वरनाथ महादेवजी का दुग्धाभिषेक कर राष्ट्रहित में भगवती पीताम्बरा माता बगलामुखी का आवाहन करते हुए 7 दिवसीय महानुष्ठान का संकल्प लिया गया। रामादल अध्यक्ष पण्डित कल्किराम ने कहा कि तमाम विश्लेषकों के अनुसार हवा में मौजूद है कोरोना संक्रमण के लक्षण और इसी तथ्य को ध्यान मे रखकर ही अपने.अपने घरों में रहने एंव मास्क लगाये रहने के लिए लगातार सरकार जनसमुदाय से आग्रह कर रही है। रामादल ट्रस्ट हवा में मौजूद कोरोना संक्रमण को वायुमंडल में ही नष्ट करने का संकल्प लेकर आगामी 14मई भगवान श्रीहरि विष्णु के अंशावतार भगवान परशुराम जी के शुभ जन्मोत्सव अक्षय तृतीया पर पूरे देश में सवा लाख से अधिक सनातनी भाई बहनों से अपनी सामर्थ्य के अनुसार अपने-अपने घरों मे यज्ञ-हवन का आयोजन करने का आवाहन किया है जिसके लिए सोशल मीडिया एंव दूरभाष के माध्यम से सम्पर्क कर बताया जा रहा है ।

अभिषेक करते कल्किराम जी महाराज

इस महाभियान की सफलता के निमित्त अक्षय तृतीया को श्रीराम जन्म भूमि के अस्थाई मन्दिर में विराजमान श्रीराम लला को मुख्य पुजारी श्रीसत्येन्द्रदास जी नवीन वस्त्र धारण कराकर मानव कल्याण की प्रार्थना करेंगेएअक्षय तृतीया को श्रीरामलला को पहनाई जाने वाली पोशाक तैयार है जो गुरूवार को मुख्य पुजारी श्री को भेंट की जायेगी। यज्ञ-हवन का यह महअभियान एक सप्ताह तक चलाया जायेगा जिसका केन्द्र बिन्दू अयोध्या होगा जो लोग यज्ञ.हवन करने में असमर्थ हैं उनसे केवल सरसों के तेल का कर्पूर मिश्रित दीपक प्रज्ज्वलित करने के लिए कहा गया है।

पति की प्रताड़ना से आहत महिला चार बच्चों संग नए पुल से यमुना में कूदी

प्रयागराज। वैश्विक महामारी कोरोना से जहां पूरा देश परेशान है। वहीं संगम नगरी में पति की प्रताड़ना से आहत एक महिला अपने चार बच्चों के साथ नए यमुना पुल से नदी में छलांग लगा दिया। संयोग से पुल के नीचे मौजूद गोताखोरों ने अपनी जान की बाजी लगाकर पांचों लोगों को बचा लिया। सभी को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने पूछताछ के बाद उनके परिजनों को सूचना दी है। मध्य प्रदेश के रीवा शहर की रहने वाली रोहिणी तिवारी 48 पत्नी राम लक्ष्मण तिवारी अपने चार बच्चों एक बेटे व तीन बेटियों के साथ मंगलवार की शाम साढ़े पांच बजे के करीब प्रयागराज के नए यमुना पुल पर पहुंची। जहां उसने पहले एक एक करके चारों बच्चों को यमुना नदी में धकेल फिर खुद भी यमुना में छलांग लगा दिया। संयोग था की नीचे गोताखोर मौजूद थे। उन्होंने रोहिणी देवी और उसके चारों बच्चों को बचा लिया। तत्काल उन्हें पास के ही निजी अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टर ने उनको एसआरएन अस्पताल रेफर कर दिया। पांचों लोग खतरे के बाहर बताएं जा रहे हैं। पुलिस के अनुसार आत्महत्या करने की वजह पारिवारिक कलह बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार महिला का कहना है कि उसका पति उसे और उसके बच्चों को प्रताड़ित करता है। रोज मारता पीटता है। खाने को नहीं देता। जिस से आहत होकर वह आज रोडवेज बस से यहां पहुंचे और खुदकुशी करने के लिए नए पुल से छलांग लगा दिया। उनके घरवालों को बुलाया गया है। पूछताछ के बाद आगे की कार्यवाही की जाएगी।

कंट्रोल रूम से मरीजों का हालचाल लेने के निर्देश

- आरटीपीसीआर व एंटीजन जांच की संख्या बढ़ाने की जरूरत

संवाददाता। अंबेडकरनगर

कोविड कंट्रोल रूम में बैठक करते जिलाधिकारी

कोरोना महामारी के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन की अध्यक्षता में मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में स्थापित कोविड कंट्रोल रूम में समीक्षा बैठक आहूत की गई। प्रभारी सीएमओ द्वारा अवगत कराया गया कि सोमवार को कुल 2067 लोगों को वैक्सीन लगाया गया। डीएम ने प्रभारी सीएमओ को निर्देश देते हुए कहा कि प्रतिदिन कम से कम 2000 लोगों का तज-चबत की जांच तथा 1000 लोगों को एंटीजन टेस्ट कराई जाए। अवगत कराना है कि ग्रामीण ध्नगरीय क्षेत्रों में कुल 1030 निगरानी समिति भ्रमण कर रही हैं। डीएम ने प्रभारी सीएमओ को निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक निगरानी समिति को 10-10 मेडिकल किट उपलब्ध कराया जाए।

निगरानी समिति में आशा कार्यकर्त्री, ए. एन. एम. के अतिरिक्त ग्राम सचिव को भी शामिल किया जाए। नगर पालिका अकबरपुर अधिशासी अधिकारी सुरेश द्वारा अवगत कराया गया कि निगरानी समितियों को कुल 14 पल्स ऑक्सीमीटर दिया गया। डीएम ने कहा कि एक वार्ड में तीन पल्स ऑक्सीमीटर दिया जाए। कंट्रोल रूम से किए जा रहे काल के माध्यम से मरीजों का हालचाल लेने का जायजा लिया गया। सभी ब्लॉकों का कॉल डिटेल रजिस्टर भी देखा गया। उन्होंने समस्त अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सुबह कॉल करके मरीजों के स्वास्थ्य के बारे में पूछा जाए तथा दोपहर के समय कॉल करके आरआरटी टीम को कार्यवाही करने हेतु अवगत कराया जाए। तीसरी कॉल शाम के समय फीडबैक लिया जाए कि आरआरटी टीम कार्यवाही के लिए पहुंची कि नहीं उसकी जानकारी नोट करके अवगत कराया जाए। सीडीओ घनश्याम मीणा, एडीएम डॉ पंकज कुमार वर्मा, एएसडीओ राम नारायण वर्मा, डॉक्टर की टीम तथा संबंधित विभाग के अधिकारी/कर्मचारी मौके पर उपस्थित रहे।

पांच महीने पहले लिए थे फेरे, अब नवदम्पत्ति ने लगाई फांसी

- यमुनापार के नैनी इलाके में हुई घटना, परिजनों की खामोशी और दोनों के मोबाइल में छिपा है मौत का रहस्य

पायनियर समाचार सेवा। नैनी प्रयागराज

दोनों की फाइल फोटो

प्रयागराज में मंगलवार की सुबह नवदंपत्ति फांसी के फंदे पर झूल गए। दोनों ने एक ही पंखे और एक ही साड़ी के दोनों छोर से फांसी लगाई। जैसे ही घर वालों को पता चला तो परिवार के लोग उन्हें अस्पताल ले गए लेकिन दोनों को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। दोनों बेड पर घुटने के बल पर बैठे थे। इसलिए खुदकुशी पर शक भी हो रहा था। महज पांच महीने पहले दोनों परिवारों की आपसी सहमति एवं रजामंदी के बाद अग्नि को साक्षी मानकर सात फेरे लेने वाले इस युगल के जीवन में ऐसा क्या घटा जो कि उन्हें जान देने की नौबत आ गई। पुलिस इस बिंदु पर गहनता से जांच कर रही है।लेकिन दोनों परिवारों का मौन धारण करना पुलिस को परेशान कर रहा है। पुलिस ने नवदम्पत्ति के मोबाइल को अपने कब्जे में ले लिया है। यह भी पता चला है कि लड़के के फेसबुक अकाउंट की कई पोस्ट भी डिलीट की गई हैं। दूसरी तरफ पुलिस इसमें घरवालों की भूमिका भी तय करने में जुटी हुई है।

यमुनापार अंतर्गत नैनी कोतवाली क्षेत्र के तिगनौता डांडी निवासी शंकर लाल केशरवानी की घर पर ही जनरल मर्चेंट बर्तन और हार्डवेयर की दुकान है। जिस पर उनका बड़ा बेटा अभिषेक उर्फशिवम केसरवानी 26 बैठता था। घर से कुछ दूर पर दूसरी कपड़े की दुकान पर छोटा बेटा सौरभ केशरवानी बैठता है। 06 दिसम्बर 2020 को शंकरलाल ने अपने बड़े बेटे अभिषेक केशरवानी की शादी घूरपुर के सब्जी मंडी निवासी श्यामबाबू केशरवानी की बेटी नेहा केशरवानी 24 के साथ धूमधाम से की थी। अभिषेक पत्नी नेहा के साथ घर के प्रथम तल पर रहता था। जबकि माता पिता और छोटा भाई ग्राउंड फ्लोर पर रहते थे। सोमवार शाम नेहा के मायके वाले आए थे। तब तक भी सब कुछ ठीकठाक था। वहां से दोनों एक निमंत्रण में भी गए थे। रात में लौटने के बाद ग्यारह बजे तक नीचे मां बाप के साथ रहे। उसके बाद दोनों अपने कमरे में ऊपर सोने चले गए।

मंगलवार सुबह साढ़े सात बजे बजे तक जब नेहा और अभिषेक नीचे नही आये तो अभिषेक उर्फशिवम की माँ सुनीता केशरवानी उन्हें जगाने गई। दरवाजा पीटा लेकिन कोई आहट नही आई। जिससे पूरा परिवार परेशान हो गया। क्योंकि प्रतिदिन सुबह से साढ़े बजे तक नेहा नहा कर नीचे आ जाती थी। अभिषेक के कमरे के पीछे खिड़की थी। उसमें से जाकर जब लोगों ने देखा तो पता चला कि पंखे में एक ही साड़ी के फंदे से दोनों फांसी पर लटके हुए हैं। यह देख मां की चीख निकल गयी। दरवाजा तोड़कर दोनों को नीचे उतारा गया। दोनों को लाद फांदकर पहले सीएचसी चाका ले जाया गया। जब चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम में दोनों में कम्प्लीट फँसी पाई गई। शरीर में कोई चोट के निशान नहीं पाए गए। अभिषेक के पिता ने बताया कि होली के बाद अभिषेक अपनी पत्नी नेहा को लेकर जम्मू कश्मीर जाना चाह रहा था। कोरोना की वजह से उन्होंने उसे मना कर दिया था। उसके बाद अगले दिन उसकी पत्नी नेहा ने भी आकर जम्मू कश्मीर जाने की इच्छा जताई थी लेकिन उसे भी मना कर दिया गया था। दूसरी तरफ नेहा के पिता श्याम बाबू केसरवानी का कहना है कि शादी के बाद से एक लड़की ने जिस तरह की खुशी होनी चाहिए उस तरह की खुशी ने हमें कभी देखने को नहीं मिली। कहीं न कहीं बहुत दुखी थी लेकिन किसी से कुछ बता नहीं रही थी।

ममता की विजय
विपक्षी एकता का सपना

सवाल है कि क्या ममता की विजय से विपक्षी एकता की संभावनायें प्रबल होंगी और ज्यादा महत्वपूर्ण रूप से क्या कांग्रेस इसके केन्द्र में होगी? पश्चिम बंगाल में भाजपा द्वारा सत्ता पर कब्जा करने के सुनियोजित प्रयास के बावजूद ममता बनर्जी की विजय ने विपक्षी नेतृत्व को एक बार फिर 2024 के काफी पहले भाजपा-विरोधी गठबंधन का सपना देखने का अवसर दे दिया है। उसकी भावना में यह उत्साह अतीत में भी आया था, पर वर्तमान मामला एकदम अलग है। पश्चित बंगाल की विजय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा गृह मंत्री अमित शाह द्वारा किए अभूतपूर्व प्रयास को विफल कर एक कठोर संदेश दिया है। दूसरे क्षत्रपों ने भी ममता की तारीफ की है, पर ज्यादा महत्वपूर्ण जदयू संसदीय बोर्ड सदस्य उपेन्द्र कुशवाहा द्वारा किया ट्वीट था। उन्होंने कहा था कि ममता बनर्जी ने भाजपा द्वारा बनाया 'चक्रव्यूह' तोड़ दिया है। बिहार में भाजपा की सत्तारूढ़ सहयोगी द्वारा किए ट्वीट से लोगों की भौंहें चढ़ गईं और एक लहर दौड़ गई। शिवसेना के संजय राउत ने यह विमर्श आगे बढ़ाते हुए कहा कि न केवल कमजोर होती कांग्रेस किसी विपक्षी गठबंधन की 'आत्मा' होगी, बल्कि उन्होंने महाराष्ट्र की महाविकास अघाड़ी-एमवीए को राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के खिलाफ राजनीतिक गठबंधन का माडल भी बता दिया। विपक्ष शासित राज्यों में ममता की विजय की सकारात्मक स्वीकृति ने स्वत: ही एक साझा राष्ट्रीय मोर्चे की ओर आगे कदम बढ़ा दिए हैं और ऐसी संभावना की ओर संकेत किए हैं। लेकिन पहले इसके लिए अनेक शर्तें पूरी करनी

होंगी। उदाहरण के लिए उत्तर प्रदेश विधानसभा के अगले चुनाव में क्या सपा और बसपा किसी चुनावी समझदारी तक पहुंच सकते हैं? क्या वाम और आप तथा तृणमूल कांग्रेस पंजाब में कांग्रेस और अकाली दल भाजपा के खिलाफ सीधी लड़ाई की अनुमति दे सकते हैं? दोनों राज्य विपक्षी प्रतिबद्धता की परीक्षा लेंगे, जबकि उत्तर प्रदेश के परिणाम सर्वाधिक महत्वपूर्ण होंगे। क्षेत्रीय नेता एकजुट होने की दिशा में अपनी साझा समस्याओं पर विचार करने की दिशा में बढ़ रहे हैं, जबकि कांग्रेस की ऐसे प्रयासों पर नजर है तथा भाजपा उनके प्रयासों को विफल करना चाहती है। क्या भाजपा के खिलाफ संयुक्त मोर्चे का प्रयास केन्द्र व राज्यों में अलग-अलग विकेन्द्रित एकता का फार्मूला पेश करेगा? इसका एक रास्ता कोविड-19 चुनौती का सामना करने में अपने बीच दुहरे संवाद का अवसर प्रदान करना है। कांग्रेस स्वत: ही 'आत्मा' होने का दावा केवल इसलिए नहीं कर सकती है कि नेतृत्व इसे पसंद करता है, तथा विपक्षी एकता उसके पक्ष में है और इससे वह विपक्षी शिविर में सबसे ऊंची कुर्सी पर विराजमान हो सकती है। कांग्रेस ने महाराष्ट्र में सबसे छोटा सहयोगी होने की परिपक्वता दिखाई है। वह विश्वास कर सकती है कि क्षत्रप अपने राज्यों को छोड़ कर राष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक नुकसान के भय से भूमिका नहीं निभाएंगे तथा कांग्रेस के लिए विकल्प खुला छोड़ देंगे। एमवीए माडल इसलिए कारगर हुआ क्योंकि शिवसेना, रांकापा व कांग्रेस को अपने मतभेद छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा। उल्लेखनीय है कि शिवसेना ने अनिल देशमुख के मामले में हस्तक्षेप नहीं किया और इसका समाधान रांकापा पर छोड़ दिया। इसके साथ ही सभी साझीदारों ने राज्य चुनावों में अच्छा प्रदर्शन किया जिससे गठबंधन को गति मिली। इसलिए सवाल यह है कि क्या विपक्ष को पहले एक गठबंधन के नेता की तलाश करनी चाहिए? वर्तमान समय में कांग्रेस से 6 प्रधानमंत्री उम्मीदवार सामने आ चुके हैं और इतने ही विपक्षी पूर्व कांग्रेसी, लेकिन गैर-भाजपा दलों की ओर से सामने हैं। सवाल है कि यह गतिरोध कौन तोड़ेगा?

महामारी काल में नेतृत्व की परीक्षा

पहली लहर के बाद महामारी से निपटने के लिए केंद्र व राज्यों को बहुत कुछ करने की आवश्यकता थी, लेकिन उन्होंने अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाई।

दीपक सिन्हा
(लेखक सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी हैं)

वर्तमान समय में हमारे चारों ओर विद्यमान अंधेरे और अराजकता के बावजूद निश्चित रूप से कहा जा सकता है कि यह दौर भी बीत जाएगा। असंदिग्ध रूप से इसका खामियाजा त्रासद रूप से बहुत बड़ा होगा। ऐसा लगता है कि जैसे हम रोज सामने आ रहे आघात व हृदयविदारक घटनाओं से निपटने के लिए कुछ नहीं कर सकते हैं। तथ्य यह है कि अपने स्वास्थ्य ढांचे की स्थिति तथा सरकार की निष्क्रियता को देखते हुए हमें महामारी की पहली लहर के बहुत भयानक प्रभाव की आशंका थी। ऐसा खासकर उसके द्वारा पूरी तरह डोनाल्ड ट्रंप की यात्रा पर ध्यान देने के बाद लगा, जबकि विपक्ष नागरिकता संशोधन कानून तथा दिल्ली दंगों पर ध्यान दे रहा था। लेकिन अभी हम पूरी तरह नहीं समझ पाए हैं कि किन कारणों से ऐसा नहीं हुआ और हम ज्यादा मुसीबत से बच सके। कुछ लोगों का तर्क है कि इसका कारण सामान्य रूप से स्वच्छता के हमारे खराब मानक हैं जिनके कारण वायरस से पैदा बीमारी ने हमारे ऊपर ज्यादा असर नहीं डाला। स्पष्ट रूप से इसके कारण अपने प्रति विकृत विश्वास, अहंकार और लापरवाही की भावना हावी हो गई। इससे हमने सामान्य समझदारी और मूलभूत विज्ञान से पल्ला झाड़ लिया जिसका नतीजा जल्द ही जीवन के महामारी-पूर्व स्थिति में आने के रूप में सामने आया।

यह कहना काफी होगा कि पहली लहर से निपटने का काम जिम्मेदार लोगों ने शुरुआती चरण में लापरवाही के साथ किया और बाद में वे घबराहट के शिकार हो गए। ऐसा खासकर यूरोप, अमेरिका और दक्षिण अमेरिका में फैली बदहाली देखने के बाद हुआ। हमने खुद को फौरन थोड़े ही समय में घरों में बंद कर लिया और इस बात की चिन्ता नहीं की कि कम सौभाग्यशाली दिहाड़ी मजदूर जैसे लोग क्या करेंगे जिनकी आजीविका रातोंरात छिन गई थी। राज्य उनकी पीड़ा के समाधान का पूर्वानुमान करने में अक्षम रहा जिसका परिणाम देश विभाजन के बाद सबसे बड़े पलायन के रूप में सामने आया। पलायन करने वालों ने वापस अपने गांवों की सुरक्षा में पहुंचने का फैसला किया तथा कुछ ने इसके लिए हजारों किलोमीटर की पैदल यात्रा का जोखिम उठाया। उनकी मुसीबत केन्द्र तथा अधिकांश राज्य सरकारों की प्रतिक्रिया से और बढ़ी। सरकारों ने पूरी बर्बरता का व्यवहार किया जिसमें संवेदना और सद्भावना का अता-पता नहीं था। इसके परिणामस्वरूप हजारों लोगों की रास्ते में ही जान चली गई। सरकार संभवत: इस तथ्य से भी अनजान थी कि विभाजन के समय तत्कालीन लड़खड़ाती सरकार ने भी सेना का प्रयोग कर सेना निकास संगठन बनाया था जो शरणार्थियों के आवागमन में समन्वय स्थापित कर उनकी अपने गंतव्य तक पहुंचने की तुलनात्मक सुरक्षा सुनिश्चित करता था।

इसके एकदम उलट, सरकार के सामने आए गंभीर खतरे के बावजूद सेना केवल मूक प्रत्यक्षदर्शी बनी रही, जबकि अनेक 'महत्वपूर्ण' अवसरों पर उसका प्रयोग होता रहा जिनमें अस्पताल कर्मचारियों व अन्य फ्रंटलाइन कर्मियों तथा अस्पतालों व पुलिस स्मृतियों पर हेलीकाप्टर से फूल बरसाना शामिल है। वर्तमान समय में भी आरोप लग रहे हैं कि सेना का प्रयोग केवल कुछ वीआईपी राजनेताओं के निर्वाचन क्षेत्रों में फील्ड अस्पताल बनाने के लिए हो रहा है। पीछे देखने पर स्पष्ट होता है कि ऐसी आपातस्थिति से निपटने में हमारी व्यवस्थाओं और प्रक्रियाओं ने उस तरह काम नहीं किया जैसा केरल में हमारे सामने आया था। यदि अधिकांश मंत्रालय और नौकरशाह अपनी जिम्मेदारी का क्रियान्वयन सुनिश्चित करते तो ऐसा न होता। उन्होंने अपने विवेक या उसके अभाव के कारण एनडीएमए के विस्तृत दिशानिर्देशों व एसओपी का पालन करने के बजाय उनको घृणा से देखा तथा लाखों लोगों को अपनी समस्याओं से निपटने के लिए अकेला छोड़ दिया।

> अंतर्निहित घमंड तथा विश्वास के तहत, सरकार ने अपनी आंखें फेर लीं तथा अपने ही सलाहकार समूह द्वारा दी गई यह सलाह अस्वीकार कर दी कि भयानक प्रभाव वाली दूसरी लहर आने की आशंका है। पीछे देखने पर स्पष्ट होता है कि ऐसी आपातस्थिति से निपटने में हमारी व्यवस्थाओं और प्रक्रियाओं ने उस तरह काम नहीं किया जैसा केरल में हमारे सामने आया था।

इस अंतर्निहित घमंड तथा विश्वास के तहत, कि हमने महामारी को पीछे छोड़ दिया है, सरकार ने इससे अपनी आंखें फेर लीं। उसने मार्च के प्रारम्भ में अपने ही सलाहकार समूह द्वारा दी गई यह सलाह अस्वीकार कर दी कि भयानक प्रभाव वाली दूसरी लहर आने की आशंका है। इसके परिणामस्वरूप उसने पहले तैयार ढांचागत संरचनाओं तथा प्रक्रियागत कमियों में सुधार के बजाय ज्यादा बुरे तरीके से उन लोगों को कमियों और गलतियों के लिए जिम्मेदार ठहराने से इनकार किया जिनके कारण हजारों लोगों की अनावश्यक मौतों से बचा जा सकता था। कुल मिला कर सरकार का ध्यान नागरिकों की बेहतरी की चिन्ता करने के बजाया सत्ता व सम्मान प्राप्त करने पर अधिक था। सिविल सोसाइटी ने भी पूरी लापरवाही बरती, विभाजित विपक्ष का नेतृत्व ऐसी पार्टी के हाथ में था जो स्वयं अपनी मृत्यु की प्रतीक्षा कर रही है तथा सरकार-समर्थक मीडिया इन मुद्दों पर खामोश रहा। ऐसा कर हमने अपने दृष्कृत्यों पर लीपापोती की तथा गलत विमर्श व विजय का प्रदर्शन किया।

हालांकि, प्रधानमंत्री के पास अपने सुरक्षित रेसकोर्स रोड कार्यालय से बाहर न निकलने के उचित कारण थे और उन्होंने वहीं से नेतृत्व करना पसंद किया। लेकिन उनको गौर करना चाहिए था कि अन्य नेताओं की जनता में उपस्थिति जरूरी है, नहीं तो वे निष्प्रभावी हो जाएंगे। मजेदार बात है कि युद्धक्षेत्र से सेना के किसी कमांडर की अनुपस्थिति से उसे फौरन नेतृत्व से हटा दिया जाता और इसके लिए यदि उसकी कायरता नहीं तो भी अक्षमता को जिम्मेदार बताया जाता। सरकार चाहे जो प्रदर्शित करने का प्रयास करे, पर अनेक आलोचकों की नजर में मोदी का पहले वाला करिश्मा और छवि अब कमजोर हो गई है।

विभीषिका की जिम्मेदारी स्वीकार न करने की उनकी इच्छा से लगता है कि अब उनमें नैतिक दृढ़ता की कमी आ गई है। ऐसे में सवाल उठता है कि सरकार और प्रधानमंत्री क्या सही कदम उठा कर एक बार फिर अपनी आक्रामकता प्रदर्शित करेंगे। जल्द ही हमें इस सवाल का जवाब मिल जाएगा। लेकिन हमें समझ लेना चाहिए कि समस्याओं से सीधे टकराने तथा उनसे निपटने वाली उनकी छवि और सम्मान प्रभावित हुआ है। वे जनता से सीधे जुड़े रहते हैं, पर इस महामारी के समय में उनकी यह क्षमता नहीं दिखाई पड़ी है। बार्ड ने हमेशा की तरह विद्वतापूर्ण ढंग से लिखा था, 'मनुष्य जो बुराई करता है वह उसके बाद भी जीवित रहती है तथा अच्छाई अक्सर उसकी हड्डियों के साथ दफन हो जाती है।'

कोरोना काल में नैतिक मानदंडों का क्षरण

सुमित मेदीरत्ता
(लेखक अपोलो अस्पताल में न्यूरोसर्जन हैं)

अफसोस की बात है कि पूरे देश में लोग जबरन वसूली का सामना कर रहे हैं और आवश्यक दवा, ऑक्सीजन, एम्बुलेंस इत्यादि प्राप्त करने के लिए बड़े भुगतान करने के लिए मजबूर हो रहे हैं।

जब से कोविड -19 संक्रमणों की दूसरी लहर ने हमारे देश को हिला दिया है, इसने कई लोगों के नैतिक मूल्यों को भी हिला दिया है। पूरे देश में गंभीर जबरन वसूली का सामना कर रहे लोगों की कोई भी संख्या है और आवश्यक दवा, ऑक्सीजन, एम्बुलेंस सेवा और अस्पतालों के बेड प्राप्त करने के लिए बड़े भुगतान करने के लिए मजबूर किया जा रहा है।

शायद एक कारण है कि लोगों ने बर्ताव किया है और इस तरह के शर्मनाक तरीके से व्यवहार करना जारी रखते हैं। विस्तारित अवधि के दौरान आजीविका की हानि और आजीविका में गिरावट के बाद से महामारी ने कई लोगों के नैतिक और नैतिक मूल्यों को हिला दिया है। लेकिन यह अभी भी ऐसी कार्रवाइयों को सही नहीं ठहराता जब किसी की जिंदगी दांव पर लगी हो। अधिकतम खुदरा मूल्य 3,500 रुपये प्रति डोज़ होने पर यह 40,000 रुपये के रेमेडिसविर के इंजेक्शन को बेचने के लिए उचित नहीं है। कुछ गिरफ्तारियां की गई हैं, लेकिन यह व्यापार देश के कई हिस्सों में बेरोकटोक जारी है।

जब किसी का प्रिय व्यक्ति सांस लेने और जीवित रहने के लिए संघर्ष कर रहा होता है, तो लोग बड़ी रकम निकालने के लिए मजबूर हो जाते हैं। उत्पादन इकाइयों से इस दवा के स्रोत के लिए लोगों ने दिल्ली से मुंबई और हैदराबाद के लिए उड़ान भरी है। चूँकि यह एक निर्धारित दवा है और इसे केवल एक चिकित्सा व्यवसायी की देखरेख में दिए जाने की अनुमति है, इसलिए सरकार को फार्मेसियों के लिए यह दवा सीधे अस्पताल या नर्सिंग होम में बेचनी चाहिए, डॉक्टर के पर्चे के आधार पर, जहां मरीज भर्ती हैं। अस्पताल के बिल के साथ मरीज इसके लिए भुगतान कर सकते थे। यह पूरी पारदर्शिता के साथ होगा और कालाबाजारी के साथ जमाखोरी से निपटेगा।

अन्य बहुत बड़ा मुद्दा मेडिकल ऑक्सीजन की कमी रहा है। कोविड संकट से निपटने के लिए केंद्र को दैनिक आधार पर दिल्ली को 700 मीट्रिक टन मेडिकल ऑक्सीजन उपलब्ध कराने के सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बावजूद, दिल्ली अभी भी अपने हिस्से के लिए हांफ रही है और अरविंद केजरीवाल सरकार को पाने के लिए स्तम्भ से चल रही है इसका आवंटित कोटा है।

अन्य राज्यों में भी ऐसी ही विकट स्थिति विद्यमान है। छोटे अस्पतालों और कोविड देखभाल सुविधाओं में, रोगियों को अपनी ऑक्सीजन लाने के लिए कहा जा रहा है। लोग सिलेंडर भरने के लिए एक साथ घंटों तक ऑक्सीजन संयंत्रों के बाहर डेरा डाले हुए हैं। एक सामान्य सिलेंडर जिसकी कीमत पहले 600 रुपये 800 थी, उसे बेईमान लोग 20,000 रुपये में बेच रहे हैं। गुरुद्वारों ने अपने परिसर में अन्य धार्मिक स्थानों के रूप में ऑक्सीजन वितरित करना शुरू कर दिया है, जिससे कुछ दर्द कम हो जाते हैं। फिर भी, इस स्वाभाविक रूप से उपलब्ध उत्पाद की निरंतर कमी के साथ जीवन तीव्र गति से खो रहा है। जो लोग ऑक्सीजन सिलिंडर की पकड़ में नहीं आ सकते थे, वे बिना रिफिल किए ऑक्सीजन की आपूर्ति करने के लिए ऑक्सीजन सांद्रता की तलाश करने लगे। रात भर, ऑक्सीजन सांद्रता बाजार से गायब हो गई, हर ब्रांड का हर उपलब्ध टुकड़ा लिया गया और फिर सामान्य रूप से काला विपणन शुरू किया गया। एक ब्रांडेड ह्रष्ट जिसकी कीमत आमतौर पर 40,000 रुपये है, ब्लैक मार्केट में वारंटी के बिना घटिया चीनी उत्पादों के लिए लगभग 90,000 रुपये में बेचा जा रहा है, और तात्कालिकता और हताशा के आधार पर 1.5 लाख रुपये तक जाता है। दिल्ली में मेडिकल ऑक्सीजन के उत्पादन में वृद्धि के साथ उम्मीद है कि चीजें बेहतर हो जाएंगी।

एक कोविड मरीज को अस्पताल पहुंचाना एक और बुरा सपना रहा है। संक्रमण फैलने के डर से रिश्तेदारों द्वारा संचालित कार में मरीजों को नहीं लाया जा सकता है, एम्बुलेंस में परिवहन की आवश्यकता होती है। इसलिए, एम्बुलेंस प्रदाता यात्रा की कम दूरी के लिए अत्यधिक मात्रा में शुल्क लेते रहे हैं। दिल्ली-एनसीआर में पांच किमी से कम की सवारी के लिए न्यूनतम शुल्क 10,000 रुपये है, बशर्ते मरीज को ऑक्सीजन समर्थन या साथ में डॉक्टर की आवश्यकता न हो; एक मरीज को ऑक्सीजन के समर्थन की आवश्यकता के लिए एक ही सवारी और एक डॉक्टर को परिवार की कीमत 20,000 रुपये से ऊपर हो सकती है। एम्बुलेंस द्वारा अंतर-शहर स्थानांतरण, उदाहरण के लिए दिल्ली-चंडीगढ़ की कीमत 1,00,000 रुपये है। जब एक सेवा प्रदाता का सामना किया गया और बताया गया कि यह एयरलाइन की तुलना में कहीं अधिक है, तो प्रतिक्रिया थी :कृपया विमान ले जाएं!

मोलभाव और दलील देने का कोई तुक नहीं है। आपकी कहानी के लिए किसी के पास समय नहीं है। शुक्र है कि दिल्ली में, सरकार ने अब हस्तक्षेप किया है और कीमतों को विनियमित किया है। दूसरी समस्या अस्पताल के बिस्तरों की कमी है। अस्पताल के खाली पड़े अस्पतालों को दिखाने वाले सरकारी पोर्टलों को जमीनी हकीकत से अपडेट नहीं किया गया है।सरकारी वेबसाइटों पर पोस्ट किए गए कई टेलीफोन नंबर उपयोग में नहीं हैं या उनका जवाब नहीं दिया जा रहा है, जिससे लोगों का दुख बढ़ेगा। कई अस्पताल अपनी वेबसाइट पर खाली बेड दिखाते हैं लेकिन मरीजों के आने पर ये उपलब्ध नहीं होते हैं। कई अस्पतालों में स्टाफ मरीजों को बेड उपलब्ध कराने के लिए भारी भरकम शुल्क वसूल रहा है। मरीज को बिस्तर मिलने तक एंबुलेंस में इंतजार करने वालों से प्रति घंटे के हिसाब से 2,000 रुपये वसूले जा रहे हैं!

बड़े अस्पतालों में राजनेताओं और वरिष्ठ नौकरशाहों के लिए बेड होते हैं, जबकि आम को कई अस्पतालों में भागना पड़ता है, हर बिंदु पर बड़े रकम का भुगतान करना पड़ता है और फिर भी, देखभाल की जरूरत नहीं होने की उम्मीद है। क्या हमारे देश ने अपनी आत्मा खो दी है? क्या यह महामारी का प्रभाव है या हम स्वाभाविक रूप से इस तरह थे? जैसे ही देश अपने सबसे बड़े संकट से जूझता है और परिवार दिवंगत लोगों के लिए रोते हैं, भारतीयों को अपने टूटे हुए नैतिक कम्पास को ठीक करने की जरूरत है।

आप की बात

भारत-ब्रिटेन संबंध

भारत और यूनाइटेड किंगडम के मध्य मौजूद ऐतिहासिक संबंध में के साथ-साथ आधुनिक कूटनीतिक संबंध में भी मौजूद है। अभी हाल ही में दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों के मध्य एक आभासी द्विपक्षीय बैठक का आयोजन किया गया और इसमें स्वास्थ्य क्षेत्र में आवश्यक रूप से मुख्य मुद्दा रहा किंतु भारत और ब्रिटेन के प्रतिनिधियों द्वारा द्विपक्षीय सहयोग से संबंधित विभिन्न विषयों पर भी चर्चा की गई। जैसे-जैसे भारत की अर्थव्यवस्था बदल रही है इसकी राजनीति के सैन्य और सांस्कृतिक शक्ति भी बढ़ रही है। भारत वैश्विक तौर पर एक नए साथी की तलाश में है और इसके लिए ब्रिटेन अवश्य सहयोग करेगा। ब्रिटेन के पास शिक्षा अनुसंधान नागरिक समाज एवं रचनात्मक क्षेत्र में भारत को देने के लिए बहुत कुछ है। भारत में अंग्रेजी बोलने वाले मध्यम वर्ग की जनसंख्या में भारी वृद्धि ब्रिटेन के लिए महत्वपूर्ण अवसर है इससे पहले कि भारत की अगली पीढ़ी को कहीं और अवसर तलाश है ब्रिटेन व्यापार कूटनीतिक संस्कृति और शिक्षा के क्षेत्र में भारत के लिए अपने दरवाजे खोल सकता है। ब्रिटेन भारत की आंतरिक क्षमताओं को बढ़ाने में मदद करने के साथ-साथ वैश्विक महामारी का प्रबंधन करने में काफी हद तक सक्षम है।

– **सुदर्शन सोराड़ी**, नैनीताल

कोरोना संकट में बुजुर्ग

देश विदेश में कोरोना संक्रमण महामारी से करीब करीब सभी वर्ग आयु के लोग प्रभावित हुए है। वैसे जहां तक बुजुर्गों की अहमियत का सवाल है तो कोई सा भी देश क्यो न हो इनकी हिफाजत हर व्यक्ति की नैतिकताओं में शामिल होना चाहिए। समाचार पत्र के समाचार के आधार पर अमेरिका में बुजुर्गों को वृद्धाश्रम में छोड़ने का चलन घटा है। अपराधबोध के चलते अब घरों में ही देखभाल हो रही है। कोरोना काल मे सबसे ज्यादा असर उम्रदराज लोगों पर हुआ था। अब अमेरिका में 25 प्रतिशत वृद्धाश्रम खाली हो गए। बहुत ही बढ़िया और सार्थकता भरा पहलू है कि अमेरिकी अब बुजुर्गों की अहमियत समझने लगे। कोरोना काल मे बुजुर्गों की परेशानियों को बढ़ता देख लोगों ने अपने घर ही बुजुर्गों को रखने का मन बना लिया। पिछले साल कोरोना महामारी में 86 साल की निक्सन पिट्सबर्ग एक अपारमेन्ट में अपनी चारो बेटियों के साथ रहती थी। कोरोना महामारी से पहले उनकी तबीयत खराब हुई थी, तब बेटियों ने उन्हें वृद्धाश्रम भेजने का सोचा था। डिआने निक्सन पिट्सबर्ग बेटियों पर बोझ नही बनना चाहती थी। पर जब कोरोना से नर्सिंग होम में मौतें होने लगी और परिजनों को भी मिलने से रोक दिया गया तो परिवार ने इरादा बदल दिया।

– **योगेश जोशी**, बड़वाह, मप्र

टीकाकरण का अमेरिकी फार्मूला

आज टीकाकरण अभियान ही दुनियाभर में कोरोना की लहर को थामने का कारगर उपाय साबित हुआ है। पहले और दूसरे टीकाकरण नें लाखों लोगों को संक्रमण और मौत से बचाया है। इस मामले में अमेरिकी सरकार आसान टीकाकरण के लिए जो फार्मूला लाई है वह अभियान को तेजी प्रदान कर सकता है। बाइडेन सरकार ने अब वहां के नागरिकों के लिए राह चलते आसानी से टीकाकरण की व्यवस्था की है। इसके लिए हजारों फार्मेसी और मोबाइल क्लीनिक को टीकाकरण की सेवा में लगाया गया है। इससे निश्चय ही बाइडेन सरकार के प्रयास रंग लाएंगे। भारत में टीकाकरण की गति अपेक्षाकृत धीमी है ऐसे में इस तकनीक का उपयोग हमारे देश में भी हो। इससे राह चलते लोगों का टीकाकरण संभव हो सकेगा। हां इसके लिए सरकार को टीके का बड़ा संग्रहण करना पड़ेगा। राह चलते टीकाकरण से लोगों का समय भी बचेगा। पहला टीका समस्त देशवासियों को लगने के बाद काफी कुछ राहत महसूस की जा सकती है।

– **अमृतलाल मारू**, दसई, मप्र

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

विदेशी सहायता पर सरकार का गौरवान्वित होना दयनीय है। यदि सरकार ने अपना काम किया होता तो ऐसी स्थिति न आती।

– **राहुल गांधी**
कांग्रेस नेता

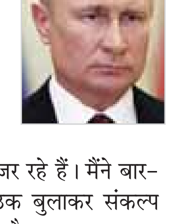

रूस सतत रूप से अंतरराष्ट्रीय कानून का रक्षण करता है। साथ ही साथ हम अपने राष्ट्रीय हितों की भी रक्षा करेंगे और अपनी जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे।

– **व्लादिमीर पुतिन**
रूस के राष्ट्रपति

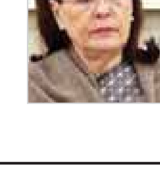

हम स्वास्थ्य आपातकाल से गुजर रहे हैं। मैंने बार-बार सरकार से सर्वदलीय बैठक बुलाकर संकल्प प्रदर्शित करने का आग्रह किया है।

– **सोनिया गांधी**
कांग्रेस अध्यक्ष

गणना कर नौ प्रधानों के नतीजे घोषित......

उनई से हरिनाम, छावन से सीमा, बाडी से जलीस बने प्रधान

संवाददाता। सीतापुर

पंचायत चुनाव में सीतापुर के पांच ब्लॉक की नौ प्रधानों के नतीजे घोषित हो गए। सिधौली के उनई से ज्ञानवती, छावन से सीमा भार्गव, बाडी से हाजी जलीसं अंसारी जीते हैं। जबकि रेउसा के भौली से चंद्रशेखर व नकहा कनौरा से अक्षय लाल विजयी हुए। कसमंडा के भंडिया से फरजाना व पूरनपुर से रवी कुमार मिश्रा जीते है। बिसवां के कालूपुर से राकेश कुमार को विजयश्री मिली है। इनकी जीत पर समर्थकों पर माल्यार्पण कर स्वागत किया और उन्हें बधाईयां दी। आपको बता दें कि सीतापुर जिले में चौथे चरण यानी 29 अप्रैल को वोट डाले गए थे, लेकिन कोरोना से प्रधान प्रत्याशियों के निधन के चलते नौ ग्राम पंचायतों में मतदान स्थगित कर दिया गया था। ऐसे में यहां की नौ ग्राम पंचायतों में नौ मई को 75 फीसदी से अधिक मतदाताओं ने मताधिकार का प्रयोग कर इनके भाग्य को मतपेटियों में कैद कर दिया गया था। मंगलवार की सुबह सीतापुर के पांच ब्लॉकों पर मतगणना शुरू हुई। सुबह आठ बजे से सील मतपेटियों के खुलने के बाद प्रधानी के नतीजों के रूझान आने लगे थे। कसमंडा के पूरनपुर से रवि मिश्रा 276 मत पाकर विजयी हुए। उनके प्रतिद्वंदी उदय राम मौर्या को 52 मत मिले। बिसवां के कालूपुर से राकेश कुमार जीते। 403 मत पाकर उन्होंने अपने प्रतिद्वंदी को छह वोटों से हराया। कसमडा के भंडिया से फरजाना जीती है। रेउसा के भौली से चंद्र शेखर व नकहा कनौरा से अक्षय लाल जीते हैं सिधौली के उनई से ज्ञानवती 70 मतों से जीते हैं। छावन से सीमा भार्गव 67 वोटों से विजयी हुई। बाडी से हाजी जलीस अंसारी विजयी हुए है।

बीहट गौड़ से विशाल गौतम बने प्रधान

प्रधान पद प्रत्याशी भोगनाथ उर्फमुन्ना की मौत होने से उसके पुत्र विशाल गौतम ने लहराया परचम

पिसावां ब्लॉक के 5046 मतदाताओं वाली ग्राम पंचायत बीहट गौड़ में प्रधान पद प्रत्याशी भोगनाथ उर्फ मुन्ना की दिनाँक 25 अप्रैल को पारस अस्पताल लखनऊ में मौत होंने से जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदान स्थगित कर दिया था। 9 मई रविवार को मतदान हुआ था। प्रत्याशियो का भाग्य मतपेटियों में बंद कर कर दिया था । पोलिंग स्टेशन पर 11 मई को 71 प्रतिशत मतगणना हुई थी। ग्राम पंचायत बीहट गौड़ में प्रधान के पद पर विशाल गौतम 1883 मत पाकर विजयी घोषित हुए। वही प्रतिद्वंद्वी रामदयाल को 1610 मत मिले, करारी हार मिली।

गांव की नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह टला

- 25 से पहले कभी भी हो सकती शपथ
- ग्राम पंचायतों में काबिज प्रशासकों का 25 मई को पूरा होगा कार्यकाल

पंचायत चुनाव होने के बाद अब गांवों में कोरोना महामारी पांव पसारे हुए हैं। गंवई इलाकों में फैले संक्रमण के लिहाज से गांव की सरकार के नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों का चौदह मई को प्रस्तावित शपथ ग्रहण समारोह फिलहाल सरकार ने टाल दिया है, हालांकि इन्हें 17 मई के बाद और 25 मई से पहले से किसी भी दिन शपथ दिलाई जाएगी, क्योंकि 25 मई को ग्राम पंचायतों में काबिज प्रशासकों का कार्यकाल खत्म होने वाला है। आपको बता दें कि गांव की सरकार का कार्यकाल 25 दिसंबर 2020 को पूरा हो गया था। नए पंच वर्षीय के गठन के लिए सीतापुर में 1599 ग्राम पंचायतों में चुनावी प्रक्रिया अपनाई गई। अभी हाल ही में हुए पंचायत चुनाव में चारों पदों पर जनता ने अपनी नुमाइंदें चुन लिए है। अब गांव की सरकार के नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों को शपथ दिलाई जानी है। पहले इन्हें 14 मई को शपथ दिलाने की तैयारी थी। लेकिन गांवों में फैले कोरोना संक्रमण और मौजूदा वक्त में 17 मई तक लागू लॉकडाउन के चलते यह शपथ ग्रहण समारोह को स्थगित कर दिया है, क्योंकि पंचायती राज विभाग के एक्ट के मुताबिक सभी निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को एक साथ शपथ दिलाए जाने की व्यवस्था है। इनके एक साथ भारी संख्या में जुटने से संक्रमण का खतरा बढ सकता है, इसलिए इसे टाल दिया गया है। पंचायत राज विभाग के मुताबिक अब यह शपथ ग्रहण समारोह मई माह के अंत में कराने की योजना है, क्योंकि 25 मई को ग्राम पंचायतों में बिठाए गए प्रशासकों का कार्यकाल पूरा होने वाला है। ऐसे में इनके कार्यकाल के पूरा होने से पहले गांव की सरकार के नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों को शपथ दिला दी जाएगी।

सीतापुर में नहीं कम पड़ रहा कोरोना संक्रमण

संवाददाता। सीतापुर

- मंगलवार को निकले 138 कोरोना पॉजिटिव

सीतापुर में कोरोना संक्रमण का खतरा कम नहीं हो रहा है। सोमवार के मुकाबले मंगलवार को नए मरीजों की संख्या में इजाफा इसकी तस्दीक करता है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक मंगलवार को 138 कोरोना के नए मरीज मिले हैं। जबकि सोमवार को यह संख्या 129 थी। रिपोर्ट के मुताबिक मंगलवार को पाए गए पॉजिटिव केसों में नगरीय क्षेत्रों से पांच गुना से भी अधिक मरीज ग्रामीण इलाकों में पाए गए हैं। नगर क्षेत्र में 20 जबकि ग्रामीण में 118 नए केस मिले हैं। मंगलवार को 107 पुरुष और 31 महिलाएं संक्रमित पाई गई हैं। इनमें 10 से 20 साल तक के चार, 20 से 55 साल तक के 120 तथा 55 साल से अधिक के 14 मरीज शामिल हैं। स्वास्थ विभाग के अनुसार 1349 लोगों की रिपोर्टे आनी अभी बाकी हैं। अब तक 137 मरीजों की मौत हो चुकी है। कोरोना से जान गंवाने वालों की संख्या में दिन-ब-दिन इजाफा होता जा रहा है। लगातार बिगड़ रहे हालातों के बावजूद कोरोना कर्फ्यू का लोग पालन करते नजर नहीं आ रहे हैं। शहर से लेकर कस्बों तक की बाजारों में मंगलवार को गहमा-गहमी दिखाई दी। जिम्मेदार भी कोरोना कर्फ्यू का पालन कराने को लेकर संजीदा नहीं है। कोरोना की दूसरी लहर में जब हर तरफस्वास्थ्य सुविधाएं धड़ाम हैं जरूरतमंदों को अस्पताल में बेड, वेंटीलेटर और ऑक्सीजन के लिए जूझना पड़ रहा है ऐसे में सीतापुर के जनप्रतिनिधि कहीं नजर नहीं आ रहे हैं न किसी जरूरतमंद की मदद करते और न उनका दर्द बांटते। इस बीच अगर वह दिखाई दिए तो पंचायत चुनाव में भाजपा समर्थित प्रत्याषियों के लिए बैठकें और सभाएं करते या फिर बंगाल में भाजपा कार्यकर्ताओं पर हिंसा के विरोध में धरना व ज्ञापन देते। सीतापुर की यह एक बड़ी विडंबना है कि जिन नुमाइंदों को जनता ने वक्त जरूरत पर काम आने के लिए चुना वही अब गधे के सिर से सींग की तरह गायब हैं और जनता भगवान भरोसे है।

कंटेंमेंट जोन के मुआयने में डीएम ने देखा कोविड प्रोटोकाल......

कंटेंमेंट जोन के प्राविधानों का कड़ाई से करें पालन: विशाल भारद्वाज

संवाददाता। सीतापुर

जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज ने मंगलवार को शहर के विजयलक्ष्मी नगर में बनाए गए कंटेंमेंट जोन का मुआयना कर कोविड प्रोटोकाल की स्थिति को देखा। निरीक्षण में उन्होंने होमआइसोलेट मरीजों के तीमारदारों से दवाओं और स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जानकारी ली। साथ ही सभी के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुये सावधानी बरतने की भी अपील की। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को कोविड प्रोटोकाल का शत प्रतिशत अनुपालन करने को कहा। जिलाधिकारी ने बताया कि कोविड.19 के संक्रमण से बचाव के लिए जनपद स्तर पर एकीकृत कमाण्ड कन्ट्रोल सेन्टर, नेहरू हाल जिला पंचायत सीतापुर में 24 घंटे संचालित किया गया है, जिसके दूरभाष नंबर 05862.242400, 05862.240009, .9451350046, 9451350080, 9451350014 हैं। इसमें अधिकारियोंध्चिकित्सकों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गयी है। किसी भी जनसामान्य द्वारा कोविड.19 के बारे में इन नम्बरों पर जानकारी दी जा सकती है तथा अपनी समस्या बताई जा सकती है। इसके अतिरिक्त कोविड.19 से प्रभावित व्यक्ति जो होम आइसोलेशन में हैं, यदि उनको कोई समस्या है अथवा कोई जानकारी चिकित्सीय परामर्श चाहते हैं तो इन नंबरों पर सम्पर्क कर सकते हैं।

क्विक न्यूज

विधायक ने शुरू की नि:शुल्क रसोई

महमूदाबाद सीतापुर। कोरोना महामारी को लेकर लॉकडाउन में गरीब परिवारों के लिये संकट पैदा कर दिया है। क्षेत्र को इस संकट में मदद करने के लिए विधायक नरेंद्र सिंह वर्मा और क्षेत्र के तमाम समाजसेवी आगे आये हैं। मंगलवार को इसी के तहत निशुल्क रसोई की शुरआत की गई। विधायक नरेंद्र सिंह वर्मा के नेतृत्व में शहर के तीन स्थानों पर जरूरतमंदों को निशुल्क भोजन देने का सिलसिला शुरू हुआ। समाजसेवी सागर जैन, प्रतीक सिंह, पुष्कर शुक्ला, साकेन्द्र यादव, सुशील, हर्षित सोनी सहित तमाम समाजसेवी लोगों ने बढ़चढ़कर आपसी सहयोग से इसमें हिस्सा लिया। यह रसोई महमूदाबाद के रामकुंडा चौराहा स्थिति बैंक ऑफ इंडिया के सामने, बस स्टॉप चौराहा और सिधौली क्रासिंग के तिराहे पर शुरू हो गयी। विधायक नरेंद्र वर्मा ने बताया कि जरूरतमंद बहुत कठिन समय से गुजर रहे हैं। उनकी मदद करना हम सबका दायित्व है। इसीलिए समाजसेवियों के सहयोग से यह रसोई शुरू हुई है। और यह लॉक डाउन तक अनवरत चलेगी।

शराब की दुकानें खुलीं, लगी भीड़

सीतापुर। कोरोना के प्रकोप को देखते हुए प्रदेश सरकार ने लॉकडाउन में शराब बंदी का आदेश सुना दिया था जिससे शराब पीने के शौकीन लोग यह रास्ता देखने लगे थे कि आखिर कब मयखाने की दुकान खुलेगी, शायद यही वजह रही कि सरकार ने मंगलवार को षराब की दुकाने खुलने का आदेष जारी करते ही दुकानों पर भीड़ उमड़ती नजर आयी। इससे सोषल डिस्टेसिंग का पालन भी नाम मात्र का होता नजर आया। लालबाग व बस स्टाप पर षराब की दुकानों पर ग्राहकों की लम्बी लाइन देखने को मिली।

श्रद्धालुओं की जुटती भीड़ को देख मार्गों पर लगी बैरीकेटिंग

नैमिषारण्य सीतापुर। नैमिषारण्य में मंगलवार को अमावस्या के दिन तीर्थ की सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा, जबकि हर साल इस दिन लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ जुटती थी, मगर इस समय कोरोना महामारी के चलते प्रशासन द्वारा नैमिषारण्य आने वाले सभी मार्गों पर बैरीकेंटिग लगाकर श्रद्धालुओं को रोकने की व्यवस्था की गई थी। वहीं, सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों से अमावस्या पर्व पर नैमिषारण्य ना आने की अपील भी की गई थी, जिसका असर साफ देखने को मिला। इस बीच अगर कुछ श्रद्धालु नैमिष आ गए तो थाना प्रभारी विनोद मिश्रा द्वारा हाथ जोड़कर निवेदन करते हुए उन्हें वापस कर दिया गया।

चोरी की मोटर साइकिल सहित अभियुक्त गिरफ्तार

मोहम्मदी.खीरी। पसगवां कोतवाली पुलिस ने दो शातिर मोटर साइकिल चोरो को गिरफ्तार किया है। जिनके पास से मोटर साइकिल और अवैध तमंचा भी बरामद हुआ है। प्रभारी निरीक्षक आदर्श कुमार सिंह ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर उचौलिया पुलिस और कोतवाली पुलिस की टीम ने वाहन चोर को मय मोटरसाइकिल गिरफ्तार किया गया है। जिसमें सर्वजीत सिंह रामपुर ग्रांट और अंकित शर्मा हन्ना के पास से एक बुलेट और एक सीडी डीलक्स मोटरसाइकिल बरामद की गई है। दोनों का अपराधिक इतिहास है। इन पर कई मुकदमे दर्ज है। दोनों अभियुक्तों को मुकदमा लिख कर जेल भेजा जा रहा है। इस टीम में प्रमुख रूप से प्रभारी निरीक्षक आदर्श कुमार सिंहए उचौलिया चौकी इंचार्ज उग्रसेन सिंह व राजेंद्र यादव सहित अन्य पुलिस टीम के लोग मौजूद रहे।

किसानों का छलकता दर्द क्यों नहीं देता दिखाई

लखीमपुर.खीरी। जहां एक तरफजनता कोरोना वायरस जैसी भयानक बीमारी से परेशान हैं तो वहीं दूसरी तरफआवारा पशुओं से किसान परेशान हैं। छुट्टा पशुओं द्वारा किसानों की फसलों को रौंद कर फसलों को बर्बाद किया जा रहा है। उस बर्बादी पर किसान आंसू बहाता नजर आ रहा है। क्या किसानों के छलकते हुए दर्द को कोई देखने वाला नहीं है। नगर पंचायत बरबर क्षेत्र में दिलावर नगर में गौशाला शोपीस बनकर रह गया है। बड़े.बड़े नेता आते हैं गौशाला पर फॉर्मेलिटी कर फोटो खिंचवा कर सोशल मीडिया आदि पर चलवा कर घर बैठ जाते हैं। फिर मुड़कर नहीं देखते हैं कि गौशाला का क्या हाल है। वहीं दूसरी तरफएक बरवर नगर पंचायत में भी गौशाला बना हुआ है जो भ्रष्टाचार का शिकार है जिसमें कोई आवारा पशुओं के रुकने की समुचित व्यवस्था नहीं की गई है। इन सब लापरवाही और अव्यवस्थाओं के चलते हैं आवारा पशु किसानों की फसलों को बर्बाद कर किसानों को बर्बाद कर रहे हैं। जिस फसल को किसान दिन रात एक कर उस फसल की निगरानी कर फसल को तैयार करता है। किसान बेचारा आत्महत्या करने पर मजबूर हैं।

सेनिटाईजेसन व साफ सफाई को तरस रहे गोविंद नगर सलेमपुर कोन के निवासी

लखीमपुर खीरी। गोविंद नगर कालोनी में नालियों का गंदा पानी निकास न होने कारण किसी भी गली में देखा जा सकता है। गालियां तालाब में बदल चुकी है। कई प्रधान आये चले गए लेकिन कोई पानी का निकास या नाला बनवाने की जहमत उठाने की बजाय बजट का बहाना बना दिया गया। अब फिर से सलेमपुर की जनताने विश्वास करके पुराने प्रधान को प्रधानी सौपी है। अब देखना यह है कि गोविंद नगर का नालियों का पानी व साफसफाई हो पाती है या वही पुराना बहाना होगा। एक तरफजहां हर गली मोहल्ले में इस भयंकर कोरोना महामारी में सेनेटाइजर छिड़काव साफसफाई करवाई जा रही है वही दूसरी ओर लखीमपुर सदर तहसील की चंद कदम की दूरी पर ही मौजूद होने के कारण भी न तो साफसफाई व न ही सेनेटाइजर का छिड़काव करवाया गया है। गंदा नालियों का पानी व जहरीले मच्छर पनप रहे है। जरा सी बारिस होने पे पानी घरों के अन्दर चला जाता है।

श्रमिकों के बच्चों के साथ मनाया अपना जन्मदिन

बरेली। कलाकार वेलफेयर सोसाइटी के संस्थापक,अध्यक्ष,श्री आहुति परिवार के संचालक एवं भाजपा के महानगर मंत्री ,अमरीश कठेरिया एडवोकेट ने अपनी बेटी श्रद्धा कठेरिया के जन्मदिन को जज साहब की धर्मशाला में रह रहे श्रमिकों के बच्चों के साथ मिलकर जन्मदिन मनाया। इस अवसर पर सभी बच्चों को फल मिठाई चॉकलेट गिफ्ट आदि वितरण किए गए, गिफ्टो को पाकर बच्चों के चेहरे पर मुस्कान आई ।। अमरीश कठेरिया ने कहा आज की विषम परिस्थित को देखते हुए हम सभी को एक दूसरे के हर सुख दुख को आपस मे मिल साझा करने का वक्त है,आपस मे मिलकर इस कोरोना संक्रमण से जंग जीतना है तो एक दुसरे का ख्याल रखे,तथा एक दुसरे का सहारा बने, सरकार द्वारा दी जा रही गाइडलाइंस का विधिवत पालन करें।

डीएम ने प्रशासनिक, चिकित्सा अधिकारियों के संग बनाई रणनीति

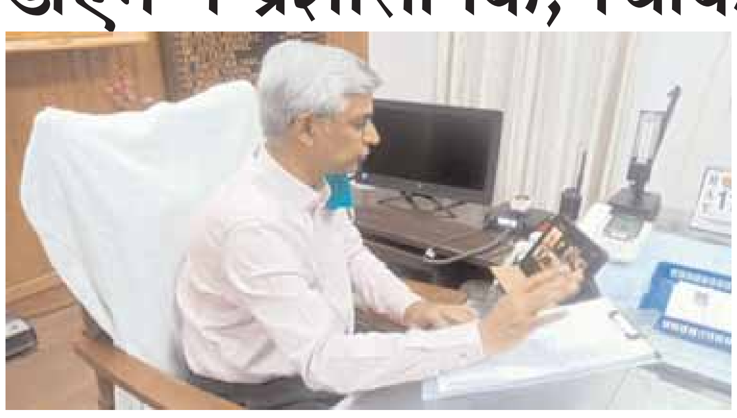

संवाददाता। लखीमपुर खीरी

मंगलवार को जिला अधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह ने प्रशासनिक व चिकित्सा अधिकारियों के साथ वर्चुअल बैठक कर कोविड के बढ़ते संक्रमण की प्रभावी रोकथाम हेतु गहन समीक्षा की।

बैठक में डीएम शैलेंद्र कुमार सिंह ने निर्देश दिए कि एमओआईसीए सर्वे समितियो चिन्हित सभी लक्षणयुक्त व्यक्तियों को तीन दिन में अनिवार्य रूप से मेडिकल किट उपलब्ध कराएं। सीएमओ कार्यालय में पंजीकृत चिकित्सालयों में बेडएभर्ती मरीजों व ऑक्सीजन गैस की रिक्वायरमेंट के सापेक्ष ऑक्सीजन गैस की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। आरआरटी को वैल्यूवेट कराकर सक्रिय केसों के सापेक्ष उन्हें गठितए सक्रिय व क्रियाशील करें। वन बीट हॉस्पिटल को पूरी क्षमता से निजी कोविड हॉस्पिटल संचालित किए जाने की अनुमति जारी करें। कोविड चिकित्सालय जगसड प्रभारी डॉ सुभाषए सीएमएस डॉ आरसी अग्रवाल से समन्वय कर डिस्टिक हॉस्पिटल में चिन्हित कोविड मरीजों को जगसड शिफ्ट करवाएं। डीएम ने आईसीसीसी व आरोग्य बंधुध्बहन के कार्यो का फीडबैक प्राप्त किया। सैंपलिंग में फिसड्डी ब्लॉक टेस्टिंग बढ़ाएं। जिन ब्लॉकों में रिपीट सैंपलिग का प्रतिशत अधिक होए उन ब्लॉको से सीएमओ स्पष्टीकरण प्राप्त करे।

सीडीओ अरविंद सिंह ने कहा कि सिंप्टोमेटिक व्यक्तियों की युद्ध स्तर पर एंटीजन टेस्टिंग हो। प्रत्येक पीएचसी पर कम से कम दो.दो आरआरटी टीमों का गठन हो। मेडिकल किट का वितरण एएनएम.आशा के माध्यम से कराया जाए। रैपिड रिस्पांस टीम द्वारा वैल्यू ऐडेड सर्विसेज पर फोकस किया जाए। मेडिकल किट की पैकेजिंगए डिस्ट्रीब्यूशन स्टॉक की डेली मॉनिटरिंग की जाए।सीएमओ डॉ मनोज अग्रवाल ने सभी एमओआईसी को निर्देश दिए कि सीएचसी व पीएचसी पर ऑक्सीजन के खाली सिलेंडर जिला मुख्यालय भेज रिफिलिंग कराएं। जिससे कि वहां ऑक्सीजन की उपलब्धता बनी रहे।मेडिकल किट पैकेजिंग के प्रभारी डॉ वाईपी सिंह ने बताया कि प्रतिदिन हजार किट तैयार की जा रही। वर्तमान में दो हजार पांच सौ किट तैयार है। डीएम ने सीएमओ को निर्देश दिए कि मेडिकल किट को एमओआईसीए सर्वेध्निगरानी टीमों एवं सिंप्टोमेटिक व्यक्तियों तक वितरण सुनिश्चित करानेए मेडिकल किट डिस्ट्रीब्यूशन चैन को मेंटेन करने हेतु एक नोडल अधिकारी नामित करें। जिसपर सीएमओ ने एसीएमओ डॉ अश्विनी को नोडल अधिकारी बनाया। डीएम ने निर्देश दिए कि प्रतिदिन दो हजार मेडिकल किट अनिवार्य रूप से तैयार कराई जाए। वही दवाओं की आपूर्ति हेतु मेडिकल कॉरपोरेशन से डिमांड भी की जाती रहे।वर्चुअल बैठक में सीडीओ अरविंद सिंह सीएमओ डॉ मनोज अग्रवालए एडीएम अरुण कुमार सिंह एसीएमओ डॉ अश्विनी डॉ आरपी दीक्षित डॉ बीसी पंत डॉ रविन्द्र शर्मा जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ बलबीर सिंह सहित प्रशासनिक एवं चिकित्सा अधिकारी मौजूद रहे।

कोरोना योद्धा घोषित कर दिए जाएं 50 लाख

गोला गोकर्णनाथ खीरी । माध्यमिक शिक्षक संघ लखीमपुर खीरी के जिला उपाध्यक्ष डॉ सौरभ दीक्षित ने मुख्यमंत्री आदित्यनाथ से त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में कोरोना संक्रमण की वजह से जान गंवाने वाले 1000 से अधिक शिक्षक व कर्मचारियों को कोरोना योद्धा घोषित किए जाने की मांग की है। कहा कि मृतक कर्मचारियों को सरकार की योजना के तहत 50 लाख रुपए की धनराशि उनके परिवार को प्रदान की जाए। तमाम कर्मचारी ऐसे विभागों से थे जिनमें मृतक आश्रित कोटे की व्यवस्था नहीं है उन विभागों में मृतक आश्रित कोटे को तत्काल बहाल कर उनके आश्रितों की भर्ती की जाए। साथ ही लॉकडाउन की वजह से बंद पड़े वित्तविहीन विद्यालयों के शिक्षकों के जीवन यापन के लिए न्यूनतम मानदेय तय किया जाए। जिससे वह सम्मानजनक जीवन जी सकें। सरकार द्वारा उपलब्ध कराए जाने वाले 3 महीने के निरूशुल्क राशन व्यवस्था के अंतर्गत वित्तविहीन शिक्षकों को भी सम्मिलित किया जाए। पिछले लॉक डाउन में वित्तविहीन शिक्षकों को किसी भी प्रकार की सहायता प्रशासन व सरकार से नहीं मिली थी। ऐसे में वित्तविहीन शिक्षक अपने भविष्य को लेकर परेशान हैं।

प्रधान ने मौजूद रहकर कराया सेनिटाइजेशन

सिंगाही.खीरी। इस समय चल कोरोना महामारी से चारों ओर अफरा.तफरी का माहौल है। इससे बचाव व रोकथाम के लिए हर कोई प्रयास में लगा है। इसी के चलते भेड़ौरा के नव निर्वाचित प्रधान अमित सिंह ने अपनी ग्राम में तीन दिन तक अभियान चलाकर पंचायत के सभी मजरा नई बस्तीए इंद्रानगरए परसादी पुरवाए चिरकुआ और मसुरहा में स्वयं जाकर अपने निजी खर्च से सेनेटाइजेशन कराया। इस दौरान उनके साथ राम नरेश ओम प्रकाश व पंचायत मित्र राम बहादुर भी साथ रहे।

दो चोर गिरफ्तार

संवाददाता। लखीमपुर खीरी

पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में संपूर्ण जनपद में अपराध की रोकथाम वांछित वारंटियों व संदिग्ध अभियुक्तों की गिरफ्तार हेतु चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत 11 मई को थाना तिकुनिया पुलिस द्वारा चोरी की घटना का अनावरण करते हुए 02 वांछित अभियुक्तों बबलू पुत्र खलील व शैलेन्द्र कुमार गौतम पुत्र बाबूराम को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से एक अवैध तमंचा 315 बोर एक जिंदा कारतूस व चोरी का माल बेचकर प्राप्त 2740 रूपये नगद बरामद किया गया। अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।गिरफ्तार चोर बबलू पुत्र खलील निवासी ग्राम भूलनपुर थाना तिकुनिया जनपद खीरी व शैलेन्द्र कुमार गौतम पुत्र बाबूराम निवासी ग्राम सिरटांडा थाना भीरा जनपद खीरी हैं। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम का विवरण में उप निरीक्षक हेमन्त कटियार थाना तिकुनिया विनोद मिश्रा थाना तिकुनिया राहुल थाना तिकुनियाए गोपाल थाना तिकुनिया व होमगार्ड राजनारायण शुक्ला शामिल रहे।

बाइक सवार मजदूर की सड़क दुर्घटना में मौत

संवाददाता। बरेली

मजदूरी करके मोटरसाइकिल पर घर वापस लौट रहे एक मजदूर को पीछे से आ रहे किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इलाज के दौरान उसने जिला अस्पताल में दम तोड़ दिया। पुलिस ने लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।बहेड़ी थाना क्षेत्र के गांव लखीमपुर निवासी 28 वर्षीय सोमपाल पुत्र कुंवर सिंह की बीती रात इलाज के दौरान जिला अस्पताल में मौत हो गई। पोस्टमार्टम हाउस पर मौजूद मृतक के घर वालों ने बताया कि सोमपाल मजदूरी करने के लिए कल सुबह रोजाना की तरह मोटरसाइकिल पर घर से निकला था। शाम को काम समाप्त होने के बाद वह अपने घर वापस लौट रहा था। लेकिन रास्ते में ही जब वह संतोष गोटिया गांव के पास पहुंचा। तभी पीछे से आए किसी वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। जिससे वह जमीन पर गिर पड़ा और गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद उसे टक्कर मारने वाला वाहन फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने दुर्घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल के पास मिले फोन से दुर्घटना की सूचना उसके घरवालों को देकर घायल को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा। जहां देर रात इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने लाश को शिनाख्त के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतक दो बेटियों का पिता था। उसकी पत्नी का नाम रूमा देवी है।

घायल युवक की अस्पताल में मौत

बरेली। सड़क पर जा रहे एक युवक को पीछे से आ रहे गांव के ही रहने वाले एक बाइक सवार युवक ने टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस ने लाश को शिनाख्त के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा।सुभाष नगर थाने के गांव खना गौटिया निवासी 35 वर्षीय सोनू कश्यप पुत्र सुखलाल कि बीती रातएक निजी अस्पताल में मौत हो गई। पोस्टमार्टम हाउस पर मौजूद उसके घर वालों ने बताया कि सोनू कश्यप कल दिन में अपने किसी काम से घर से निकला था। लेकिन तभी गांव का ही रहने वाला एक युवक तेजी से मोटरसाइकिल पर उसके पास से गुजरा। लेकिन अचानक उसकी बाइक बेकाबू हो गई। जिसकी चपेट में आकर सोनू गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद टक्कर मारने वाला युवक बाइक समेत फरार हो गया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे घर वाले घायल को इलाज के लिए निजी अस्पताल ले गए। जहां बीती रात उसकी मौत हो गई। पुलिस ने घटना की रिपोर्ट दर्ज कर टक्कर मारने वाली बाइक चला रहे युवक को तलाशने की कोशिश शुरू कर दी और मृतक की लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेजा तक तीन भाई बहन थे।

कम्युनिटी किचन का हुआ शुभारंभ

मोहम्मदी खीरी। लॉकडाउन में जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराने की दृष्टि से तहसील मोहम्मदी में तहसीलदार विकासधर दुबे के नेतृत्व में आज कम्युनिटी किचन का प्रारंभ हुआ। वही मां जानकी रसोई भी कम्युनिटी किचन के रूप में कार्य करेगी तथा लोगों को निशुल्क भोजन उपलब्ध कराएगी।

पायनियर
लखनऊ, बुधवार, 12 मई, 2021

चित्रकूट में घट रही है पॉजिटिव मरीजों की संख्या

सीएमओ का दावाः तीसरे दिन भी तादाद में आई कमी

संवाददाता। चित्रकूट

सीएमओ डॉ. विनोद कुमार यादव।

मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. विनोद कुमार यादव ने दावा किया कि तीसरे दिन भी कोरोना पॉजिटिव मरीजों की तादाद में खासी कमी आई है। मंगलवार को सीएमओ डॉ विनोद कुमार ने बताया कि रविवार को तीस, सोमवार को 54 व आज मंगलवार को 31 कोरोना पॉजिटिव मिले हैं। लगातार कोरोना पॉजिटिव मरीजों की तादाद में कमी आ रही है। उनका दावा है कि धीरे-धीरे कोरोना पॉजिटिव मरीज कम होते जा रहे हैं। ये महज दावा है या शासन के निर्देश है कि मरीजों की तादाद में कमी दिखाई जा रही है, ताकि सरकार की नजर में आंकडेबाजी का खेल जारी रहे। उन्होंने बताया कि आज आरटीपीसीआर जांच में 393, एंटीजन जांच में 1087, आरटीपीसीआर से पॉजिटिव केस सात, एंटी पॉजिटिव केस 21, ट्रूनॉट से पॉजिटिव केस तीन। कुल 31 पॉजिटिव केस मिले हैं। 184 मरीजों को डिस्चार्ज किया गया। अब 1024 पॉजिटिव मरीज बचे हैं। होम आइसोलेशन के मरीजों से स्वास्थ्य की जानकारी कंट्रोल रूम में लगे कर्मचारी लगातार ले रहे हैं।

डीआईजी के निर्देश पर रात में हुई कडी जांच

चित्रकूट। चित्रकूटधाम मंडल के पुलिस महानिरीक्षक केसत्यनारायण के निर्देश पर कोरोना की रोकथाम को रात दस बजे से 12 बजे तक पेट्रोल पम्पों की जांच कराई गई। पुलिस महानिरीक्षक केसत्यनारायण के निर्देश पर जिले के 19 पेट्रोल पम्पों व 49 वाहनों तथा सात विवाह एवं अन्य कार्यक्रम स्थलों की जिले की पुलिस ने जांच की। जांच दौरान 84 लोगों को चेक किया गया। इनमें छह लोग मास्क का प्रयोग करते नहीं मिले। ऐसे लोगों का चालान किया गया। इस बीच दो वाहनों का ई-चालान कर रात में बेवजह घूमने का कारण पूंछा गया। जांच अभियान में जिले की पुलिस ने छह ऐसे वाहनों का चालान किया जो रात में बेवजह सड़कों पर घूम रहे थे। ये जांच अभियान चित्रकूटधाम मंडल के सभी जिलों में चलाया गया है।

कमिश्नर ने संक्रमितों से की बात तो खुली व्यवस्था की पोल

चित्रकूट। कोरोना को लेकर शासन-प्रशासन लगातार सक्रिय है। इसके बाद भी लापरवाही देखने को मिल रही है। यूनीसेफ की रिपोर्ट पर कमिश्नर ने इसकी जानकारी लेने के लिए जब खुद तीन संक्रमितों को फोन मिलाया तो हकीकत जानकारी वह खुद दंग रह गए। संक्रमितों ने उन्हें बताया कि न तो कोई टीम आई है और न ही कोई दवा दी गई है। उन्हें खुद दवा लेने अस्पताल या मेडिकल स्टोर जाना पड़ा। इस पर कमिश्नर ने कड़ी नाराजगी जताते हुए सुधार के निर्देश दिए। यूनीसेफ द्वारा दिए गए फीडबैक का अवलोकन करते हुए मंडलायुक्त दिनेश कुमार सिंह ने बांदा.चित्रकूट के तीन मरीजों से फोन पर बात की। चित्रकूट के एक संक्रमित बताया कि वह चार मई को पॉजिटिव आए हैं। उनको कोई भी दवा देने नहीं आया न रीयल रिस्पॉस टीम ;आरआरटीद्ध उनके घर गई। वह स्वयं 10 मई को सुबह मऊ अस्पताल से दवा लेकर के आए हैं। कंट्रोल रूम से कोई सहायता नहीं मिली। मंडलायुक्त ने बांदा ;अतर्राद्ध के संक्रमित के दिए गए नंबर पर बात की। उन्होंने बताया कि वह दिल्ली से थे। वहां पर पॉजिटिव आ गए। कोई देखभाल करने वाला नहीं था। वह अपने घर यहां अतर्रा आ गए। दोबारा यहां टेस्ट हुआ। पांच मई को पॉजिटिव निकला। सात मई को इन्हें बताया गया। लेकिन कोई भी दवा देने इनके घर नहीं गया। वह अस्पताल खुद गए। वहां के डॉक्टरों ने उन्हें एक दवा का पर्चा दिया। बाहर मेडिकल स्टोर से दवा लेने के लिए कह दिया। उन्होंने बाहर से दवा खरीदी। दो सौ रुपये खर्च हुए। आज तक आरआरटी टीम व कंट्रोल रूम किसी ने कुछ नहीं किया। इसी तरह अतर्रा कस्बा के एक और संक्रमित के नंबर पर मंडलायुक्त ने वार्ता की। संक्रमित ने बताया कि वह लखनऊ नगर निगम में कर्मचारी हैं। पांच मई को उनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आयी। सात तारीख को बताया गया कि आज तक कोई दवा देने नहीं आया। एक प्राइवेट डॉक्टर से संपर्क किया।

तीमारदारों को समय-समय पर सूचनाएं उपलब्ध करायी जायें : डीएम

हमीरपुर। आज जिलाधिकारी डॉ ज्ञानेश्वर त्रिपाठी ने कुरारा स्थित कोविड लेवल 2 हॉस्पिटल का औचक रूप से निरीक्षण कर कहा कि हेल्प डेस्क के माध्यम से तीमारदारों को समय समय पर जरूरी सूचनाएं उपलब्ध कराते रहा जाए। कोविड का संक्रमण न फैले इसके लिए तीमारदारों को अस्पताल के अंदर न जाने दिया जाए, उन्हें मरीजो के स्वास्थ्य के बारे में वीडियो कॉल के माध्यम से एव अन्य माध्यमों से समय समय पर जानकारी उपलब्ध कराई जाए। समय समय पर कोविड चार्ट अपडेट किया जाय। गंभीर मरीजों को बांदा मेडिकल कॉलेज में भेजा जाए । जिलाधिकारी ने रेमडेसिविर तथा

अन्य जरूरी इंजेक्शनो की उपलब्धता , ऑक्सीजन एवं दवाओं आदि के उपलब्धता के संबंध में पूछताछ की जिस पर डॉ पीके सिंह ने बताया कि सभी जरूरी इंजेक्शन, ऑक्सीजन ,दवाएं आदि पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं किसी प्रकार की कोई समस्या नहीं । कुरारा कोविड हॉस्पिटल में जिलाधिकारी ने तीमारदारों से अस्पताल द्वारा दी जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं,भोजन ,पानी दवाओं तथा अन्य सुविधाओं के बारे में पूछताछ की तीमारदारों द्वारा किसी भी प्रकार की कोई असुविधा ना होने की तथा अच्छा भोजन ,पानी , समय-समय रोगियों की स्वास्थ्य देखभाल जांच आदि की तथा अच्छा इलाज मिलने की बात बताई गई तथा डॉक्टरों द्वारा अच्छा सहयोग देने की बात बताई गई । इस मौके पर जिलाधिकारी ने कुरारा अस्पताल के किचन का भी निरीक्षण कर भोजन आदि की गुणवत्ता तथा अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा कहा कि किचन में मीनू चस्पा किया जाय उसी के अनुसार भोजन बनाया जाय, कहा कि मरीजो को समय समय पर काढ़ा, गुनगुना पानी आदि दिया जाय भोजन की गुणवत्ता अच्छी रखी जाए। उन्होंने कुरारा एल 2 में भर्ती कोविड-19 के मरीजों से वीडियो कॉलिंग के माध्यम से बात कर उनका हालचाल जाना तथा अस्पताल द्वारा दी जा रही विभिन्न सुविधाओं समय से दवाओं ,नाश्ता ,पानी भोजन, डॉक्टरों द्वारा हेल्थ चेकअप आदि का तथा अस्पताल द्वारा दी जा रही अन्य सुविधाओं का फीडबैक लिया । मरीजों द्वारा अच्छी सुविधा मिलने की बात बताई गई।

सैनेटाइज कर कोरोना के प्रति लोगों को किया जागरूक

चित्रकूट। जिलाधिकारी शुभ्रांत कुमार शुक्ल के निर्देश पर कोरोना की रोकथाम एवं उपचार को जिले के विभिन्न स्थान पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सैनेटाइजेशन कराया। मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने जज कालोनी, एसडीएम कालोनी, पुरानी बाजार कर्वी, काशीराम कालोनी लोढवारा, शिवरामपुर, मझलीमंडी, डिस्ट्रिक्ट कोआपरेटिव बैंक, स्टेशन वाली गली, वार्ड 19, वार्ड 18, राजकीय सम्प्रेक्षण गृह, वृद्धा आश्रम, कोरोना जांच सेन्टर, सीएमओ कार्यालय, डीटीओ कार्यालय, पीपीसी कार्यालय, सैनेटाइजेशन का कार्य हुआ। स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने जिले में बने विभिन्न हॉटस्पाट क्षेत्रों में भी सैनेटाइजेशन किया।

पुलिस ने कोविड टीम के साथ चलाया जागरूकता अभियान

जालौन (उरई)। कोरोना की चैन को तोड़ने के लिए कोतवाली पुलिस ने बाजार में आवश्यक दुकानों के अलावा अन्य सामग्री दुकान खोले दुकानदारों को सख्त चेतावनी दी। इस दौरान पुलिस ने लाठियां भी चलाई। वहीं, पुलिस ने ग्राम छिरिया सलेमपुर में कोविड टीम के साथ गांव में जागरूकता अभियान चलाया गया। कोरोना की चौन को तोड़ने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा कोरोना कर्फ्यू लागू किया गया है। इस दौरान आवश्यक सामग्री की दुकानों में किराना, मेडिकल स्टोर एवं दूध की दुकानों को खोलने पर प्रतिबंध है।

भौंरा गांव के प्रधान बने सुरेंद्र

134 मतों से बाजी मार

सुमेरपुर (हमीरपुर)। ग्राम पंचायत भौंरा की हुई मतगणना में सुरेंद्र सिंह भदौरिया ने अपने निकटतम प्रतिद्वन्द्वी को 134 मतों से हराकर चुनाव जीत लिया, भदौरिया को 350 तथा तुलसीदास प्रजापति को 216 मतों में संतोष करना पड़ा, निषाद बाहुल्य इस गांव में इस बिरादरी के सर्वाधिक 9 प्रत्याशी होने से मतों का विभाजन इस प्रकार हुआ कि सभी को हार का मुँह देखना पड़ा, परिणाम घोषित होने के बाद नवनिर्वाचित प्रधान पक्ष में बेहद खुशी का माहौल है तो हारे प्रत्याशियों में निराशा का माहौल बना हुआ है। गौर तलब है कि ग्राम पंचायत भौंरा में पंचायत चुनाव दौरान प्रधान पद के उम्मीदवार संतोष कुमार निषाद की बीमारी के चलते मौत हो जाने के बाद चुनाव स्थगित कर प्रधान पद के लिए अलग से चुनाव कराया गया, 9 मई को मतदान होने के बाद 11 मई को मतगणना करायी गयी, सभी प्रत्याशियों तथा मतगणना एजेंटों को चेकिंग के साथ अंदर प्रवेश दिया गया, जोनल मजिस्ट्रेट व खंड विकास अधिकारी अभिमन्यु सेठ की मौजूदगी में प्रात: 8 बजे स्ट्रॉन्ग रूम से मतपेटियां मतगणना स्थल में पहुंचाई गई।

मृत प्रधान प्रत्याशी की विधवा को नहीं मिली सहानुभूति

सुमेरपुर। ग्राम पंचायत भौंरा डांडा में चुनाव दौरान बीमारी के शिकार होकर जीवन से हांथ धों बैठने वाले प्रधान प्रत्याशी की विधवा मंजू निषाद ने सोंचा था कि शायद पति की मौत की सहानुभूति मिल जाएगी तो उसे प्रधान बनने का मौका मिल जाएगा,तो वह भी प्रधान पद की प्रत्याशी बन गई थी, किंतु परिणाम आने के बाद पता चला कि गांव की जनता ने उस विधवा पर कोई सहानुभूति नहीं दिखाई है और उसे हार का सामना करना पड़ा वहां की जनता ने निषाद बिरादरी को ही नकार दिया है।

माया, इंद्रकली, रामऔतार व राजेश के सिर सजा जीत का ताज

बांदा। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के दौरान प्रत्याशी के निधन के बाद चार ग्राम पंचायतों के चुनाव रद किए गए थे। नौ मई को हुए मतदान के बाद मंगलवार को अलग.अलग ब्लाकों में मतगणना हुई। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतों की गिनती की गई। हालांकि कोविड.19 नियमों का भी उल्लंघन नजर आया। मतों की गिनती के बाद जीत का ताज पहनने वालों को प्रमाण पत्र दिए गए। बड़ोखर खुर्द ब्लाक की पचुल्ला ग्राम पंचायत में मायादेवी विजयी हुईं। माया देवी को प्रधान पद पर 283 मत मिले जबकि प्रतिद्वंद्वी पट्टू को महज 134 मतों पर ही संतोष करना पड़ा। निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि माया देवी को प्रमाण पत्र दे दिया गया। विकासखंड नरैनी के पल्हरी गांव में कुल 2592 मतदाताओं में 2093 ने मतदान किया था। खंड विकास अधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि मतगणना में दो टीमें लगाई गई थीं दस कर्मचारियों ने गिनती का कार्य किया। आरओ जिला कृषि अधिकारी डॉण् प्रमोद कुमार ने बताया कि प्रत्याशी इंद्रकली पत्नी जगत यादव को 554 वोट और प्रतिद्वंद्वी श्यामसुंदर यादव को 299 मत मिले। यहां से इंद्रकली 255 वोटों से विजयी घोषित हुईं। उप जिलाधिकारी सुरजीत कुमार सिंह ने मतगणना स्थल का निरीक्षण किया। इधर महुआ विकास खंड क्षेत्र के रिसौरा गांव में प्रधान पद सोलह प्रत्याशी चुनाव में थे। ग्राम प्रधान पद में दो उम्मीदवारों के बीच मुकाबला हुआ। रामऔतार रैदास को 727 वोट मिले जबकि प्रतिद्वंद्वी घनश्याम कोरी को 517 वोट मिले। रामऔतार 210 वोट अधिक पाकर विजयी हुए।

भिड़न्त में एक घायल

राठ(हमीरपुर)। क्षेत्र के बसेला गांव के पास राठ-पनवाड़ी मार्ग पर दो बाइकों की आमने सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। इस हादसे में एक बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची 108 एंबुलेंस ने घायल युवक को इलाज के लिये सीएचसी में भर्ती कराया। महोबा जनपद के सलैया गांव का निवासी धर्मेन्द्र पुत्र बालादीन बाइक से बसेला गांव आ रहा था। तभी गांव के पास पहुंचते ही सामने से आ रही बाइक से टकरा गया। जिससे वह बाइक से गिरकर घायल हो गया।

बाइक सवार घायल

मौदहा (हमीरपुर) कोतवाली क्षेत्र के ग्राम परछा निवासी बाइक सवार पर मटौंध जाते समय कपसा जा रहे ट्रैक्टर ने पीछे से टक्कर मार दी, जिस पर बाइक सवार युवक बाइक सहित सड़क पर गिरकर घायल हो गया, इतना ही नहीं ट्रैक्टर के ट्राली का पिछला पहिया बाइक सवार युवक के ऊपर चढ़ गया, जिससे वह मरणासन्न हो गया, सूचना मिलने पर आनन फानन में परिजन उसे बाँदा सरकारी अस्पताल ले गए। जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

दुकानों में लगी आग

बांदा। गिरवां के बस स्टॉप तिराहे में सोमवार देर रात आग लगने से आधा दर्जन दुकानें जलकर राख हो गईं। आधी रात के बाद अचानक लगी आग की लपटें देख आसपास के ग्रामीण दौड़े और आग बुझाने की मशक्कत शुरू की। देखते ही देखते लकड़ी की गुमटियां धू.धूकर जलने लगीं। कई दुकानों के आग की चपेट में आने की सूचना रात करीब एक बजे थाने को दी गई। उसके बाद पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने लोगों के सहयोग से घंटों बाद आग पर काबू पाया। आग लगने कारण तेज हवा से एचटी लाइन के तारों के टकराने से निकली चिंगारी बनी।

18 पौवे के साथ युवक दबोचा

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अंकित मित्तल के निर्देश पर अवैध शराब निर्माण एवं बिक्री की रोकथाम को जारी अभियान के क्रम में पहाडी थाने के दरोगा राजेश कुमार यादव की टीम ने 18 क्वार्टर देशी शराब के साथ एक युवक को दबोचा है। मंगलवार को पहाडी थाने के दरोगा राजेश कुमार यादव टीम के साथ गश्त पर थे। पडरी नाला नांदी तौरा के पास संदीप पटेल पुत्र सुरेश पटेल निवासी तौरा 18 क्वार्टर देशी शराब के साथ नजर आया। पुलिस ने उसे दौड़ाकर दबोच लिया।

बाघ के हमले से चार मवेशी मरे

चित्रकूट। मानिकपुर में पाठा क्षेत्र के गांवों में बाघ के हमलों से पशुपालक खासे परेशान हैं। रविवार को चार मवेशी बाघ के हमलों के शिकार हो गये। वन विभाग का दावा है कि क्षेत्र में बाघ होने की आफवाह है। पाठा क्षेत्र के मऊ गुरदरी, चमरौंहा व सकरौंहा गांवों में एक सप्ताह से दस मवेशी जंगली जानवर के शिकार हो चुके हैं। मऊ गुरदरी व सकरौंहा के सुदामा मिश्रा, लालाभैया मिश्रा व चन्द्रमणि तिवारी ने बताया कि रविवार की रात बाघ ने खेतों में चरते समय मवेशियों का शिकार किया है। वन विभाग के अधिकारियों की कोई टीम गांव नहीं पहुंची है।

हवन से कोरोना को मात देने का वैदिक समाधान : डॉ. अरोरा

मुख्य वक्ता डॉ. परमेश्वर अरोरा ने नाक और मुँह में सरसों तेल के तीन बार नित्य लेपन की सलाह दी

कुलपति प्रो. नरेश चंद्र गौतम ने वर्चुअल संगोष्ठी की अध्यक्षता की

संवाददाता। चित्रकूट

महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट में कोविड -19 का आयुर्वेदिक समाधान विषय पर मंगलवार को आयोजित संगोष्ठी में वर्चुअल व्याख्यान के दौरान मुख्य वक्ता डॉ परमेश्वर अरोरा वरिष्ठ परामर्श दाता , सर गंगाराम अस्पताल नई दिल्ली ने ट्रिपल मास्क पहनने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि नाक और मुंह में सशक्त पहरेदार खड़ा कर हम कोरोना संक्रमण से अपना बचाव कर सकते है। उन्होंने आंतरिक और वाह्य मास्क को लगाने की प्रक्रिया के व्यवहारिक ढंग को समझाते हुए बताया कि सरसो के तेल अथवा गाय के घी की दो - दो बूंद नाक और मुँह में डालकर अपनी दिनचर्या प्रारंभ करनी चाहिए। इसे दिन में तीन बार अपना कर वास्तविक मास्क की एक घरेलू लेयर मानना चाहिए। घर से बाहर निकलने पर छ 95 मास्क दूसरी लेयर के रूप में और उसके ऊपर सर्जिकल मास्क को तीसरी लेयर के रुप मे पहनना चाहिए। घर लौटकर सबसे पहले तीसरी लेयर के रूप में पहनी गई सर्जिकल मास्क को हटाकर डस्टविन में घर के बाहर डाल देना चाहिए। छ95 मास्क को 48 घंटे के लिये टांग देना चाहिए। डॉ अरोडा ने कोरोना संक्रमण काल में अपनाई जाने वाली दिनचर्या पर चर्चा करते हुए बताया कि नित्य दो बार पानी की भाप लेना चाहिए और दो बार एक गिलास गरम पानी में एक चुटकी हल्दी और एक चुटकी सेंधा नमक से गरारा करना चाहिए। दो काली मिर्च और दो लौंग दिन में तीन से चार बार चूसना चाहिए। कोरोना संक्रमण होंने पर शुरू में स्टीरॉयड का सेवन कतई नहीं करना चाहिए क्योंकि कोरोना संक्रमण से पहले से ही इम्यूनिटी कम होती है , स्टीरॉयड का सेवन करने से शरीर का इम्यूनिटी काफी कम होने से शरीर कमजोर हो जाता है। स्टीरॉयड का सेवन के दूसरे सप्ताह के बाद किया।

लाक डाउन के उल्लंघन में दो व्यापारियों पर मुकदमा

सुमेरपुर(हमीरपुर)। आज जिलाधिकारी डॉ ज्ञानेश्वर त्रिपाठी के निर्देश पर एसडीएम के नेतृत्व में 3 विभागों की टीम ने कस्बे के बाजार में छापा मारकर दो व्यापारियों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कराया है साथ ही अन्य कई दुकानों पर कार्यवाही की गई है । पुलिस के मुताबिक कस्बा सुमेरपुर में सरकार की गाइडलाइन को दरकिनार कर कुछ व्यापारी दुकान खोल कर व्यापार करने में संलग्न हो जाते थे, इसकी जानकारी मिलने पर जिलाधिकारी डॉक्टर ज्ञानेश्वर त्रिपाठी ने एसडीएम के साथ वाणिज्य कर, खाद्य विभाग तथा श्रम विभाग को संलग्न कर एक टीम का गठन कर कस्बा सुमेरपुर में लॉक डाउन का उल्लंघन करने वालों पर सख्ती बरतने के निर्देश दिए थे।

कार विद्युत पोल से टकरायी एक घायल, खंभा क्षतिग्रस्त

हमीरपुर। कुरारा थाना क्षेत्र के बेरी गांव से हमीरपुर जा रही कार झलोखर गाँव में तालाब के पास लगें ट्रांसफार्मर के पोल टकरा गई। जिससे पोल टूट गया। क्षेत्र के बेरी गाँव के निवासी तीन लोग चालक जीतेन्द्र, सुनील तिवारी, तथा भूरा हमीरपुर कार से जा रहे थे। तभी झलोखर गांव में सड़क किनारे तालाब के पास लगे ट्रांसफार्मर के पोल से टकरा गई। जिससे पोल टूट गया है। तथा कार भी क्षति ग्रस्त हो गई है। तथा एक व्यक्ति भूरा को चोट आई है।

किसानों को दें प्रति कुंतल गेहूं का 1975 रुपया : डीएम

संवाददाता। चित्रकूट

जिलाधिकारी शुभ्रांत कुमार शुक्ल ने गेहूं क्रय केन्द्र पहाडी व किसान सेवा सहकारी समिति उत्तरी एवं दक्षिणी तथा साधन सहकारी समिति सरधुआ की औचक जांचकर गेहूं खरीद का जायजा लिया। किसानों से समस्याओं के बारे में पूंछा। मंगलवार को जिलाधिकारी ने किसान सेवा सहकारी समिति दक्षिणी के केन्द्र प्रभारी से पूंछा कि कितने किसानों का पंजीकरण हुआ है। कितने किसानों से गेहूं की खरीद की गई है। केन्द्र प्रभारी ने बताया कि 28 किसानों ने पंजीकरण कराकर आठ किसानों ने गेहूं बेंचा है। अभी तक 29650 कुंतल की खरीद हो चुकी है। केन्द्र प्रभारी उत्तरी ने बताया कि 205 किसानों के पंजीकरण में 33 किसानों ने गेहूं बेंचा है। 31 किसानों का पीएफएम से भुगतान हो चुका है। 15035 कुंतल की खरीद हुई है। साधन सहकारी समिति सरधुआ केन्द्र प्रभारी ने बताया कि 94 किसानों के पंजीकरण में 16 ने अपना गेहूं 712 कुंतल बेंचा है। जिलाधिकारी ने केन्द्र प्रभारियों को निर्देश दिये कि किसानों को क्रय केन्द्र में सभी सुविधायें दी जायें। समर्थन मूल्य 1975 रुपया के हिसाब से गेहूं की खरीद की जाये।

कहरः कोरोना से बैशाख की अमावस्या में पसरा सन्नाटा

चित्रकूट। बैशाख माह की अमावस्या मेले में कामतानाथ के दर्शन को लाखों तीर्थयात्रियों की भीड से गुलजार रहने वाली धर्मनगरी में छिटपुट तीर्थयात्रियों को छोड़कर चारोंओर सन्नाटा पसरा रहा। मंगलवार को बैशाख माह की अमावस्या मेले में जिले में कोराना कर्फ्यू और धारा 144 लागू होने के चलते मेला में सन्नाटा पसरा रहा। कल देर शाम नगर परिषद नयागांव प्रशासक एसडीएम पीएस त्रिपाठी ने पुलिस टीम के साथ पैदल मार्च कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया था। उन्होंने सभी से अपील की थी कि घरों में रहकर पूजापाठ करें। मेले में न आयें। पुलिस विभिन्न स्थानों पर तैनात रही। अमावस्या मेले के दिन लाखों तीर्थयात्रियों की भीड से गुलजार रहने वाली धर्मनगरी में छिटपुट तीर्थयात्रियों को छोड़कर हर तरफ सन्नाटा पसरा रहा।

तकनीक को ठीक ढंग से प्रयोग करने का तरीका आना जरूरी : अभय महाजन

चित्रकूट। हर व्यक्ति के अन्दर कुछ न कुछ तकनीक एवं प्रत्येक कार्य में कोई न कोई तकनीक अवश्य प्रयोग होती है। सिर्फ तकनीक को ठीक ढंग से प्रयोग करने का तरीका आना चाहिये। उपरोक्त बातें दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव अभय महाजन ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान कहीं। मंगलवार को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर दीनदयाल शोध संस्थान के कृषि विज्ञान केंद्र, जन शिक्षण संस्थान चित्रकूट एवं आरोग्यधाम के द्वारा कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस मौके पर आरोग्यधाम के कार्यकर्ताओं द्वारा मंदाकिनी नदी के किनारों पर हो रहे क्षरण एवं मिट्टी के कटाव को रोकने के लिए सामूहिक श्रमदान किया गया। वहीं एक अन्य कार्यक्रम में चित्रकूट जनपद के चितरा ग्राम में जन शिक्षण संस्थान चित्रकूट के माध्यम से प्रशिक्षित की गई छात्राओं को प्रमाण पत्र वितरण किया गया तथा कोरोना को लेकर आवश्यक सावधानियों के संदर्भ में जागरुक किया गया। जिसमें जन शिक्षण संस्थान के निदेशक रमाशंकर त्रिपाठी एवं फील्ड अधिकारी शशि कांत पांडे उपस्थित रहे। इसी दौरान कृषि विज्ञान केंद्र सतना द्वारा राष्ट्रीय तकनीकी दिवस के अवसर पर वेबिनार के माध्यम से एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

खरीद फरोख्त के साथ-साथ गायब होने लगे जिला पंचायत सदस्य

राठ (हमीरपुर)। जिले के प्रथम नागरिक के चुनाव के लिए दावेदारी पेश कर रहे दावेदारों की एक लंबी कतार देखने को मिल रही है। ऐसे दावेदार आने अनुकूल बनाने के लिए तमाम तरह के हथकंडे अपना रहे हैं कयास तो यहां तक लगाए जा रहे हैं कि एक सदस्य को सम्पन्न दावेदार मोटी रकम का प्रलोभन दे रहे हैं। लेकिन जिला पंचायत के नवनिर्वाचित सदस्यों की चुप्पी के साथ साथ उनका गायब होना जिला पंचायत अध्यक्ष बनने के इच्छुक दावेदारों के लिए सरदर्द बन गया है। सदस्यों के दरवाजे आये दिन हो रही अध्यक्ष प्रत्याशियों की धमाचौकड़ी से सदस्य तो परेशान हैं ही साथ ही सदस्यों के सम्बन्धी भी खासे परेशान हो रहे हैं। लेकिन अभी तक किसी भी सदस्य ने अपने पत्ते नहीं खोले हैं। वैसे तो कहा ये जाता है कि अध्यक्ष पद सत्ता का होता है लेकिन जब कार्यकाल खत्म हो रहा था तो जिले के अध्यक्ष पद पर विपक्ष का अध्यक्ष काबिज था। जिले की 17 सीटों पर सत्ताधारी दल भाजपा ने 4 व विपक्ष में काबिज सबसे बड़े दल सपा ने 4, बसपा ने 2 व निषाद समाज पार्टी ने 1 सीट पर अपनी विजय हासिल की है। वहीं 6 सदस्यों ने निर्दलीय अपने जीत के झंडे गाड़े हैं। अध्यक्ष पद के लिए दावेदारों को स्वयं के साथ 8 और सदस्यों की जरूरत पड़ेगी जिसके लिए सभी दावेदारों ने सदस्यों को बड़े बड़े प्रलोभन देकर अपने पाले में लाने के लिए सारे प्रयास कर डाले हैं। वैसे तो कोरोना को देखते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष पद के चुनावों को लेकर पंचायती राज मंत्री ने चुनावों को अगले माह कराने की घोषणा कर रखी है।

लंबा इंतजार खत्म, बेतवा नदी पर बना पुल जनता को किया समर्पित

सदर विधायक ने कोटरा में 50 बेड के अस्पताल का किया वायदा

संवाददाता। कोटरा (जालौन)

मंगलवार को कस्बा कोटरा में सालों से अधूरा पड़ा पुल पूर्ण होने पर सदर विधायक गौरी शंकर वर्मा के द्वारा शुभारंभ हुआ द्य विधायक जी ने एवं जिला अधिकारी प्रियंका निरंजन ने पुल का निरीक्षण कर उसे जनता को समर्पित किया। गौरतलब हो कि पूर्व विधायक विनोद चतुर्वेदी द्वारा 2011 से पुल का शिलान्यास किया गया था। करोड़ो रुपयों की लागत से बेतवा नदी पर बनाये गये पुल से अब कस्बा कोटरा से सीधे झांसी, गुरसराय, मऊरानीपुर, चिरगांव एवं अन्य जगह तक की दूरी कम समय में पूर्ण होगी और जालौन-झांसी के निवासियों को इसका सीधे तौर पर लाभ मिलेगा। इस दौरान विधायक गौरीशंकर वर्मा ने जनता की मांगों को देखते हुए सालों से एक ही मांग को ध्यान में रखते हुए 50 बेड का अस्पताल बनवाने की घोषणा की। जिससे नगरवासी काफी प्रसन्न हुए। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने नगर पंचायत कोटरा में जाकर निरीक्षण किया।सबसे पहले राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय में जाकर पूछताछ की एवं 45 वर्ष के व्यक्तियों को कोरोना की टीकाकरण लगवाने के लिए सभी से कहा। मौजूद नगर पंचायत अध्यक्ष आसाराम अग्रवाल, अधिशासी अधिकारी प्रदुमन कुमार, एवं राधाबल्लभ चतुर्वेदी और सभी से कहा कि पूरे कस्बे में सभी को अवगत कराएं कि 45 वर्ष के लोगों को टीकाकरण करवाएं, एवं नगर पंचायत के लोगों के साथ मिलकर प्रचार प्रसार कर के पूरे कस्बे में अवगत कराएं। इसके बाद जिलाधिकारी ने जैव विविधता पार्क का निरीक्षण करते हुए आदेश दिया कि पर्यावरण का खास ख्याल रखा जाए और पेड़ पौधे और अधिक लगाए जाएं स्वच्छता का खास ध्यान रखा जाए। शुरुआत में जैव विविधता पार्क में कोई भी पेड़ पौधे ना होने पर जिलाधिकारी ने कहा कि खासकर पेड़ पौधे और सुंदर सुंदर फूल लगाए जाए जिससे खूबसूरती बनी रहे।

डूडा कॉलोनी के समीप दो दुकानों में शार्ट सर्किट से लगी आग

उरई (जालौन)। सदर कोतवाली क्षेत्र के डूडा कालौनी के समीप लगे जीओ मोबाइल टावर को कुछ मिस्त्री ठीक कर रहे थे उसे दौरान शार्ट सर्किल से अचानक आग लग जाने से समीप में रखी दो दुकाने जलकर राख के ढेर में बदल गयी। मिली जानकारी के अनुसार जैसे ही दमकल विभाग को डूडा कालौनी के समीप आग लगने की सूचना मिली तो तत्काल दमकल कर्मी मौके पर और आग को बुझाने के प्रयास में जुट गये लेकिन तब तक दोनों दुकानों में रखा सामान पूरी तरह से जल चुका था। मोहल्ले वासियों ने बताया कि जिओ टावर पर मिस्त्री मीटर में कुछ कार्य कर रहे थे।

कोरोना को मात देकर लक्ष्मीनारायण पहुंचे घर

उरई (जालौन)। भारत विकास परिषद के प्रांतीय अध्यक्ष के लघु भ्राता लक्ष्मी नारायण गुप्ता कोरोना को मात देकर स्वस्थ्य होकर झांसी से उरई घर लौटने पर उनका बुके भेंट कर स्वागत अभिनन्दन हुआ। सभी ने करोना मरीजों के जल्दी स्वस्थ्य होकर घर लौट ने के लिये के ईश्वर से प्रार्थना की। डॉ. संजय गुप्ता राजाराम कलाबती हॉस्पिटल, डॉ. संजीव गुप्ता संजीवनी क्लीनिक, डॉ. सीपी गुप्ता को धन्यवाद दिया जिनके गाइडेन्स से लक्ष्मी नारायण ने करोना को हराया।

आरएसएस करा रहा भोजन वितरण

उरई (जालौन)। मेडिकल कालेज उरई में भर्ती मरीज एवं उनके साथ के परिजनों के लिए 11 दिन से 800 पैकेट भोजन बनाकर वितरित किये जा रहे है जिसमे प्रमुख रूप से जिला प्रचारक यशवीर, गौ सेवा प्रमुख उमाकांत, संगठन मंत्री लवकुश, कोंच प्रचारक उपेन्द्र, एट प्रचारक ऋषि जी,माधौगढ़ प्रचारक प्रदुम, अनूप, सुमित प्रताप सिंह अपनी सेवा दे रहे।

अधिवक्ता का अचानक निधन, शोक की लहर

मौदहा (हमीरपुर) बार एसोसिएशन मौदहा के दो बार महामंत्री पद पर रहे और डेढ़ दशक से अधिक लम्बे समय तक कस्बे में वकालत करते वाले अधिवक्ता राजकुमार राजपूत के निधन होने के कारण में शोक की लहर दौड़ गई।

पिचौरा गांव के मिस्टर 204 वोट पाकर बने ग्राम प्रधान

रामपुरा (जालौन)। विकास खण्ड रामपुरा के अन्तर्गत ग्राम पंचायत पिचौरा, मदनेपुर, सोनापुर में प्रधान पद के प्रत्याशी की पर्चा भरने के बाद निधन हो गया था जिसके चलते पंचायत चुनाव नहीं हो सका एवं चुनाव को अगली तारीख के लिये टाल दिया गया चुनाव आयोग व शासन द्वारा मतदान करने की 9 मई निर्धारित की गयी जिसमें तीन गाँवों को मिलकर एक ग्राम प्रधान चुन्ना था शासन प्रशासन ने कड़ी रणनीतियों को अपनाते हुए 9 मई को मतदान शुरु करवाया व सोशल डिस्टेंस के साथ साथ कड़ी निगरानी के बीच वोटिंग को सम्पन्न करवाया गया व नतीजे की तारीख 11 मई निर्धारित की गयी जिसमें मतगणना सुबह 10.30 बजे मंगलवार को संपन्न हो गयी जिसमें मिस्टर को 204 मत प्राप्त हुए जिसमें उन्हें विजय घोषित कर दिया गया तो वहीं दूसरे नम्बर पर राजेन्द्र कुमार को 169 मत प्राप्त हुए।

शांतिपूर्ण तरीके से पंचायत चुनाव कराने में कामयाब रहे प्रभारी निरीक्षकः स्थानांतरण के दौरान प्रभारी निरीक्षक बीएल यादव ने बताया कि पंचायत चुनाव का दौर हमारे लिये बहुत ही अहम रहा इसमें हमें नागरिकों का भी पूरा सहयोग मिला व ड्यूटी के दौरान हमें सभी लोगों ने बहुत मदद कर सहयोग दिया जिसके लिये हम सभी को धन्यवाद व्यक्त करते है विदाई समारोह के अवसर पर कोतवाली में तैनात अतिरिक्त इंस्पेक्टर ने माला पहनाकर मिठाई खिलाई तो वहीं उप निरीक्षक योगेन्द्र सिंह, जितेन्द्र सिंह, धीरेन्द्र पटैरेया, व कॉन्सटेबल विकास, राहुल, अन्य पुलिस स्टाफव अन्य संभ्रांत नागरिकों ने भी अपनी सहज आँखों से प्रभारी निरीक्षक बीएल यादव को भावभीनी विदाई दी।

बढ़चढ़ कर करायें कोरोना की जांचः डीएम

संवाददाता। रायबरेली

जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने विकासखंड हरचंदपुर की ग्राम पंचायत कठवारा में कोविड-19 संक्रमण से बचाव एवं राहत हेतु घर-घर कराये जा रहे एंटीजेन व आरटीपीसीआर टेस्ट तथा निगरानी समितियों आदि की सक्रियता आदि की जानकारी के उद्देश्य से स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान आम जनमानस से लाउडस्पीकर के माध्यम से आहवान किया कि घरों से बाहर आकर अपना कोविड-19 की जांच करवा ले यह छोटा से टेस्ट है। सभी आम जनमानस के भलाई के लिए कराया जा रहा है। घबराये और डरने नही कोविड-19 संक्रमण की रोकथाम हेतु अधिक से अधिक लोगों घरों से बाहर आकर जांच कराये। उन्होंने प्रधान को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि गांव के सभी लोगों को टेस्ट बढ़-चढ़ कर कराये यदि किसी भी व्यक्ति को खासी, जुखाम, बुखार आदि समस्या हो तो घरों में रहकर इलाज कराये जाने की व्यवस्था की गई है। 18 से अधिक आयु के लोगों को कोरोना संक्रमण से बचाने के लिए कोविड-19 टीकाकरण का कार्य भी कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि रोगों को छुपाया न जाये अगर बीमारी है तो उसका उपचार आवश्यक है एक-एक व्यक्ति का जीवन अमूल्य है उसे हर हालत में बचाया जाना है इसलिए कोरोना की जांच घर-घर जाकर करवाई जा रही है। लक्षण युक्त संदिग्ध को तत्काल जांच कराते हुए रिपोर्ट पॉजिटिव आने पर उसे मेडिकल किट तत्काल उपलब्ध कराई जायेगी। इस कार्य का प्रबंधन टीम भावना से किया जाए तथा मानवीय संवेदनाओं का ध्यान रखा जाए।

कोरोना नियंत्रण के लिए शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में एनटीपीसी ने कराया सैनिटाइजेशन

ऊंचाहार। कोरोना वायरस से बचाव के लिए एनटीपीसी परियोजना ने तहसील ऊंचाहार के शहरी साथ ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार सेनेटाइजेशन अभियान चलाया जा रहा है । पूर्व में उमरन बाजार , पंचायत भवन ,कस्तूरबा विद्यालय सहित अन्य सरकारी प्रतिष्ठान में सेनेटाइजेशन अभियान चलाया गया। आज पुरवारा ,माइकुलाल का पुरवा , बभनपुर बिकाई स्थित पंचायत भवन , बिभिन्न पुरवाओं सहित अन्य जगहों पर उपयुक्त दवा का छिड़काव किया गया जिससे कोविड बीमारी की रोकथाम की जा सके तथा ग्रामीण क्षेत्रो में सीआईएसएफ और ग्राम प्रधानों के माध्यम से लगातार सफाई अभियान चलाने, सैनिटाइजेशन कराया जा रहा। इससे पूर्व परियोजना में प्रवेश कर रहे श्रमिकों के बीच साबुन बांटे गए थे, और मास्क की व्यवस्था भी की गई थी। एनटीपीसी ऊंचाहार की फायर टैंकर की गाड़ियों के माध्यम से सैनिटाइजेशन का कार्य सीआईएसएफ और ग्राम प्रधानों के सहयोग तथा दिशा निर्देश से किया जा रहा है।

उपमुख्यमंत्री ने सीएचसी का किया औचक निरीक्षण

संवाददाता। ऊंचाहार,रायबरेली

प्रदेश सरकार के डिप्टी सीएम ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया इस दौरान उपस्थिति रजिस्टर व अन्य अभिलेखों को देखते हुए स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया।इस दौरान सीएचसी के औचक निरीक्षण से स्टाफ के बीच हड़कंप मचा रहा।

सोमवार की शाम उपमुख्यमंत्री का काफिला अचानक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचा उनकी गाड़ी के रुकते ही सीएचसी स्टाफ में अफरा-तफरी मच गई। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य सीधे अधीक्षक के कक्ष में पहचे। पहुंचते ही उपस्थिति रजिस्टर मांगा हर कर्मचारियों की उपस्थिति की जानकारी ली। इसके बाद औषधि भंडार का निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद कोविड डेस्क पर पहुंचे और संक्रमण काल में संभावित संक्रमित लोगों की जांच के विषय में जानकारी ली। ऑक्सीजन सिलेंडर की उपलब्धता

तथा वैक्सीनेशन के बारे में जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए।वहीं इसके अलावा उन्होंने वहाँ पर मौजूद पत्रकारों से भी सावधानी से कवरेज करने की बात कही और कैमरे पर बयान देने मना कर दिया,उसके बाद अपने गृह जनपद कौशाम्बी के लिए रवाना हो गए। वहीं डिप्टी सीएम के काफिले के साथ उपजिलाअधिकारी राजेंद्र शुक्ल, सीओ सलोन इंद्रपाल सिंह,कोतवाल विनोद कुमार सिंह समेत प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचा। सीएचसी अधीक्षक डॉ एम के शर्मा ने बताया कि प्रयागराज आते समय उप मुख्यमंत्री जी द्वारा सीएचसी का औचक निरीक्षण किया गया है। कोविड-19 से सम्बंधित जानकारी हासिल करके वापस चले गए है।

19 बोरा शिकाकाई वन विभाग की टीम ने किया बरामद

संवाददाता। श्रावस्ती, सिरसिया

थाना सिरसिया अंतर्गत चिल्हरिया गांव के पास से जंगली 19 बोरा शिकाकाई के साथ एक पिकअप और एक अभियुक्त को वन विभाग के टीम ने किया गिरफ्तार किया है। पकड़े गए शिकाकाई का प्रयोग सेम्पूए साबुन जैसे अन्य चीजों को बनाने में काम आता है आपको बता दे ये शिकाकाई पूर्वी सुहेलवा रेंज के जंगल से चुपके से ले जाया जा रहा था मुखवीर के खास सूचना पर रेंजर मदन लाल के द्वारा जगह जगह अपनी टीमें लगा दी गई जैसे ही जंगली शिकाकाई को पिकअप पर लाद कर भिनगा के तरफ ले जाया जा रहा था। वन कर्मियों द्वारा चिल्हरिया मोड़ पर रोका गया लेकिन पिकप चालक ने पिकप लेकर भागने की कोशिश की वही उपस्थित सुहेलवा रेंज के रेंजर मदन लाल के द्वारा पीछा कर चिल्हरिया गांव के पास पकड़ लिया गया तथा पिकप को सुहेलवा रेंज पर लाकर विभागीय कार्यवाही की जा रही

एसपी ने प्रभारी निरीक्षक समेत दो पुलिस कर्मियों को किया निलंबित

● मित्र पुलिस ने महिलाओं पर भांजी थी लाठियां

संवाददाता। श्रावस्ती,इकौना

जनपद के इकौना कस्बे में मित्र पुलिस का बेरहम चेहरा सामने आया है जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है इस वीडियो में लॉक डाउन के दौरान अपने घर जा रही दो महिलाओं पर पुलिस का जवान लाठियां बरसाती नजर आ रही है। मामला वायरल होने पर विधायक इकौना रामफेरन पाण्डे ने पुलिस अधीक्षक अरबिंद श्रीवास्तव से पूरे प्रकरण को संज्ञान में लेकर कार्यवाही करने को कहा है। जिसपर पुलिस अधीक्षक ने बड़ी कार्यवाही करते हुए प्रभारी निरीक्षक इकौना ज्ञानेंद्र पांडेय समेत एक कांस्टेबल व एक महिला

कांस्टेबल पर निलम्बन की कार्यवाही की है। मामला जनपद श्रावस्ती के इकौना कस्बे का है जहाँ लॉक डाउन का पालन कराने के लिए मित्र पुलिस कही जाने वाली इकौना पुलिस का महिलाओं को लाठियों से पीटते हुए क्रूर चेहरा कैमरे में कैद हुआ है। जहाँ लॉक डाउन के नाम पर पुलिस अपने घर जा रही दो महिलाओं को लाठियों से पीट दिया जिस समय पुलिस के जवान ने महिला की पिटाई की उस समय उसी के साथ महिला सिपाही भी थी इसके बावजूद पुरूष सिपाही ने बल प्रयोग किया। इसी के साथ ही कई अन्य पिटायी के वीडियो वायरल हो रहे हैं। वही दूसरा मामला भी इसी कस्बे का है जहाँ इकौना बाइपास के पास पुलिस जवान ने अपने वर्दी का रौब दिखाते हुए एक विकलांग फल बिक्रेता की जमकर पिटाई की जिससे वह गम्भीर रुप से घायल हो गया है। जहाँ इन दिनो सरकार ने फल व सब्जी के बिक्री की निश्चित अवधि के दौरान छूट दे रखी है उसके बावजूद भी पुलिस निरंकुश होकर इन पर भी लाठिया भांजती नजर आ रही है। पुलिस द्वारा पिटायी के वीडियो वायरल होंने के बाद इकौना विधायक रामफेरन पाण्डेय ने पुलिस की इस अमानवीय व्यवहार पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए पुलिस अधीक्षक अरबिंद कुमार मौर्य से इस मामले को गम्भीरता से लेते हुए तत्काल व प्रभावी कार्यवाही के निर्देश दिए हैं। मामले की शिकायत मिलने के बाद पुलिस अधीक्षक ने प्रभारी निरीक्षक इकौना ज्ञानेंद्र पांडेय समेत एक कांस्टेबल व एक महिला कांस्टेबल पर निलम्बन की कार्यवाही की है।

जिले की तीन ग्राम सभाओं की मतगणना संपन्न

संवाददाता। अमेठी

जिले में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में मतदान से पूर्व 3 ग्राम सभाओं के प्रत्याशियों की मौत होने के कारण चुनाव ग्राम प्रधान पद का चुनाव स्थगित कर दिया गया था जिस पर चुनाव आयोग के निर्देशन पर जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा 9 मई को विकासखंड शाहगढ़ के पिछौराएजामों विकासखंड के लोरिकपुर व जगदीशपुर विकासखंड के इमली गांव में चुनाव संपन्न कराया था प् आज जिसकी मतगणना सम्पन्न हुई और परिणाम घोषित किया गया प् विकास खण्ड के पिछौरा ग्राम सभा का त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव का परिणाम आ गया है। जिसमें रामपाल यादव ने 26 मत के अंतराल से विजय हासिल किये। जिसमे 849 मतदाताओं में से 623 मतदाता मतदान में हिस्सा लिया। रामपाल यादव को 159 मत पाकर आशीष तिवारी को 26 मतों से हराया। आर ओ राम मिलन ने जीत का प्रमाण पत्र

गीता देवी को प्रधान का प्रमाण पत्र देते हुए आरओ — पायनियर

सौंपा। वहीं जामों विकासखंड के लोरिकपुर के ग्राम प्रधान पद के लिए हुए चुनाव की मतगणना आज उमारमण राजकीय इंटर कॉलेज में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच संपन्न हुई प् जिसमें गीता देवी पत्नी अवनीश शर्मा को 897 मत प्राप्त हुए जबकि ममता देवी को 812 मत प्राप्त हुए एऔर गीता देवी को 85 मतों से विजई घोषित किया गया । जगदीशपुर विकास खंड के इमलीगांव ग्राम पंचायत से प्रधान पद हेतु मतगणना 11मई को एएच इंटर कालेज जगदीशपुर में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सुबह आठ बजे प्रारम्भ हुई जहाँ प्रधान पद के लिए फजील अहमद को 755 मोहम्मद अशफाक को 590 वोट मिले प् वहीं भूतपूर्व प्रधान छेददू के भतीजे फजील अहमद 145 वोट से विजय प्राप्त किया। इस तरह पूरे जनपद में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव संपन्न हुआ।

मरीजों के तीमारदारों को भोजन का किया वितरण

संवाददाता। रायबरेली

आचार्य द्विवेदी इण्टर कॉलेज में चला रहा है राणा बेनी माधव जिला चिकित्सालय रायबरेली इमरजेंसी में मरीज एवं उनके तीमारदारों को भोजन वितरण करते हुए राय बली विभाग के विभाग प्रचारक डॉक्टर अवधेश आर एस एस के विभाग सेवा प्रमुख गया प्रसाद जिला कार्यवाह अमित चौधरी सौरभ पांडे नीलेश सचान आदि ने कोविड-19 मारी से जूझ रहे मरीजों के तीमारदारों को भोजन वितरण कर तीमारदारों का मनोबल बढ़ाया विभाग सेवा प्रमुख बताया राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सेवा विभाग सेवा भारती के द्वारा दोनों टाइम भोजन का वितरण किया जाएगा यह भोजन वितरण एम्स मुंशीगंज जिला चिकित्सालय रायबरेली मेदांता दूरभाष नगर में भर्ती मरीजों के तीमारदारों को एवं ऐसे गरीब जो सड़कों के किनारे रहते हैं उनको हर संभव भोजन कराने का प्रयास किया जाएगा।

आवश्यक सामानों की हो रही कालाबाजारी, अधिकारी बेखबर

संवाददाता। जगदीशपुर, अमेठी

जहाँ एक तरफ प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ लाकडाउन लगा कर लोगों की जान की हिफाजत करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे है वहीं बड़े व्यापारी अधिक धन कमाने के चक्कर में सामानों की कालाबाजारी कर औने पौने दामों में बेच रहे हैं जिम्मेदार अधिकारी बेखबर है ।

जगदीशपुर विकास खण्ड स्थित विभिन्न गांवों में बड़े दुकानदार आमजनमानस को रेट से अधिक कीमत पर सामान देकर खुले आम कालाबाजारी करने पर आमादा हैं और इस महामारी के दौर में भी अधिक धन कमाने में लगे हुए हैं जब कि रोजमर्रा के सामानों की कालाबाजारी करने वाले व्यापारी डेढ़ से दो गुनी कीमत पर समान बेच रहे है वहीं ग्रामीण क्षेत्रों के छोटे दुकानदारों ने बताया कि बड़े दुकानदारों द्वारा सामानो के अनाप शनाप पैसे लिए जा रहे हैं जिससे हम लोगों को भी मजबूर होकर महंगा बेचना पड रहा है यदि बड़े दुकानदारों पर शिकंजा कसा जाए तो आम जनमानस को काफी राहत मिल सकती है जब कि लाकडाउन के दौरान आम आदमी का रोजगार और कारोबार बंद होने के कारण आमदनी खत्म हो गई है वहीं कुछ लोग ऐसे भी हैं जो पानपटटी गुमटी ठेला और फेरी कर शाम को वापस आने पर उनके बच्चों को भोजन नसीब होता है इस कोरोना काल में लाकडाउन के दौरान रोजमर्रा के सामानों में हो रही कालाबाजारी ने लोगों की कमर तोड़ दी है वहीं क्षेत्रीय लोगों ने बताया कि बड़े व्यापारी इसी तरह करते रहे तो आम जनता क्या हाल होगा ।

नर्सेज डे पर मिशाल बनीं पूनम मिश्रा

● सात माह का गर्भ,पति कोरेना से प्रभावित,छोटा सा बच्चा फिर भी अपने कर्तव्य से नहीं हुईं विमुख

संवाददाता। अमेठी

कोरोना काल की इस भयावह त्रासदी में जब अपने सगे भी पास आने से कतराते है तब भी ऐसे मुश्किल हालात में सामुदायिक स्वास्थ केन्द्र अमेठी में तैनात स्टाफनर्स पूनम मिश्रा खुद सात माह की गर्भवती होने के बावजूद अपनी एक साल की छोटी बेटी को घर पर छोड़कर अस्पताल में आने वाले मरीजों की सेवा में अपनी ड्यूटी पूरी निष्ठा से कर रही हैए नर्सेज डे पर पूनम मिश्रा जैसी प्रतिभाएं ही समाज के लिए एक मिशाल बनती है पूनम मिश्रा ने बताया कि कोरो ना कल में भी परिवार और नौकरी करना काफी कठिन है उसके बाद भी लोगों की सेवा करना अहम है ए अस्पताल से वापस घर जाकर पूरी सावधानी बरतते हुए पारिवारिक दायित्वों का

पूनम मिश्रा

निर्वहन किया इसी दौरान उनके पति भी कोराना पॉजिटिव हो गए फिर भी इन्होंने हिम्मत नहीं हारी अपने पति को चिकित्सको की सलाह पर होम आइसोलेट करते हुए उनका ट्रीटमेंट कियाए और पूरी तरह स्वस्थ हों गएएउनकी इसी प्रतिभा को देखते हुए कहा गया है कि मातृशक्ति हर मुश्किल हालात में अपनी ड्यूटी और अपने पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन करने में पीछे नहीं हटती। उन्होने बताया कि गर्भवती महिलाओं का पंजीकरण गैर संचारी रोगो की जांच सहित गर्भवती महिलाओं की प्रसव जैसे कार्य सर्वोपरि रहता है।

हर पल अमेठी की चिंता करती हैं हमारी सांसदः दुर्गेश त्रिपाठी

संवाददाता। अमेठी

जिले के गौरीगंज स्थित भारतीय जनता पार्टी कार्यालय पर आज अमेठी की सांसद व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी द्वारा अमेठी वासियों को भेजा गया मास्क मंडल अध्यक्षों को सौंपा गया द्य मंडल अध्यक्षों को जिला अध्यक्ष दुर्गेश त्रिपाठी ने मास्क वितरण के लिए सौंपते हुए यह कहा कि सभी कार्यकर्ता दीदी जी के निर्देश पर सभी कार्यकर्ताओं को ज्यादा से ज्यादा वैक्सीनेशन कराएं एवं शक्ति केन्द्र प्रमुखएबूथ अध्यक्षों के माध्यम से मास्क वितरण का निर्देश दिया। जिला प्रवक्ता चन्द्रमौलि सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि सभी मंडल अध्यक्षों को दीदी जी द्वारा उपलब्ध कराया गया मास्क शक्ति केंद्र प्रमुख एवं बूथ अध्यक्षों तक वितरण करने के लिए जिला अध्यक्ष ने निर्देश दिया इसी क्रम में अमेठी सांसद केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी जी 24 घंटे अमेठी के लिए चिंतित रहती हैं दीदी जी के ही प्रयास से आज अमेठी जनपद में चिकित्सा की सुविधाएं बहुत ही बेहतर हुई हैं जैसा

मंडल अध्यक्ष को मास्क वितरित करते हुए जिलाध्यक्ष — पायनियर

कि जनपद में ऑक्सीजन, रेमेडिसेवीरएमरीज़ों के लिए बेड आसानी से उपलब्ध हो जाता हैएआज जनपद जनपद में कोरोना जाँच केंद्रएयह सब कार्य दीदी जी के भगीरथ प्रयास से ही संभव हुआ है। इस महामारी लोग अपने घरों से बाहर नहीं निकल रहे हैं रहे हैं इस विषम परिस्थिति में भी अमेठी की सांसद दीदी स्मृति ईरानी जी बिना किसी प्रोटोकॉल के अपने लोकसभा क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर कार्यकर्ताओं के यहां जाकर शोक संवेदना व्यक्त किया एवं प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठकर कोविड.19 कन्ट्रोल सेंटर का निरीक्षण किया एवं समीक्षा किया एवं अमेठी के लोगों को बेहतर सुविधाएं हो इसके लिए संबंधित जिला अधिकारी सीएमओ को निर्देशित भी किया यह अमेठी के लोगों का सौभाग्य है कि स्मृति ईरानी जैसा सांसद है जो कि अमेठी के सांसद नहीं एक अभिभावक की भाँति कार्य कर रही हैं। इस अवसर कार्यालय पर हर एक मण्डल अध्यक्ष उपस्थित होकर मास्क प्राप्त किया।

क्विक न्यूज

जिले में चला विशेष सफाई, सैनिटाइजेशन व फागिंग अभियान

अमेठी। जिलाधिकारी अरुण कुमार ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार जनपद अमेठी में कोविड.19 महामारी पर प्रभावी नियंत्रण हेतु ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में लगातार साफसफाईए सैनिटाइजेशन व स्वच्छता का कार्य कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जनपद के सभी नगर निकायों के वार्डों में नियमित साफसफाई के लिए नगर निकायों में कार्यरत सफाई कर्मियों व फायर टैंकर की गाड़ियों के माध्यम से सैनिटाइजेशन कराने के निर्देश दिए गए हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में भी सफाई कर्मचारी तथा फायर टैंकर के माध्यम से लगातार सफाई अभियान चलानेए सैनिटाइजेशन कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए हैं। साथ ही सभी कार्यालयों में भी सैनिटाइजेशन कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कोविड.19 के बढ़ते संक्रमण के दृष्टिगत जनपद में विशेष स्वच्छता अभियान संचालित कर सैनिटाइजेशन कराया जा रहा है। इसके साथ ही कंटेनमेंट जोन में भी नियमित सैनिटाइजेशन कराया जा रहा है। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्र में सफाईए सैनिटाइजेशन हेतु जिला पंचायत राज अधिकारी तथा शहरी क्षेत्र में समस्त अधिशासी अधिकारियों को सफाई कर्मचारियों की टीम गठित कर प्रतिदिन निर्धारित कंटेनमेंट जोन के साथ संक्रमित क्षेत्र में कोविड.19 प्रोटोकॉल का पालन करते हुए सैनिटाइजेशन व सफाई कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि जनपद की सभी ग्राम पंचायतों के साथ प्रमुख स्थानों पर फायर टैंकर के सहयोग से बृहद सैनिटाइजेशन कराने तथा नालियों में एंटी लार्वा स्प्रेए ब्लीचिंग पाउडर छिड़काव सहित वृहद स्तर पर सफाई कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए हैं। इसके साथ ही जन सामान्य को भी कोविड.19 संक्रमण से बचाव हेतु क्या करें.क्या ना करें के संबंध में भी जागरूक करने के निर्देश दिए हैं।

आयुर्वेद से हारेगा कोरोनाः डॉ. अरूण कुमार

रायबरेली। क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ अरुण कुमार कुरील ने बताया कि आयुष विभाग ग्रामीण क्षेत्रों में सर्दी,जुखाम व बुखार के मरीजों को चिन्हित करके आयुर्वेदिक दवाओं को वितरित कर रहा है जिससे मरीज ना केवल गंभीर होने से बच रहें है बल्कि इन दवाओं से जल्दी स्वस्थ्य हो रहें हैं! जिले के सभी 53 आयुर्वेदिक अस्पतालों के कर्मी अपने क्षेत्र में ऐसे मरीजों को चिन्हित कर रहें है जिन्हें सर्दी, जुखाम, बुखार की शिकायत है और चिन्हित लोगों दवाएं दी जा रही हैं ! डॉ कुरील ने बताया कि आयुष विभाग द्वारा पांच दवाओ को दिया जा रहा है जिसमें आयुष 64, संशमनी वटी, अगस्त्यहरीत रासायन,आयुष काढ़ा व अणुतेल है! ये दवाएं कोरोना के लक्षणों में भी कारगर हैं! चिन्हित मरीजों को एक सप्ताह के लिए दवाएं दी जाती हैं! जिले के आयुर्वेदिक अस्पताल द्वारा अब तक ढाई हजार से ज्यादा लोगों को ये दवाएं दी जा चुकी हैं साथ ही दवा प्राप्त करने वाले मरीजों की जानकारी भी विभाग ले कर उच्च अधिकारीयों को दे रहा है।

20 दिन से अपहृत बेटी नहीं हुई बरामद

श्रावस्ती, इकौना। थाना इकौना अंतर्गत ग्राम साईंपुरवा मे बहला.फुसलाकर भगा ले जायी गयी नाबालिग बीस दिन बाद भी बरामद नही हो सकी हैए बेटी की बरामदगी के लिए पीड़ित पिता थाने का चक्कर लगा रहा है पिता ने बेटी की बरामदगी के लिए पुलिस अधीक्षक से भी गुहार लगाई है। थाना क्षेत्र के समगढ़ा के साईंपुरवा निवासी एक किशोरी को 18 अप्रैल को पड़ोसी गांव का युवक बीस दिन पूर्व बहला फुसलाकर भगा ले गया। नाबालिग बालिका अपने साथ घर मे रखे पन्द्रह हजार रुपये भी ले गयी है। किशोरी के पिता ने तहरीर देकर चांई पुरवा निवासी राधेश्याम के विरुद्ध अपहरण का मुकदमा दर्ज करवाया। लेकिन किशोरी को पुलिस अब तक बरामद नहीं कर सकी। किशोरी के पिता ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर किशोरी सहित आरोपी को गिरफ्तार करने की फरियाद की है।

आक्सीजन लेवल कम होने पर महिला की मौत

ऊंचाहार। ऊंचाहार कोतवाली के गांव रामसाण्डा निवासिनी षिवदेवी 50वर्ष पत्नी प्रभुदयाल की आक्सीजन लेवल कम होने पर संदिग्ध परिस्थितियो मे हालत बिगड़ गई जिनको पजिरनो के द्वारा जिला के एक अस्पताल मे भर्ती करवाया गया जहां पर उपचार के दौरान मौत हो गई है।जिसमे महिला के घर मे रो रोकर बुरा हाल है।

वृद्ध की संदिग्ध परिस्थितियों में हालत बिगड़ी, मौत

ऊंचाहार। ऊंचाहार कोतवाली के गांव निरवापार निवासी रामनरेष 60वर्ष की हालत संदिग्ध परिस्थितियो मे बिगड़ने पर उनको परिजनो के द्वारा प्राथमिक उपचार हेतु प्राइवेट अस्पताल मे भर्ती करवाया गया जहां पर उपचार के दौरान मौत हो गई है।वृद्ध की मौत पर परिजनो मे रो रोकर बुरा हाल है।

पेट्रोल खरीद में मारपीट, बाइक बरामद-अरोपित फरार

ऊंचाहार। ऊंचाहार कोतवाली के अन्तर्गत लखनऊ से प्रयागराज मार्ग पर बाबूगंज निकट पेटोल पंप है।जिस पेट्ोल पंप मे कम पेट्ोल देने की बात बाइक सवार दो युवको के द्वारा कहा गया जिस बात को लेकर सेल्समैन से बाइक सवार युवको से झड़प हो गया और दोनो के मध्य हाथांपाई होने लगा।जिसमे पेट्ोल पंप के अन्य स्टाप के द्वारा कोतवाली पुलिस को सूचना दिया गया जिसमे बाइक छोड़कर पेट्ोल डलवाने आए दोनो युवक मौके से फरार हो गए।जिसमे पुलिस कोतवाली बाइक ले गई है।जिसमे समाचार लिखे जाने तक सेल्समैन ने कोई तहरीर नही दिया था।

मारपीट के मामले में दो का चालान

लालगंज रायबरेली। चिलौला गांव मे हुयी मारपीट के मामले में पुलिस ने मुकदमे मे नामजद आरोपित दो लोगों का सीआरपीसी के तहत चालान कर दिया है।पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार चिलौला गांव मे बाइक तेज चलाने के विवाद मे मारपीट हुयी थी जिसमे एक पक्ष ने चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया था।

जीतने के बाद भी शपथ नहीं ले पाएंगे चार सौ से अधिक प्रधान

● 40 फीसद से अधिक ग्राम पंचायतों में ग्राम पंचायत सदस्य का कोरम ही पूरा नहीं हुआ

संवाददाता। बस्ती

जिले के जीतने वाले चार सौ अधिक प्रधानों को यह सुनकर झटका अवश्य लगेगा कि वह जीतने के बावजूद भी न तो गांव की सरकार ही संचालित कर पाएंगे, और न वह शपथ ग्रहण समारोह में ही शामिल हो पाएंगे। कहने का मतलब, वह शपथ नहीं ले पाएंगे, बस वह दूसरों को शपथ लेते और ताली बजाते ही नजर आएंगे। कारण, इन ग्राम पंचायतों में गांव की सरकार को चलाने के लिए आवश्यक सदस्य यानि दो तिहाई ग्राम पंचायत सदस्य ही नहीं चुने गए, या फिर उक्त ग्राम पंचायतों में वार्ड सदस्य के चुनाव के लिए नामांकन ही दाखिल नहीं हुआ। नामांकन दाखिल न करने के पीछे एक तो एक हजार का नामांकन शुल्क लगना और जीतने के बाद उन्हें कोई लाभ न मिलना, यहां तक कि मानदेय तक लाभ न मिलने को कारण माना जा रहा है। जो प्रधान प्रत्याशी या फिर जिन्हें यह विश्वास था कि वह चुनाव जीत जाएंगे, उन्होंने तो निजी धन लगाकर नामांकन करवाया, और कोरम को भी पूरा कराया। मगर अधिकतर प्रत्याशी चूक गए। वैसे ही अधिकतर वार्ड मेंबर निर्विरोध ही चुने जाते है। एक ग्राम पंचायत में अधिकतम 15 और न्यूनतम नौ सदस्य का होना सरकार चलाने के लिए आवश्यक है। हालांकि अभी तक चुनाव में यह देखा गया है कि रिक्त पदों पर चुनाव समाप्त होते ही कोरम को उप चुनाव के जरिए पूरा करवा लिया जाता था, ताकि सरकार चलाने और प्रधानों को शपथ लेने में कोई दिक्कत न हो। मगर इस बार ऐसा नहीं हुआ, इस लिए अगर सरकार ने शपथ ग्रहण की तिथि भी निर्धारित कर दी तो चार सौ से अधिक प्रधान शपथ नहीं ले पाएंगे। स्थानीय पंचस्थानी निर्वाचन कार्यालय रिक्त पदों की सूची तक आयोग को नहीं दे पाया। रिकार्ड के मुताबिक 1185 ग्राम पंचायतों में 541 ग्राम पंचायतों में ग्राम पंचायत सदस्य का चुनाव पूरा हुआ। उक्त ग्राम पंचायतों में तो प्रधान चुन लिए गए, मगर ग्राम पंचायत सदस्य इसलिए नहीं चुने गए, क्यों कि उन ग्राम पंचायतों में नामांकन ही दाखिल नहीं हुआ। देखा गया है कि ग्राम पंचायत में इतने प्रत्याशी ही नहीं मिलते की कोरम पूरा करने के लिए नामांकन दाखिल कर सके। इसका ध्यान भी शायद किसी प्रधान प्रत्याशी को रहता होगा, ग्राम पंचायत का यह पहला ऐसा पद होता है, जिसकी जीत तय मानी जाती है, बशर्ते एक हजार खर्च करके नामांकन करना होता है। यही कारण है कि लगभग आधे से अधिक सदस्य निर्विरोध चुने जाते है। कुछ तो जानकारी और जागरुकता के अभाव में नामांकन नहीं कर पाते, और कुछ तो यह सोच कर नामांकन दाखिल नहीं करते कि उन्हें क्या लाभ होगा? सारी मलाई तो प्रधान और सेक्रेटरी खा जाएंगे। चुनाव संपन्न होने का तो आंकड़ा मिल गया मगर किन ग्राम पंचायतों में कितने निर्विरोध हुए और कितने पद रिक्त हैं, इसका आकड़ा अभी नहीं मिल पा रहा है। अब कोरम पूरा कराने की जिम्मेदारी जीते हुए प्रधानों की हो जाती है,चाहें उन्हें अपने जेब से क्यों न नामांकन दाखिल कराना पड़े। बेचैनी अब उन ग्राम पंचायतों के चुने हुए प्रधानों की बढ़ गई, जो जीतने के बाद भी शपथ ग्रहण समारोह में भाग नहीं ले पाएंगे, और न गांव की सरकार का मजा ही ले पाएंगे। नियम के अनुसार अगर किसी ग्राम पंचायत में एक हजार मतदाता है तो वहां पर नौ वार्ड सदस्य का होना आवश्यक है, और अगर चार हजार है तो 11 और अगर पांच हजार की बड़ी ग्राम पंचायत है, तो वहां पर 15 वार्ड मेंबर का होना सरकार चलाने के लिए आवश्यक है।

भाजपा नेता अनूप ने की एम्बुलेंस का रेट निर्धारित करने की मांग

बस्ती। भाजपा नेता अनूप खरे ने कोरोना वायरस पीड़ितों को शहर में एक स्थान से दूसरे स्थान या जिले से बाहर जाने के लिए एम्बुलेंस के रेट निर्धारण पर आपत्ति जताया है। डीएम द्वारा एम्बुलेंस का जो रेट निर्धारित किया गया है उसे वहन करना सामान्य जनता और गरीबों के लिए अधिक बताया है। कहा है कि यहां जो रेट निर्धारित किया गया है वह अन्य जिलों की अपेक्षा अधिक है। उन्होंने कहा कि बस्ती में प्रति किमी 40 और 75 रुपए एम्बुलेंस का किराया निर्धारित किया गया है, जबकि गोरखपुर में 15 रुपए प्रति किमी का दर निर्धारित किया गया है।

डीएम एवं सांसद को इस सम्बन्ध में पत्र लिखकर सामान्य गरीब जनता के हित में गोरखपुर में निर्धारित रेट को लागू कराने की मांग की है। कहा है कि गोरखपुर में शहर से बाहर एम्बुलेंस ले जाने के लिए 15 रुपया प्रति किमी का रेट यहां भी लागू किया जा सके। जिससे मरीजों को जरूरत पड़ने पर एम्बुलेंस के माध्यम से जनपद के बाहर या जनपद के एक दूसरे अस्पताल तक ले जाने में उनके समक्ष धन की समस्या आड़े न आए।

जांच में खुली गांवों में सफाई व सेनेटाइजेशन की पोल

● डीपीसी के निरीक्षण में तैनात गांवों में उपस्थित नहीं मिले सफाईकर्मी

● ग्रामीणों ने बताया एक सप्ताह से अधिक समय से नहीं आए कर्मी

संवाददाता। बस्ती

ग्राम पंचायतों में सफाई और सेनेटाइजेशन का कार्य सिर्फ कागजी बनकर रह गया है। कोरोना वायरस संक्रमण से बचाव के लिए साफ सफाई और सेनेटाइजेशन के निर्देश धरातल पर नहीं दिखाई दे रहे है। सफाई कर्मी न तो अपने तैनाती वाले गांवों में जा रहे हैं और न ही सेनेटाइजेशन का ही कार्य किया जा रहा है। इसका खुलासा विकास खंड कप्तानगंज के ग्राम पंचायतों में निरीक्षण के दौरान हुआ। ग्राम पंचायतों में सफाई और सैनिटाइजेशन कार्य के निरीक्षण के लिए डीपीआरओ के निर्देश पर डीपीसी राजा शेरसिंह, विष्णुदेव तिवारी ने एडीओ पंचायत सहजराम के साथ कप्तानगंज विकास खण्ड के कई ग्राम पंचायतों में सफाई कर्मचारियों की उपस्थिति और साफ सफाई कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायत तिलकपुर के 4 राजस्व ग्राम, बढ़नी के 2 राजस्व ग्राम, दुधौरा के 6 राजस्व ग्राम, महुआ मिश्र के 3 राजस्व ग्राम, सरैया मिश्र के 5 राजस्व ग्राम, खजुरिया मिश्र के 4 राजस्व ग्राम, गोपियापर के 2 राजस्व ग्राम, दुबौली मिश्र के 4 राजस्व ग्राम, बद्दूपुर के 3 राजस्व ग्राम में 36 सफाई कर्मचारी कार्य स्थल पर अनुपस्थित पाए गए। कोई भी कर्मचारी अपने तैनाती ग्राम में उपस्थित नहीं पाया गया। ग्रामीणों ने जानकारी दी कि लगभग एक सप्ताह से अधिक समय से कोई कर्मचारी गांव में नहीं आया। वहीं एडीओ पंचायत सहज राम ने बताया कि ग्राम पंचायत महुआ मिश्र, बद्दूपुर, बढ़नी, सरैया मिश्र के सफाई कर्मियों को मांग के आधार पर सोडियम हाइपोक्लोराइट छिड़काव करने हेतु आज ही दिया गया है किन्तु इनमें से कोई भी कर्मचारी अपने गांव में सोडियम हाइपोक्लोराइट छिड़काव करते हुए नहीं मिला।

दहेज की मांग को लेकर महिला को प्रताड़ित कर घर से निकाला

करनैलगंज (गोंडा)। दहेज की मांग को लेकर महिला को प्रताड़ित कर घर से निकाल देने का मामला सामने आया है। कोतवाली करनैलगंज अंतर्गत ग्राम पैरीरी के मजरा अमृतपुरी पुरवा निवासी अंग्रेज निषाद ने कोतवाली में तहरीर दिया है। जिसमे कहा गया है कि वर्ष 2019 में उसने अपनी बहन गुड़िया की शादी कोतवाली देहात अंतर्गत एक गांव निवासी युवक से किया था। शादी में ही वह विदा होकर अपने ससुराल गई और पत्नी धर्म का निर्वहन करने लगी। कुछ दिन तक सब कुछ सही था। उसके बाद ससुराल वाले दहेज कम मिलने की बात कहते हुये उसे प्रताड़ित करने लगे। आरोप है कि बहन की प्रताड़ना की सूचना पाकर वह बहन के ससुराल गया। जहां उससे बाइक व सोने की अंगूठी की मांग की गई। जिसे पूरा करने में असमर्थता जताने पर उसकी बहन को घर से बाहर कर दिया गया। यही नही अपने साथ न ले जाने पर उसे जान से मार देने की धमकी भी दी गई। वह अपनी बहन को घर ले आया। तब से वह मायके में ही रह रही है। सोमवार की शाम उसके बहनोई सहित अन्य लोग आये और कागज पर जबरन अंगूठा व हस्ताक्षर करने का दबाव बनाने लगे। मना करने पर मार पीट भी किया। कोतवाल व सीओ के सीयूजी नम्बर पर सम्पर्क करने का प्रयास किया गया। मगर दोनो फोन नेटवर्क क्षेत्र से बाहर बता रहे थे।

कटेंनमेंट जोन की संख्या बढ़ी, प्रशासन मुस्तैद

● मरीजों की संख्या बढ़ने पर बनता है कटेंनमेंट जोन

संवाददाता। संतकबीरनगर

जिले में कंटेनमेंट जोन की संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। वर्तमान में जिले में बरदहिया बाजार, बंजरिया मोहल्ला समेत 486 जगहों पर कंटेनमेंट जोन बनाया गया है। यहां पर आवागमन पूरी तरह से ठप हैए सिर्फ जरूरत के लोग ही जा पा रहे है।

कोविड संक्रमित मरीज प्रतिदिन काफी संख्या में मिल रहे है। सबसे ज्यादा मरीज खलीलाबाद ब्लॉक क्षेत्र में है। खलीलाबाद शहर के बंजरिया मोहल्ला, बरदहिया बाजार, टीचर्स कालोनी, रेलवे स्टेशन रोड समेत कई जगहों पर मरीज मिलने से कंटेनमेंट जोन बना दिया गया है। यहां पर बांस और बल्ली के सहारे में रास्ता पूरी तरह से बंद कर दिया गया है। कंटेनमेंट जोन में केवल स्वास्थ्य कर्मी, चिन्हित फल व सब्जी विक्रेता ही जा पा रहे है। जो सामानो को लोगों के घरो तक पहुंचा रहे है। इसी तरह से बखिरा में भी कंटेनमेंट जोन बनाया गया है। धनघटा क्षेत्र के बेलौली गांव को कंटेनमेंट जोन घो ेषित किया गया है। इसी तरह से पूरे जिले में 486 जगहों पर कंटेनमेंट जोन बनाया गया है। अपर सीएमओ डॉ मोहन झा ने बताया कि जहा पर भी कोरोना के मरीज अधिक मिल रहे है। उस मोहल्ले को पूरी तरह से कंटेनमेंट जोन घोषित कर दिया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट पर प्रशासन वहा पर बांस बल्ली लगाकर आवागमन पूरी तरह से बंद कर दे रहा है।

क्विक न्यूज

सामाजिक दूरी के साथ मनायें त्योहार

करनैलगंज (गोंडा)। करनैलगंज कस्बा पुलिस चौकी पर ईद त्योहार को लेकर नगर के सम्भ्रांत लोगों एवं सभी मस्जिदों के इमाम की बैठक बुलाई गई। जिसमें नगर चौकी प्रभारी सहदेव दूबे ने ईद पर्व के मौके पर लॉक डाउन का पालन करने व शासन के आदेशों के तहत ईद की नमाज पढ़ने एवं त्योहार मनाने की अपील की गई। इस मौके पर बताया गया कि सामाजिक दूरी बनाकर ही नमाज पढ़े तथा एक मस्जिद में पांच से अधिक लोग नमाज नही पढ़ेंगे। चौकी प्रभारी ने कहा कि लोग अपने घरों में ही नमाज पढ़ें व त्योहार मनाएं। बाहर निकलने या घूमने की अनुमति कतई नही होगी। लॉकडाउन के नियमों का कड़ाई से पालन कराया जाएगा। किसी भी स्थान पर भीड़ एकत्र नही होने दी जायेगी। उन्होंने सभी से अपील की लोग गाइडलाइंस से मुताबिक ही दुकानों को खोलेंगे। मीट, मछली, मुर्गा की दुकानें पूरी तरह से बन्द रहेंगी। किसी भी दशा में लॉकडाउन नियमों की अनदेखी नही करने दी जायेगी। इस मौके पर मौजूद इमाम व सम्भ्रांत लोगों ने पुलिस को आश्वासन दिया कि नियमानुसार ही नमाज अदा करेंगे तथा महामारी को दृष्टिगत रखते हुए सभी लोग त्योहार मनाएंगे। इस मौके पर चौकी प्रभारी द्वितीय अजय कुमार सिंह, दीवान अवतार खान, चेयरमैन प्रतिनिधि शमीम अच्छन, यावर हुसैन मुन्ना, अकबाल रजा कुरैशी, फहीम अहमद उर्फ पप्पू, अल्ताफरायनी सहित नगर की मस्जिदों के इमाम सामिल हुए।

लोगों की भूख मिटा रहे संघ के स्वयंसेवक

गोंडा। कोरोना महामारी के इस संक्रमण काल मे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के उपक्रम सेवा भारती द्वारा निरंतर कोरोना से संक्रमित लोगों व उनके साथ रह रहे परिवारीजनों के साथ साथ समाज के पीड़ित व असहाय लोगो को सुबह-शाम भोजन व जलपान देने का कार्य प्रारम्भ किया गया है। सेवा कार्य का मार्गदर्शन कर रहे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत मार्ग प्रमुख गोंडा विभाग पालक गंगा सिंह ने यह जानकारी देते हुए बताया कि देवीपाटन मंडल के चारों जिलों में सेवा का कार्य वृहद स्तर पर चलाया जा रहा है। इस कठिन समय में भी संघ के स्वयंसेवक व उसके अनुषांगिक संगठनों के कार्यकर्ता पूर्ण मनोयोग से लोगों की व मरीजों की सेवा में लगे हुए हैं। जनपद में सेवा भारती के स्वयंसेवक पिछले दस दिनों से कोरोना संक्रमित लोगो, उनके परिजनों , यात्रियों, आर्थिक दृष्टि से कमजोर लोगो को भोजन, दवाइयां, फल व आवश्यक सामग्री उपलब्ध करा रहे हैं। जिला प्रचारक अविनाश ने कहा कि विपदा के इस कालखंड में यदि समाज का दायित्व बोध मुखर दिखाई दे रहा है तो इसके पीछे निश्चित तौर पर हमारी संस्कृति की मजबूत जड़े हैं।

शोक सभा आयोजित

गोंडा। समाजवादी पार्टी के कद्दावर नेता, पूर्व कैबिनेट मन्त्री विनोद कुमार सिंह उर्फ पण्डित सिंह के निधन से पूरे जिले में शोक संवेदनाओं का सिलसिला तेजी से चल रहा है। करनैलगंज में पण्डित सिंह के करीबी माने जाने वाले उनके साथी व सपा के वरिष्ठ नेता कृष्ण प्रताप सिंह उर्फ किशुन सिंह द्वारा करनैलगंज में एक शोक सभा का आयोजन किया गया। सोमवार की शाम को उनकी याद में बस स्टॉप परसपुर रोड स्थित किशुन सिंह के आवास पर आयोजित शोक सभा मे तमाम लोगो ने पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। शोक सभा मे अरुण कुमार वैश्य, रामजीलाल मोदनवाल, अशोक सिंघानिया, शिवकुमार बाथम, दिनेश सिंह, संजय यज्ञसेनी, कन्हैया सोनी, आशीष गिरि, हितेश सिंह तथा बाबू तिवारी समेत अन्य कई लोगो ने दिवंगत आत्मा की शान्ति के लिए प्रार्थना की।

पेड़ से लटकता मिला बुजुर्ग का शव

संतकबीरनगर। बखिरा थाना क्षेत्र के ग्राम मुण्डेरी में एक 60 वर्षीय व्यक्ति का शव पेड़ से लटकता मिला।पेड़ मृतक व्यक्ति के घर के पीछे स्थित है।सूचना पाकर मौके पर पंहुची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम में भेज दिया। जानकारी के अनुसार मुण्डेरी निवासी समसुद्दीन पुत्र नसीब अली (60 वर्ष) सुबह को अपने घर के समीप स्थित एक पेड़ से लटकता मिला। परिजनों ने देखा तो अवाक रह गये और रोने चिल्लाने लगे। इसी दौरान सूचना पाकर मौके पर पंहुची पुलिस ने शव को पेड़ से उतरवाकर कब्जे में लिया।

रामपुर रेवटी में 15 साल के बाद समाप्त हुआ एकाधिकार

बस्ती। बनकटी ब्लॉक के ग्राम पंचायत रामपुर रेवटी में 15 साल बाद प्रधान के एकाधिकार का खात्मा गांव वालों ने इस बार किया। गांव वालों ने इस बार अमृत सिंह और चंद्रकांत पांडेय के सहयोग और गांव वालों की मदद से सीताराम ने 15 सालों से प्रधान रहे आत्मासिंह के समर्थित प्रत्याशी दिनेष कन्नौजिया को साढ़े चार सौ से अधिक मतों से हराया। एससी सीट होने के कारण यहां से सीताराम, दिनेष कन्नौजिया और अनुराग ही चुनाव मैदान में रहे। इतने अधिक मतों से हराने वाला यह ग्राम पंचायत बनकटी ब्लॉक में दूसरे स्थान पर रहा, पहले स्थान पर 15 साल से प्रधान रहे मनोज कुमार पांडेय के समर्थित उम्मीदवार उमेष कुमार की सात सौ वोट से जीत का रिकार्ड है।

अन्त्येष्टि स्थल पर सफाई, प्रकाश व्यवस्था, सेनेटाइजेशन की मांग

बस्ती। आयकर एवं जीएसटी के वरिष्ठ अधिवक्ता व भाजपा नेता मनमोहन श्रीवास्तव काजू ने जनहित में मूड़घाट मुक्तिधाम पर नियमित रूप से सफाई एवं पथ प्रकाश व्यवस्था को संचालित करने की जिला प्रशासन से मांग की है। कहा कि इस कोरोना काल में प्रतिदिन कई कोविड मरीजों के शवों का अंतिम संस्कार मूड़घाट पर हो रहा है, जिससे वहां पर कई प्रकार के पुराने कपड़े, पीपीई किट, ग्लब्स, जली लकड़ियां आदि इधर उधर बिखरे पड़े हुए हैं। अतिशीघ्र साफ कराकर नियमित रूप से सेनेटाइजेशन कराए जाने की मांग किया है। कहा कि इस कोरोना काल में प्रतिदिन अंतिम संस्कार करने वालो की भीड़ निरंतर बनी हुई है,।

लॉक डाउन: अधिकारियों ने बार्डर चेक पोस्ट का किया निरीक्षण

संवाददाता। संतकबीरनगर

बढ़ते कोविड-19 संक्रमण के दृष्टिगत मंगलवार को जिलाधिकारी श्रीमती दिव्या मित्तल व पुलिस अधीक्षक डॉ कौस्तुभ ने संयुक्तरुप से शासन द्वारा जारी लाकडाउन व कोविड.19 के प्रोटोकॉल का पालन कराने के दृष्टिगत थाना धनघटा क्षेत्रांतर्गत चौकी बंसवारी के पास संतकबीरनगर व गोरखपुर के बार्डर का निरीक्षण किया गया । अधिकारियों ने बताया कि लाकडाउन के दृष्टिगत जनपदीय सीमा पूर्ण रुप से सील है जिसमें आवश्यक सेवाओं ध् वस्तुओं को छोड़कर सीमा पर अन्य सभी गतिविधियों पर पूर्ण रुप से प्रतिबंधित रखा जाये । महोदय द्वारा जनपदीय सीमा पर प्रभारी चौकी बंसवारी गांव को विशेष सतर्कता बरतनेए बैरियर ध् चेक पोस्ट पर निरंतर गहनता से चेकिंग करने के लिए निर्देशित किया गया ।निरीक्षण के दौरान आने.जाने वाले व्यक्तियों से बाहर निकलने का कारण इत्यादि पूंछा गया तथा आमजनमानस से कोविड.19 गाइडलाइंस का अक्षरशः पालन करनेए अनावश्यक रुप से घरों से बाहर कदापि ना निकलनेए हाथों को बार.बार धोने व मास्क के नियमित प्रयोग हेतु अपील की गई ।

अपने घर पर ही मनाएं भगवान परशुराम का जन्मोत्सव

संवाददाता। गोंडा

कोरोना महामारी को देखते हुए अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के आईटी सेल प्रदेश अध्यक्ष अभिषेक शुक्ला शिवम ने सभी से अपने घर पर ही भगवान परशुराम का जन्मोत्सव मनाने की अपील की है। अभिषेक शुक्ला ने बताया कि भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम का अवतरण दिवस अक्षय तृतीया को मनाया जाता है। जो कि इस वर्ष 14 मई दिन शुक्रवार को पड़ रहा है। यह दिन संपूर्ण सनातन समाज के लिए बहुत ही शुभ दिन होता है। इस दिन सनातन धर्म में किसी भी तरह का शुभ कार्य किया जाना बहुत ही उत्तम माना जाता है।

उन्होंने कहा कि विगत कई वर्षो से लगातार भगवान परशुराम की जयंती पर उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में भगवान परशुराम की भव्य शोभायात्रा निकालकर धूमधाम से मनाया जाता रहा है।

बीडीओ व आरओ पर जान बूझकर हराने का लगाया आरोप

● बहादुरपुर के ग्राम अठदमा की नीलम ने प्रभारी मंत्री सहित आयोग से की शिकायत

संवाददाता। बस्ती

मुख्यमंत्री और जिले के प्रभारी मंत्री एवं चुनाव आयोग को लिखे पत्र में बहादुरपुर ब्लॉक के ग्राम पंचायत पोखरनी के प्रधान पद की प्रत्याशी नीलम पत्नी रामशंकर ने लिखा कि बीडीओ और आरओ ने विरोधी से मिलकर जान बूझकर हरा दिया। शिकायत दर्ज कराने के बाद दोनों अधिकारियों ने कहा कि चूंकि सपा के जिलाध्यक्ष जो कि निवर्तमान ब्लॉक प्रमुख के प्रतिनिधि हैं, और उनका मान सम्मान रखने के लिए उनके द्वारा समर्थित श्याम नरायन उर्फ कक्कू की पुत्री आकृति को जिताना पड़ा। दोनों ने धमकी देते हुए कहा कि अगर इसकी पिकायत कहीं किया तो तुम्हारे परिवार को जान से हाथ धोना पड़ेगा। महिला ने सीएम और प्रभारी मंत्री से परिवार की सुरक्षा व्यवस्था करने और दोनों अधिकारियों के विरुद्व विधिक कार्रवाई करने की मांग की है। महिला ने एक अन्य पत्र के जरिए मुख्यमंत्री से बीडीओ के अनियमित कार्यो और उनके द्वारा आय से अधिक धन अर्जित करने की जांच कराने की मांग की है। कहा कि क्षेत्र पंचायत एवं ग्राम पंचायत के चुनाव में एनओसी और नोड्यूज के नाम पर सारे नियम कानून को ताक पर रखकर धन अर्जित किया। इनके अनियमित कार्य में ब्लॉक में 13 साल संबद्ध सफाई कर्मी प्रमोद कुमार एवं वरिष्ठ लिपिक रामतीरथ सहयोग कर रहे है। बीडीओ के साथ अनियमित कार्यो में सहयोग देने वाले सफाई कर्मी और वरिष्ठ लिपिक के विरुद्व विधिक कार्रवाई की मांग की है।

मंदिर की संपत्तियों पर जमी भूमाफियाओं की निगाहें

करनैलगंज (गोंडा)। मंदिरों की संपत्तियों पर भू माफियाओं की निगाहें जम गई है। नगर के बालकराम पुरवा ठाकुर श्री राम जानकी चतुर्भुजी मंदिर की जमीन पर भू माफियाओं की निगाहें जमी हुई थी। सर्वाकारी को लेकर उपजे विवाद होने के चलते जिलाधिकारी स्वयं इस मंदिर के प्रशासक बन गए हैं। वहीं नगर के दूसरे एक राधा कृष्ण राधेश्याम मंदिर की बेशकीमती भूमि पर भू माफियाओं ने अपना पैर जमाना शुरू कर दिया है। ज्ञात रहे कि राधा कृष्ण राधे श्याम मंदिर गाड़ी बाजार की तमाम बेशकीमती जमीन करनैलगंज नगर क्षेत्र में मौजूद है। मंदिर की संपत्तियों में तमाम दुकानें बनी हुई हैं। जिसमें करीब एक दर्जन से अधिक किरायेदार हैं। जो बिना किराया अदा किए हैं जमीन मंदिर की दुकानों में कब्जा जमाए हुए हुए हैं। किराए के तौर पर 5 रुपये और 6 रुपये महीने भी देना वह मुनासिब नहीं समझ रहे हैं। जिससे मंदिर में पूजा आरती के लिए भी कहीं से धन नहीं आ रहा है। मंदिर भी जीर्ण शीर्ण अवस्था में है। इसी राधा कृष्ण राधे श्याम मंदिर की भूमि गाड़ी बाजार में मौजूद है। जिसके सर्वाकार कृष्ण गोपाल पुत्र हनुमान प्रसाद बताए जाते हैं। मंदिर की जमीन पर भू माफियाओं ने अपना दबदबा कायम कर दिया है। मंदिर के स्वामित्व की भूमि गाटा संख्या 1289ध्2 क्षेत्रफल 0.4050 हेक्टेयर जिसमें 9 पेड़ पुराने नीम, शीशम व आम के लगे थे। जिसे भू माफियाओं ने बिना किसी अनुमति या परमिशन के ही पेड़ों को कटवा दिया और अब प्लाटिंग करने की तैयारी में है। इसकी शिकायत नगर के हेतराम मौर्य निवासी मौर्य नगर द्वारा की गई है। शिकायत उप जिलाधिकारी, जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक, सीओ व कोतवाल को भेजी गई है। जिसमें मंदिर की बेशकीमती भूमि को बिक्री होने एवं अवैध रूप से कब्जा या प्लाटिंग होने से बचाने की मांग की गई है। एसडीएम शत्रुघ्न पाठक का कहना है कि शिकायत संज्ञान में है मंदिर की संपत्ति को किसी भी व्यक्ति को बेचने या छिन्न भिन्न करने का अधिकार नहीं है। मंदिर की भूमि पर किसी का कब्जा या दखल नही होने दिया जाएगा।

नई टीम कोरोना से लड़ाई में निभाएगी अहम भूमिका:डीएम

● 06 मजिस्ट्रेटों को मिला बीडीओ का चार्ज

संवाददाता। गोंडा

कोविड के खिलाफ लड़ाई में डीएम ने नई टीम उतार दी है। डीएम मार्कण्डेय शाही ने विकास विभाग में बड़ा फेरबदल करते हुए खण्ड विकास अधिकारियों की नवीन तैनाती देते हुए कोरोना के खिलाफ जंग में बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है।

डीएम ने मंगलवार को आदेश जारी कर तहसील मुख्यालय के ब्लाकों पर मजिस्ट्रेट्स को बीडीओ का प्रभार देने के साथ ही अन्य सभी ब्लाकों पर खण्ड विकास अधिकारियों की नवीन तैनाती दी है। इसमें एसडीएम मनकापुर हीरालाल यादव को बीडीओ मनकापुर, एसडीएम तरबगंज राजेश कुमार को बीडीओ तरबगंज, एसडीएम करनैलगंज शत्रुघ्न पाठक को बीडीओ करनैलगंज, अपर उपजिलाधिकारी बीर बहादुर यादव को बीडीओ झंझरी, प्रशिक्षु डिप्टी कलेक्टर आकाश सिंह को बीडीओ मुजेहना तथा प्रशिक्षु डिप्टी कलेक्टर आत्रेय मिश्रा को बीडीओ पण्डरी कृपाल का का प्रभार दिया है। इसके साथ ही प्रदीप कुमार को बीडीओ बभनजोत, वर्षा सिंह को रूपईडीह, राघवेन्द्र सिंह को नवाबगंज, पन्ना लाल को इटियाथोक, शेर बहादुर को वजीरगंज, अरूण कुमार सिंह जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी को परसपुर, डीसी एनआरएलएम दिनकर विद्यार्थी को कटरा बाजार, डीसी मनरेगा हरिश्चन्द्र प्रजापति को हलधरमऊ, भूमि संरक्षण अधिकारी सदानन्द चौधरी को बेलसर तथा जिला कृषि अधिकारी जगदीश प्रसाद यादव को छपिया का खण्ड विकास अधिकारी नियुक्त किया है। जिलाधिकारी ने नवनियुक्त सभी खण्ड विकास अधिकारियों को आदेशित किया है कि विकास खण्ड स्तर से संचालित विभिन्न विकास कार्यक्रमों के प्रभावी कियान्वयन, अनुश्रवण के साथ-साथ वर्तमान में कोविड-19 के संकमण की स्थिति पर नियंत्रण हेतु शासन के निर्देशों का कड़ाई पूर्वक अनुपालन करायेंगे। सभी खण्ड विकास अधिकारी अपने विकास खण्ड अन्तर्गत स्वास्थ्य विभाग के अन्य फील्ड कार्मिकों को टीम की क्षेत्र में रवानगी, उनके द्वारा सम्पादित कार्यो (मसलन- सिम्पटोमेटिक लोगों की जांच, सैम्पलिंग, होम आइसोलेशन में रह रहे शत-प्रतिशत मरीजों के यहां होम विजिट, मरीजों तथा उनके परिवार के कोविड-19 लक्षणयुक्त सदस्यों को मेडिकल किट वितरण, कोविड वैक्सीनेशन की स्थिति की गहनता के साथ समीक्षा करेंगे। साथ ही निगरानी समितियों द्वारा किये जा रहे कार्यो की सूचना संकलित की जायेगी।

खुलीं शराब की दुकानें तो उमड़ पड़े शौकीन

संवाददाता। बस्ती

कोरोना वायरस के कारण लगे लाकडाउन के बीच बंद शराब की दुकाने फ्रि से खुल गई। लाकडाउन के बीच शराब की दुकाने खुलने की खबर मिलने के साथ शौकीनों के कदम शराब की दुकानों की ओर बढ़ चले। न कोरोना वायरस संक्रमण का खतरा और न ही कोई खौफ शराब की दुकाने खुली तो भारी भीड़ जमा हो गई। कोरोना प्रोटोकाल की धज्जिया उड़ाते हुए शराब की दुकानों पर जमकर खरीदारी करने में शौकीन जुट गए।

सोशल डिस्टेंसिंग की तो धज्जियां उड़ी ही, मास्क लगाना भी शराब के खरीददारों ने उचित नहीं समझा। लाकडाउन के बीच शराब की दुकानों के खुलने के फरमान बाद आबकारी अधिकारी ने शराब के अनुज्ञापियो को सख्त हिदायत देते हुए आदेशित किया कि बिना सोशल डिस्टेंस और मास्क के किसी को शराब नहीं दी जाए लेकिन उनका निर्देश और आदेश बेअसर साबित हुआ।

मशाल रिले को हिरोशिमा की सड़कों से हटाया गया

तोक्यो। तोक्यो ओलंपिक की मशाल रिले को हिरोशिमा की सड़कों से हटा लिया गया है क्योंकि उद्घाटन समारोह से सिर्फ 10 हफ्ते पहले जापान में कोविड-19 संक्रमण के मामलो मे इजाफा हुआ है। हिरोशिमा के गवर्नर हिदेहिको युजाकी ने कहा कि रिले के बावजूद अगले हफ्ते समारोह का आयोजन किए जाने की संभावना है। पिछले कुछ हफ्तो मे यह रिले मे कम से कम छठा बदलाव किया गया है जिसमे मार्ग मे बदलाव से लेकर इसे रद्द करना तक शामिल है। आयाजको ने रिले की शुरूआत से पहले ही चेताया था कि महामारी को देखते हुए बदलाव और विलंब हो सकते है।

फ्रांस से रिहा होने के बाद सेनेगल लौटे डियाक

डकार (सेनेगल)। विश्व एथलेटिक्स के पूर्व प्रमुख लेमाइन डियाक एकस्थानीय फुटबॉल क्लब द्वारा 600,000 डालर से अधिक के बांड का भुगतान करने के बाद फ्रांस से रिहा होकर सोमवार को अपने देश सेनेगल पहुंच गए। डियाक 1999 से 2015 तक विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष रहे। उन पर अपने कार्यकाल के दौरान भ्रष्टाचार के कई आरोप लगे जिनमे से कुछ रूसी डोपिंग कांड से भी जुड़े थे।

बेलग्रेड में अक्टूबर – नवंबर में होगी पुरूष विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप

लुसाने। पुरुषों की विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप 26 अक्टूबर से छह नवंबर के बीच सर्बिया की राजधानी बेलग्रेड मे आयोजित की जाएगी। एआईबीए ने मंगलवार को यह घोषणा की।पहले यह प्रतियोगिता भारत मे होनी थी लेकिन पिछले साल मेजबानी शुल्क का भुगतान करने मे असफल रहने के बाद उसने मेजबानी के अधिकार गंवा दिए थे। इसके बाद एआईबीए ने सर्बिया को मेजबानी सौप दी थी।

कोरोना राहत कोष के लिए नुमाइशी मैच खेलेंगे आनंद व अन्य ग्रैंडमास्टर

नई दिल्ली। पांच बार के विश्व चैम्पियन विश्वनाथन आनंद और चार अन्य ग्रैंडमास्टर कोरोना राहत कोष के लिए धन जुटाने की क्वायद मे गुरूवार को दूसरे शतरंज खिलाड़ियों के साथ आनलाइन शतरंज मैच खेलेंगे। चेस डॉट कॉम ब्लिटज धारक या 2000 से कम फिडे रेटिंग वाले खिलाड़ी 150 डॉलर दान देकर आनंद के साथ खेल सकते है जबकि बाकी ग्रैंडमास्टर्स के साथ खेलने के लिए 25 डॉलर देने होंगे।

एएफसी प्रमुख शेख सलमान ने फ्रेंको के निधन पर शोक जताया

नई दिल्ली। एएफसी के अध्यक्ष शेख सलमान अल खलीफा ने भारत के 1962 एशियाई खेल स्वर्ण पदक विजेता फुटबॉल टीम के सदस्य फोर्टुनाटो फ्रेंको के निधन पर शोक व्यक्त किया है। शेख सलमान ने एआईएफएफ अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल को लिखे पत्र मे कहा मै फोर्टुनाटो फ्रेंको के निधन पर शोक और संवेदना व्यक्त करता हूं।

कप्तानी की दौड़ में शिखर व हार्दिक

- श्रीलंका दौरे के लिए माथापच्ची
- अय्यर के न फिट होने का असर

भाषा। नई दिल्ली

श्रेयस अय्यर यदि श्रीलंका के जुलाई में होने वाले सीमित ओवरों के दौरे तक फिट नहीं हो पाते हैं तो फिर अनुभवी सलामी बल्लेबाज शिखर धवन और आलराउंडर से विशेषज्ञ बल्लेबाज बने हार्दिक पंड्या ही भारतीय कप्तानी की दौड़ में बने रहेंगे। भारत के सीमित ओवरों के विशेषज्ञ श्रीलंका में तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय और इतने ही वनडे मैच खेलेंगे। इस दौरान विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे खिलाड़ी पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला में इंग्लैंड में रहेंगे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर पीटीआई से कहा, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि श्रेयस श्रीलंका दौरे तक पूरी तरह से फिट हो पाएंगे या नहीं। आम तौर पर इस तरह की चोट के आपरेशन और रिहैबिलिटेशन में लगभग चार महीने का समय लगता है। उन्होंने कहा, यदि श्रेयस उपलब्ध रहते हैं तो वह कप्तान पद के लिए स्वत: पसंद होंगे। उनके बाद आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करने वाले धवन और मैच विजेता हार्दिक कप्तानी की दौड़ में सबसे आगे हैं। अधिकारी ने कहा, शिखर का दो आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन रहा है जिनमें हाल में स्थगित किया गया टूर्नामेंट भी शामिल है। वह सीनियर बल्लेबाज है और चयन के लिए उपलब्ध रहेगा। वह कप्तानी का मजबूत दावेदार है। इसके अलावा पिछले आठ वर्षों में उसने भारत की तरफ से भी बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। जहां तक हार्दिक का सवाल है तो सीमित ओवरों की क्रिकेट में उनकी मैच विजेता की छवि को कम करके नहीं आंका जा सकता है। हां, हार्दिक ने हाल में मुंबई इंडियन्स और भारत की तरफ से गेंदबाजी नहीं की लेकिन वह टीम के लिए तुरुप का इक्का है। प्रभाव छोड़ने वाले खिलाड़ियों में वह अपने साथियों से काफी आगे है। और कौन जानता है कि अतिरिक्त जिम्मेदारी मिलने से वह अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में सफल रहे।

डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए भारत का लेग स्पिनर नहीं चुनना चिंता का विषय : कनेरिया

नई दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व लेग स्पिनर दानिश कनेरिया को लगता है कि भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए कलाई के स्पिनर का चयन नही करके गलती की है तथा राहुल चाहर उनके आक्रमण मे नए आयाम जोड़ सकता था।
पिछले सप्ताह भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 18 जून से साउथम्पटन में होने वाले डब्ल्यूटीसी फाइनल और चार अगस्त से इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली पांच टेस्ट मैचो की श्रृंखला के लिए टीम घोषित की थी। कनेरिया ने कराची से पीटीआई से कहा, भारत ने मजबूत टीम का चयन किया है। कुल मिलाकर उनकी टीम अच्छी है लेकिन ध्यान देने वाली बात यह है कि उन्होने कलाई के स्पिनर का चयन नही किया है। उन्होंने कहा, उनके पास रविचंद्रन अश्विन, वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल और रविंद्र जडेजा के रूप मे उंगलियो के स्पिनर है लेकिन उनके पास कलाई का स्पिनर - दाएं हाथ का लेग स्पिनर नही है।

आईपीएल का नया कार्यक्रम आने पर नहीं खेल सकेंगे इंग्लैंड के क्रिकेटर

लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट टीम का जून के बाद कार्यक्रम काफी व्यस्त है और अगर आईपीएल के बचे हुए मैच इस साल नए सिरे से आयोजित होते हैं तो इंग्लैंड के क्रिकेटर नहीं खेल सकेंगे। ईसीबी के क्रिकेट निदेशक एशले जाइल्स ने यह जानकारी दी। आईपीएल बायो बबल में कोरोना संक्रमण के मामले आने के बाद लीग पिछले सप्ताह अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। अब इसे या तो सितंबर के आखिर में टी20 विश्व कप से पहले या नवंबर के मध्य में आयोजित किया जा सकता है। इंग्लैंड के शीर्ष क्रिकेटर दोनों समय व्यस्त होंगे। उन्हें सितंबर और अक्टूबर में बांग्लादेश और पाकिस्तान जाना है जबकि टी20 विश्व कप के ठीक बाद एशेज श्रृंखला खेली जाएगी। हमारा एफटीपी शेड्यूल काफी व्यस्त है। पाकिस्तान और बांग्लादेश का दौरा है। आईपीएल की विभिन्न टीमों में इंग्लैंड के 11 क्रिकेटर भाग ले रहे हैं। हमें नहीं पता कि आईपीएल के बाकी मैचों का शेड्यूल क्या होगा और ए कब और कहां होंगे। इस सत्र में न्यूजीलैंड के खिलाफ मैचों से हमारा कार्यक्रम काफी व्यस्त है। हमें टी20 विश्व कप और उसके बाद एशेज श्रृंखला खेलनी है। अपने खिलाड़ियों के कार्यभार का भी ध्यान रखना है।

न लौटेंगे दोबारा वैसे स्वर्णिम दिन : एम्बरोज

किंगस्टन। महान तेज गेंदबाज कर्टली एम्बरोज का मानना है कि मौजूदा दौर के कैरेबियाई क्रिकेटरों को पता ही नहीं है कि वेस्टइंडीज के लिए क्रिकेट के क्या मायने हैं और उन्हें नहीं लगता कि दो बार की विश्व चैम्पियन टीम फिर वह वैभवशाली दौर देख पाएगी। वेस्टइंडीज ने 1975 और 1979 में पहले दो विश्व कप जीते थे। इसके 33 साल बाद उसने फिर आईसीसी ट्रॉफी जीती जब डेरेन सैमी की अगुवाई में टीम ने 2012 टी20 विश्व कप जीता था। एम्बरोज ने टॉक स्पोटर्स लाइव से कहा , आज के दौर के अधिकांश युवाओं को पता ही नहीं है कि वेस्टइंडीज के लिए क्रिकेट के क्या मायने हैं। क्रिकेट एकमात्र खेल है जो कैरेबियाई लोगों को एकजुट करता है।

कुछ भारतीय खिलाड़ियों को प्रतिबंध पसंद नहीं आए लेकिन हमें सुरक्षित लगा : पामेंट

नई दिल्ली। मुंबई इंडियंस के क्षेत्ररक्षण कोच जेम्स पामेंस ने दावा किया है कि कुछ भारतीय क्रिकेटरों को आईपीएल बायो बबल में प्रतिबंधों में रहना पसंद नहीं आया लेकिन उन्हें बबल बिल्कुल सुरक्षित लगा। उन्होंने किसी खिलाड़ी का नाम नहीं लिया। आईपीएल में खिलाड़ियों में कोरोना संक्रमण के मामले आने के बाद लीग को चार मई को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया था। पामेंट ने स्टफ डॉट कॉम डॉट न्यूजीलैंड से कहा , कुछ भारतीय खिलाड़ियों को प्रतिबंध और दिशा निर्देश पसंद नहीं आ रहे थे। लेकिन हमें बिल्कुल सुरक्षित लगा। हमें एक बार भी नहीं लगा कि बबल में सुरक्षा को लेकर कोई समझौता हो रहा है। न्यूजीलैंड के नार्दर्न डिस्ट्रिक्ट के पूर्व कोच ने कहा कि लीग रोके जाने से थोड़ा पहले ही वह और मुंबई टीम के खिलाड़ी आशंकित होने लगे थे। उन्होंने कहा , जब टीमों में मामले आने लगे तो हम थोड़ा डर गए और आशंकित भी हो गए थे।

यूरोप और अर्जेंटीना के सफल दौरों पर वीडियो विश्लेषण से मदद मिली : रोहिदास

बेंगलुरू। भारतीय पुरूष हॉकी टीम के डिफेंडर अमित रोहिदास का मानना हैकि यूरोप और अर्जेंटीना दौरे पर तैयारियों के दौरान वीडियो विश्लेषण के इस्तेमाल का उनकी टीम की कामयाबी में बड़ा हाथ रहा। वीडियो विश्लेषण से राष्ट्रीय शिविर में खिलाड़ियों को अपनी गलतियों का पता चल जाता है। वीडियो विश्लेषण से हमें दोनों दौरों पर मदद मिली। हमने विरोधी टीम के खेलने के तरीके , आक्रमण और डिफेंस में उनके मूवमेंट और हालात के अनुरूप खुद को ढालने में मदद मिली। हमें मैदान पर उतना अनुभव नहीं था लेकिन हमने होमवर्क अच्छा किया।

एफआईएच प्रो लीग : आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड का सामना जून में

लुसाने। आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड हॉकी टीमें 26 और 27 जून को पर्थ में दो चरण का एफआईएच प्रो लीग मैच खेलेंगी। महासंघ ने एक बयान में कहा , कोरोना महामारी के कारण दोनों देशों के बीच रद्द हुआ एफआईएच हॉकी प्रो ली मैच अब 26 और 27 जून को पर्थ में खेला जाएगा। दोनों टीमों को अप्रैल में एक दूसरे से खेलना था लेकिन कोरोना महामारी के कारण लगे यात्रा प्रतिबंधों की वजह से यह स्थगित करना पड़ा। पिछले महीने अंतर तस्मान बायो बबल बनाने की वजह से यह संभव हो सका। इसके अलावा आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में परस्पर यात्रा के बाद पृथकवास की जरूरत नहीं है।

पैनापन लाने क्रोएशिया गए निशानेबाज

- ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके भारतीय ट्रेनिंग सह प्रतियोगिता दौरे में भाग लेंगे

भाषा। नई दिल्ली

रीजीजू ने खिलाड़ियों से कहा, अन्य देशों के कोविड–19 नियम कभी मत तोड़ो

नई दिल्ली। खेल मंत्री किरेन रीजीजू ने भारतीय खिलाड़ियों को ट्रेनिंग या प्रतियोगिता के लिए यात्रा करते हुए दूसरे देशो के कोविड-19 नियमो को तोड़ने के खिलाफ मंगलवार को चेताया। आज ही क्रोएशिया दौरे पर गए ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाले निशानेबाजो को सफल दौरे के लिए शुभकामना देते हुए रीजीजू ने ट्वीट किया। रीजीजू ने ट्वीट किया, सुरक्षित यात्रा। अन्य देशो के कोविड-19 नियमो को कभी मत तोड़ो। ट्रेनिंग पर ध्यान लगाओ, ध्यान लगाओ और सुरक्षित रहो। हम अपने खिलाड़ियों और कोचों को सभी जरूरत समर्थन मुहैया कराएंगे।

ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके भारतीय निशानेबाजों की टीम मंगलवार को ढाई महीने के ट्रेनिंग सह प्रतियोगिता दौरे के लिए क्रोएशिया रवाना हो गई।
यह तोक्यो ओलंपिक से पहले टीम के पास तैयारी का अंतिम मौका होगा। कोच और सहयोगी स्टाफ के साथ भारत की 13 सदस्ईय निशानेबाजी टीम क्रोएशिया की राजधानी जागरेब के लिए रवाना हुई जहां टीम ट्रेनिंग शिविर में हिस्सा लेगी। ट्रेनिंग शिविर में हिस्सा लेने के बाद टीम ओसिएक रवाना होगी जहां उसे यूरोपीय चैंपियनशिप (20 मई से छह जून) और फिर संयुक्त आईएसएसएफ विश्व कप (22 जून से तीन जुलाई) में हिस्सा लेना है। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) के अध्यक्ष रानिंदर सिंह ने टीम की रवानगी से ठीक पहले ट्वीट किया, टीम इंडिया 20 मिनट में रवाना होगी। टीम की सफलता के लिए कड़ी मेहनत करो। ओलंपिक के लिए जाने वाले दो स्कीट निशानेबाज अंगद वीर सिंह बाजवा और मेराज अहमद खान इटली में ट्रेनिंग करेंगे। गुरजोत सिंह खांगुरा सहित दो भारतीय निशानेबाजों ने लोनाटो में चल रहे शॉटगन विश्व कप में हिस्सा लिया जहां वे सोमवार को पुरुष स्कीट स्पर्धा के फाइनल में जगह नहीं बना पाए। राष्ट्रीय राइफल टीम की हाई परफोर्मेंस कोच और पूर्व भारतीय निशानेबाज सुमा शिरूर ने रवानगी से पहले ट्वीट किया, भारत माता की जय के साथ हम क्रोएशिया जाने के लिए तैयार हैं। वहां से सीधे तोक्यो 2020 ओलंपिक के लिए रवाना होंगे। कुल मिलाकर 80 दिन। भारतीय निशानेबाजी टीम को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए आपकी दुआओं की जरूरत है। टीम चार्टर्ड विमान में क्रोएशिया रवाना हुई जिसका इंतजाम एनआरएआई ने किया। क्रोएशिया के बाद भारतीय टीम 23 जुलाई से शुरू हो रहे ओलंपिक में हिस्सा लेने के लिए सीधे तोक्यो रवाना होगी। ओसिएक में आईएसएसएफ विश्व कप का आयोजन अजरबेजान के बाकू में 21 जून से दो जुलाई तक होने वाले विश्व कप की जगह किया जा रहा है जिसे देश में कोविड–19 मामलों में इजाफे के बाद रद्द कर दिया गया था। तेरह राइफल और पिस्टल निशानेबाजों के साथ नौ कोच होंगे लेकिन समरेश जंग, जसपाल राणा और रोनक पंडित जैसे कुछ कोच विभिन्न कारणों से टीम के साथ नहीं जा सके। विदेशी राइफल कोच ओलेग मिखाइलोव भी टीम के साथ गए हैं लेकिन लंबे समय से टीम के पिस्टल कोच पावेल स्मिरनोव मंगलवार को रवाना नहीं हो सके क्योंकि उन्हें वीजा नहीं मिला। उनके अगले हफ्ते टीम से जुड़ने की संभावना है। क्रोएशिया में कोविड–19 नियमों के अनुसार ट्रेनिंग शुरू करने से पहले भारतीय दल को अनिवार्य पृथकवास से गुजरना होगा।

भारत में 2022 एएफसी महिला एशियाई कप के क्वालीफाइंग राउंड का ड्रॉ स्थगित

कुआलालंपुर। भारत में होने वाले 2022 एएफसी महिला एशियाई कप फुटबॉल टूर्नामेंट के क्वालीफाइंग दौर का 27 मई को होने वाला ड्रॉ मेजबान देश और महाद्वीप में कोविड–19 के बढ़ते मामलों के कारण मंगलवार को स्थगित कर दिया गया।
एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) ने कहा कि यहां होने वाले ड्रॉ को अगली सूचना तक स्थगित कर दिया गया है। एएफसी ने बयान में कहा, मौजूदा चुनौतियों और इंतजामों को ध्यान में रखते हुए एएफसी सहमत हुआ है कि मेजबान देश के अलावा पूरे महाद्वीप में कोविड–19 के बढ़ते मामलों के कारण सभी टीमों, खिलाड़ियों, अधिकारियों और संबंधित हितधारकों की सुरक्षा को देखते हुए ड्रॉ को स्थगित करना जरूरी है।

कनाडा के अगले दो क्वालीफायर अमेरिका में

वाशिंगटन। कनाडा कोरोना वायरस महामारी के कारण लगे यात्रा प्रतिबंधों की वजह से विश्व कप फुटबॉल क्वालीफायर में अपने अगले दो मैच अमेरिका में खेलेगा। कनाडा को अगला मैच पांच जून को अरूबा से खेलना है जो फ्लोरिडा में खेला जाएगा। कनाडा फुटबॉल संघ ने यह जानकारी दी। इसके आद आठ जून को सूरीनाम के खिलाफ मैच इलिनोइस में होगा। कनाडा उत्तर और मध्य अमेरिका और कैरेबियाई क्षेत्र के ग्रुप बी में शीर्ष पर है। ग्रुप के विजेता का सामना ग्रुप ई की शीर्ष टीम से होगा।

बुमराह ने कोरोना का टीका लगवाया

मुंबई। भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने कोरोना के टीके का पहला डोज लगवा लिया है। बुमराह ने अपनी तस्वीर ट्वीट करके कहा , टीका लग गया। हर कोई सुरक्षित रहे। बुमराह अगले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल और उसके बाद इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम का हिस्सा हैं। इससे पहले छह मई को सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने कोरोना टीके का पहला डोज लगवाया था। उसके बाद कप्तान विराट कोहली, चेतेश्वर पुजारा, अजिंक्य रहाणे, उमेश यादव और ईशांत शर्मा भी टीके लगवा चुके हैं। मुख्य कोच रवि शास्त्री ने मार्च में ही टीका लगवा लिया था।

एमसीसी ने बांस के बल्ले अवैध बताकर खारिज किए

लंदन। एमसीसी ने बांस के बने बल्ले इस्तेमाल करने का सुझाव यह कहकर खारिज कर दिया कि मौजूदा नियमों के तहत यह अवैध है। इसने कहा कि उसके नियमों संबंधी उप समिति की बैठक में इस मसले पर गौर किया जाएगा। कैंब्रिज यूनिवर्सिटी के दर्शील शाह और बेन टिंकलेर डेविस द्वारा किए गए अध्ययन में कहा गया था कि बांस के बने बल्ले किफायती होने के साथ अधिक मजबूत होते हैं। एमसीसी ने कहा , इस समय नियम 5–3–2 कहता है कि बल्ले लकड़ी के ही होने चाहिए। बांस चूंकि घास का एक रूप है तो उसके बल्ले इस्तेमाल करने के लिए नियम में बदलाव करना होगा। शोधकर्ताओं ने पाया कि बांस के बने बल्ले अधिक मजबूत होते हैं और इसमें निचले हिस्से की तरह मुलायम हिस्सा होता है जिससे यॉर्कर पर चौका लगाना आसान होता है।

रूस के स्कूल में गोलीबारी में नौ लोगों की मौत, संदिग्ध गिरफ्तार : रूसी गवर्नर

मास्को। रूस के कजान शहर में एक बंदूकधारी ने मंगलवार की सुबह एक स्कूल पर हमला कर दिया, जिसमें एक शिक्षक एवं आठवीं कक्षा के सात छात्रों समेत नौ लोगों की मौत हो गई जबकि 21 अन्य घायल हो गए जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक रूसी अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि मरने वालों में स्कूल का एक अन्य कर्मचारी शामिल है। रूसी मीडिया में जारी वीडियो फुटेज में दिखाया गया है कि श्वेत श्याम ड्रेस में बच्चे स्कूल की इमारत से बाहर भाग रहे हैं। एक अन्य वीडियो में टूटी खिड़कियां और धुआं दिख रहा है जबकि बंदूक चलने की आवाज सुनाई दे रही है। हमले के बाद दर्जनों एम्बुलेंस मौके पर पहुंच गई और पुलिस ने इमारत को चारों तरफ से घेर लिया।रूसी मीडिया ने खबर दी है कि हमले के दौरान कुछ छात्र स्कूल की इमारत से भाग निकले जबकि गोलीबारी के दौरान अन्य छात्र स्कूल के अंदर फंस गए। अंतत: सभी छात्र–छात्राओं को वहां से निकाल लिया गया और बाद में वे अपने अपने परिवारवालों के साथ घर चले गए। अधिकारियों ने कहा कि हमलावर को गिरफ्तार कर लिया गया है और पुलिस ने मामले में आपराधिक जांच शुरू की है। मास्को से करीब 700 किलोमीटर दूर स्थित कजान में अधिकारियों ने सुरक्षा के अतिरिक्त प्रबंध किए

अमेरिकी सांसद ने बाइडन से भारत को और मदद मुहैया कराने का अनुरोध किया

वाशिंगटन। अमेरिकी सांसद हेली स्टीवंस ने अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन को पत्र लिखकर अनुरोध किया कि वह कोविड–19 महामारी की भयावह दूसरी लहर का सामना कर रहे भारत को और अधिक सीधी सहायता मुहैया करवाएं। स्टीवंस ने पत्र में लिखा, बीते हफ्ते भारत में कोरोना वायरस के प्रतिदिन 4,00,000 से अधिक मामले सामने आए। मामलों में तेजी से हुई वृद्धि के कारण वहां की स्वास्थ्य प्रणाली पर बहुत भार पड़ा, अस्पताल मरीजों से भरे पड़े हैं और ऑक्सीजन की कमी है। ऑक्सीजन, उपचार व्यवस्था एवं टीकों की बहुत आवश्यकता है। भारत को 10 करोड़ डॉलर से अधिक की सहायता पहुंचाने के लिए बाइडन का आभार जताते हुए स्टीवंस ने व्हाइट हाउस से भारत के अस्पतालों में और अधिक ऑक्सीजन सिलेंडर, ऑक्सीजन सांद्रक, ऑक्सीजन संयंत्र, रेमडेसिविर, टोसिलिजुमैब और वेंटिलेटर भेजने का अनुरोध किया।

कोरोना के चलते जापान में ओलंपिके मशाल को स्टेडियम से हटाया गया।

हमास पर इजराइली हमला, बच्चों समेत 26 की मौत

भाषा। गाजा सिटी (गाजा पट्टी)

हमले एक इमारत को ध्वस्त किया गया, राकेट से हुआ हमला (इनसेट में)

इजराइल ने मंगलवार को गाजा पर हवाई हमले कर दो बहुमंजिला इमारतों को निशाना बनाया जिनके बारे में उसका मानना था कि वहां उग्रवादी छिपे थे वहीं हमास और अन्य सशस्त्र समूहों ने दक्षिणी इजराइल पर सैकड़ों रॉकेट दागे। यरूशलम में हफ्तों के तनाव के बाद यह झड़प हुई हैं। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि सोमवार शाम से शुरू हुई झड़प में नौ बच्चों और एक महिला समेत 26 फलस्तीनियों की मौत हुई है। अधिकतर मौत हवाई हमलों से हुई।
इजराइली सेना ने कहा कि मरने वालों में कम से कम 16 उग्रवादी थी। इसी अवधि के दौरान गाजा स्थित उग्रवादियों ने इजराइल की तरफ सैकड़ों रॉकेट दागे जिसमें दो नागरिकों की मौत हो गई जबकि 10 अन्य घायल हो गए। इजराइली सेना के मुताबिक उसने गाजा में उग्रवादी संगठन इस्लामिक जिहाद के एक वरिष्ठ कमांडर को मार दिया है। उसने कहा कि मारे गए आतंकी कमांडर की पहचान समीह–अल–मामलुक के तौर पर हुई है जो इस्लामिक जिहाद की रॉकेट इकाई का प्रमुख था। सेना ने कहा कि हमले में उग्रवादी संगठन के अन्य वरिष्ठ उग्रवादी भी मारे गए हैं। इस्लामिक जिहाद ने गाजा सिटी में एक अपार्टमेंट पर हुए हवाई हमले में तीन लोगों की मौत की पुष्टि की है जो उसकी सशस्त्र शाखा के वरिष्ठ सदस्य थे। उग्रवादी संगठन ने बदला लेने की बात कही है। वहीं तनाव के और बढ़ने का संकेत देते हुए इजराइल ने सैन्य अभियान का दायरा बढ़ाने की बात कही है। वह गाजा सीमा पर अपने सैनिकों की संख्या बढ़ा रही है और रक्षा मंत्री ने 5000 आरक्षित सैनिकों को वहां भेजने का आदेश दिया है। इस बीच एक सकारात्मक संकेत है। अधिकारियों के मुताबिक मिस्र संघर्ष विराम के लिए काम कर रहा है। रात में हुए रॉकेट व हवाई हमले से पहले फलस्तीनियों और इजराइल के सुरक्षा बलों के बीच घंटों झड़प होती रही।

तनाव बढ़ने के बीच इजराइल ने और सैनिकों की तैनाती के आदेश दिए

गाजा सिटी (गाजा पट्टी)। इजराइली सेना ने एक बयान में कहा कि चीफ ऑफ स्टाफ ने देश के दक्षिण मे सैनिको की संख्या बढ़ाने का आदेश दिया है क्योंकि गाजा मे तनाव लगातार दूसरे दिन भी बना हुआ है। इस बीच इजराइली के रक्षा मंत्री बेन्नी गांट्ज ने मौजूदा अभियान को विस्तार देने और घरेलू मोर्चे की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए 5000 आरक्षित सैनिको की तैनाती का आदेश दिया है।

झड़प यरुशलम की अल–अक्सा मस्जिद परिसर में भी हुई जिसे यहूदी और मुसलमान दोनों पवित्र मानते हैं। बढ़ती अशांति के संकेतों के बीच इजराइल में अरब समुदाय के सैकड़ों लोगों ने फलस्तीन के खिलाफ इजराइली बलों की हालिया कार्वाई की निंदा करते हुए प्रदर्शन किया।

अमेरिकी जहाज ने चेतावनी देने के लिए ईरानी नौकाओं पर गोलियां चलाईं

वाशिंगटन। फारस की खाड़ी के होरमुज जलडमरूमध्य में अमेरिकी नौसेना के पोत की ओर बढ़ने वाली 13 ईरानी नौकाओं को रोकने के लिए अमेरिकी तटरक्षक के एक जहाज से चेतावनी देने के इरादे से दो बार गोलियां चलाई गईं। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय पेंटागन ने इसे ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर की नौसेना का असुरक्षित और गैरपेशेवर रवैया बताया है। दो सप्ताह में यह दूसरी बार है जब अमेरिकी जहाज ने ईरान के अर्द्धसैनिक रिवोल्यूशनरी गार्ड के जहाज को चेतावनी देने के लिए गोलियां दागीं। यह घटना ऐसे वक्त में हुई है जब अमेरिका ने 2015 के परमाणु समझौते पर विएना में ईरान के साथ अप्रत्यक्ष बातचीत शुरू की। अमेरिका 2018 में इस समझौते से हट गया था।

सेवा ने भारत के लिए 60 लाख डॉलर से अधिक खर्च किया

ह्यूस्टन। गैर लाभकारी संगठन सेवा इंटरनेशनल ने कहा है कि संस्था ने अपने हेल्प इंडिया डिफीट कोविड-19 अभियान के तहत जीवनरक्षक उपकरणों को खरीदने के लिए पिछले दो सप्ताह मे 60 लाख डॉलर से अधिक राशि खर्च की है। संस्था ने एक बयान मे बताया कि इन उपकरणो को सात मई को न्यूयॉर्क से भारत भेजा गया। इनमे 260 ऑक्सीजन सांद्रक,1,000 ऑक्सीमीटर और नौ बाईलेवल पॉजिटिव एयरवे प्रेशर मशीनें शामिल है। गैर लाभकारी संगठन मेडशेयर ने ए सांद्रक दान किए है। मेडशेयर जरूरत मे समुदायो को अतिरिक्त चिकित्सकीय सामग्री और उपकरण मुहैया कराता है।

अमेरिका में अब 12 से 15 साल तक के बच्चों को लगेगा फाइजर का टीका

वाशिंगटन। अमेरिका के नियामको ने 12 से 15 साल तक की उम्र के बच्चों को फाइजर का कोविड-19 रोधी टीका लगाने का फैसला किया है, ताकि स्कूल वापस जाने पर वे सुरक्षित हो और उनकी सामान्य गतिविधियां भी शुरू हो सकें। संघीय टीका सलाहकार समिति के 12 से 15 वर्ष के बच्चो को टीके की दो खुराक लगाने की सिफारिश करने के बाद, बृहस्पतिवार से बच्चो का टीकाकरण शुरू किया जा सकता है। इसकी घोषणा बुधवार को किए जाने की संभावना है।

म्यांमा में सैन्य तख्तापलट के 100 दिन, जुंटा के पास नाम का नियंत्रण

बैंकाक। फरवरी में सेना द्वारा आंग सांग सू ची की लोकतांत्रिक रूप से चुनी हुई सरकार को बर्खास्त कर सत्ता अपने हाथ में लेने के बाद से सैन्य शासक देश में ट्रेनों को समय पर नही चलवा पाए, क्योंकि रेलकर्मी सैन्य तख्तापलट के विरोध में एकजुट होने वाले शुरुआती लोगों में शामिल थे और वे हड़ताल पर चले गए।

भारत–ब्रिटेन के बीच बेहतर हुआ है प्रत्यर्पण संबंध : मंत्री प्रीति पटेल

भाषा। लंदन

ब्रिटेन की गृह मंत्री प्रीति पटेल ने कहा कि भारत–ब्रिटेन आवर्जन एवं गतिशीलता साझेदारी (एमएमपी) के तहत आव्रजन और प्रत्यर्पण सहित सभी मुद्दे आएंगे और इससे दोनों देशों के पेशेवर लोगों और छात्रों को लाभ होगा। किंगफिशर एयरलाइंस के पूर्व प्रमुख विजय माल्या और भगोड़ा हीरा व्यापाी नीरव मोदी सहित भारत के चर्चित प्रत्यर्पण मामलों के संदर्भ में भारतीय मूल की कैबिनेट मंत्री ने यह स्वीकार किया कि अतीत में कुछ निराशा रही है। लेकिन साथ ही उन्होंने इसपर जोर दिया कि ब्रिटेन के गृह मंत्री के रूप में उनके कार्यकाल में दोनों देशों के बीच प्रत्यर्पण समन्वय बेहतर हो गया है और मूल रूप से उसमें ना सिर्फ बदलाव हुआ है बल्कि वह बेहतर हुआ है। सोमवार को एक साक्षात्कार में पटेल ने पीटीआई को बताया, मुझे पूरे मामले की जानकारी है और आर्थिक अपराधियों के सिलसिले में यह मुश्किल मामला है।

क्वॉड में शामिल होने को लेकर चीन की बांग्लादेश को चेतावनी

ढाका। चीन ने बांग्लादेश को अमेरिका नीत क्वॉड गठबंधन मे शामिल होने को लेकर आगाह करते हुए कहा है कि ढाका के इस बीजिंग विरोधी क्लब का हिस्सा बनने पर द्विपक्षीय संबंधों को भारी नुकसान होगा। चीन के रक्षा मंत्री जनरल वेई फेंग की यात्रा के बाद बांग्लादेश मे चीन के राजदूत ली जिमिंग की यह अप्रत्याशित चेतावनी सामने आई है।

चीन की जनसंख्या बढ़कर 1.41178 अरब, 2022 में घटने का अनुमान

भाषा। बीजिंग

चीन की आबादी 2019 की तुलना में 0.53 प्रतिशत बढ़कर 1.41178 अरब हो गई है। 2019 में आबादी 1.4 अरब थी। हालांकि इसके अगले साल की शुरुआत से घटने का अनुमान है। चीन की सरकार की तरफ से मंगलवार को जारी की गई सातवीं राष्ट्रीय जनसंख्या जनगणना के अनुसार, चीन के सभी 31 प्रांत, स्वायत्त क्षेत्र और नगरपालिका की आबादी 1.41178 अरब थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो (एनबीएस) के अनुसार, नई जनगणना के आंकड़ों से पता चलता है कि चीन जिस संकट का सामना कर रहा था, उसके और गहराने की उम्मीद है, क्योंकि देश में 60 वर्ष से अधिक लोगों की आबादी बढ़कर 26.4 करोड़ हो गई है। एनबीएस ने एक बयान में कहा कि जनसंख्या औसत आयु बढ़ने से दीर्घकालिक संतुलित विकास पर दबाव बढ़ेगा।

ट्रेंड ब्लेजर

शरमन जोशी ने कहा, मैं आज भी बाहरी हूं

अभिनेता शरमन जोशी ने बॉलीवुड में दो दशकों से अधिक समय तक काम किया है। जबकि वह समझता है कि फिल्म उद्योग और कनेक्शन कैसे काम करते हैं, वह कहता है कि वह अभी भी एक बाहरी व्यक्ति की तरह महसूस करता है और खुद को बॉलीवुड के स्टार परिवार से जुड़े नहीं होने के लिए खेद महसूस करता है।

''मैं समझता हूं कि कुछ पीढ़ियों के परिवारों की एक निश्चित एकाधिकार है जो व्यवसाय में हैं, और कल मेरे बच्चे करेंगे।''

सत्य वचन

अमित सियाल

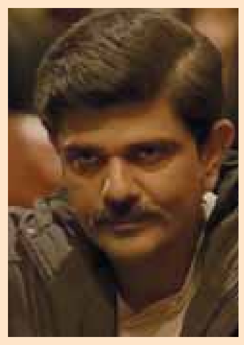

मैं सुनिश्चित करने के लिए कोई पुलिस भूमिका नहीं लेना चाहता। मैं वास्तव में तीव्र भूमिका निभाने में कटौती करना चाहता हूं क्योंकि यह मेरे सिर के साथ खेलना शुरू कर रहा है। मैं हल्की भूमिकाएं करना चाहता हूं, आम आदमी भूमिकाएं ... यहां तक ?क एक अंधेरे कॉमेडी भी करूंगा। अभिनेता हर चीज में रूढ़ हो जाते हैं। यह आपकी जिम्मेदारी है कि इससे कैसे बाहर निकला जाए। आपको अपने बारे में सोचने की जरूरत है, कोई और नहीं।

दैनिक काल

विशाल मिश्रा

मुझे लगता है कि वे कलाकार जो लगातार संगीत लिख रहे हैं, वीडियो डाल रहे हैं और पिछले एक साल से घर पर रहकर सभी का मनोरंजन कर रहे हैं, वे भी फ्रंटलाइन वर्कर्स की तरह काम कर रहे हैं। फ्रंटलाइन कार्यकर्ता हैं। हमारे दर्शकों को कभी नहीं पता होता है कि गाना गाते समय हम किस मानसिक स्थिति से गुजर रहे हैं लेकिन जो चीज हमें चलती रहती है वह उनका प्यार है।

मैं अपने बच्चों के साथ खुश हूं : जोली

अभिनेत्री एंजेलिना जोली ने कहा कि वह अपने बच्चों के लिए हमेशा बहुत गर्म और कोमल होना सुनिश्चित करती हैं।

उन्होंने कहा कि यह कुछ ऐसा है जो उन्होंने अपनी दिवंगत मां मार्चेलाइन बर्ट्रेंड से सीखा है।

उसने कहा, ''मेरी मां बहुत कोमल थी। मैं अपने काम और अपने जीवन में बहुत सी चीजें कर सकता हूं, लेकिन मैं अपने बच्चों के साथ बहुत गर्म और सौम्य हूं। यह दया और गर्मजोशी एक नींव है जो अविश्वसनीय रूप से महत्वपूर्ण है।''

ईद पर राधे रिलीज कर प्रशंसकों से किया वादा पूरा करेंगे सलमान

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान ने अपने प्रशंसकों से किया वादा पूरा करते हुए देश के कोविड-19 की दूसरी लहर की चपेट में होने के बावजूद अपनी फिल्म राधे : यॉर मॉस्टवॉन्टेड भाई को ईद पर रिलीज करने का फैसला किया है।

सलमान ने जूम राउंडटेबल साक्षात्कार में सोमवार रात कहा कि जिन लोगों ने फिल्म मैंने प्यार किया देखी है, वे उनसे प्यार करते हैं और अब उनके बच्चे भी उनसे प्यार करते हैं।

मुंबई से उन्होंने कहा, मैं काफी खुशकिस्मत तथा कृतज्ञ हूं कि मेरे प्रशंसक बेहद वफादार हैं। दादा-दादी से माता-पिता... माता-पिता से नाती-पोते हर आयुवर्ग में मेरे प्रशंसक हैं।

अभिनेता की फिल्म 13 मई को ओटीटी मंच डीटीएच पर प्रसारित की जाएगी। फिल्म में सलमान मुंबई में मादक पदार्थों के गिरोह से निपटने वाले एक एनकाउंटर विशेषज्ञ की भूमिका निभा रहे हैं।

फिल्म के सलमान की 2009 में आई फिल्म वॉन्टेड का सीक्वल होने की अटकलों पर सलमान ने स्पष्ट किया कि यह एक नई कहानी और केवल किरदार का नाम एक है तथा वह भी अपने किए वादे पूरे करता है। साथ ही सलमान ने वक्त के साथ-साथ एक्शन के और चुनौतीपूर्ण होने की बात भी कही। उन्होंने कहा, मुझे पता नहीं कि एक्शन ज्यादा चुनौतीपूर्ण हो गया है या मेरे लिए यह चुनौतीपूर्ण हो गया है। लेकिन मैं अब भी इसे कर रहा हूं।

मुझे लगता है कि आप जब तक एक्शन कर सकते हैं तब तक आप रोमांस कर सकते हैं। लोगों को एक्शन और रोमांस देखना पसंद है और मैं वहीं करने की कोशिश कर रहा हूं। फिल्म में सलमान के अलावा दिशा पटानी, रणदीप हुड्डा, जैकी श्रॉफ और गौतम गुलाटी भी नजर आएंगे।

कोरोना वायरस से फैली महामारी समाप्त होने का कर रहे इंतजार

नई दिल्ली। बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने सोमवार को कहा कि देश में कोरोना वायरस महामारी समाप्त होने और लोगों के लिए सिनेमाघरों में जाना सुरक्षित होने के बाद ही उनकी फिल्म राधे: योर मोस्ट वांटेड भाई थिएटरों में रिलीज की जाएगी। प्रभुदेवा के निर्देशन में बनी यह फिल्म ईद के मौके पर 13 मई को ओटीटी और डीटीएच सेवाओं समेत विभिन्न मंचों पर उपलब्ध होगी। इस फिल्म में दिशा पटानी, रणदीप हुड्डा, जैकी श्राफ ने भूमिका निभाई है। सलमान खान ने मुम्बई में साक्षात्कार में संवाददाताओं से कहा, यह फिल्म ईद पर आ रही है और आपको इसे घर पर देखने का मौका मिलेगा और जब कोरोना चला जाएगा तब हम इसे सिनेमाघरों में रिलीज करेंगे।

कोविड-19 संबंधी राहत कार्यों के लिए दिए 15 करोड़ : अमिताभ बच्चन

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन ने कहा है कि उन्होंने कोविड-19 महामारी के खिलाफ देश की लड़ाई में अब तक कम से कम 15 करोड़ रुपए दान दिए हैं और यदि आवश्यकता पड़ती है तो वह अपने निजी कोष में से और योगदान देने से भी पीछे नहीं हटेंगे। बच्चन ने ब्लॉग में अपने परोपकारी कार्य की यह ताजा जानकारी साझा की है।

अभिनेता ने योगदान का विवरण साझा कर अपने उन विरोधियों को जवाब दिया है जो सोशल मीडिया पर देश में जारी स्वास्थ्य संकट के समय में मशहूर हस्तियों द्वारा सहायता नहीं किए जाने का आरोप लगा रहे थे। रविवार रात को दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के अध्यक्ष मनजिंदर सिंह सिरसा ने ट्वीट कर बताया था कि नई दिल्ली के गुरुद्वारा रकाबगंज में श्रीगुरु तेग बहादुर कोविड देखभाल केंद्र के लिए अमिताभ बच्चन ने दो करोड़ रुपए दान दिए हैं।

78 वर्षीय अभिनेता ने सोमवार रात को अपने ब्लॉग पर लिखा, वायरस के खिलाफ इस लड़ाई में कई लोगों ने योगदान दिया है और यह जारी रहेगा... फिलहाल मेरे द्वारा दिल्ली में एक कोविड देखभाल केंद्र को दो करोड़ रुपए दान किए जाने की जानकारी अधिक सुनाई दे रही हैं। हालांकि, समय गुजरने के साथ ही मेरे निजी योगदान एवं दान का आंकड़ा करीब 15 करोड़ रुपए होगा। उन्होंने कहा, बेशक ए आंकड़े मेरी क्षमता से परे हैं लेकिन मैंने कार्य एवं श्रम किया और अपनी कमाई में से ऐसे जरूरतमंद लोगों को सहायता पहुंचाई जिन्हें इसकी सबसे ज्यादा आवश्यकता थी और ईश्वर की कृपा से यह राशि देने में समर्थ हो सका। बच्चन ने कहा कि उनके परोपकारी कार्यों का मकसद इनका ढींढोरा पीटना नहीं था। मशहूर अभिनेता ने कहा, अगर मैं अपने निजी कोष में से और भी अधिक योगदान देने लायक हुआ तो मैं इसमें हिचकिचाऊंगा नहीं।

यहां कई ऐसे साथी और मित्र हैं जोकि वित्तीय रूप से मुश्किल समय से गुजरे हैं... उन्हें भी वित्तीय सहायता देकर परेशानी के भंवर से निकालने का प्रयास किया। उन्होंने लिखा, यह सब कुछ अन्य लोगों को भी आगे आने और दान करने को प्रोत्साहित कर सकता है। अमिताभ बच्चन ने कहा कि रकाबगंज साहिब में बना केंद्र जल्द ही इसस मुश्किल समय में राहत प्रदान करने में सक्षम होगा। बच्चन ने कहा कि उनके द्वारा विदेशों से खरीदे गए 20 वेंटिलेटर पहुंचने लगे हैं। 10 वेंटिलेटर की पहली खेप मुंबई पहुंच चुकी है और सीमा शुल्क विभाग की निकास अनुमति का इंतजार है। उन्होंने कहा, बुधवार तक इन वेंटिलेटर की आपूर्ति कर दी जाएगी। इनमें से कम से कम चार उन निगम अस्पतालों को दिए जाएंगे, जिन्हें मैंने चिन्हित किया है। बाकी छह में से कम से कम चार वेंटिलेटर बृहन्मुंबई महानगर पालिका समिति को सौंपे जाएंगे।

बाकी के 10 वेंटिलेटर भी 25 मई तक भारत पहुंच रहे हैं और इन्हें भी मेरे द्वारा निर्धारित अलग-अलग जगहों के अस्पतालों को वितरित किया जाएगा। अभिनेता ने ऑक्सीजन सांद्रक भी विदेशी कंपनियों से खरीदे हैं जिनकी आपूर्ति जल्द होगी। कोविड महामारी की चपेट में आने के चलते अपने माता-पिता को खोने वाले बच्चों की शिक्षा एवं पालन-पोषण की जिम्मेदारी लेने वाले बच्चन ने हैदराबाद के एक अनाथालय से संपर्क किया है। अमिताभा बच्चन ने महामारी के संकट काल में किए गए अन्य परोपकारी कार्यों का भी जिक्र अपने ब्लॉग में किया।

टेलीविजन अभिनेता रवि दुबे कोरोना वायरस से संक्रमित

मुंबई। मशहूर टेलीविजन अभिनेता रवि दुबे कोरोना वायरस से संक्रमित हैं और पृथक-वास में रह रहे हैं। अभिनेता (37) ने इंस्टाग्राम पर सोमवार रात यह जानकारी दी और उनके सम्पर्क में आए सभी लोगों को एहतियात बरतने को भी कहा। उन्होंने लिखा, अभी रिपोर्ट मिली है और मैं कोरोना वायरस से संक्रमित हूं, पिछले कुछ दिनों में मेरे सम्पर्क में आए सभी लोग अपना ध्यान रखें... मैं पृथक रह रहा हूं और मेरे प्रियजन मेरा ध्यान रख रहे हैं। अभिनेता ने लिखा, सुरक्षित एवं सकारात्मक रहें। राज्य के स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, मुंबई में सोमवार को 1,782 नए मामले सामने आने के बाद शहर में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 6,77,412 हो गई। यहां संक्रमण से अभी तक कुल 13,855 लोगों की मौत हुई है।

कोरोना से लेखक-अभिनेता मदम्पु कुंजुकुट्टन की मौत

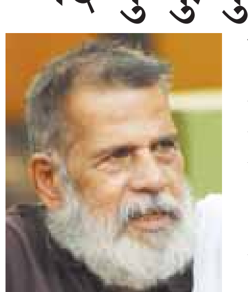

त्रिशूर (केरल)। लोकप्रिय उपन्यासकार, अभिनेता और पटकथा लेखक मदम्पु शंकरन नम्बूदरी उर्फ मदम्पु कुंजुकुट्टन की यहां निजी अस्पताल में कोरोना वायरस संक्रमण से मंगलवार को मृत्यु हो गई। वह 84 वर्ष के थे। सूत्रों ने बताया कि बुखार और सांस लेने में परेशानी होने के बाद लेखक को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उनके संक्रमित होने की पुष्टि हुई। अपने पाठकों और फिल्मी दुनिया में मदम्पु नाम से लोकप्रिय कुंजुकुट्टन ने 10 से ज्यादा उपन्यास और पांच पटकथाएं लिखीं। अभिनेता के रूप में पैथ्रीकम , वडाक्कुन्नाथन , करुनम , देशदानम आदि में उनकी यादगार भूमिकाएं हैं। उन्होंने कई बेहतरीन फिल्मों के लिए पटकथा भी लिखी।

मिशन मजनू में रश्मिका मंदाना

मिशन मजनू टीम ने अभिनेत्री रश्मिका मंदाना को भूमिका के लिए पहली और सबसे अच्छी पसंद बनाया।

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना जल्द ही बॉलीवुड में शुरुआत करते हुए अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ नजर आएंगी। मिशन मजनू जासूसी थ्रिलर में उनका पहला मंच है, फिर भी टीम ने सर्वसम्मति से महसूस किया कि वह फिल्म के लिए उनकी पहली और सर्वश्रेष्ठ पसंद थी।

''जब हम रश्मिका के कुछ कामों का जिक्र करते थे, तो हम एक नए चेहरे के साथ एक शानदार अभिनेता की तलाश में थे। मैं प्रिय कॉमरेड में उनकी बारीकियों से प्रभावित था। हमने महसूस किया कि महत्वपूर्ण भूमिका के लिए उसके पास निर्दोषता और सुंदरता का सही मिश्रण था, जिसे चरित्र की संवेदनशील व्याख्या की आवश्यकता थी। मुझे लगता है कि बहुत अच्छा मौका है कि भारतीय दर्शक दक्षिण से एक और फिल्म स्टार की खोज करेंगे'', यह कहना है मिशन मजनू के निदेशक शांतनु बाग्ची का। प्रमुख विज्ञापन फिल्म निर्माता आगामी फिल्म के साथ अपना निर्देशन कर रहे हैं।

निर्माता अमर बुटाला ने भी रश्मिका के लिए अपनी प्रशंसा व्यक्त की, ''उसके साथ मेरी पहली बातचीत लॉकडाउन के दौरान जूम कॉल के दौरान हुई जब हमने मिशन मजनू की पटकथा सुनाई। यह देखना उल्लेखनीय था कि कैसे उसने अपने चरित्र की हर बारीकियों को उठाया, भले ही हम एक वीडियो कॉल पर थे। यह उसके साथ काम करने में खुशी की बात है क्योंकि न केवल वह अपने साथ एक बड़े फिल्म स्टार के लिए एक ठोस अनुभव और आत्मविश्वास लाता है, बल्कि एक नवागंतुक की ईमानदार ऊर्जा भी है।''

निर्माता गरिमा मेहता ने कहा, ''रश्मिका में जो पहली चीज आप देख रहे हैं, वह उसकी चकाचौंध भरी मुस्कान, सरासर ऊर्जा और आकर्षण है जिसे वह पसंद करती है। अपनी पहली फिल्म किरिक पार्टी, बाद में गीता गोविंदम और डियर कॉमरेड के बाद से, वह एक असाधारण अभिनेता के रूप में विकसित हुई हैं। हमें यकीन था कि वह फिल्म में अपनी भूमिका को जीवंत करेगी। मिशन मजनू में रश्मिका और सिद्धार्थ ने ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री साझा की है और निश्चित रूप से उनके प्रशंसक आधार से प्यार करेंगे।''

अभिनेत्री के त्रुटिहीन काम ने दर्शकों को खौफ में नहीं छोड़ा बल्कि निर्माता और निर्देशकों की एक टीम के रूप में अच्छी तरह से बर्बाद कर दिया, जिसने उन्हें फिल्म के लिए बोर्ड पर लाने के लिए कोई समय बर्बाद नहीं किया। मिशन मजनू के अलावा, रश्मिका की पाइपलाइन में एक और बॉलीवुड फिल्म है, अमिताभ बच्चन के साथ अलविदा। वह इस साल के अंत में अल्लू अर्जुन के साथ पुष्पा नामक तेलुगु एक्शन थ्रिलर में भी अभिनय करेंगी।

वृद्धावस्था में कुछ अलग करेंगी कुबरा

सेक्रेड गेम्स की अभिनेत्री कुब्रा सैट का कहना है कि अपने साठ या सत्तर के दशक में, वह एक छोटे से घर को पसंद करेंगे, जिसमें थोड़ा सा बगीचा हो सकता है, जिसमें शायद कैबेज बढ़ रहा हो।''ओह, हां, अगर यह समुद्र तट का सामना करता है, तो यह आश्चर्यजनक होगा'', कहना है कुबरा का।

कलाकार, जिसने अभिनय के लिए एक सफल कॉर्पोरेट कैरियर को पीछे छोड़ दिया, ने हाल ही में ऑड 3 में माई 3 सीक्रेट टू सक्सेस ऑडियो शृंखला को प्रदर्शित किया।

एक सवाल का जवाब देते हुए कि उसे 60 या 70 के दशक में कैसा दिखना चाहिए, वह आगे कहती हैं, ''इसलिए, सांस लेने के लिए कुछ साफ हवा, पढ़ने के लिए एक किताब और शायद मेरी उंगलियां उससे जुड़ी रहना चाहती है जो मैं पसंद करती हूं। मुझे लगता है कि मेरे लिए एक आदर्श 60-70 की अवस्था होगी। हम हर दिन पीछा नहीं कर रहे हैं मुझे नहीं लगता कि मैं आज भी पीछा कर रहा हूं। मैं उन अवसरों के बारे में सोच रहा हूं जो इस समय मेरे पास आते हैं, लेकिन अब कोई पीछा नहीं है, और मुझे लगता है कि यदि आप चीजों का पीछा करना बंद कर देते हैं, तो आप स्वचालित रूप से शांति के एक बिंदु पर पहुंच जाते हैं और यह पीछा से सुन्न होने से बहुत अलग है।

काम के मोर्चे पर, कुबबरा ने फाउंडेशन के बारे में अपनी उत्तेजना साझा की, जो इस वर्ष रिलीज़ होने वाली है। वह कहती हैं, ''मुझे लगता है कि एक एकमात्र परियोजना जो मैंने लगभग डेढ़ साल में पूरी की है, और वह बहुत मूल्यवान है।''

वो आगे कहती हैं : ''मुझे नहीं लगता कि आज आपकी मुद्रा पैसा है। आपकी मुद्रा समय है। इसलिए अगर मैं उस मानसिक अवरोध को तोड़ने और उस परियोजना में समय बिताने में सक्षम हूं जिस पर मुझे विश्वास है, तो मुझे लगता है कि यह बहुत अच्छा भुगतान करने वाला है और मैं इसके बारे में काफी उत्साहित हूं। इसके अलावा, मुझे प्रक्रिया में तीन कार्य परियोजनाएं मिलीं और जब उन्हें बोध हुआ, तो मैं उन्हें आपके साथ साझा करूंगी। लेकिन अन्यथा मैं यह कह सकता हूं कि, मुझे एक किताब आ रही है, मुझे एक शो आ रहा है, मैं इस श्रव्य पॉडकास्ट में शामिल हूं।'' अंत में, जेन मोड के बारे में बोलते हुए : ''मैं जेन राज्य में एकांत की स्थिति में हूं। मैं वह व्यक्ति हूं, और यह आपको भूत, वर्तमान और भविष्य को पहचानने की अनुमति देता है। मुझे लगता है कि जेन की स्थिति में होना बहुत महत्वपूर्ण है ताकि आप भविष्य को समाप्त करने की अनुमति दे सकें। काफी रोमांचक है। तो, मुझे व्यस्त रखने के लिए, मेरे जेन मुझे व्यस्त रख रहे हैं।